EDU TERIA

करेंट

कॉन्सेप्ट

दिसंबर 2025

विषय सूची

1. राष्ट्रीय घटनाक्रम...1-13

1.1. सुजलाम भारत शिखर सम्मेलन
1.2. एशिया की सबसे ऊंची भगवान राम की मूर्ति का अनावरण
1.3. 60वां अखिल भारतीय पुलिस महानिदेशक (DGP) और महानिरीक्षक (IGP) सम्मेलन
1.4. "इम्पैक्ट राइज पहल" (Impact Rise Initiative)
1.5. 'रायथन्ना मीकोसम' पहल
1.6. आंध्र प्रदेश में तीन नए जिलों के गठन को मंजूरी
1.7. शैक्षणिक सत्र 2025-26 से CBSE ने 6-8 कक्षाओं के लिए कौशल शिक्षा को अनिवार्य किया
1.8. दिल्ली का इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा (IGIA) भारत का पहला "वॉटर पॉजिटिव" दर्जा प्राप्त हवाई अड्डा
1.9. 7वाँ भारत अंतर्राष्ट्रीय समुद्री एसोसिएशन एक्सपो और शिखर सम्मेलन-2026
1.10. भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (IISF) 2025
1.11. कृषि क्षेत्र में सौर ऊर्जा के इस्तेमाल में महाराष्ट्र देश में शीर्ष पर
1.12. 'प्रसाद' योजना
1.13 विश्व का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू विमानन बाजार बना भारत
1.14. इंडिगो संकट
1.15 SIR के तहत् 100 प्रतिशत डिजिटाइजेशन करने वाला पहला राज्य बना राजस्थान
1.16 असम ने पूर्व सैनिकों के सम्मान में सैनिक तुझे सलाम पहल को लांच किया
1.17. IIT मद्रास और IndiaAI मिशन द्वारा संयुक्त रूप से चेन्नई में 'ग्लोबल AI कॉन्क्लेव 2025' की मेज़बानी
1.18 वाराणसी में देश का पहला स्वदेशी हाइड्रोजन ईंधन से चालित जलयान का शुभारंभ
1.19. डीपफेक विधेयक
1.20. सुजलाम भारत ऐप
1.21. भारत की पहली जीरो एमिशन इलेक्ट्रिक टग प्रोजेक्ट का उद्घाटन
1.22. राइट टू डिस्कनेक्ट बिल 2025
1.23. जनगणना 2027 के लिए ₹11,718.24 करोड़ के बजट को आधिकारिक मंजूरी
1.24. "CoalSETU विंडो"
1.25. 'कर्नाटक घृणास्पद भाषण और घृणा अपराध (रोकथाम) विधेयक, 2025'
1.26. दिल्ली में गठित होंगे दो नए जिले
1.27. 'जल शक्ति हैकाथॉन-2025' और भारत-विन पोर्टल का शुभारंभ
1.28. उत्तर प्रदेश किसानों के लिए कार्बन क्रेडिट योजना लागू करने वाला पहला राज्य बना
1.29. ECI ने मतदाता सूची के SIR की निगरानी के लिए 8 प्रमुख राज्यों में विशेष रोल पर्यवेक्षक तैनात किए
1.30. EARTH समिट 2025
1.31. शांति विधेयक 2025 (SHANTI Bill 2025)
1.32. देहरादून में 47वां अखिल भारतीय जनसंपर्क सम्मेलन
1.33. 'निरसन और संशोधन विधेयक, 2025' (Repealing and Amending Bill, 2025)
1.34. गुवाहाटी में भारत का पहला नेचर थीम वाला एयरपोर्ट टर्मिनल
1.35. मेघालय का 'ग्रीन डिपॉजिट' (Green Deposit) पहल
1.36. झारखंड प्लेटफॉर्म आधारित गिग श्रमिक (निबंधन और कल्याण) विधेयक, 2025'
1.37. लोथल में राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर (NMHC) के विकास के लिए भारत-नीदरलैंड के मध्य समझौता
1.38. आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में 'पेसा महोत्सव 2025'
1.39. राष्ट्रीय घटनाक्रम (To The Point)

2. बिहार स्पेशल घटनाक्रम..14-19

2.1. डॉ. प्रेम कुमार, बिहार विधानसभा के अध्यक्ष चयनित हुए
2.2. बिहार सरकार का मुख्यमंत्री भारत दर्शन योजना
2.3. बरैला झील
2.4. पटना के फतुहा में फिनटेक सिटी (Fintech City) विकसित करेगी बिहार सरकार
2.5. बिहार में 100 फास्ट ट्रैक अदालतों का होगा गठन
2.6 मादा ग्रेबैग गूज
2.7 बिहार के सीवान, बांका और रजौली में न्यूक्लियर पावर प्लांट लगाने के लिए केंद्र द्वारा सर्वे शुरू
2.8. बिहार में अभया बिग्रेड पुलिस यूनिट के गठन की घोषणा
2.9. बिहार, मशरूम उत्पादन में देश का अग्रणी राज्य
2.10. राजगीर खेल अकादमी को एशियन हॉकी फेडरेशन (AHF) द्वारा 'हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' के रूप में मान्यता
2.11. बीएसपीटीसीएल को पावरलाइन ट्रांसटेक इंडिया अवार्ड्स 2025 में दो प्रतिष्ठित पुरस्कार
2.12. बिहार सरकार का 'भूमि सुधार संवाद'
2.13. चकाई में बन रहा एशिया का सबसे बड़ा अनाज आधारित इथेनॉल प्लांट
2.14. बिहार 'सभासार' अपनाने में देश में पांचवें स्थान पर
2.15. भीमबांध वन्यजीव अभयारण्य
2.16. BSEB एक साथ तीन अंतरराष्ट्रीय ISO सर्टिफिकेट प्राप्त करने वाला देश का पहला बोर्ड
2.17. बिहार कैबिनेट ने 'सात निश्चय 3.0' को मंजूरी दी
2.18. बिहार स्पेशल (To The Point)

NOT FOR SALE

3. अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रम..........20-28

3.1. चक्रवात दित्वाह और 'ऑपरेशन सागर बंधु'
3.2. ACITI साझेदारी
3.3. ग्लोबल कमिटमेंट टू डेवलपमेंट इंडेक्स (CDI) 2025
3.4. जकार्ता अब दुनिया का सर्वाधिक आबादी वाला शहर
3.5. पेरिस स्थित यूनेस्को मुख्यालय में भारत रत्न डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की प्रतिमा का अनावरण
3.6. एशिया पावर इंडेक्स 2025 में भारत को तीसरा स्थान
3.7. हैली गुब्बी ज्वालामुखी
3.8. भारत का 2025-29 के लिए यूनेस्को के कार्यकारी बोर्ड में पुनः चयन
3.9. ताईवान में आयोजित विश्व कौशल प्रतियोगिता 2025 में भारत आठवें स्थान पर
3.10. अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा के लिए UNESCO की अंतर सरकारी समिति का 20वां सत्र दिल्ली में आयोजित
3.11. 15वां अंतर्राष्ट्रीय रेत कला महोत्सव 2025
3.12. ग्लोबल एनर्जी लीडर्स समिट (GELS) 2025
3.13. महिला, शांति और सुरक्षा सूचकांक (WPS Index) 2025-26
3.14. टेक सिटीज़ इंडेक्स 2025' में बेंगलुरु को 16वां स्थान
3.15. अंतर्राष्ट्रीय भौतिकी शिक्षा सम्मेलन (ICPE) 2025
3.16. WHO के दूसरे वैश्विक परंपरागत चिकित्सा शिखर सम्मेलन का आयोजन दिल्ली में
3.17. संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा (UNEA-7) का सातवां सत्र नैरोबी में आयोजित
3.18. भारतीय नेतृत्व वाली इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस (IBCA) में शामिल हुआ रूस
3.19. भारत और लाइबेरिया के मध्य दवा गुणवत्ता मानाके पर सहयोग बढ़ाने हेतु समझौता
3.20. लिथुआनिया में राष्ट्रीय आपातकाल
3.21. प्रधानमंत्री मोदी की जार्डन, इथियोपिया और ओमान यात्रा
3.22. अबू धाबी में ग्लोबल A.I. शो (Global AI Show) 2025
3.23. ऑपरेशन डेविल हंट-2
3.24. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की वैश्विक प्रतिस्पर्धा सूचकांक में भारत को तीसरा स्थान
3.25. इटली का राष्ट्रीय व्यंजन यूनेस्को द्वारा मान्यता प्राप्त पहली राष्ट्रीय खाद्य परम्परा बनीं
3.26. थाईलैंड - कंबोडिया विवाद
3.27. अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रम (To The Point)

4. आर्थिक वाणिज्यिक परिदृश्य..........29-33

4.1. सिंटर्ड रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट मैन्युफैक्चरिंग योजना के लिए 7,280 करोड़ रुपये मंजूरी
4.2. ADB द्वारा महाराष्ट्र को सड़क निर्माण के लिए $400 मिलियन के ऋण को स्वीकृति
4.3. IITF 2025 में CBIC ने अपने "GST & Customs Pavilion" के लिए 'जनसंपर्क और संचार' श्रेणी में स्वर्ण पुरस्कार जीता
4.4. SWAGAT-FI फ्रेमवर्क
4.5. NITI आयोग और IBM का 2047 तक भारत को टॉप-3 क्वांटम अर्थव्यवस्था बनाने के लिए रोडमैप
4.6. भारत का UPI दुनिया का सबसे बड़ा रीयल-टाइम पेमेंट सिस्टम घोषित
4.7. अमेजन (Amazon) 2030 तक भारत में 35 अरब डॉलर का निवेश करेगा
4.8. भारत में 17.5 अरब डॉलर का निवेश करेगी माइक्रोसॉफ्ट
4.9. RBI द्वारा फिनो पेमेंट्स बैंक को स्मॉल फाइनेंस बैंक (SFB) में बदलने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी
4.10. विकसित भारत-जी राम जी (VB-G RAM G) अधिनियम 2025
4.11. 'सबका बीमा, सबकी रक्षा (बीमा कानूनों का संशोधन) विधेयक, 2025'
4.12. 'भारत CPSE परामर्श सम्मेलन' (Bharat CPSEs' Consultative Conclave)
4.13. नेशनल पेंशन सिस्टम (NPS) में बदलाव
4.14. भारत अमेरिका व्यापार वार्ता
4.15. सरस आजीविका फूड फेस्टिवल 2025
4.16. आर्थिक वाणिज्यिक परिदृश्य (To The Point)

5. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी..........29-37

5.1. 'ऑन्कोमार्क' AI टूल
5.2. 'कृष्णन क्रेटर'
5.3. अनंत सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर नेविगेशन (ACEN)
5.4. भारतीय वैज्ञानिकों द्वारा खोजी गई नयी आकाशगंगा "अलकनंदा"
5.5. नेल्लौर में भारत का पहला गहरा समुद्र सूक्ष्मजीव अनुसंधान केंद्र
5.6. DHRUV64 माइक्रोप्रोसेसर
5.7. राष्ट्रीय वन हेल्थ मिशन की वैज्ञानिक संचालन समिति की चौथी बैठक
5.8. भारत, AI मॉडल्स और उनके उपयोग के मामले में दुनिया का सबसे बड़ा और सक्रिय बाजार
5.9. भारतीय टीम ने नासा स्पेस ऐप्स चैलेंज में वैश्विक स्तर पर अग्रणी का खिताब जीता
5.10. अंतरिक्ष में जाने वाली पहली व्हीलचेयर यूजर बनी माइकेला "मीची" बेंटहाउस (Michaela Benthaus)
5.11. ISRO के LVM3-M6 के जरिए अमेरिका के ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 (BlueBird Block-2) उपग्रह का सफल प्रक्षेपण
5.12. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (To The Point)

6. पर्यावरण और पारिस्थितिकी..........38-43

6.1. होया डावोडिएंसिस
6.2. पिलिया मालेनाडु (Pilia malenadu) नामक कूदने वाली मकड़ी की एक नई प्रजाति की खोज

NOT FOR SALE

6.3. 'गोल्डन जैकाल एंबेसडर' पहल
6.4. दुधवा टाइगर रिजर्व
6.5. जीवाणु संक्रमण की चपेट में आने से झारखण्ड में 10 काले हिरणों की मौत
6.6. 'डोलोमेडेस इंडिकस' मकड़ी
6.7. चराइचुंग महोत्सव (Charaichung Festival)
6.8. अरावली पर्वत श्रृंखला
6.9. उत्तराखंड सरकार जल्द शुरू करेगा "हिम तेंदुआ पर्यटन"
6.10. राजस्थान का सिलीसेढ़ झील और छत्तीसगढ़ का कोपरा जलाशय, रामसर स्थल घोषित
6.11. NH-45 पर भारत का पहला वन्यजीव-सुरक्षित राजमार्ग
6.12. नरपुह वन्यजीव अभयारण्य
6.13. ब्लैक-कैप्ड कैपुचिन बंदर
6.14. स्मूथ-कोटेड ऊदबिलाव (Smooth-coated Otter)
6.15. पर्यावरण और पारिस्थितिकी (To The Point)

7. पुरस्कार एवं सम्मान 44-47
7.1. लोक नायक फाउंडेशन (LNF) साहित्य पुरस्कार 2025
7.2. 53वें अंतर्राष्ट्रीय एमी अवार्ड्स
7.3. डॉ. टेसी थॉमस को वर्ष 2025 का डॉ. पॉलोस मार ग्रेगोरियोस अवार्ड
7.4. 'वर्ल्ड एथलीट ऑफ द ईयर' 2025
7.5. डोनाल्ड ट्रम्प को पहला फीफा शांति पुरस्कार
7.6. शिल्प गुरु और राष्ट्रीय हस्तशिल्प पुरस्कार 2023 और 2024
7.7. अनंत अंबानी को ग्लोबल ह्यूमेन संस्था द्वारा "चैंपियन ऑफ एनिमल वेलफेयर" पुरस्कार
7.8. रवीना टंडन, PETA इंडिया 2025 की 'पर्सन ऑफ द ईयर'
7.9. IAS सुप्रिया साहू को UNEP 2025 चैंपियन आफ द अर्थ पुरस्कार
7.10. आर्किटेक्ट्स ऑफ एआई" 2025 के लिए टाइम्स पत्रिका के 'पर्सन ऑफ द ईयर'
7.11. प्रसिद्ध हिंदी कथाकार श्रीमती मैत्रेयी पुष्पा 'इफको (IFFCO) साहित्य सम्मान' 2025
7.12. ICC का नवम्बर 2025 का प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड
7.13. मियाना रेलवे स्टेशन, राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार 2025 से सम्मानित
7.14. राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार 2025 (NECA 2025)
7.15. फीफा बेस्ट फुटबॉल अवॉर्ड्स 2025
7.16. पुरस्कार एवं सम्मान (To The Point)

8. खेल 48-52
8.1. महिला कबड्डी विश्वकप 2025
8.2. जावोखिर सिंदारोव ने जीता FIDE विश्व कप 2025 का खिताब
8.3. वीमेंस प्रिमियर लीग 2026 के नीलामी में ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा सबसे महंगी खिलाड़ी
8.4. कतर ग्रैंड प्रिक्स, 2025
8.5. 31वां सुल्तान अजलान शाह कप 2025
8.6. आर्चरी प्रीमियर लीग को इंडिया स्पोर्ट्स अवार्ड्स 2025 में 'इमर्जिंग प्रोफेशनल स्पोर्ट्स इवेंट ऑफ द ईयर' का खिताब
8.7. ISSF विश्व कप फाइनल 2025 में भारत को 6 पदक
8.8. ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंद ने FIDE सर्किट 2025 जीतकर कैंडिडेट्स टूर्नामेंट 2026 के लिए सीधी योग्यता हासिल की
8.9. स्क्वैश वर्ल्ड कप 2025 का विजेता बना भारत
8.10. लैंडो नोरिस ने 2025 फॉर्मूला 1 वर्ल्ड ड्राइवर्स चैंपियनशिप का खिताब जीता
8.11. फुटबॉल को बढ़ावा देने के लिए महाराष्ट्र सरकार का "प्रोजेक्ट महादेव"
8.12. 33वें दक्षिण पूर्व एशियाई खेल 2025
8.13. भारत ने जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप 2025 में कांस्य पदक जीता
8.14. अखिल भारतीय सिविल सेवा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप 2025-26
8.15. एशियाई घुड़सवारी चैंपियनशिप 2025 में भारत का प्रदर्शन
8.16. IPL 2026 ऑक्शन
8.17. खेल (To The Point)

9. विविध 53-54
9.1. 'रेज बेट' (Rage Bait) ऑक्सफोर्ड का 'वर्ड ऑफ द ईयर'
9.2. लुआना लोपेस लारा विश्व की सबसे कम उम्र की 'सेल्फ-मेड' महिला अरबपति
9.3. महाराष्ट्र के प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. बाबा अधव का निधन
9.4. सम्राट पेरुंबिदुगु मुथरैय्यर द्वितीय (सुवर्ण मारन)
9.5. वोरैयूर कॉटन साड़ी और थूयामल्ली चावल को GI टैग
9.6. श्रीकाकुलम जिले की प्रसिद्ध पोंडुरु खादी को GI टैग
9.7. विविध (To The Point)

10. रक्षा एवं सुरक्षा 55-62
10.1. ऑपरेशन पवन
10.2. स्काईरूट एयरोस्पेस के इन्फिनिटी कैंपस और कंपनी के पहले ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-I का अनावरण
10.3. हैदराबाद में भारत की पहली वैश्विक एयरक्राफ्ट इंजन MRO (रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल) सुविधा
10.4. MH-60R 'सीहॉक' नौसेना हेलीकॉप्टर
10.5. अभ्यास 'एकुवेरिन' (EKUVERIN) का 14वां संस्करण
10.6. आईएनएस अरिदमन
10.7. इनो-योद्धा 2025
10.8. हरिमऊ शक्ति 2025

NOT FOR SALE

10.9. भारत -रूस के मध्य RELOS समझौता
10.10. गलवान घाटी में दुनिया का सबसे ऊंचा युद्ध स्मारक
10.11. अरुणाचल प्रदेश के दिरांग में सेना का पहला सामुदायिक रेडियो स्टेशन "रेडियो दिरांग" लॉन्च
10.12. सूर्यकिरण-XIX (2025)
10.13. भारतीय नौसेना द्वारा कोच्चि में अपना पहला स्वदेशी डाइविंग सपोर्ट क्राफ्ट DSC A20 का कमीशन
10.14. भारत व ब्राजील ने स्कॉर्पीन पनडुब्बी के रख–रखाव पर त्रिपक्षीय MoU पर हस्ताक्षर किए
10.15. इंडियन मिलिट्री एकेडमी (IMA) से पास आउट होने वाली पहली महिला अधिकारी बनीं साई जाधव
10.16. 'डेजर्ट साइक्लोन-II' (Desert Cyclone-II)
10.17. भारतीय तटरक्षक बल का पोत 'ICGS सार्थक' ईरान के चाबहार बंदरगाह पर
10.18. आईएनएएस 335 (ऑस्प्रे) का कमीशन किया गया
10.19. पनडुब्बी रोधी युद्धपोत 'अंजदीप' (INS Anjadip) नौसेना को सौंपा गया
10.20. इजरायल देगा भारत को 40 हजार लाइट मशीन गन (LMG)
10.21. ऑपरेशन हॉकआई स्ट्राइक
10.22. समुद्र प्रताप
10.23. आकाश नेक्स्ट जनरेशन (Akash-NG) मिसाइल सिस्टम
10.24. रक्षा एवं सुरक्षा (To The Point)

11. नियुक्ति..63-65

11.1. ज्ञानेश कुमार, इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड इलेक्टोरल के अध्यक्ष नामित किए गए
11.2. विवेक चतुर्वेदी, केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (CBIC) के नये अध्यक्ष
11.3. प्रवीण कुमार को सीमा सुरक्षा बल (BSF) के महानिदेशक (DG) का अतिरिक्त प्रभार
11.4. वाइस एडमिरल संजय साधु, युद्धपोत उत्पादन एवं अधिग्रहण नियंत्रक नियुक्त हुए
11.5. आंद्रेज बाबिस, चेक गणराज्य के प्रधानमंत्री नियुक्त हुए
11.6. जोस एंटोनियो कास्ट, हाल ही में चिली के राष्ट्रपति निर्वाचित हुए
11.7. प्रेस क्लब ऑफ इंडिया की पहली महिला अध्यक्ष बनीं संगीता बरुआ पिशारोटी
11.8. राज कुमार गोयल, भारत के नए मुख्य सूचना आयुक्त (CIC)
11.9. सुरेश गोयल, NCAER के अगले डायरेक्टर जनरल नियुक्त
11.10. बी साईंराम, CIL के चेयरमैन-सह-प्रबंध निदेशक (CMD) और सीईओ (CEO) नियुक्त
11.11. श्रीमती उषा जानकीरमन, आर बी आई की नयी कार्यकारी निदेशक
11.12. नियुक्ति (To The Point)

12. AI के साथ बदलता भारत 66-68

13. पुतिन की भारत यात्रा और भारत-रूस संबंध 69-70

14. अभ्यास प्रश्न...71–80

NOT FOR SALE

01 राष्ट्रीय घटनाक्रम

1.20 सुजलाम भारत शिखर सम्मेलन

'विज़न फॉर सुजलाम भारत' शिखर सम्मेलन 2025 (Vision for Sujalam Bharat Summit 2025) भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय द्वारा आयोजित एक प्रमुख राष्ट्रीय कार्यक्रम है। इसका मुख्य उद्देश्य भारत को जल-सुरक्षित और जलवायु-अनुकूल बनाना है। हाल ही में इसका आयोजन 28-29 नवंबर 2025 को नई दिल्ली के भारत मंडपम में किया गया।

मुख्य बिंदु

- **आयोजक:** जल शक्ति मंत्रालय (नीति आयोग के समन्वय के साथ)।
- **उद्घाटन:** केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी. आर. पाटिल द्वारा।
- **उद्देश्य:** जल प्रबंधन के लिए एक एकीकृत रोडमैप तैयार करना और 'विकसित भारत @2047' के लक्ष्य को प्राप्त करना।

शिखर सम्मेलन के 6 मुख्य स्तंभ (छह प्रमुख विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई)

1. नदियों और झरनों का पुनरुद्धार: नदियों की 'अविरल' और 'निर्मल' धारा सुनिश्चित करना।
2. सतत पेयजल प्रणाली: जल जीवन मिशन के तहत हर घर तक सुरक्षित पानी की निरंतर आपूर्ति।
3. जल संरक्षण और पुनर्भरण: वर्षा जल संचयन और भूजल स्तर को सुधारने की रणनीतियाँ।
4. ग्रे-वॉटर (धूसर जल) प्रबंधन: इस्तेमाल किए गए पानी का उपचार और पुन: उपयोग।
5. स्मार्ट जल तकनीक: डेटा-संचालित निर्णय लेने के लिए AI, IoT और डिजिटल मैपिंग का उपयोग।
6. सामुदायिक भागीदारी: जल संरक्षण को एक 'जन आंदोलन' बनाना और स्थानीय निकायों (पंचायत, SHGs) को सशक्त करना।

1.2 एशिया की सबसे ऊंची भगवान राम की मूर्ति का अनावरण

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में गोवा के श्री संस्थान गोकर्ण पर्तगाली जीवोत्तम मठ में भगवान राम की 77 फुट ऊँची कांस्य प्रतिमा का अनावरण किया है। जिसे एशिया की सबसे ऊँची भगवान राम की प्रतिमा बताया जा रहा है।
- यह मठ के 550वें स्थापना दिवस समारोह का हिस्सा था, जिसमें एक रामायण थीम पार्क और स्मारक डाक टिकट भी जारी किए गए।
- इस प्रतिमा को प्रसिद्ध मूर्तिकार राम वी. सुतार ने बनाया है, जिन्होंने 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' को भी डिज़ाइन किया था।

1.3 60वां अखिल भारतीय पुलिस महानिदेशक (DGP) और महानिरीक्षक (IGP) सम्मेलन

60वां अखिल भारतीय पुलिस महानिदेशक (DGP) और महानिरीक्षक (IGP) सम्मेलन 28 से 30 नवंबर, 2025 के बीच भारतीय प्रबंधन संस्थान (IIM), नया रायपुर, छत्तीसगढ़ में आयोजित किया गया। यह राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर चर्चा करने और देश की पुलिसिंग व्यवस्था को आधुनिक बनाने के लिए आयोजित होने वाला एक महत्वपूर्ण वार्षिक कार्यक्रम है।

मुख्य बिंदु

- भारतीय प्रबंधन संस्थान (IIM), नया रायपुर, छत्तीसगढ़ में आयोजित इस सम्मेलन के विभिन्न सत्रों की अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की।
- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस तीन दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन किया।
- इस वर्ष के सम्मेलन का मुख्य विषय "विकसित भारत: सुरक्षा आयाम" (Viksit Bharat: Security Dimensions) रखा गया था।
- इसका उद्देश्य 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एक सुरक्षित और आधुनिक पुलिस बल का रोडमैप तैयार करना है।
- सम्मेलन के दौरान आंतरिक सुरक्षा और कानून-व्यवस्था से संबंधित कई महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई:
  - → वामपंथी उग्रवाद (LWE): नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास की रणनीति पर चर्चा।
  - → आतंकवाद और कट्टरपंथ: आतंकवाद विरोधी अभियानों और उभरते खतरों से निपटने के तरीके।
  - → प्रौद्योगिकी और पुलिसिंग: पुलिस व्यवस्था में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और फोरेंसिक विज्ञान के उपयोग को बढ़ावा देना।
  - → महिला सुरक्षा: महिलाओं के खिलाफ अपराधों को रोकने के लिए तकनीकी और जमीनी स्तर पर समाधान।
  - → साइबर सुरक्षा और आपदा प्रबंधन: बढ़ते साइबर अपराधों और प्राकृतिक आपदाओं के दौरान बेहतर तालमेल बिठाना।
  - → नए कानून: नए आपराधिक कानूनों (भारतीय न्याय संहिता, आदि) के कार्यान्वयन और सार्वजनिक जागरूकता पर जोर।

पुरस्कार और सम्मान

- प्रधानमंत्री ने 'विशिष्ट सेवा' के लिए अधिकारियों को राष्ट्रपति पुलिस पदक प्रदान किए।
- गृह मंत्री ने सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक और देश के शीर्ष तीन पुलिस स्टेशनों को ट्रॉफियां प्रदान कीं।

1.4 "इम्पैक्ट राइज पहल" (Impact Rise Initiative)

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) खड़गपुर ने सामाजिक कल्याण की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। "इम्पैक्ट राइज पहल" (Impact Rise Initiative) जैसी योजनाएं तकनीकी विशेषज्ञता और जमीनी स्तर की सामाजिक समस्याओं के बीच की दूरी को पाटने का काम करती हैं।

मुख्य बिंदु

- **उद्देश्य-** सामाजिक परिवर्तन के लिए टिकाऊ तकनीक और प्रबंधन (sustainable technology and management) को बढ़ावा देना।
- **विस्तृत नाम-** इम्पैक्ट RISE (Research, Innovation, Skilling and Entrepreneurship)।

NOT FOR SALE

- **इम्पैक्ट राइज पहल के संभावित मुख्य स्तंभ**
  - → ग्रामीण विकास: आईआईटी खड़गपुर के पास कृषि और खाद्य इंजीनियरिंग में गहरी विशेषज्ञता है। इस पहल के जरिए उन्नत कृषि तकनीकों को सीधे किसानों तक पहुँचाना एक मुख्य उद्देश्य हो सकता है।
  - → उद्यमिता (Entrepreneurship): सामाजिक स्टार्टअप्स को बढ़ावा देना, ताकि युवा इंजीनियर अपनी शिक्षा का उपयोग लाभ कमाने के साथ-साथ समाज की समस्याओं को सुलझाने में भी कर सकें।
  - → स्वच्छ ऊर्जा और जल: पश्चिम बंगाल और आसपास के क्षेत्रों में आर्सेनिक मुक्त पेयजल और नवीकरणीय ऊर्जा (Solar/Wind energy) के समाधान उपलब्ध कराना।
  - → कौशल विकास: स्थानीय समुदायों को तकनीकी रूप से प्रशिक्षित करना ताकि वे आधुनिक अर्थव्यवस्था का हिस्सा बन सकें।
- **दृष्टिकोण-** प्रयोगशालाओं में समाधान बनाना, परिसर में परीक्षण करना और उन्हें पूरे भारत और दुनिया में विस्तारित करना।
- **क्षेत्र-** इसमें जलवायु लचीलापन, एआई-आधारित स्वास्थ्य निदान, एनीमिया और मौखिक कैंसर की जांच के लिए कम लागत वाले उपकरण, आर्सेनिक फिल्टर और स्मार्ट मिट्टी स्कैनर जैसे क्षेत्र शामिल हैं।
- **भागीदारी-** सरकार, निगमों, पूर्व छात्रों और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के साथ साझेदारी पर जोर दिया गया है।

1.5 'रायथन्ना मीकोसम' पहल

- आंध्र प्रदेश सरकार ने किसानों के कल्याण और कृषि स्थिरता के लिए 'रायथन्ना मीकोसम' (Rythanna Meekosam) नामक एक महत्वपूर्ण पहल शुरू की है। "रायथन्ना मीकोसम" का तेलुगु में अर्थ है "किसानों के लिए"।
- इस पहल को मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व में नवंबर 2025 में आधिकारिक रूप से लॉन्च किया गया।
- इसका मुख्य उद्देश्य कृषि को लाभदायक बनाना और किसानों को आधुनिक तकनीक से जोड़ना है।

पंच-सूत्रीय फॉर्मूला

- यह पहल पांच मुख्य स्तंभों पर आधारित है-
  - → जल सुरक्षा: समय पर सिंचाई और जल प्रबंधन सुनिश्चित करना।
  - → मांग आधारित खेती: बाजार मांग वाली फसलों को बढ़ावा देना।
  - → कृषि-तकनीक अपनाना: ड्रोन, मशीनरी और डिजिटल टूल्स से उत्पादन बढ़ाना।
  - → खाद्य प्रसंस्करण: फसलों की वैल्यू एडिशन के लिए प्रोसेसिंग यूनिट्स।
  - → सरकारी समर्थन: वित्त, बीमा और बाजार लिंकेज प्रदान करना।

मुख्य विशेषताएं

- जागरूकता अभियान: 24-29 नवंबर 2025 को जनप्रतिनिधियों ने किसानों के घर जाकर तकनीक सिखाई।
- रायथू सेवा केंद्र (RSK) कार्यशालाएं: 3 दिसंबर को 8,451 केंद्रों पर विशेषज्ञों ने वैज्ञानिक खेती पर ट्रेनिंग दी।
- ड्रोन तकनीक: कीटनाशक छिड़काव और फसल निगरानी के लिए।
- प्राकृतिक खेती: रसायन-मुक्त विधियों से मिट्टी स्वास्थ्य सुधार।
- आर्थिक सहायता: PM-Kisan से एकीकृत 'अन्नादाता सुखीभव' के तहत सालाना 20,000 रुपये तक।

उद्देश्य-

- इस पहल का उद्देश्य केवल तात्कालिक राहत देना नहीं, बल्कि एक ऐसी प्रणाली बनाना है जहाँ 1,100 किमी लंबी तटरेखा वाले आंध्र प्रदेश के किसान चक्रवात जैसी प्राकृतिक आपदाओं का मजबूती से सामना कर सकें और उनकी आय में स्थिरता आए।

1.6 आंध्र प्रदेश में तीन नए जिलों के गठन को मंजूरी

नवंबर 2025 में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने प्रशासनिक कार्यक्षमता और जनता की सुविधा को ध्यान में रखते हुए तीन नए जिलों के गठन को मंजूरी दी है। इस निर्णय के बाद राज्य में कुल जिलों की संख्या 26 से बढ़कर 29 हो जाएगी।

नए जिलों की संरचना विवरण

नया जिला	मुख्यालय	शामिल राजस्व प्रभाग
पोलावरम	रामपचोदवरम	रामपचोदवरम और चिंटूरू
मार्कपुरम	मार्कपुरम	येर्रागोंडापलेम, मार्कपुरम, कनिगिरी और गिड्डालुरु
मदनपल्ले	मदनपल्ले	मदनपल्ले, पुंगनुरु और पीलेरू

- इसके साथ ही 5 नए राजस्व प्रभाग और 1 नया मंडल भी बनाया जाएगा।

गठन का मुख्य कारण-

- **आदिवासी विकास:** पोलावरम जिले के गठन का उद्देश्य गोदावरी एजेंसी (आदिवासी) क्षेत्रों और पोलावरम परियोजना प्रभावित लोगों तक प्रशासनिक पहुँच आसान बनाना है।
- **भौगोलिक दूरी:** मार्कपुरम और मदनपल्ले जैसे क्षेत्रों के लोगों को जिला मुख्यालय जाने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, जिसे अब कम कर दिया गया है।

1.7 शैक्षणिक सत्र 2025-26 से CBSE ने 6-8 कक्षाओं के लिए कौशल शिक्षा को अनिवार्य किया

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए शैक्षणिक सत्र 2025-26 से कक्षा 6 से 8 तक के लिए कौशल शिक्षा (Skill Education) को अनिवार्य कर दिया है।

मुख्य बिंदु

- इस महत्वपूर्ण बदलाव का उद्देश्य रटने की पद्धति को कम करना और छात्रों को व्यावहारिक जीवन के अनुभवों से जोड़ना है।
- NCERT द्वारा तैयार 'कौशल बोध' (Kaushal Bodh) नामक किताबें इस्तेमाल की जाएंगी, जो प्रिंट और डिजिटल दोनों फॉर्मेट में उपलब्ध हैं।
- हर हफ्ते लगातार 2 पीरियड (कुल 110 घंटे प्रति वर्ष) कौशल शिक्षा के लिए निर्धारित किए गए हैं।
- इसमें पौधों और जानवरों के साथ काम करना, मशीनों और सामग्रियों को समझना, और सामुदायिक सेवा जैसे कार्य शामिल हैं। AI और कोडिंग जैसे नए मॉड्यूल भी शुरू किए गए हैं।
- CBSE ने सभी संबद्ध स्कूलों को शैक्षणिक सत्र 2025-26 से इसे लागू करने का निर्देश दिया है और शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करेगा।

NOT FOR SALE

1.8 दिल्ली का इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा (IGIA) भारत का पहला "वॉटर पॉजिटिव" दर्जा प्राप्त हवाई अड्डा

दिल्ली का इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा (IGIA) भारत का पहला ऐसा हवाई अड्डा बन गया है जिसे "वॉटर पॉजिटिव" (Water Positive) का दर्जा प्राप्त हुआ है।

मुख्य बिंदु

- यह उपलब्धि विशेष रूप से उन हवाई अड्डों की श्रेणी में मिली है जो सालाना 40 मिलियन से अधिक यात्रियों का संचालन करते हैं।
- इसकी घोषणा दिसंबर 2024-25 के दौरान जल प्रबंधन के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के आधार पर की गई।

प्रमुख तथ्य और लक्ष्य

विशेषता	विवरण
मान्यता प्राप्त श्रेणी	40 मिलियन + यात्री प्रति वर्ष
संचालन संस्था	2030 तक 'Net Zero Carbon Emission' एयरपोर्ट बनना
अन्य गौरव	एशिया-पैसिफिक का पहला 'Level 4+' और अब 'Level 5' कार्बन मान्यता प्राप्त एयरपोर्ट

"वॉटर पॉजिटिव" होना क्या है?

एक इकाई (Entity) तब "वॉटर पॉजिटिव" कहलाती है जब वह जितना ताज़ा पानी इस्तेमाल करती है, उससे अधिक मात्रा में पानी पर्यावरण को वापस लौटाती है (वर्षा जल संचयन और पुनर्भरण के माध्यम से)।

1.9 7वाँ भारत अंतर्राष्ट्रीय समुद्री एसोसिएशन एक्सपो और शिखर सम्मेलन-2026

7वें भारत अंतर्राष्ट्रीय समुद्री एक्सपो और शिखर सम्मेलन-2026 का आयोजन 29 और 30 जनवरी, 2026 को कोच्चि, केरल में आयोजित किया जाएगा। यह एक्सपो और शिखर सम्मेलन भारत के समुद्री क्षेत्र के विकास और 'ब्लू इकोनॉमी' के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण आयोजन है। इस कार्यक्रम की मेज़बानी ICAR–केंद्रीय समुद्री मत्स्य अनुसंधान संस्थान (CMFRI) द्वारा की जाएगी।

शिखर सम्मेलन के मुख्य उद्देश्य

- यह सम्मेलन भारत को समुद्री शैवाल (Seaweed) के उत्पादन और निर्यात में वैश्विक शक्ति बनाने के लक्ष्य से आयोजित किया जा रहा है:
  - → ब्लू इकोनॉमी को बढ़ावा: समुद्री संसाधनों का उपयोग करके तटीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करना।
  - → नवाचार और तकनीक: समुद्री खेती (Seaweed Farming) के लिए आधुनिक तकनीकों और प्रसंस्करण (Processing) विधियों का प्रदर्शन।
  - → अंतर्राष्ट्रीय सहयोग: इस सम्मेलन में ब्राजील, श्रीलंका, नीदरलैंड और स्वीडन जैसे देशों के प्रतिनिधि शामिल होंगे, जिससे तकनीकी आदान-प्रदान और वैश्विक बाजार तक पहुंच आसान होगी।
  - → रोजगार सृजन: विशेष रूप से तटीय समुदायों और मछुआरों के लिए आय के नए स्रोत बनाना।

1.10 भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (IISF) 2025

भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (IISF) 2025 का 11वाँ संस्करण हाल ही में 6 से 9 दिसंबर, 2025 तक हरियाणा के पंचकूला (दशहरा ग्राउंड) में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

मुख्य बिंदु

- IISF 2025 का थीम "विज्ञान से समृद्धि: आत्मनिर्भर भारत के लिए" (Vigyan Se Samruddhi: for Aatmanirbhar Bharat) था। यह विषय इस बात पर जोर देता है कि कैसे वैज्ञानिक नवाचार भारत को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बना सकते हैं।
- यह आयोजन पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (MoES) और भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (IITM), पुणे के सहयोग से संपन्न हुआ। इसमें 'विज्ञान भारती' (VIBHA) प्रमुख सहयोगी रही।
- इसका उद्देश्य विज्ञान को प्रयोगशालाओं से निकालकर जनता तक पहुँचाना, युवाओं में वैज्ञानिक सोच विकसित करना और 'विकसित भारत @2047' के लक्ष्य की दिशा में नवाचारों को बढ़ावा देना है।

प्रमुख आकर्षण और गतिविधियाँ

- अंटार्कटिका से लाइव संवाद: प्रतिभागियों को अंटार्कटिका में स्थित भारत के 'भारती' अनुसंधान केंद्र के वैज्ञानिकों से सीधे बातचीत करने का दुर्लभ अवसर मिला।
- मत्स्य 6000 (Matsya 6000): भारत के 'डीप ओशन मिशन' के तहत विकसित इस सबमर्सिबल का प्रदर्शन किया गया, जो गहरे समुद्र की खोज के लिए बनाया गया है।
- चंद्रमा की विशाल प्रतिकृति: अंतरिक्ष विज्ञान में भारत की प्रगति को दर्शाने के लिए चंद्रमा की सतह की 10 मीटर ऊंची एक वास्तविक प्रतिकृति (Replica) प्रदर्शित की गई।
- युवा नवाचार: इसमें 'साइंस सफारी', 'हैकाथॉन' और स्कूली बच्चों के लिए विशेष प्रयोग सत्र शामिल थे।

मुख्य फोकस

- उत्तर-पश्चिम भारत और हिमालयी क्षेत्र की पारिस्थितिकी।
- समाज और शिक्षा के लिए विज्ञान।
- विज्ञान और प्रौद्योगिकी से आत्मनिर्भरता।
- जैव-प्रौद्योगिकी और जैव-अर्थव्यवस्था (Bio-economy)।
- पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान का एकीकरण।

1.11 कृषि क्षेत्र में सौर ऊर्जा के इस्तेमाल में महाराष्ट्र देश में शीर्ष पर

कृषि क्षेत्र में सौर ऊर्जा (Solar Energy) के इस्तेमाल में महाराष्ट्र देश में शीर्ष पर है और उसने इस क्षेत्र में एक Guinness World Record भी बनाया है, जहाँ एक महीने में रिकॉर्ड 45,911 सोलर कृषि पंप लगाए गए, जिससे किसानों को चौबीसों घंटे बिजली, सस्ती सिंचाई और ग्रिड पर निर्भरता कम करने में मदद मिली है।

मुख्य बिंदु

- GWR रिकॉर्ड: महाराष्ट्र ने एक महीने में 45,911 सोलर कृषि पंप लगाकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया, जो चीन के बाद दुनिया में सबसे तेज और बड़े पैमाने पर तैनाती है।

NOT FOR SALE

- **PM-KUSUM और राज्य योजना:** यह उपलब्धि 'प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (PM-KUSUM)' और 'मागेल त्याला सौर कृषी पंप योजना (MTSKPY)' के तहत हासिल की गई है।
- **लक्ष्य:** राज्य में अब तक लगभग 7.47 लाख सौर पंप लगाए जा चुके हैं, और सरकार का लक्ष्य इसे 10.45 लाख तक ले जाने का है।
- **रोजगार:** सौर पंपों के निर्माण, रखरखाव और मरम्मत से करीब एक लाख लोगों को रोजगार मिला है, जिससे ऊर्जा क्षेत्र को नई दिशा मिली है।

1.12 'प्रसाद' योजना

चर्चा में क्यों ?

भारत सरकार पर्यटन मंत्रालय के तहत 'प्रसाद' योजना को पुनर्निर्धारित कर रही है, जिसका उद्देश्य राज्यों में तीर्थयात्रा पर्यटन को बढ़ावा देना है। केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने दिसंबर 2025 में लोकसभा में जानकारी दी। यह योजना तीर्थ स्थलों के एकीकृत विकास पर केंद्रित है।

पुनर्निर्धारण (Redesigning) के मुख्य कारण

- **वित्तीय चक्र का समापन:** यह योजना 2014-15 में शुरू की गई थी। अब 10 साल बाद, नए वित्तीय ढांचे की जरूरतों के अनुसार इसमें बदलाव किए जा रहे हैं।
- **समग्र अनुभव (Integrated Experience):** नए ढांचे में केवल बुनियादी ढांचे (सड़क, पार्किंग) पर ही नहीं, बल्कि डिजिटल कनेक्टिविटी, स्थिरता (Sustainability) और तीर्थयात्रियों के संपूर्ण 'यूजर एक्सपीरियंस' पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।
- **प्रौद्योगिकी का समावेश:** आधुनिक तीर्थयात्रा के लिए AI-आधारित टूरिस्ट गाइड, वर्चुअल टूर और स्मार्ट डैशबोर्ड को योजना का हिस्सा बनाया जा सकता है।

'प्रसाद' योजना क्या है?

- इसे 2014-15 में 'Pilgrimage Rejuvenation and Spiritual Augmentation Drive' (PRASAD) के रूप में लॉन्च किया गया था।
- अक्टूबर 2017 में इसका नाम बदलकर PRASHAD ('H' का अर्थ Heritage) कर दिया गया, जिसमें विरासत स्थलों के संरक्षण को भी जोड़ा गया।
- इसका उद्देश्य भारत के प्रमुख तीर्थ स्थलों का एकीकृत, योजनाबद्ध और स्थायी तरीके से विकास और सौंदर्यीकरण करना, ताकि एक संपूर्ण धार्मिक पर्यटन अनुभव प्रदान किया जा सके।
- यह योजना 100% केंद्र सरकार द्वारा वित्तपोषित है, जिसमें राज्यों के प्रस्तावों के आधार पर धन आवंटित किया जाता है।

1.13 विश्व का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू विमानन बाजार बना भारत

दिसंबर 2025 की ताजा रिपोर्टों और नागरिक उड्डयन मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, भारत अब आधिकारिक तौर पर विश्व का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू विमानन बाजार बन गया है। इस सूची में अब केवल अमेरिका (USA) और चीन ही भारत से आगे हैं। भारत ने अपनी विकास दर और यात्री क्षमता के मामले में जापान और ब्राजील जैसे देशों को पीछे छोड़ दिया है।

2025 के प्रमुख आंकड़े और उपलब्धियां

- **विमानों की संख्या (Fleet Size):** भारत में विमानों की संख्या 2014 में 395 थी, जो दिसंबर 2025 तक बढ़कर 844 हो गई है।
- **हवाई अड्डों का नेटवर्क:** पिछले 11 वर्षों में हवाई अड्डों की संख्या 74 से बढ़कर 163 हो गई है। सरकार का लक्ष्य 2047 तक इसे 350 तक पहुँचाना है।
- **यात्री संख्या:** वित्त वर्ष 2024-25 में घरेलू यात्रियों की संख्या लगभग 16.5 करोड़ रही। अनुमान है कि 2030 तक यह आंकड़ा 50 करोड़ को पार कर जाएगा।
- **लो-कॉस्ट एयरलाइंस (LCC):** भारतीय बाजार में किफायती विमान सेवाओं (जैसे IndiGo, Akasa Air) की हिस्सेदारी लगभग 70-78% है, जो दुनिया के बड़े बाजारों में सबसे अधिक है।

इस उपलब्धि का मुख्य कारण

- **उड़ान (UDAN) योजना:** 'उड़े देश का आम नागरिक' योजना के तहत 1.5 करोड़ से अधिक लोगों ने किफायती दरों पर यात्रा की है, जिससे टियर-2 और टियर-3 शहरों में हवाई संपर्क बढ़ा है।
- **भारी विमान ऑर्डर:** भारतीय एयरलाइंस (विशेषकर एयर इंडिया और इंडिगो) ने भविष्य की मांग को देखते हुए 2,000 से अधिक नए विमानों का ऑर्डर दिया है।
- **नए एयरपोर्ट्स का उद्घाटन:** दिल्ली (जेवर) और मुंबई (नवी मुंबई) जैसे शहरों में बन रहे नए इंटरनेशनल एयरपोर्ट्स से क्षमता में और इजाफा होने वाला है।

1.14 इंडिगो संकट

इंडिगो एयरलाइंस को दिसंबर 2025 में बड़े पैमाने पर उड़ान रद्दीकरण का संकट झेलना पड़ा, जिससे लाखों यात्री प्रभावित हुए। यह समस्या पायलटों और क्रू की कमी, नए FDTL नियमों तथा ऑपरेशनल गड़बड़ियों से सामने आयी।

मुख्य बिंदु

- 2 दिसंबर से 12 दिसंबर के बीच लगभग 4,500 उड़ानें रद्द हुईं। 5 दिसंबर को एक ही दिन में रिकॉर्ड 1,600 उड़ानें रद्द हुई थीं। इस संकट का सबसे बड़ा कारण DGCA द्वारा लागू किए गए नए FDTL (Flight Duty Time Limitation) नियम हैं, जो 1 नवंबर 2025 से पूरी तरह प्रभावी हुआ।

मुख्य कारण

- **नए नियम:** पायलटों की थकान कम करने के लिए उनके आराम का समय (Weekly Rest) 36 घंटे से बढ़ाकर 48 घंटे कर दिया गया और रात की उड़ानों पर सख्त पाबंदियां लगा दी गईं।
- **इंडिगो की चूक:** इंडिगो अपनी उड़ानों के शेड्यूल को इन नए नियमों के अनुसार समायोजित (Adjust) करने में विफल रही। कंपनी के पास पर्याप्त पायलट 'बफर' में नहीं थे, जिससे रोस्टर पूरी तरह बिगड़ गया।
- **अन्य कारण:** इसके अलावा विमानों में सॉफ्टवेयर अपडेट, खराब मौसम (कोहरा) और प्रैट एंड व्हिटनी इंजनों की खराबी के कारण ग्राउंडेड विमानों ने समस्या को और गंभीर बना दिया।

सरकार और DGCA का रवैया

- **नियमों में ढील:** भारी संकट को देखते हुए DGCA ने इंडिगो को 10 फरवरी 2026 तक कुछ नए नियमों (जैसे रात की ड्यूटी के नियम) से अस्थायी छूट दी है ताकि स्थिति सामान्य हो सके।
- **किराए पर लगाम:** संकट के दौरान टिकटों की बढ़ती कीमतों को देखते हुए सरकार ने एयरफेयर पर प्राइस कैप (Price Cap) लगा दी थी।
- **जांच:** नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने इस "नियोजन की विफलता" की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं।
- **प्रभाव:** इंडिगो की 65% मार्केट शेयर वाली स्थिति पर खतरा मंडराया, शेयर 17% गिरे। कंपनी ने प्रभावित यात्रियों को 10,000 रुपये मुआवजा देने की घोषणा की।

1.15 SIR के तहत् 100 प्रतिशत डिजिटाइजेशन करने वाला पहला राज्य बना राजस्थान

राजस्थान, विशेष गहन पुनरीक्षण (Special Intensive Revision - SIR) कार्यक्रम के माध्यम से अपने निर्वाचन डेटा को पूरी तरह डिजिटल बनाने वाला देश का पहला राज्य बनकर उभरा है।

मुख्य बिंदु

- **100% डिजिटाइजेशन:** राजस्थान निर्वाचन विभाग ने राज्य के सभी विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाचक नामावलियों (Electoral Rolls) को पूरी तरह से डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपडेट कर लिया है।
- **शुद्धता और पारदर्शिता:** डिजिटाइजेशन का मुख्य उद्देश्य मतदाता सूची से दोहरे नामों को हटाना, मृत मतदाताओं के नाम काटना और नए पात्र मतदाताओं (विशेषकर युवाओं) को जोड़ना है।
- **EROs और BLOs की भूमिका:** इस प्रक्रिया में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (EROs) और बूथ लेवल अधिकारियों (BLOs) ने Garuda App और NVSP पोर्टल जैसे डिजिटल टूल्स का प्रभावी ढंग से उपयोग किया।

1.16 असम ने पूर्व सैनिकों के सम्मान में सैनिक तुझे सलाम पहल को लांच किया

- असम सरकार ने सशस्त्र बल झंडा दिवस (Armed Forces Flag Day) पर, 'सैनिक तुझे सलाम' (Sainik Tujhe Salaam) नामक एक नई पहल शुरू की है। जिसका उद्देश्य 90 वर्ष से अधिक उम्र के पूर्व सैनिकों, वीर नारियों (शहीद सैनिकों की पत्नियों) और वीर माताओं को सम्मानित करना और उनके कल्याण को बढ़ावा देना है।
- जिला प्रशासन और ज़िला सैनिक कल्याण कार्यालय हर साल उनके घरों का दौरा करेंगे और उन्हें आवश्यक सहायता और सम्मान प्रदान करेंगे। यह पहल राज्य के पूर्व सैनिकों के लिए दीर्घकालिक सहायता तंत्र स्थापित करने और उन्हें निरंतर सहयोग का अनुभव कराने की प्रतिबद्धता दर्शाती है।

1.17 IIT मद्रास और IndiaAI मिशन द्वारा संयुक्त रूप से चेन्नई में 'ग्लोबल AI कॉन्क्लेव 2025' की मेज़बानी

दिसंबर 2025 में IIT मद्रास और IndiaAI मिशन (इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय) ने मिलकर चेन्नई में 'ग्लोबल AI कॉन्क्लेव 2025' की मेज़बानी की। यह आयोजन विशेष रूप से "सुरक्षित और भरोसेमंद AI" (Safe and Trusted AI) के भविष्य को आकार देने पर केंद्रित था।

मुख्य बिंदु

- इस कॉन्क्लेव का प्राथमिक लक्ष्य AI को न केवल तकनीकी रूप से उन्नत बनाना है, बल्कि इसे नैतिक (Ethical), पारदर्शी और भरोसेमंद बनाना है।
- इस कार्यक्रम में सरकार, उद्योग जगत के दिग्गजों, शिक्षाविदों और नागरिक समाज के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।
- IIT मद्रास के सेंटर फॉर रिस्पॉन्सिबल AI (CeRAI) ने इसकी अगुवाई की, जिसका नेतृत्व प्रोफेसर बालारमन रविंद्रन ने किया।
- चेन्नई में हुआ यह कॉन्क्लेव दरअसल 'इंडिया-AI इम्पैक्ट समिट 2026' के लिए एक आधार (Pre-Summit Event) के रूप में आयोजित किया गया था। यह मुख्य शिखर सम्मेलन 15-20 फरवरी 2026 को नई दिल्ली के 'भारत मंडपम' में आयोजित होना है।

महत्वपूर्ण घोषणाएं और पहल

- **AI सेफ्टी कॉमन्स (AI Safety Commons):** यह एक साझा और सहयोगी पारिस्थितिकी तंत्र (Ecosystem) बनाने का प्रस्ताव है, जहाँ विकासशील देशों के लिए ओपन-सोर्स डेटासेट, बेंचमार्क और गवर्नेंस प्रोटोकॉल उपलब्ध होंगे।
- **पॉलिसीबॉट (PolicyBot) का अनावरण:** यह एक ऐसा टूल है जो जटिल नीतिगत दस्तावेजों को सरल भाषा में समझाता है ताकि आम नागरिक भी AI नियमों को समझ सकें।
- **क्षेत्रीय उपयोग:** स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और कृषि में AI के सुरक्षित उपयोग के लिए विशिष्ट फ्रेमवर्क पर ज़ोर दिया गया।

1.18 वाराणसी में देश का पहला स्वदेशी हाइड्रोजन ईंधन से चालित जलयान का शुभारंभ

केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने वाराणसी में देश के पहले स्वदेशी हाइड्रोजन ईंधन सेल कैटामरान पोत (24m लंबा) (Hydrogen Fuel Cell Catamaran Vessel) का शुभारंभ किया।

मुख्य बिंदु

- इस अत्याधुनिक जलयान का निर्माण कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (CSL) द्वारा किया गया है।
- हाइड्रोजन ईंधन सेल का उपयोग करने के कारण इसमें से किसी भी प्रकार की जहरीली गैस या कार्बन का उत्सर्जन नहीं होगा। यह पूरी तरह से पर्यावरण के अनुकूल है।
- यह (हाइब्रिड तकनीक) पोत हाइड्रोजन को बिजली में बदलने के लिए ईंधन सेल तकनीक का उपयोग करता है, जिससे शोर और कंपन भी बहुत कम होता है।
- यह पहल भारत के 'राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन' का हिस्सा है, जिसका लक्ष्य भारत को हाइड्रोजन तकनीक में वैश्विक हब बनाना है।
- वाराणसी जैसे सांस्कृतिक और धार्मिक केंद्र में इस तकनीक का उपयोग गंगा नदी के प्रदूषण को कम करने में मदद करेगा। यह पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ ही भविष्य में अंतर्देशीय जलमार्गों के लिए एक रोल मॉडल भी साबित होगा।

1.19 डीपफेक विधेयक

भारत में डीपफेक (Deepfake) पर लगाम लगाने के लिए एक निजी सदस्य विधेयक (Private Member's Bill) लोकसभा में पेश किया गया है। यह सरकार का विधेयक नहीं है, बल्कि इसे एक गैर-मंत्री सांसद (शिवसेना के श्रीकांत शिंदे) द्वारा प्रस्तुत किया गया है।

मुख्य बिंदु

- प्रस्तावित विधेयक, जिसका नाम 'द रेगुलेशन ऑफ डीपफेक बिल' है, मुख्य रूप से निम्नलिखित बातों पर ध्यान केंद्रित करता है -
  - → **सहमति अनिवार्य:** इसमें प्रावधान है कि डीपफेक सामग्री में दिखाए गए व्यक्ति की पहले से मंजूरी (Prior Consent) लेना अनिवार्य होगा।
  - → **सजा और जुर्माना:** गलत इरादे से डीपफेक बनाने या साझा करने वालों के लिए सजा और जुर्माने की व्यवस्था की गई है।
  - → **कानूनी ढांचा:** देश में डीपफेक से जुड़े मामलों के लिए एक स्पष्ट कानूनी रणनीति और नियम तय करने की आवश्यकता बताई गई है।

NOT FOR SALE

→ टास्क फोर्स का गठन: विधेयक में डीपफेक टास्क फोर्स (Deepfake Task Force) स्थापित करने का प्रस्ताव है, जिसका काम राष्ट्रीय सुरक्षा, गोपनीयता और चुनाव में हस्तक्षेप जैसे मुद्दों पर ध्यान देना होगा।

→ निधि (Fund): उन्नत छवि हेरफेर का पता लगाने और रोकने के लिए सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के प्रयासों का समर्थन करने हेतु एक समर्पित निधि स्थापित करने का प्रस्ताव है।

मौजूदा कानूनी ढांचा

➢ हालांकि अभी तक डीपफेक के लिए कोई विशिष्ट कानून नहीं है, फिर भी मौजूदा कानूनों के तहत कार्रवाई की जा सकती है:

→ सूचना प्रौद्योगिकी (IT) अधिनियम, 2000: धारा 66E (गोपनीयता का उल्लंघन) और धारा 67 (अश्लील सामग्री) के तहत कार्रवाई संभव है।

→ डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण (DPDP) अधिनियम, 2023: यह व्यक्तिगत डेटा को संसाधित करने के लिए उपयोगकर्ता की सहमति को अनिवार्य करता है।

→ भारतीय न्याय संहिता (BNS), 2023: इसकी धारा 353 के तहत झूठे या भ्रामक बयान, अफवाह फैलाने पर रोक लगाने का लक्ष्य है, जिससे सार्वजनिक शरारत या भय पैदा हो सकता है।

→ सरकार ने सोशल मीडिया मध्यस्थों (Intermediaries) को भी शिकायत या जानकारी मिलने के 36 घंटे के भीतर आपत्तिजनक या गैरकानूनी सामग्री (जैसे कि डीफेक) को हटाने का निर्देश दिया है।

1.20 सुजलाम भारत ऐप

दिसम्बर, 2025 को केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल ने ग्रामीण पेयजल शासन में वास्तविक-समय की पारदर्शिता, निगरानी और प्रबंधन सक्षम करने के उद्देश्य से सुजलाम भारत ऐप का औपचारिक रूप से शुभारंभ किया। यह एक महत्त्वपूर्ण डिजिटल पहल है जो ग्रामीण जल आपूर्ति योजनाओं को एकीकृत प्लेटफॉर्म में जोड़ती है और नागरिकों तथा संस्थाओं को सशक्त सूचना प्रदान करेगी।

मुख्य बिंदु

➢ इस ऐप को भास्कराचार्य राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुप्रयोग एवं भू-सूचना संस्थान (BISAG-N) के सहयोग से विकसित किया गया है, ताकि जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्रामीण जल आपूर्ति संरचना का उन्नत भू-संदर्भण, निगरानी और प्रबंधन सुनिश्चित हो सके।

➢ प्रत्येक ग्रामीण जल योजना तथा उसके सेवा क्षेत्र को अद्वितीय "सुजलम भारत–सुजल गांव आईडी" प्रदान की जाएगी, जिससे यह स्पष्ट रूप से पता चलेगा कि कौन-सी योजना किस घर/गांव को जल आपूर्ति कर रही है।

➢ इस डेटाबेस में जल स्रोत, परिसंपत्ति सूची, योजना डिज़ाइन, संचालन रिकॉर्ड, जल गुणवत्ता रिपोर्ट, आपूर्ति मापदंड तथा समुदाय की प्रतिक्रिया जैसे महत्वपूर्ण डेटा का समन्वित संग्रह होगा।

➢ सुजल गांव आईडी प्रत्येक गांव के पेयजल स्रोत (स्थानीय या बुल्क), अवसंरचना की स्थिति, आपूर्ति विश्वसनीयता, जल गुणवत्ता स्थिति और संचालन एवं रखरखाव व्यवस्थाओं का डिजिटल प्रोफ़ाइल दर्शाएगी।

➢ सुजलम भारत डिजिटल रजिस्ट्री अवसंरचना की स्थिति, रखरखाव गतिविधियों तथा सेवा-स्तर प्रदर्शन का इतिहास सुरक्षित रूप से रखेगी, जिससे संचालन अधिक विश्वसनीय और दीर्घकालिक रूप से टिकाऊ बनेगा।

➢ यह प्लेटफॉर्म पीएम गति शक्ति जीआईएस से जुड़ा रहेगा, जिससे ग्रामीण जल नेटवर्क का वास्तविक-समय भू-आकृतिक मानचित्रण संभव होगा और योजना, मरम्मत तथा विस्तार अधिक सटीकता से किया जा सकता है।

1.21 भारत की पहली जीरो एमिशन इलेक्ट्रिक टग प्रोजेक्ट का उद्घाटन

भारत के समुद्री क्षेत्र में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए, केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने भारत के प्रथम पूर्ण-इलेक्ट्रिक ग्रीन टग का वर्चुअली उद्घाटन किया, जो ग्रीन टग ट्रांजिशन प्रोग्राम (GTTP) के तहत सतत् तथा ऊर्जा-कुशल समुद्री परिचालन के क्षेत्र में एक महत्त्वपूर्ण राष्ट्रीय उपलब्धि है।

टग क्या है?

टग (या टगबोट) एक शक्तिशाली तथा अत्यधिक नियंत्रित रूप से संचालित होने वाला पोत है, जिसका उपयोग बड़े जहाज़ों को बंदरगाह क्षेत्रों में मार्गदर्शन, टोइंग, बर्थिंग, एस्कॉर्टिंग तथा आपात प्रतिक्रिया जैसे परिचालनों में किया जाता है, विशेषकर उन सीमित जलक्षेत्रों में जहाँ अत्यधिक परिशुद्धता की आवश्यकता होती है।

मुख्य बिंदु

➢ केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने 3 दिसंबर 2025 को वर्चुअल माध्यम से भारत की पहली पूर्णतः विद्युत चालित टग के स्टील-कटिंग समारोह (निर्माण की शुरुआत) का शुभारंभ किया।

➢ यह पहला इलेक्ट्रिक टग गुजरात के दीनदयाल पोर्ट अथॉरिटी (DPA), कांडला के लिए बनाया जा रहा है।

ग्रीन टग ट्रांजिशन प्रोग्राम (GTTP) के लक्ष्य

➢ 2030 तक लक्ष्य: भारत के प्रमुख बंदरगाहों पर कम से कम 50 ग्रीन टग तैनात करना।

➢ पहला चरण (2024-2027): इस चरण में कुल 16 ग्रीन टग शामिल किए जाएंगे।

➢ शामिल बंदरगाह: शुरुआत में दीनदयाल पोर्ट के अलावा पारादीप पोर्ट, जवाहरलाल नेहरू पोर्ट (JNPA) और वी.ओ. चिदंबरनार पोर्ट में भी ये टग तैनात किए जाएंगे।

इलेक्ट्रिक टग की विशेषताएं

➢ शून्य उत्सर्जन: यह टग पूरी तरह से बैटरी चालित होगा, जिससे कार्बन उत्सर्जन शून्य होगा।

➢ क्षमता: इसमें 60 टन का बोलार्ड पुल (Bollard Pull) होगा, जो बड़े जहाजों को खींचने और नेविगेट करने में सक्षम है।

➢ स्वदेशी निर्माण: इसका निर्माण आत्रेय शिपयार्ड द्वारा किया जा रहा है, जो 'मेक इन इंडिया' पहल को बढ़ावा देता है।

➢ इसका उपयोग बंदरगाह संचालन, जहाजों को रास्ता दिखाने (Escort) और आपातकालीन प्रतिक्रिया के लिए किया जाएगा।

महत्व

➢ यह पहल भारत के 'मैरीटाइम इंडिया विजन 2030' और 2070 तक 'नेट ज़ीरो' उत्सर्जन के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

➢ इससे न केवल बंदरगाहों पर प्रदूषण कम होगा, बल्कि भारत वैश्विक स्तर पर ग्रीन शिपिंग तकनीक में एक अग्रणी देश के रूप में उभरेगा।

NOT FOR SALE

1.22 राइट टू डिसकनेक्ट बिल 2025

चर्चा में क्यों ?

भारत में 'राइट टू डिसकनेक्ट बिल 2025' हाल ही में चर्चा का विषय बना हुआ है। यह विधेयक मुख्य रूप से कर्मचारियों को उनके काम के घंटों के बाद ऑफिस के काम से मानसिक और डिजिटल रूप से "डिस्कनेक्ट" होने का अधिकार देने के लिए पेश किया गया है।

मुख्य बिंदु

- राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP-SP) की सांसद सुप्रिया सुले ने इसे 6 दिसंबर, 2025 को लोकसभा में पेश किया।
- यह एक प्राइवेट मेंबर बिल है। जो सरकार के किसी मंत्री ने नहीं, बल्कि एक सांसद ने निजी तौर पर पेश किया है।
- यह बिल कर्मचारियों को कार्यालय समय के बाद काम से जुड़े कॉल, ईमेल या संदेशों का जवाब न देने का कानूनी अधिकार देता है।
- इस बिल में एक ऐसी संस्था बनाने का प्रस्ताव है जो इस अधिकार के उल्लंघन की निगरानी करेगी और शिकायतों का निवारण करेगी।
- बिल में नियमों का उल्लंघन करने वाली कंपनियों पर उनके कुल पारिश्रमिक (Remuneration) का 1% जुर्माना लगाने का सुझाव दिया गया है।

1.23 जनगणना 2027 के लिए ₹11,718.24 करोड़ के बजट को आधिकारिक मंजूरी

केंद्र सरकार ने दिसंबर 2025 में जनगणना 2027 के लिए ₹11,718.24 करोड़ के बजट को आधिकारिक मंजूरी दे दी है। यह भारत की 16वीं और आज़ादी के बाद की 8वीं जनगणना होगी।

मुख्य बिंदु

पहली डिजिटल जनगणना (App-Based)

- मोबाइल ऐप का उपयोग: पहली बार जनगणना का सारा डेटा कागज की जगह Android और iOS मोबाइल ऐप के जरिए इकट्ठा किया जाएगा। इसके लिए लगभग 30 लाख फील्ड कर्मचारी (Enumerators) तैनात किए जाएंगे।
  - → सेल्फ-एन्युमरेशन (Self-Enumeration): आम नागरिक भी एक सुरक्षित पोर्टल के जरिए अपनी जानकारी खुद ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगे।

जनगणना का शेड्यूल (यह पूरी प्रक्रिया दो मुख्य चरणों में पूरी होगी)

- पहला चरण (अप्रैल से सितंबर 2026): इस दौरान मकानों की सूची (House Listing) और आवास संबंधी गणना की जाएगी।
- दूसरा चरण (फरवरी 2027): इस दौरान मुख्य जनसंख्या गणना (Population Enumeration) होगी। बर्फीले इलाकों (जैसे लद्दाख) में यह कार्य सितंबर 2026 में ही कर लिया जाएगा।
- संदर्भ तिथि: जनगणना के लिए 1 मार्च 2027 की मध्यरात्रि को 'रेफरेंस डेट' माना गया है।

डिजिटल जाति गणना (Caste Enumeration)

- इस जनगणना की सबसे बड़ी विशेषताओं में से एक जाति आधारित डेटा का डिजिटल संग्रह है।
- 1931 के बाद पहली बार सभी जातियों का डेटा इलेक्ट्रॉनिक रूप से इकट्ठा किया जाएगा, जिससे भविष्य की सरकारी नीतियों को बेहतर आधार मिलेगा।

तकनीकी नवाचार और सुरक्षा-

- CMMS पोर्टल: पूरी प्रक्रिया की रियल-टाइम निगरानी के लिए 'सेंसस मैनेजमेंट एंड मॉनिटरिंग सिस्टम' (CMMS) बनाया गया है।
- जियो-टैगिंग: पहली बार इमारतों की जियो-टैगिंग (GIS मैपिंग) की जाएगी ताकि डेटा पूरी तरह सटीक हो।
- CaaS (Census-as-a-Service): एकत्रित डेटा को मंत्रालयों के लिए मशीन-रीडेबल और उपयोगी फॉर्मेट में उपलब्ध कराया जाएगा।

महत्व

- यह जनगणना न केवल जनसंख्या बताएगी, बल्कि इसके आंकड़ों के आधार पर ही लोकसभा सीटों का परिसीमन और महिला आरक्षण (33%) को लागू करने की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।

1.24 "CoalSETU विंडो"

भारत सरकार ने दिसंबर 2025 में CoalSETU (Coal Linkage for Seamless, Efficient and Transparent Utilisation) नीति को मंजूरी दी है। इसके तहत एक विशेष "CoalSETU विंडो" बनाई गई है, जो कोयला आवंटन की प्रक्रिया को और अधिक सरल और लचीला बनाती है।

CoalSETU विंडो क्या है?

यह गैर-विनियमित क्षेत्र (NRS) लिंकेज नीलामी नीति, 2016 के तहत एक नया खंड (Sub-sector) है।

पहले कोयला केवल विशिष्ट उद्योगों (जैसे सीमेंट, स्टील, एल्युमीनियम) के लिए ही आरक्षित था, लेकिन अब इस 'विंडो' के जरिए कोई भी घरेलू औद्योगिक खरीदार लंबी अवधि के लिए कोयला लिंकेज प्राप्त कर सकता है।

उद्देश्य

- कोयले का किसी भी औद्योगिक उपयोग (जैसे सीमेंट, स्टील, एल्युमीनियम) और निर्यात के लिए नीलामी के आधार पर आवंटन करना, जिससे पारदर्शिता और दक्षता बढ़े।

मुख्य विशेषताएं और लाभ

- उपयोग की स्वतंत्रता: खरीदे गए कोयले पर अब "अंतिम-उपयोग" (End-use) का कोई सख्त प्रतिबंध नहीं है। यानी इसे किसी भी औद्योगिक कार्य के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।
- निर्यात (Export) की अनुमति: पहली बार, कोयला लिंकेज धारकों को आवंटित मात्रा का 50% तक निर्यात करने की अनुमति दी गई है।
- वाशरय (Washery) ऑपरेटर्स को फायदा: अब वाशरी चलाने वाली कंपनियां भी नीलामी में भाग ले सकती हैं, जिससे देश में धुले हुए कोयले (Washed coal) की उपलब्धता बढ़ेगी।
- ग्रुप कंपनियों के बीच साझा करना: एक ही ग्रुप की कंपनियां अपनी जरूरत के हिसाब से आपस में कोयले का आदान-प्रदान कर सकेंगी।
- आयात पर निर्भरता कम करना: इसका मुख्य उद्देश्य घरेलू कोयले के उपयोग को बढ़ावा देना और विदेशों से महंगे कोयले के आयात को कम करना है।
- यह नीति कोयला क्षेत्र में "ईज ऑफ डूइंग बिजनेस" (Ease of Doing Business) को बढ़ावा देने और भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

NOT FOR

1.25 'कर्नाटक घृणास्पद भाषण और घृणा अपराध (रोकथाम) विधेयक, 2025'

कर्नाटक विधानसभा ने हाल ही में 'कर्नाटक घृणास्पद भाषण और घृणा अपराध (रोकथाम) विधेयक, 2025' (The Karnataka Hate Speech and Hate Crimes (Prevention) Bill, 2025) पारित किया है। इसे देश का अपनी तरह का पहला ऐसा कानून बताया जा रहा है जो विशेष रूप से 'हेट स्पीच' और 'हेट क्राइम' को परिभाषित कर उन पर कार्रवाई के लिए बनाया गया है। कर्नाटक इस तरह का विशिष्ट कानून लाने वाला देश का पहला राज्य बन गया है।

मुख्य बिंदु

- **सजा और जुर्माने के सख्त प्रावधान-** विधेयक में अपराध की गंभीरता के आधार पर दंड तय किया गया है:
  - → **पहला अपराध:** न्यूनतम 1 साल की जेल, जिसे 10 वर्षों तक बढ़ाया जा सकता है, और ₹1,00,000 का जुर्माना।
  - → **बार-बार अपराध (Repeat Offence):** सजा को बढ़ाकर 10 साल (संशोधन के बाद कुछ रिपोर्ट में 7 साल का अधिकतम उल्लेख है) तक की जेल और ₹1 लाख का जुर्माना किया जा सकता है।
  - → **प्रकृति:** इस कानून के तहत सभी अपराध संज्ञेय (Cognizable) और गैर-जमानती (Non-bailable) होंगे।

कानून की मुख्य विशेषताएं

- **संगठनों की जिम्मेदारी (Collective Liability):** यदि कोई पंजीकृत या अपंजीकृत संगठन हेट स्पीच में शामिल पाया जाता है, तो उसके प्रभारी व्यक्तियों (लीडरशिप) को भी दोषी माना जाएगा।
- **ऑनलाइन सामग्री हटाना:** सरकार द्वारा नियुक्त अधिकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स और इंटरनेट सेवा प्रदाताओं को नफरती सामग्री हटाने या ब्लॉक करने का आदेश दे सकते हैं।
- **पीड़ित मुआवजा:** अदालतों को यह शक्ति दी गई है कि वे घृणा अपराध के पीड़ितों को उचित मुआवजा दिला सकें।
- **निवारक कार्रवाई (Preventive Action):** पुलिस (DySP स्तर और ऊपर) और कार्यकारी मजिस्ट्रेटों को अपराध होने से रोकने के लिए अग्रिम कार्रवाई करने की शक्ति दी गई है।

विधेयक के अनुसार 'हेट स्पीच' की व्यापक परिभाषा

- ऐसा वक्तव्य जो सार्वजनिक रूप से बोला गया, लिखा गया, संकेतों द्वारा दिखाया गया या इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों (सोशल मीडिया) से प्रसारित किया गया हो।
- जिसका उद्देश्य धर्म, जाति, लिंग, यौन अभिविन्यास (Sexual Orientation), भाषा, जन्म स्थान या विकलांगता के आधार पर किसी व्यक्ति या समूह के खिलाफ शत्रुता, नफरत या वैमनस्य पैदा करना हो।

1.26 दिल्ली में गठित होंगे दो नए जिले

दिल्ली सरकार ने शासन को और अधिक सुचारू बनाने और लोगों तक सेवाओं की पहुँच बेहतर करने के लिए दो नए जिले बनाने का निर्णय लिया है। जिससे मौजूदा 11 जिलों की संख्या अब बढ़कर 13 हो जाएगी।

मुख्य बिंदु

- मौजूदा 11 जिलों की संख्या अब बढ़कर 13 हो जाएगी।
- दो नए जिले प्रस्तावित या चर्चा में हैं, वे मुख्य रूप से घनी आबादी वाले क्षेत्रों को विभाजित करके बनाए जा रहे हैं -
  - → **रोहिणी:** इसे उत्तर-पश्चिम (North-West) जिले से अलग करके एक स्वतंत्र जिला बनाया जा सकता है।
  - → **करावल नगर:** इसे उत्तर-पूर्वी (North-East) जिले के भार को कम करने के लिए बनाया जा सकता है।
- यह बदलाव प्रशासनिक सुगमता, कानून-व्यवस्था, नागरिक सुविधाओं और बेहतर निगरानी को ध्यान में रखते हुए किया जा रहा है।

दिल्ली के वर्तमान 11 जिले

1. उत्तर (North)	7. दक्षिण-पूर्व (South-East)
2. उत्तर-पूर्व (North-East)	8. मध्य (Central)
3. उत्तर-पश्चिम (North-West)	9. नई दिल्ली (New Delhi)
4. पश्चिम (West)	10. शाहदरा (Shahdara)
5. दक्षिण-पश्चिम (South-West)	11. पूर्व (East)
6. दक्षिण (South)	

1.27 'जल शक्ति हैकाथॉन-2025' और भारत-विन पोर्टल का शुभारंभ

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल ने 9 दिसंबर 2025 को नई दिल्ली के श्रम शक्ति भवन में 'जल शक्ति हैकाथॉन-2025' और भारत-विन पोर्टल का शुभारंभ किया। यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'जल विजन@2047' के अनुरूप है, जो जल क्षेत्र में वैज्ञानिक और तकनीकी समाधानों को मजबूत करने पर केंद्रित है।

मुख्य बिंदु

जल शक्ति हैकाथॉन-2025 (Jal Shakti Hackathon-2025)

- इसका मुख्य उद्देश्य जल क्षेत्र की चुनौतियों (जैसे जल संरक्षण, अपशिष्ट जल उपचार और बाढ़ प्रबंधन) के लिए तकनीकी और व्यावहारिक समाधान खोजना है।
- विजेताओं को अपने विचार का 'प्रूफ-ऑफ-कॉन्सेप्ट' (PoC) विकसित करने के लिए ₹1 लाख का अनुदान दिया जाएगा।
- इसमें भाग लेने के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 14 जनवरी 2026 है।

भारत-विन पोर्टल (Bharat-WIN Portal)

- Bharat-WIN Portal का पुरा नाम Bharat - Water Innovation Network है।
- यह एक राष्ट्रीय मंच है जो शोधकर्ताओं, स्टार्टअप्स, उद्योगों और सरकारी एजेंसियों को एक साथ लाता है।
- इस पोर्टल के माध्यम से नवाचारों को साझा किया जा सकता है, अनुसंधान योजनाओं का समर्थन किया जा सकता है और ज़मीनी स्तर की जल समस्याओं के लिए स्केलेबल (बड़े पैमाने पर लागू करने योग्य) समाधान विकसित किए जा सकते हैं।

NOT FOR SALE

1.28 उत्तर प्रदेश किसानों के लिए कार्बन क्रेडिट योजना लागू करने वाला पहला राज्य बना

उत्तर प्रदेश देश का पहला ऐसा राज्य बन गया है जिसने किसानों को कार्बन क्रेडिट के माध्यम से आर्थिक लाभ पहुँचाने के लिए कार्बन क्रेडिट फाइनेंस स्कीम (Carbon Credit Finance Scheme) की आधिकारिक शुरुआत की है।

मुख्य बिंदु

- किसानों को प्रति कार्बन क्रेडिट (1 मीट्रिक टन CO_2 अवशोषण) के लिए 6 डॉलर (लगभग ₹500) का भुगतान किया जा रहा है।
- प्रदेश सरकार ने हाल ही में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए किसानों को अग्रिम भुगतान करना भी शुरू कर दिया है, ताकि वे पेड़ों के रखरखाव के लिए प्रेरित हों।
- इसके तहत् किसान वन विभाग के माध्यम से पंजीकरण करते हैं। इसके बाद TERI (The Energy and Resources Institute) और IIT रुड़की जैसे संस्थान ड्रोन और सैटेलाइट तकनीक का उपयोग करके यह मापते हैं कि पेड़ों ने कितनी कार्बन सोखी है।
- इस योजना में मुख्य रूप से तेजी से बढ़ने वाले पेड़ जैसे पॉपलर, मेलिया डुबिया (सफेद सिरस), और सेमल को शामिल किया गया है।
- इस योजना से किसानों को खेती के साथ-साथ प्रति हेक्टेयर ₹5,000 से ₹8,000 तक की अतिरिक्त वार्षिक आय होने का अनुमान है। सरकार का लक्ष्य 2027 तक राज्य के हरित क्षेत्र को 9% से बढ़ाकर 15% करना है।

1.29 ECI ने मतदाता सूची के SIR की निगरानी के लिए 8 प्रमुख राज्यों में विशेष रोल पर्यवेक्षक तैनात किए

भारत निर्वाचन आयोग (ECI) ने दिसंबर 2025 में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) की निगरानी के लिए 8 प्रमुख राज्यों में विशेष रोल पर्यवेक्षक (Special Roll Observers) तैनात किए हैं। इस कदम का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि मतदाता सूची पूरी तरह से त्रुटिहीन, पारदर्शी और समावेशी हो।

मुख्य बिंदु

- ये पर्यवेक्षक उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, गुजरात, केरल, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में तैनात किए गए हैं।
- ये पर्यवेक्षक सप्ताह में कम से कम दो दिन संबंधित राज्यों में मौजूद रहेंगे। यह प्रक्रिया फरवरी 2026 में अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन तक जारी रहेगी।
- इनका मुख्य कार्य मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (CEOs) और जिला निर्वाचन अधिकारियों (DEOs) के साथ बैठकें करना तथा राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से मिलकर उनकी शिकायतों और सुझावों को सुनना। साथ ही यह सुनिश्चित करना कि कोई भी पात्र मतदाता सूची से छूटे नहीं और किसी भी अपात्र व्यक्ति का नाम शामिल न हो।
- पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में अतिरिक्त पारदर्शिता के लिए 4,000 से अधिक माइक्रो-ऑब्जर्वर भी नियुक्त किए जा रहे हैं, जो केंद्र सरकार और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (PSUs) के अधिकारी होंगे।

SIR (विशेष गहन पुनरीक्षण) क्या है?

- यह सामान्य वार्षिक पुनरीक्षण से अधिक विस्तृत प्रक्रिया है। इसमें बूथ स्तर के अधिकारी (BLOs) घर-घर जाकर सत्यापन करते हैं ताकि मृत, स्थानांतरित या दोहरी प्रविष्टि वाले मतदाताओं के नाम हटाए जा सकें और नए पात्र युवाओं के नाम जोड़े जा सकें।

1.30 EARTH समिट 2025

EARTH समिट 2025 भारत में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और सहकारी क्षेत्र में डिजिटल क्रांति लाने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है, यह एक तीन-भागीय शृंखला है, जिसका दूसरा संस्करण हाल ही में गांधीनगर में आयोजित हुआ। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने इसका उद्घाटन किया, जिसमें 10,000 से अधिक प्रतिनिधि, कॉर्पोरेट्स, विशेषज्ञ और स्टार्टअप्स ने भाग लिया।

मुख्य बिंदु

- यह समिट ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, चार मंत्रालयों की चुनौतियों का समाधान करने और दिल्ली में अंतिम सम्मेलन तक राष्ट्रीय नीति ढांचा तैयार करने पर केंद्रित रही।
- यह ग्रामीण नवाचार, सहकारी-संचालित विकास और विकसित भारत के दृष्टिकोण को बढ़ावा देता है।
- इसका पहला संस्करण हैदराबाद में तथा तीसरा संस्करण दिल्ली में होगा।
- NABARD और IAMAI द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित, इस समिट में 'सहकार सारथी' के तहत डिजिटल किसान क्रेडिट कार्ड, सहकारी शासन सूचकांक जैसी 13 से अधिक प्रमुख डिजिटल सेवाएं और योजनाएं घोषित की गईं।
- ये ग्रामीण सहकारी बैंकों को आधुनिक बनाने, किसानों को डिजिटल सुविधाएं प्रदान करने और सहकारिता क्षेत्र को मजबूत करने पर केंद्रित हैं।

सहकार सारथी की मुख्य सेवाएं

- Digi KCC: किसान क्रेडिट कार्ड का पूर्ण डिजिटल संस्करण, जो ऋण वितरण को तेज बनाता है।
- सहकारी शासन सूचकांक: सहकारी बैंकों की शासन गुणवत्ता मापने वाला पहला सूचकांक।
- ePACS: प्राथमिक कृषि ऋण समितियों के लिए डिजिटल संचालन मंच।
- विश्व का सबसे बड़ा अनाज भंडारण ऐप: अनाज ट्रैकिंग और भंडारण के लिए।
- शिक्षा सारथी और सारथी टेक्नोलॉजी फोरम: प्रशिक्षण और तकनीकी सहायता।

बड़े प्रोजेक्ट

- सहकार टैक्सी: सहकारी आधारित टैक्सी सेवा, पायलट में 51,000 ड्राइवर पंजीकृत; लक्ष्य भारत की सबसे बड़ी सहकारी टैक्सी कंपनी बनाना।
- सहकारी बीमा: स्वास्थ्य, जीवन, कृषि और दुर्घटना बीमा को कवर; प्रत्येक गांव में 3 युवा बीमा एंबेसडर नियुक्ति योजना।

1.31 शांति विधेयक 2025 (SHANTI Bill 2025)

चर्चा में क्यों ?

शांति विधेयक 2025 भारत के परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में पिछले 60 वर्षों का सबसे बड़ा कानूनी सुधार है। इसका पूरा नाम (Sustainable Harnessing and Advancement of Nuclear Energy for Transforming India) है।

इसे दिसंबर 2025 में संसद द्वारा पारित किया गया और राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद यह कानून बन गया है। यह विधेयक मुख्य रूप से 'परमाणु ऊर्जा अधिनियम, 1962' और 'परमाणु क्षति के लिए नागरिक दायित्व अधिनियम, 2010' की जगह लेता है।

NOT FOR SALE

प्रमुख विशेषताएं और प्रावधान

- **निजी क्षेत्र का प्रवेश:** इस कानून की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसने परमाणु ऊर्जा उत्पादन में सरकारी एकाधिकार (NPCIL) को समाप्त कर दिया है। अब निजी भारतीय कंपनियां और संयुक्त उद्यम (Joint Ventures) परमाणु संयंत्र बना सकते हैं और उनका संचालन कर सकते हैं।
- **निवेश सीमा:** निजी और विदेशी निवेश को बढ़ावा देने के लिए इसमें परमाणु परियोजनाओं में 49% तक की हिस्सेदारी की अनुमति दी गई है।
- **नियामक शक्ति (AERB):** परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड (Atomic Energy Regulatory Board) को अब वैधानिक दर्जा (Statutory Status) दिया गया है, जिससे यह संसद के प्रति जवाबदेह होगा और अधिक स्वायत्त रूप से कार्य कर सकेगा।
- **दायित्व ढांचा (Liability Framework):** विधेयक ने परमाणु क्षति के लिए 'सप्लायर लायबिलिटी' (आपूर्तिकर्ता की जिम्मेदारी) को हटाकर इसे अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाया है। अब संयंत्र संचालक (Operator) ही प्राथमिक रूप से जिम्मेदार होंगे, जिससे विदेशी तकनीक प्रदाताओं का भारत में आना आसान होगा।
- **100 GW का लक्ष्य:** भारत का लक्ष्य अपनी परमाणु क्षमता को वर्तमान के लगभग 8 GW से बढ़ाकर 2047 तक 100 गीगावाट (GW) करना है।

लाभ और प्रभाव

- भारत की बिजली का लगभग 70% हिस्सा अभी भी कोयले से आता है। परमाणु ऊर्जा 'बेसलोड' (निरंतर मिलने वाली बिजली) के रूप में कोयले का सबसे बेहतर विकल्प है क्योंकि यह सौर ऊर्जा की तरह धूप या पवन की तरह हवा पर निर्भर नहीं है।
- निजी क्षेत्र (जैसे टाटा, रिलायंस, एलएंडटी) के इस क्षेत्र में आने से केवल 'प्लांट ऑपरेटर' के साथ साथ इंजीनियरिंग और सप्लाई चेन जैसे कई अन्य क्षेत्रों में नौकरियां सृजित होंगी।
- भारत द्वारा पेरिस समझौते के तहत अपनाए गए जलवायु लक्ष्य 2070 तक 'नेट जीरो' उत्सर्जन को प्राप्त करने में मदद मिलेगी। जिससे भारत को प्रति वर्ष करोड़ों टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को कम करने में मदद मिलेगी।
- आइसोटोप्स (Isotopes) के उत्पादन में वृद्धि होगी, जिससे रेडियोथेरेपी सस्ती और सुलभ होगी। जो कैंसर उपचार में मदद करेगी।
- 'गामा रेडिएशन' तकनीक से अनाज और फलों की शेल्फ-लाइफ बढ़ाई जा सकती है, जिससे किसानों की फसल खराब नहीं होगी।

SHANTI विधेयक 2025 संबंधी प्रमुख चिंता

- आपूर्तिकर्ता दायित्व को समाप्त करने तथा संचालक दंड की सीमा निर्धारित करने के कारण, इस विधेयक की आलोचना की जा रही है कि यह परमाणु दुर्घटना की स्थिति में जवाबदेही को कमज़ोर करता है।

भारत की वर्तमान परमाणु ऊर्जा परिदृश्य

- वर्ष 2025 तक भारत की वर्तमान परमाणु ऊर्जा क्षमता 8.18 गीगावाट है, जिसका वर्ष 2047 तक 100 गीगावाट का महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित है।
- वर्तमान में, भारत 20 से अधिक परमाणु रिएक्टर संचालित करता है, जिनका सभी का प्रबंधन न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (NPCIL) द्वारा किया जाता है तथा एक दर्जन से अधिक नई परियोजनाओं की योजना बनाई गई है।
- परमाणु ऊर्जा मिशन की शुरुआत केंद्रीय बजट 2025-26 में की गई थी, जो स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर (SMR) के अनुसंधान और विकास (R&D) पर केंद्रित है।
- भारत का लक्ष्य वर्ष 2033 तक कम-से-कम पाँच स्वदेशी रूप से डिज़ाइन एवं परिचालनात्मक स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर (SMR) का विकास करना है।
- प्रमुख नवीन प्रौद्योगिकी विकासों में भारत स्मॉल रिएक्टर (BSR), स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर (SMR), मोल्टन साल्ट रिएक्टर तथा हाई टेंपरेचर गैस-कूल्ड रिएक्टर शामिल हैं।

क्यों जरूरी है यह विधेयक?

भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए कोयले पर निर्भरता कम करना चाहता है। सौर और पवन ऊर्जा के साथ-साथ 'बेसलोड' (स्थिर बिजली) के लिए परमाणु ऊर्जा सबसे स्वच्छ विकल्प है। यह विधेयक विशेष रूप से स्टील और सीमेंट जैसे उद्योगों को कार्बन मुक्त करने के लिए छोटे रिएक्टरों (SMR) के उपयोग को कानूनी मान्यता देता है।

1.32 देहरादून में 47 वां अखिल भारतीय जनसंपर्क सम्मेलन

दिसंबर 2025 में उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में 47वां अखिल भारतीय जनसंपर्क सम्मेलन (47th All India Public Relations Conference) सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया (PRSI) द्वारा आयोजित इस तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का केंद्र बिंदु भारत के भविष्य के रोडमैप और जनसंपर्क की भूमिका पर था।

मुख्य बिंदु

- प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा उद्घाटित यह आयोजन 13 से 15 दिसंबर, 2025 को देहरादून में संपन्न हुआ।
- इस वर्ष के सम्मेलन की थीम "विकसित भारत @2047: विकास भी, विरासत भी" (Viksit Bharat @2047: Development as well as Heritage) है।
- सम्मेलन में PR विजन-2047, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), फेक न्यूज (गलत सूचना) और साइबर अपराध जैसी आधुनिक चुनौतियों पर विशेषज्ञों ने गहन चर्चा की।
- उत्तराखंड जैसे भौगोलिक रूप से संवेदनशील राज्य के लिए 'विश्वसनीय संचार' को आपदा प्रबंधन में एक प्रभावी 'कमांड सेंटर' के रूप में विकसित करने पर जोर दिया गया।
- इस सम्मेलन में रूस के प्रतिनिधियों (जैसे माइकल मास्लोव और अन्ना तालनिना) ने भी हिस्सा लिया, जिससे इसे एक अंतरराष्ट्रीय मंच मिला।

पुरस्कार और सम्मान (PRSI National Awards 2025)

- सम्मेलन के दौरान जनसंपर्क और कॉर्पोरेट संचार में उत्कृष्टता के लिए कई संस्थानों को सम्मानित किया गया-
  - → **NTPC कांटी:** इसने हाउस जर्नल (हिंदी), कॉर्पोरेट फिल्म और महिला सशक्तिकरण सहित चार राष्ट्रीय पुरस्कार जीते।
  - → **SAIL (स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया):** सेल को 'बेस्ट एडवरटाइजिंग कैंपेन यूजिंग AI' और 'कॉर्पोरेट वेबसाइट' सहित कुल आठ प्रतिष्ठित पुरस्कारों से नवाजा गया।

1.33 'निरसन और संशोधन विधेयक, 2025' (Repealing and Amending Bill, 2025)

यह भारत की संसद द्वारा हाल ही में पारित किया गया एक महत्वपूर्ण कानून है, जिसके तहत 71 पुराने, अप्रचलित और औपनिवेशिक काल के कानूनों को खत्म या संशोधित किया गया है, ताकि कानूनी व्यवस्था को सरल, आधुनिक और नागरिक-केंद्रित बनाया जा सके, जिसमें 65 संशोधन अधिनियम और 6 मुख्य कानून शामिल हैं, और इसने भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम, 1925 के तहत 'प्रोबेट' (Probate) की अनिवार्य आवश्यकता को समाप्त किया, जिससे वसीयत के मामलों में बड़ी राहत मिली है।

NOT FOR SALE

कानूनों का निरसन

- इस बिल के तहत 71 कानून निरस्त किए गए हैं। बिल के उद्देश्यों और कारणों के कथन में कहा गया है कि ये कानून या तो अप्रचलित हो चुके हैं या इन्हें अलग कानूनों के रूप में बरकरार रखना आवश्यक नहीं है। इनमें से 65 संशोधन एक्ट हैं, जिनके परिवर्तन पहले ही मूल कानूनों में शामिल किए जा चुके हैं।
- निरस्त किए जा रहे अन्य कानूनों में भारतीय ट्रामवे एक्ट, 1886, लेवी चीनी समान कीमत निधि एक्ट, 1976 और भारत पेट्रोलियम निगम लिमिटेड (कर्मचारियों की सेवा शर्तों का निर्धारण) एक्ट, 1988 शामिल हैं।

कुछ कानूनों में संशोधन

- इस बिल में चार कानूनों में संशोधन भी किया गया है। पंजीकृत डाक के लिए शब्दावली को अपडेट करने हेतु यह बिल सामान्य खंड एक्ट, 1897 और सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 में संशोधन करता है।
- भारतीय उत्तराधिकार एक्ट, 1925 में कुछ मामलों में न्यायालयों द्वारा वसीयत के सत्यापन की आवश्यकता को समाप्त करने हेतु संशोधन किया जा रहा है।
- बिल में आपदा प्रबंधन एक्ट, 2005 में ड्राफ्टिंग संबंधी एक गलती को सुधारने हेतु भी संशोधन किया गया है।

1.34 गुवाहाटी में भारत का पहला नेचर थीम वाला एयरपोर्ट टर्मिनल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 20 दिसंबर 2025 में गुवाहाटी के लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (LGBI Airport) के नए टर्मिनल भवन का भव्य उद्घाटन किया। यह पूर्वोत्तर भारत का सबसे बड़ा और पहला 'नेचर-थीम' (प्रकृति-आधारित) वाला हवाई अड्डा टर्मिनल है।

मुख्य बिंदु

- इस टर्मिनल की डिज़ाइन 'प्रकृति' पर आधारित है। इसे "बैम्बू ऑर्किड्स" (Bamboo Orchids) थीम पर बनाया गया है। टर्मिनल के भीतर लगभग 1 लाख स्वदेशी पौधों के साथ एक 'स्काई फॉरेस्ट' बनाया गया है, जो यात्रियों को जंगल जैसा अनुभव देता है।
- इसके निर्माण में पूर्वोत्तर के लगभग 140 मीट्रिक टन स्थानीय बांस (जैसे भोलुका और अपातानी बांस) का उपयोग किया गया है। यह नया एकीकृत टर्मिनल लगभग 1.4 लाख वर्ग मीटर में फैला है और सालाना 1.31 करोड़ (13.1 मिलियन) यात्रियों को संभालने में सक्षम है।
- इस टर्मिनल के स्तंभ 'कोपौ फूल' (फॉक्सटेल ऑर्किड) के आकार के हैं, जो असम का राजकीय फूल है। टर्मिनल में असमिया 'जापी' (पारंपरिक टोपी) और 'एक सींग वाले गैंडे' (Rhino) के रूपांकनों का प्रमुखता से उपयोग किया गया है।
- साथ ही प्रधानमंत्री ने टर्मिनल के बाहर असम के पहले मुख्यमंत्री लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई की 80 फुट ऊंची प्रतिमा का भी अनावरण किया।
- यह टर्मिनल पूरी तरह से डिजी यात्रा सक्षम है, जिससे यात्रियों को बायोमेट्रिक आधारित कॉन्टैक्टलेस बोर्डिंग की सुविधा मिलेगी। इसमें AI-आधारित एयरपोर्ट संचालन, फुल-बॉडी स्कैनर और स्वचालित बैगेज हैंडलिंग सिस्टम (ATRS) लगाए गए हैं।
- यह एक स्थायी (Sustainable) इमारत है जिसमें प्राकृतिक रोशनी का अधिकतम उपयोग और वर्षा जल संचयन की व्यवस्था है। यह परियोजना असम को दक्षिण-पूर्व एशिया (ASEAN देशों) से जोड़ने के भारत के विजन का हिस्सा है।
- यह 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' के तहत पूर्वोत्तर का प्रमुख प्रवेश द्वार है।

1.35 मेघालय का 'ग्रीन डिपॉजिट' (Green Deposit) पहल

मेघालय सरकार द्वारा हाल ही में शुरू की गई 'ग्रीन डिपॉजिट' (Green Deposit) पहल पर्यावरण संरक्षण और सतत पर्यटन (Sustainable Tourism) की दिशा में एक अनूठा कदम है। यह मुख्य रूप से प्लास्टिक प्रदूषण को नियंत्रित करने पर केंद्रित है।

मुख्य बिंदु

- यह एक 'रिफंडेबल डिपॉजिट' (Refundable Deposit) प्रणाली है। जब कोई पर्यटक प्लास्टिक की बोतलें, रैपर या बैग लेकर किसी अधिसूचित (Notified) ईको-टूरिज्म साइट में प्रवेश करता है, तो उसे प्रवेश द्वार पर एक निश्चित राशि जमा करनी होती है। यह योजना विशेष रूप से उच्च फुटफॉल वाले क्षेत्रों जैसे चेरापूंजी (Sohra), डॉकी (Dawki) और लिविंग रूट ब्रिज में लागू की गई है।

उद्देश्य और लाभ

- **प्लास्टिक मुक्त पर्यटन:** संवेदनशील पारिस्थितिक क्षेत्रों (Ecologically Sensitive Zones) को प्लास्टिक कचरे से बचाना।
- **व्यवहार परिवर्तन:** पर्यटकों में 'लीव नो ट्रेस' (Leave No Trace) यानी 'कोई निशान न छोड़ें' की संस्कृति विकसित करना।
- **सामुदायिक भागीदारी:** स्थानीय समुदायों और पर्यटन हितधारकों को अपशिष्ट प्रबंधन में शामिल करना।
- **नदी और वन संरक्षण:** मेघालय की नदियों और वनों को गैर-बायोडिग्रेडेबल कचरे से होने वाले नुकसान से बचाना।

1.36 झारखंड प्लेटफॉर्म आधारित गिग श्रमिक (निबंधन और कल्याण) विधेयक, 2025'

झारखंड सरकार ने गिग इकोनॉमी में काम करने वाले लाखों श्रमिकों (जैसे जोमैटो, स्विगी, ओला, उबर के डिलीवरी पार्टनर्स और ड्राइवर्स) के हितों की रक्षा के लिए 'झारखंड प्लेटफॉर्म आधारित गिग श्रमिक (निबंधन और कल्याण) विधेयक, 2025' को पारित किया है। दिसंबर, 2025 में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने इस विधेयक को अपनी मंजूरी दे दी है, जिसके बाद अब यह कानून बन गया है।

कानून की मुख्य विशेषताएं और प्रावधान

- राज्य सरकार एक समर्पित 'झारखंड गिग श्रमिक कल्याण बोर्ड' का गठन करेगी। इसका मुख्यालय रांची में होगा और श्रम विभाग के मंत्री इसके पदेन अध्यक्ष होंगे।
- यह बोर्ड श्रमिकों के पंजीकरण, उनके अधिकारों की रक्षा और शिकायतों के निवारण के लिए जिम्मेदार होगा। सभी गिग श्रमिकों और एग्रीगेटर (कंपनियों) का पंजीकरण अनिवार्य होगा।
- श्रमिकों के कल्याण के लिए एक कोष बनाया जाएगा, प्लेटफॉर्म कंपनियां प्रत्येक ट्रांजेक्शन (प्रति राइड या प्रति डिलीवरी) पर अपने टर्नओवर का 1% से 2% हिस्सा इस कोष में जमा करेंगी। गिग श्रमिकों के लिए न्यूनतम मजदूरी तय की जाएगी, जो उनके द्वारा बिताए गए समय और तय की गई दूरी पर आधारित होगी।
- एग्रीगेटर्स को कम से कम साप्ताहिक आधार पर भुगतान करना अनिवार्य होगा।
- इस कानून के तहत श्रमिकों को कई महत्वपूर्ण सुविधाएं जैसे- दुर्घटना, स्वास्थ्य और जीवन बीमा, वृद्धावस्था सहायता (पेंशन) और मातृत्व लाभ और बच्चों की शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति आदि दी जाएंगी।
- नियमों का उल्लंघन करने वाली कंपनि यों पर 50,000 रुपये से लेकर 10 लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। उल्लंघन जारी रहने पर प्रतिदिन 5,000 रुपये का अतिरिक्त जुर्माना लगेगा।
- राजस्थान के बाद झारखंड देश का ऐसा दूसरा राज्य बन गया है जिसने गिग वर्कर्स के लिए इस तरह का व्यापक कानूनी ढांचा तैयार किया है।

NOT FOR SALE

1.37 लोथल में राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर (NMHC) के विकास के लिए भारत-नीदरलैंड के मध्य समझौता

हाल ही में भारत और नीदरलैंड ने गुजरात के लोथल में राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर (National Maritime Heritage Complex) के विकास के लिए एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं।

मुख्य बिंदु

- इस समझौते का मुख्य उद्देश्य लोथल को एक अंतरराष्ट्रीय समुद्री पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करना है। इस समझौते के तहत् नीदरलैंड, लोथल में विश्व स्तरीय संग्रहालय विकसित करेगा। इसके तहत् दोनों देशों के बीच समुद्री इतिहास और कलाकृतियों के आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलेगा।

राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर (NMHC) के बारे में

- यह लोथल, गुजरात (सिंधु घाटी सभ्यता का प्रमुख बंदरगाह) में स्थित है। यह पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय (Ministry of Ports, Shipping and Waterways) के अंतर्गत विकसित है।
- यह अपनी तरह का भारत का पहला और दुनिया के सबसे बड़े समुद्री संग्रहालयों में से एक होगा। इसमें समुद्री संस्थान, हॉस्टल और इको-रिसॉर्ट्स शामिल होंगे। इसमें प्राचीन काल से लेकर आधुनिक युग तक की भारत की समुद्री शक्ति का प्रदर्शन किया जाएगा।

लोथल का ऐतिहासिक महत्व

- यह सिंधु घाटी सभ्यता (IVC) का एक प्रमुख बंदरगाह शहर था।
- इसकी खोज 1954 में रंगानाथ राव ने की थी।
- यह साबरमती नदी की सहायक नदी भोगवा के तट पर स्थित है।
- यहाँ से 'गोदीबाड़ा' (Dockyard) के साक्ष्य मिले हैं, जो उस समय के उन्नत समुद्री व्यापार को दर्शाते हैं।

1.38 आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में 'पेसा महोत्सव 2025'

आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में 23–24 दिसंबर, 2025 को पंचायती राज मंत्रालय द्वारा 'पेसा महोत्सव 2025' (PESA Mahotsav: Utsav Lok Sanskriti Ka) का भव्य आयोजन किया गया। यह महोत्सव पंचायती राज (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम, 1996 (PESA) की 29वें वर्षगांठ (24 दिसम्बर) के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया।

मुख्य बिंदु

- इसका मुख्य उद्देश्य जनजातीय समुदायों को सशक्त बनाना, उनकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करना और 'पेसा' अधिनियम के तहत उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।
- इस कार्यक्रम का शुभारंभ विशाखापत्तनम के आर.के. बीच पर 'पेसा रन' के साथ हुआ। इसका औपचारिक उद्घाटन आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री कोनिदाला पवन कल्याण और केंद्र व राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा किया गया।
- भारत के सभी 10 पेसा राज्यों (आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, राजस्थान और तेलंगाना) से लगभग 2,000 प्रतिनिधियों ने इसमें हिस्सा लिया।
- महोत्सव में पारंपरिक जनजातीय खेलों जैसे मल्लखंभ, गेड़ी दौड़, चक्की खेल और तीरंदाजी की प्रतियोगिताएं हुईं। साथ ही, विभिन्न राज्यों के कलाकारों ने अपने लोक नृत्यों और संगीत की प्रस्तुति दी।
- इस अवसर पर पेसा पोर्टल और पेसा संकेतकों का शुभारंभ किया गया, ताकि अधिनियम के कार्यान्वयन की बेहतर निगरानी की जा सके। साथ ही जनजातीय भाषाओं में प्रशिक्षण मॉड्यूल भी जारी किए गए।

1.39 राष्ट्रीय घटनाक्रम (To The Point)

- भारतीय सेना ने हाल ही में, 38 साल बाद, श्रीलंका में 'ऑपरेशन पवन' (1987-1990) के दौरान शहीद हुए 1171 जवानों को पहली बार आधिकारिक तौर पर सम्मानित किया।
- सुजलाम भारत शिखर सम्मेलन 2025, जल शक्ति मंत्रालय द्वारा नवम्बर 2025में नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित किया गया।
- 60 वीं डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस और इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस सम्मेलन का आयोजन नवा रायपुर में किया गया।
- सामाजिक बदलाव के लिए आई. आई. टी. खड़गपुर ने नवम्बर 2025 में "इम्पैक्ट राइज पहल" शुरू की है।
- शैक्षणिक सत्र 2025-26 से CBSE ने 6-8 कक्षाओं के लिए 'कौशल शिक्षा' को अनिवार्य कर दिया है।
- जम्मू कश्मीर में मिनरल डेवलपमेंट को बढ़ाने के लिए लाइमस्टोन ब्लॉक्स की पहली नीलामी की जाएगी।
- प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO) का नाम बदलकर 'सेवा तीर्थ' (Seva Teerth) कर दिया गया है, साथ ही राजभवनों को 'लोक भवन' और केंद्रीय सचिवालय को 'कर्तव्य भवन' नाम दिया गया है।
- 7वां इंडिया इंटरनेशनल सीवीड एक्सपो और समिट (7th India International Seaweed Expo & Summit) कोच्चि (Kochi) में 29-30 जनवरी 2026 को आयोजित किया जाएगा।
- पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग मैंडरिन संतरे को जी आई टैग मिला।
- ग्लोबल एनर्जी लीडर्स समिट 2025 (GELS 2025) का आयोजन 5 से 7 दिसंबर 2025 तक ओडिशा के पुरी शहर में किया गया था। इस शिखर सम्मेलन की थीम "पावरिंग इंडिया: सफिशिएंसी, बैलेंस, इनोवेशन" थी।
- 11वाँ इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल (IISF) 2025 हरियाणा के पंचकूला में 6 से 9 दिसंबर 2025 तक आयोजित किया गया था, जिसकी थीम "विज्ञान से समृद्धि: आत्मनिर्भर भारत के लिए" थी।
- कृषि क्षेत्र में सौर ऊर्जा के इस्तेमाल में महाराष्ट्र, देश में शीर्ष स्थान पर है।
- भारत में डीपफेक (Deepfake) पर लगाम लगाने के लिए एक निजी सदस्य विधेयक (Private Member's Bill) लोकसभा में शिवसेना के सांसद श्रीकांत शिंदे द्वारा प्रस्तुत किया गया है।
- राज्यों में तीर्थयात्रा पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए 'प्रसाद' योजना का पुनर्निर्धारण कर रही है पर्यटन मंत्रालय।
- भारत की घरेलू उड़ानों में करीब 60 फीसद मार्केट शेयर रखने वाली इंडिगो हाल ही में एक बड़े ऑपरेशनल संकट में फंस गई है जिससे बीते दिनों सैकड़ों इंडिगो विमान रद्द हुए हैं या उनमें देरी हुई।
- स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) प्रोग्राम के तहत अपने इलेक्टोरल रोल्स का 100% डिजिटाइजेशन पूरा करने वाला भारत का पहला राज्य बना राजस्थान।
- असम ने पूर्व सैनिकों के सम्मान में "सैनिक तुझे सलाम" पहल को लांच किया।
- तेलंगना सरकार ने हैदराबाद स्थित अमेरिकी दूतावास वाली सड़क का नाम 'डोनाल्ड ट्रंप एवेन्यू' रखने की घोषणा की है।
- यूनेस्को ने दीपावली को अमूर्त विरासत सूची में शामिल किया है।
- सुप्रीम कोर्ट ने स्टेट बार काउंसिल में महिलाओं के लिए 30 प्रतिशत आरक्षण का निर्देश दिया है।
- वाराणसी में शुरू हुई भारत की पहली स्वदेशी हाइड्रोजन ईंधन चालित यात्री जलयान सेवा, केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने दिखाएं हरी झंडी ।

NOT FOR SALE

- IIT मद्रास की अगुवाई में भारत ने चेन्नई में ग्लोबल AI कॉन्क्लेव 2025 की मेज़बानी की। यह इवेंट सुरक्षित, भरोसेमंद और समावेशी AI डेवलपमेंट पर केंद्रित है।
- कर्नाटक में विश्व का दूसरा सबसे बड़ा राष्ट्रीय ध्वज का अनावरण हुआ। पहला 2021 में लेह में फहराया गया था।
- केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल ने सुजलाम भारत ऐप का शुभारम्भ किया।
- केंद्रीय मंत्री सरबानंद सोनोवाल ने वर्चुअली देश के पहले पूरी तरह इलेक्ट्रिक ग्रीन टग के स्टील-कटिंग समारोह की शुरुआत की।
- लोकसभा में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) की सांसद सुप्रिया सुले द्वारा पेश 'राइट टू डिसकनेक्ट बिल, 2025' का उद्देश्य कर्मचारियों को काम के घंटों के बाद (छुट्टियों सहित) काम से जुड़े ईमेल, कॉल या मैसेज का जवाब देने से मना करने का कानूनी अधिकार देना है।
- मध्यप्रदेश, नक्सलवाद मुक्त राज्य घोषित हुआ।
- 2027 में होगी देश की पहली डिजिटल जनगणना, कैबिनेट ने 11,718 करोड़ के बजट को दी मंजूरी।
- केंद्रीय कैबिनेट ने कोल सेतु नीति को मंजूरी दी, कोयला आवंटन के लिए नया “CoalSETU” विंडो लॉन्च किया।
- गति शक्ति विश्वविधालय ने ज्ञान साझाकरण, संयुक्त पाठ्यक्रम विकास और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए अमेजन के साथ साझेदारी की है।
- कर्नाटक विधानसभा में घृणास्पद भाषण और घृणा अपराध (रोकथाम) विधेयक पेश किया गया है।
- दिल्ली में दो नये जिलों को मंजूरी, 11 की बजाय अब होंगे 13 जिले ।
- जनवरी 2026 में पंजाब, मुख्यमंत्री सेहत बीमा योजना को लॉन्च करेगा।
- महाराष्ट्र सरकार ने एक बड़ा नीति बदलाव करते हुए मुंबई की आवास व्यवस्था में दशकों से चल रहे पगड़ी सिस्टम को समाप्त करने के लिए नया नियामक ढांचा लागू करने की घोषणा की है।
- केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल ने नई दिल्ली में जल शक्ति हैकथॉन - 2025 और भारत विन पोर्टल का शुभारम्भ किया।
- आंध्र प्रदेश ने ऊर्जा संरक्षण और सौर ऊर्जा क्षेत्र में निरंतर और प्रगतिशील सुधार के लिए लगातार चौथे वर्ष राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार-2025 हासिल किया है।
- अर्थ समिट 2025 (EARTH Summit 2025) भारत में ग्रामीण विकास और सहकारी क्षेत्र को सशक्त बनाने पर केंद्रित एक महत्वपूर्ण सम्मेलन था, जिसका उद्घाटन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिसंबर 2025 में गांधीनगर, गुजरात में किया।
- हाल ही में तमिलनाडु के दो प्रमुख उत्पाद वोरैयूर कॉटन साड़ी और थूयामल्ली चावल को जी आई टैग मिला।
- केंद्रीय कैबिनेट ने हाल ही में न्यूक्लियर पावर सेक्टर को प्राइवेट भागीदारी के लिए खोलने के उद्देश्य से SHANTI बिल को मंजूरी दी है।
- उत्तराखंड के अल्मोड़ा की पर्वतारोही कविता चंद ने दिसंबर 2025 में अंटार्कटिका की सबसे ऊंची चोटी माउंट विंसन (4,892 मीटर) पर तिरंगा फहराया।
- 47वां अखिल भारतीय जनसंपर्क सम्मेलन, दिसंबर 2025 में उत्तराखंड के देहरादून में "विकसित भारत @2047: विकास भी, विरासत भी" विषय के साथ आयोजित किया गया।
- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विजय दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति भवन में नवनिर्मित ‘परम वीर दीर्घा’ का उद्घाटन किया। यह दीर्घा भारत के सर्वोच्च सैन्य सम्मान ‘परम वीर चक्र’ से सम्मानित 21 वीर योद्धाओं के अदम्य साहस एवं बलिदान को समर्पित है।
- जम्मू कश्मीर स्थित 'एम्स विजयपुर' देश का पहला एम्स बन गया, जहां 'Gen Z' (जनरेशन Z) डाकघर स्थापित किया गया है।
- इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) द्वारा आयोजित एक प्रमुख वैश्विक सम्मेलन है, जो 19-20 फरवरी 2026 को नई दिल्ली के भारत मंडपम में होगा।
- भारत ने 2027 तक अंतरिक्ष और गहरे समुद्र में एक साथ मानव मिशन के साथ दुर्लभ वैश्विक उपलब्धि हासिल करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।
- राष्ट्रपती द्रौपदी मुर्मु ने 19 दिसंबर, 2025 को हैदराबाद में, तेलंगाना लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित 'लोक सेवा आयोगों के अध्यक्षों का राष्ट्रीय सम्मेलन' का उद्घाटन किया।
- हाल ही में गुवाहाटी के 'गोपीनाथ बोरदोलोई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे' पर देश के पहले ‘नेचर-थीम’ आधारित एयरपोर्ट टर्मिनल का उद्घाटन किया गया है।
- मेघालय में प्लास्टिक कचरे को कम करने के लिए ग्रीन डिपॉजिट योजना शुरू की गई।
- हाल ही में भारतीय रेलवे ने अपने ब्रॉड गेज (BG) नेटवर्क के 99.2% हिस्से का विद्युतीकरण पूरा किया।
- झारखंड सरकार ने हाल ही में 'झारखंड प्लेटफॉर्म आधारित गिग श्रमिक (निबंधन और कल्याण) विधेयक 2025' को मंजूरी दी है, जो गिग वर्कर्स जैसे डिलीवरी बॉय और ड्राइवरों को औपचारिक सुरक्षा प्रदान करेगा।
- दिसम्बर 2025 में ओडिशा ने भुवनेश्वर में दो दिवसीय क्षेत्रीय एआई इम्पैक्ट समिट 2025 की मेजबानी की।
- पश्चिम बंगाल सरकार ने महात्मा गांधी के सम्मान में अपनी फ्लैगशिप 100 दिवसीय रोजगार योजना 'कर्म श्री' का नाम बदलकर 'महात्मा श्री' कर दिया।
- राष्ट्रीय महिला आयोग (NCW) ने युवाओं को भारत में महिलाओं के मुद्दों पर शोध करने और समाधान सुझाने के लिए "शक्ति स्कॉलर्स: NCW यंग रिसर्च फेलोशिप (SHAKTI Scholars: NCW Young Research Fellowship)" शुरू की।
- भारत ने गुजरात के लोथल में नेशनल मैरीटाइम हेरिटेज कॉम्प्लेक्स (NMHC) को विकसित करने के लिए नीदरलैंड्स के साथ साझेदारी की है।
- भारत का पहला वर्चुअल रियलिटी माइन सिमुलेटर (VRMS) आईआईटी (ISM) धनबाद में शुरू किया गया है, जिसका उद्घाटन केंद्रीय कोयला और खनन मंत्री जी किशन रेड्डी ने किया।
- इंदौर “शून्य से शतक: एक शताब्दी अटल भारत की” कार्यक्रम इंदौर में अटल बिहारी वाजपेयी की जन्मशताब्दी पर आयोजित हुआ।
- NHPC ने अरुणाचल-असम सीमा पर स्थित अपनी 2000 MW सुबनसिरी लोअर हाइड्रोइलेक्ट्रिक परियोजना की पहली 250 MW इकाई को सफलतापूर्वक चालू कर दिया।
- अटल कैंटीन योजना , दिल्ली सरकार द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती पर शुरु किया गया, जहाँ गरीबों और जरूरतमंदों को मात्र 5 रुपये में पौष्टिक थाली होगी।
- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने हाल ही में संथाली भाषा में भारत के संविधान के एक नए संस्करण का अनावरण किया।
- मध्य प्रदेश के धार में भारत के पहले सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) मॉडल पर आधारित मेडिकल कॉलेजों की आधारशिला रखी गई।
- यूनिसेफ द्वारा समर्थित "पा पा पगली" (Pa Pa Pagli) परियोजना गुजरात राज्य के दाहोद जिले में शुरू की गई है, जो नौनिहालों की शिक्षा को लेकर एक अनोखी पहल है।

NOT FOR SALE

02 बिहार स्पेशल घटनाक्रम

2.1 डॉ. प्रेम कुमार, बिहार विधानसभा के अध्यक्ष चयनित हुए

भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. प्रेम कुमार को 2 दिसंबर 2025 को निर्विरोध रूप से 18वीं बिहार विधानसभा का अध्यक्ष चुना गया है।

मुख्य बिंदु

- गया शहर (टाउन) सीट से लगातार 9वीं बार विधायक बने डॉ. प्रेम कुमार का अध्यक्ष के रूप में चयन बिहार की राजनीति में उनके लंबे अनुभव और कद को दर्शाता है।
- अध्यक्ष पद के लिए केवल डॉ. प्रेम कुमार ने ही नामांकन दाखिल किया था। विपक्ष की ओर से किसी भी अन्य उम्मीदवार के न होने के कारण उन्हें निर्विरोध (Unanimously) निर्वाचित घोषित किया गया।
- प्रोटेम स्पीकर (अस्थायी अध्यक्ष) नरेन्द्र नारायण यादव ने सदन में उनके निर्वाचन की आधिकारिक घोषणा की।
- डॉ. प्रेम कुमार 1990 से लगातार विधायक हैं और बिहार सरकार में कृषि, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण (PHED) और राजस्व जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालयों को संभाल चुके हैं।

/// विधानसभा अध्यक्ष के संबंध में संवैधानिक प्रावधान ///

- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 178 के तहत, प्रत्येक राज्य विधानसभा अपने सदस्यों में से अध्यक्ष (Speaker) और उपाध्यक्ष (Deputy Speaker) का चुनाव करती है।
- विधानसभा अध्यक्ष का कार्यकाल विधानसभा के कार्यकाल (सामान्यतः 5 वर्ष) के बराबर होता है।
- यदि विधानसभा भंग हो जाती है, तो भी वे नए सदन की पहली बैठक तक अपने पद पर बने रहते हैं।
- अध्यक्ष अपना त्यागपत्र उपाध्यक्ष (Deputy Speaker) को सौंपते हैं।
- अध्यक्ष को पद से हटाने के लिए विधानसभा में प्रभावी बहुमत से प्रस्ताव पारित करना आवश्यक होता है, जिसकी सूचना 14 दिन पहले देनी होती है।

शक्ति और कर्तव्य

- सदन की कार्यवाही का संचालन करना और नियमों का पालन सुनिश्चित करना।
- यह तय करना कि कोई विधेयक धन विधेयक है या नहीं (Final Authority)।
- अस्थिर व्यवहार पर सदस्यों को अनुशासित करना।
- दल-बदल (Tenth Schedule) के आधार पर सदस्यों की अयोग्यता पर निर्णय लेना।
- **अनुच्छेद 180 (1):** अध्यक्ष या उपाध्यक्ष के अनुपस्थित होने पर, राज्यपाल किसी सदस्य को कर्तव्यों का पालन करने के लिए नियुक्त कर सकते हैं (Protem Speaker की भूमिका)।
- **अनुच्छेद 210:** अध्यक्ष को सदन में मातृभाषा में बोलने की अनुमति देने का अधिकार है, यदि सदस्य अन्य भाषाओं में अभिव्यक्त करने में सक्षम न हों।

2.2 बिहार सरकार का मुख्यमंत्री भारत दर्शन योजना

- दिसंबर 2025 में बिहार के शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने सरकारी स्कूलों के छात्रों के लिए मुख्यमंत्री भारत दर्शन योजना शुरू की।
- इस योजना का उद्देश्य सांस्कृतिक जागरूकता, राष्ट्रीय एकता और अनुभवात्मक शिक्षा को बढ़ावा देना है।
- इसके तहत कक्षा 9 से 12 तक के चयनित छात्रों को देशभर के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और दर्शनीय स्थलों की शैक्षिक यात्रा कराई जाएगी।

2.3 बरैला झील

चर्चा में क्यों ?

बिहार के वैशाली जिले में स्थित बरैला झील (सलीम अली जुब्बा सहनी पक्षी अभयारण्य) को राज्य के 'नेचर-वाइल्ड लाइफ सर्किट' में शामिल करने की तैयारी तेज हो गई है। बिहार सरकार इस ऐतिहासिक झील को एक प्रमुख ईको-टूरिज्म हब के रूप में विकसित कर रही है।

मुख्य बिंदु

- बरैला झील (सलीम अली जुब्बा सहनी पक्षी अभयारण्य) बिहार के वैशाली जिले में स्थित एक अत्यंत महत्वपूर्ण और प्राकृतिक रूप से समृद्ध आर्द्रभूमि (Wetland) है।
- यह झील लगभग 1625 हेक्टेयर में फैली है, जिसमें से 197.91 हेक्टेयर को 1997 में आधिकारिक रूप से 'पक्षी अभयारण्य' घोषित किया गया था।
- इस अभयारण्य का नाम प्रसिद्ध पक्षी विज्ञानी डॉ. सालिम अली और महान स्वतंत्रता सेनानी जुब्बा सहनी के सम्मान में रखा गया है।
- यहाँ स्थानीय पक्षियों की 106 प्रजातियां और साइबेरिया तथा मध्य एशिया से आने वाली 59 प्रवासी प्रजातियां (जैसे- बार-हेडेड गूज, रडी शेलडक) देखी जाती हैं।
- यह झील 'नून' नदी और अन्य स्थानीय जलधाराओं से जुड़ी है, जो अंततः बूढ़ी गंडक में मिलती है।
- पौराणिक मान्यताओं के अनुसार जनकपुर जाते समय भगवान राम यहाँ रुके थे, जिसके कारण इसका नाम 'बरैला' (वर+अइलअ) पड़ा।

2.4 पटना के फतुहा में फिनटेक सिटी (Fintech City) विकसित करेगी बिहार सरकार

बिहार सरकार पटना के फतुहा में फिनटेक सिटी (Fintech City) विकसित करने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह परियोजना गुजरात की 'गिफ्ट सिटी' (GIFT City) की तर्ज पर बनाई जा रही है और इसे बिहार के वित्तीय और तकनीकी भविष्य के लिए काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मुख्य बिंदु

- यह फिनटेक सिटी फतुहा अंचल के जैतिया मौजा में विकसित की जा रही है। जो लगभग 242 एकड़ भूमि में फैली होगी।

NOT FOR SALE

- इसके लिए राज्य के कैबिनेट ने जमीन अधिग्रहण के लिए ₹408.81 करोड़ की राशि स्वीकृत कर दी है।
- इसका उद्देश्य बिहार के प्रतिभाशाली युवाओं को बाहर जाने से रोकना और उन्हें घर के पास ही बेहतर करियर विकल्प प्रदान करना है।

प्रमुख विशेषताएं

- **एकीकृत हब:** यहाँ बैंकिंग, निवेश संस्थान, बीमा कंपनियां और फिनटेक स्टार्टअप्स एक ही परिसर में होंगे।
- **मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक पार्क (MMLP):** यह सिटी प्रस्तावित लॉजिस्टिक पार्क के ठीक बगल में स्थित है, जिससे माल की आवाजाही और व्यापार में आसानी होगी।
- **आधुनिक बुनियादी ढांचा:** यहाँ केवल दफ्तर ही नहीं, बल्कि कर्मचारियों के लिए आवास, स्कूल, अस्पताल, मॉल और होटल जैसी विश्व स्तरीय सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी।

2.5 बिहार में 100 फास्ट ट्रैक अदालतों का होगा गठन

बिहार के उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री सम्राट चौधरी ने दिसंबर 2025 में राज्य की न्याय व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए 100 नई फास्ट ट्रैक अदालतों (FTC) के गठन की घोषणा की है। इस महत्वपूर्ण पहल का मुख्य लक्ष्य बिहार में लंबित 18 लाख से अधिक आपराधिक मामलों का शीघ्र निपटारा करना और राज्य में कानून-व्यवस्था को और बेहतर बनाना है।

मुख्य बिंदु

- ये अदालतें राज्य के सभी 38 जिलों और कुछ प्रमुख अनुमंडलों में स्थापित की जाएंगी–
  - → **पटना:** 08 अदालतें (सर्वाधिक आवंटन)
  - → **गया, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, भागलपुर:** प्रत्येक जिले में 04-04 अदालतें।
  - → **नालंदा, रोहतास, सारण, बेगूसराय, वैशाली, पूर्वी चंपारण, समस्तीपुर, मधुबनी:** प्रत्येक में 03-03 अदालतें।
  - → **अन्य जिले:** पश्चिम चंपारण, सहरसा, पूर्णिया सहित बाकी जिलों में 02-02 अदालतें।
  - → **अनुमंडल:** नवगछिया और बगहा अनुमंडल में 1-1 अदालत स्थापित होगी।
- इन 100 अदालतों में से 79 अदालतों को विशेष रूप से 'शस्त्र अधिनियम' (Arms Act) के मामलों के लिए आरक्षित किया गया है।
- इन अदालतों को संचालित करने के लिए बड़े पैमाने पर मानव संसाधन की आवश्यकता होगी, जिसके लिए सरकार लगभग 900 नए पदों पर भर्ती करने वाली है।
- यह कदम बिहार सरकार के "न्याय के साथ विकास" के संकल्प को और मजबूती प्रदान करेगा।
- आम जनता को न्याय के लिए वर्षों का इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

2.6 मादा ग्रेलैग गूज

चर्चा में क्यों ?

भागलपुर के सोनवर्षा गांव में पाए गए एक दुर्लभ प्रवासी पक्षी, मादा ग्रेलैग गूज (Greylag Goose) का नाम "सोनवर्षा" या "सोनबरसा" रखा गया है। यह पक्षी गंगा दियारा के सोनवर्षा क्षेत्र में मिला, जो जैव विविधता से भरपूर वेटलैंड है।

मुख्य बिंदु

- पक्षी वैज्ञानिकों ने हाल के सर्वेक्षण में इस मादा ग्रेलैग गूज की पहचान की और इसे सोनवर्षा गांव के नाम पर नामित किया।
- यह भागलपुर जिले का पहला GPS टैगिंग अभियान था, बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी (BNHS) की टीम ने इस मादा पक्षी को GPS-GSM टैग लगाकर उसके प्रवासी मार्ग का अध्ययन किया।
- सोनवर्षा दियारा हर सर्दी में हजारों प्रवासी पक्षियों का ठिकाना बनता है, और यह नामकरण क्षेत्र को रामसर साइट घोषित करने की दिशा में मील का पत्थर है। इससे पर्यटन, ईको-टूरिज्म और स्थानीय रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।
- भागलपुर का यह क्षेत्र (कदवा दियारा और सोनवर्षा) न केवल ग्रेलैग गूज के लिए, बल्कि दुर्लभ 'गरुड़' (Greater Adjutant Stork) के प्रजनन के लिए भी विश्व प्रसिद्ध है।

ग्रेलैग गूज (Greylag Goose) के बारे में	
वैज्ञानिक नाम	Anser anser
प्रवास का समय	सर्दियों के दौरान (अक्टूबर से मार्च)
मुख्य पहचान	गुलाबी चोंच और भूरे-सफेद पंख
विशेषता	यह पक्षी बहुत अनुशासित होकर 'V' आकार में उड़ते हैं।

2.7 बिहार के सीवान, बांका और रजौली में न्यूक्लियर पावर प्लांट लगाने के लिए केंद्र द्वारा सर्वे शुरू

केंद्र सरकार (NPCIL-NTPC) ने 100 गीगावाट (100 GW) न्यूक्लियर एनर्जी लक्ष्य के तहत बिहार में तीन जगहों - सीवान (Siwan), बांका (Banka) और रजौली (Rajauli - नवादा) पर न्यूक्लियर पावर प्लांट लगाने की तैयारी शुरू कर दी है, जिसके लिए सर्वे का काम जारी है। यह प्रोजेक्ट बिहार को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने, बिजली की कमी पूरी करने और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में अहम होगा।

मुख्य बिंदु

- यह प्रोजेक्ट NPCIL (न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड) और NTPC के संयुक्त उद्यम (Joint Venture) के तहत विकसित किया जाएगा।
- चयनित स्थान जिनका साइट सर्वे (Site Survey) शुरू किया गया-
  - → **रजौली (नवादा):** यहाँ का भूगर्भीय ढांचा लंबे समय से परमाणु ऊर्जा के लिए अनुकूल माना गया है।
  - → **बांका:** बांका के शंभूगंज क्षेत्र में गंगा नदी के पास पानी की उपलब्धता और भूमि का निरीक्षण किया जा रहा है।
  - → **सीवान:** यहाँ घाघरा नदी के पास जल स्रोतों और मिट्टी की स्थिति का आकलन किया जा रहा है।
- सर्वेक्षण का उद्देश्य भूकंपीय स्थिति, पानी की उपलब्धता, जमीन की उपलब्धता, आबादी का घनत्व और अन्य तकनीकी-भौगोलिक पहलुओं की जांच करना है।
- प्रस्तावित प्लांट की क्षमता 2800-4000 मेगावाट तक हो सकती है, जो बिहार की 40-50% बिजली की जरूरत पूरी कर सकती है, और यह स्वच्छ, 24x7 बिजली प्रदान करेगा, जिससे औद्योगिक विकास होगा और रोजगार बढ़ेगा।
- यह बिहार को ऊर्जा में आत्मनिर्भर बनाने, उच्च तकनीक वाला न्यूक्लियर हब बनाने और राष्ट्रीय ऊर्जा लक्ष्य (100 GW) में योगदान देने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

NOT FOR SALE

2.8 बिहार में अभया ब्रिग्रेड पुलिस यूनिट के गठन की घोषणा

बिहार के उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री सम्राट चौधरी ने दिसंबर 2025 में महिलाओं और छात्राओं की सुरक्षा के लिए 'अभया ब्रिगेड' (Abhaya Brigade) नाम की एक विशेष पुलिस यूनिट बनाने की घोषणा की है।

मुख्य बिंदु

- बिहार के सभी थानों में एक समर्पित 'अभया ब्रिगेड' टीम तैनात की जाएगी। प्रत्येक टीम का नेतृत्व एक महिला सब-ईंस्पेक्टर (SI) करेंगी, जिनके साथ तीन अन्य सिपाही (एक महिला और दो पुरुष) होंगे।
- इस पहल का मुख्य उद्देश्य राज्य में महिलाओं के लिए एक भयमुक्त वातावरण तैयार करना है और "एंटी-रोमियो" मॉडल की तर्ज पर सार्वजनिक स्थानों को सुरक्षित बनाना है।

मुख्य कार्य

- हॉटस्पॉट की पहचान: स्कूल, कॉलेज, कोचिंग सेंटर, बाजार, मॉल और रेलवे स्टेशनों के पास ऐसे स्थानों को चिन्हित करना जहाँ छेड़खानी (Eve-teasing) की संभावना ज्यादा रहती है।
- गश्त (Patrolling): यह ब्रिगेड वर्दी और सादे कपड़ों, दोनों में गश्त करेगी ताकि मनचलों को रंगे हाथों पकड़ा जा सके।
- त्वरित कार्रवाई: छेड़खानी या उत्पीड़न की किसी भी शिकायत पर यह टीम तुरंत मौके पर पहुंचकर कानूनी कार्रवाई करेगी।
- जागरूकता: यह टीम शैक्षणिक संस्थानों में जाकर छात्राओं से बात करेगी और उन्हें 'डायल-112' जैसी आपातकालीन सेवाओं के बारे में जागरूक करेगी।

2.9 बिहार, मशरूम उत्पादन में देश का अग्रणी राज्य

दिसंबर 2025 की ताजा रिपोर्टों के अनुसार, बिहार अब देश का सबसे बड़ा मशरूम उत्पादक राज्य बन गया है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) के तहत मशरूम अनुसंधान निदेशालय (DMR), सोलन के आंकड़ों के अनुसार, भारत के कुल मशरूम उत्पादन में बिहार की हिस्सेदारी बढ़कर 11 प्रतिशत हो गई है।

मुख्य बिंदु

- बिहार में मशरूम का उत्पादन अब 41,000 टन से भी अधिक हो गया है।
- साल 2010 में बिहार में केवल 400 टन बटन मशरूम और 80 टन ऑयस्टर मशरूम का उत्पादन होता था।
- पिछले कुछ वर्षों में बिहार 13वें स्थान से सीधे पहले स्थान पर पहुँच गया है।
- बिहार ने ओडिशा को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया है।
- वर्तमान रैंकिंग में बिहार पहले, महाराष्ट्र दुसरे और ओडिशा तीसरे स्थान पर है।

सरकारी योजनाएं और भारी सब्सिडी (2025-26)

- बिहार सरकार ने मशरूम की खेती को बढ़ावा देने के लिए साल 2025-26 के लिए विशेष सब्सिडी योजनाओं की घोषणा की है:
  - → सब्सिडी: मशरूम किट और 'मशरूम हट' (झोपड़ी) बनाने के लिए किसानों को 50% से 90% तक की सब्सिडी दी जा रही है।
  - → महिला सशक्तिकरण: इन योजनाओं में महिला किसानों को प्राथमिकता दी जा रही है। लगभग 60,000 से 70,000 किसान इस व्यवसाय से जुड़े हैं।

प्रमुख उत्पादक क्षेत्र

- गया जिला, बिहार का सबसे बड़ा मशरूम हब के रूप में उभरा है। यहाँ के 'हर घर मशरूम योजना' के तहत लगभग हर गाँव में मशरूम की खेती हो रही है। इसके अलावा नालंदा, समस्तीपुर और जमुई जिलों में भी बड़े पैमाने पर मशरूम उत्पादन हो रहा है।

तकनीकी सहायता

- डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, समस्तीपुर और अन्य संस्थान किसानों को मशरूम की उन्नत किस्मों (जैसे बटन, ऑयस्टर और मिल्की मशरूम) के लिए प्रशिक्षण और बीज (Spawn) उपलब्ध करा रहे हैं।

2.10 राजगीर खेल अकादमी को एशियन हॉकी फेडरेशन (AHF) द्वारा 'हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' के रूप में मान्यता

राजगीर स्थित बिहार राज्य खेल अकादमी ने हाल ही में एक बड़ी अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि हासिल की है। एशियन हॉकी फेडरेशन (AHF) द्वारा इसे 'हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' के रूप में मान्यता दी गई है।

मुख्य बिंदु

- यह सम्मान पाने वाली यह भारत की पहली राज्य-संचालित खेल अकादमी बन गई है।
- इसका अभिप्राय है कि राजगीर का इंफ्रास्ट्रक्चर, विशेष रूप से यहाँ का ब्लू एस्ट्रोटर्फ, अंतरराष्ट्रीय मानकों पर खरा उतरा है।
- यह आधिकारिक प्रमाण पत्र दिसंबर 2025 में चेन्नई में आयोजित एक समारोह के दौरान प्रदान किया गया। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (FIH) के अध्यक्ष तैयब इकराम ने यह मान्यता प्रमाण पत्र बिहार की खेल मंत्री श्रेयसी सिंह को सौंपा।
- मान्यता मिलने के बाद अब यहाँ केवल बिहार ही नहीं, बल्कि अन्य एशियाई देशों के खिलाड़ी और कोच भी अंतरराष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण ले सकेंगे।
- इस मान्यता से बिहार में खेल पर्यटन (Sports Tourism) को बढ़ावा मिलेगा और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों के आयोजन की राह और आसान होगी।

2.11 बीएसपीटीसीएल को पावरलाइन ट्रांसटेक इंडिया अवार्ड्स 2025 में दो प्रतिष्ठित पुरस्कार

बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड (बीएसपीटीसीएल) को पावरलाइन ट्रांसटेक इंडिया अवार्ड्स 2025 में दो प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार 10 दिसंबर, 2025 को नई दिल्ली के द्वारका स्थित यशोभूमि इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर (IICC) में आयोजित समारोह में प्रदान किया गया।

मुख्य बिंदु

- बीएसपीटीसीएल को पिछले तीन वर्षों में पूर्वी क्षेत्र में सर्वाधिक 2,018 सर्किट किलोमीटर संचरण लाइन में वृद्धि (220 केवी और उससे अधिक) तथा सर्वाधिक 5,260 ट्रांसफॉर्मेशन कैपेसिटी में वृद्धि (220 केवी और उससे अधिक) के लिए पुरस्कार प्राप्त हुए हैं।
- कंपनी ने संचरण लाइनों और ट्रांसफार्मर क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि करके बिहार की बिजली ट्रांसमिशन क्षमता में महत्वपूर्ण सुधार किया है।

विजेता चयन का आधार

- पावरलाइन ट्रांसटेक इंडिया अवार्ड्स का उद्देश्य भारतीय बिजली के संचरण क्षेत्र में उत्कृष्टता को मान्यता देना है।

NOT FOR SALE

- विजेता का चयन CEA, PFC और राज्य उपयोगिताओं द्वारा रिपोर्ट किए गए डेटा के आधार पर किया गया है।
- ट्रांसटेक इंडिया विद्युत मंत्रालय द्वारा समर्थित एक प्रमुख प्रदर्शनी और सम्मेलन है, जिसमें इस वर्ष 2,500 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया है।
- यह दोनों सम्मान बिहार के संचरण क्षेत्र के बुनियादी ढांचे के विकास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।
- पूर्वी क्षेत्र में इन दोनों श्रेणियों में शीर्ष स्थान हासिल करना बीएसपीटीसीएल की तकनीकी क्षमता और बिहार के बिजली क्षेत्र को मजबूत करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कंपनी राज्य के सभी हिस्सों में गुणवत्तापूर्ण, निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

2.12 बिहार सरकार का 'भूमि सुधार संवाद'

बिहार सरकार ने भूमि विवादों के तेजी से समाधान और राजस्व व्यवस्था में पारदर्शिता लाने के लिए 'भूमि सुधार संवाद' (जिसे 'भूमि सुधार जन कल्याण संवाद' भी कहा जा रहा है) नामक एक नई पहल शुरू की है।

मुख्य बिंदु

- इसका उद्देश्य भूमि विवादों का त्वरित, पारदर्शी और जन-उन्मुखी समाधान, तथा भूमि रिकॉर्ड (जमाबंदी) में सुधार लाना है।
- इसके तहत् नागरिक अपनी भूमि संबंधी समस्याओं और दस्तावेजों की अशुद्धियों को सीधे अधिकारियों के सामने प्रस्तुत कर सकेंगे, जिससे मौके पर ही समाधान हो सके।
- पुलिस थानों के बजाय अब अंचल कार्यालयों (ब्लॉक स्तर पर) पर सुनवाई होगी, जिससे लोगों को राहत मिलेगी। जिससे थानों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे, भ्रष्टाचार कम होगा और प्रशासन अधिक जवाबदेह बनेगा।
- यह पहल दिसंबर 2025 में उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने मुजफ्फरपुर में शुरू की है।
- इसके साथ ही, भूमि सुधार महा-अभियान और डिजिटल पोर्टल के माध्यम से भी रिकॉर्ड सुधारने का काम तेज किया जा रहा है, जिसमें जमाबंदी सुधार के लिए समय-सीमा तय की गई है।

2.13 चकाई में बन रहा एशिया का सबसे बड़ा अनाज आधारित इथेनॉल प्लांट

बिहार के जमुई जिले के चकाई प्रखंड में एशिया का सबसे बड़ा अनाज आधारित (Grain-based) इथेनॉल प्लांट बनकर तैयार हो रहा है। यह परियोजना बिहार को देश के "इथेनॉल हब" के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा कदम मानी जा रही है।

मुख्य बिंदु

प्लांट का विवरण

- स्थान: उरवा और भलुआ गांव, चकाई प्रखंड, जिला जमुई (बिहार)।
- उत्पादन क्षमता: 750 KLPD (किलो लीटर प्रतिदिन)। यानी रोजाना लगभग 7.5 लाख लीटर इथेनॉल का उत्पादन होगा। यह क्षमता इसे एशिया का सबसे बड़ा अनाज आधारित प्लांट बनाती है।
- लागत: इस प्रोजेक्ट के निर्माण में लगभग 4,000 करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है।
- कंपनी: इसका निर्माण पश्चिम बंगाल की कंपनी अंकुर बायोकेम प्राइवेट लिमिटेड (Ankur Biochem Pvt Ltd) द्वारा किया जा रहा है।

रोजगार और अर्थव्यवस्था पर प्रभाव

- रोजगार के अवसर: इस प्लांट के शुरू होने से क्षेत्र के लगभग 10,000 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलने की उम्मीद है।
- किसानों को लाभ: इथेनॉल बनाने के लिए भारी मात्रा में मक्का और टूटे हुए चावल की आवश्यकता होगी। इससे जमुई और आसपास के जिलों के किसानों को अपनी उपज का सही मूल्य घर के पास ही मिल सकेगा।
- औद्योगिक विकास: चकाई जैसे सुदूर और पिछड़े क्षेत्र में इतनी बड़ी फैक्ट्री लगने से वहां बुनियादी ढांचे (सड़क, बिजली, परिवहन) का तेजी से विकास हो रहा है।

पर्यावरण और ऊर्जा

- ग्रीन एनर्जी: यह प्लांट भारत सरकार के इथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल (EBP) कार्यक्रम का हिस्सा है, जिसका लक्ष्य पेट्रोल में इथेनॉल मिलाकर कच्चे तेल के आयात को कम करना और प्रदूषण घटाना है।
- को-जेनरेशन पावर प्लांट: इथेनॉल उत्पादन के साथ-साथ यहां 20 MW का एक बिजली प्लांट भी लगाया जा रहा है, जो फैक्ट्री की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करेगा।
- ताजा स्थिति: इस प्लांट का निर्माण कार्य काफी तेजी से चल रहा है और इसके 2025 के अंत या 2026 तक पूरी तरह से चालू होने की संभावना है।

2.14 बिहार 'सभासार' अपनाने में देश में पांचवें स्थान पर

केंद्र सरकार के पंचायती राज मंत्रालय की ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार, बिहार 'सभासार' (SabhaSaar) एआई ऐप को अपनाने में देश में पांचवें स्थान पर आ गया है। बिहार की 74.36% ग्राम पंचायतों (लगभग 5,988 पंचायतें) ने इस तकनीक का उपयोग शुरू कर दिया है।

/// 'सभासार' के बारे में ///

- 'सभासार' एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) आधारित एप्लिकेशन है जिसे भारत सरकार ने 14 अगस्त 2025 को लॉन्च किया था। इसका मुख्य उद्देश्य ग्राम सभा और पंचायत की बैठकों को डिजिटल और पारदर्शी बनाना है।
- यह ऐप बैठक की ऑडियो और वीडियो रिकॉर्डिंग को सीधे लिखित टेक्स्ट (Minutes of Meeting) में बदल देता है। यह हिंदी सहित 13 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध है।
- इसके माध्यम से बैठकों में लिए गए निर्णयों का सटीक और डिजिटल रिकॉर्ड सुरक्षित रहता है, जिससे हेरफेर की संभावना कम हो जाती है।
- पहले बैठकों का विवरण हाथ से लिखना पड़ता था, जिसमें काफी समय और मेहनत लगती थी। अब एआई इसे मिनटों में तैयार कर देता है।

देश के शीर्ष 5 राज्य

1. तमिलनाडु (95.12%)
2. ओडिशा (91.83%)
3. त्रिपुरा (88.86%)
4. छत्तीसगढ़ (74.50%)
5. बिहार (74.36%)

2.15 भीमबांध वन्यजीव अभयारण्य

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मुंगेर जिले में स्थित भीमबांध वन्यजीव अभयारण्य को अंतरराष्ट्रीय स्तर का पर्यटन केंद्र बनाने के निर्देश जारी किए हैं। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य इस क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता और ऐतिहासिक महत्व को संरक्षित करते हुए इसे दुनिया के पर्यटन मानचित्र पर लाना है।

NOT FOR SALE

मुख्य बिंदु

- प्रस्तावित योजना के तहत भीमबांध से चोरमारा (बेलटांड होते हुए) तक के क्षेत्र का कायाकल्प किया जाएगा। इसके लिए लगभग 54.35 करोड़ रुपये के विस्तृत परियोजना प्रस्ताव (DPR) पर चर्चा की गई है।
- इसमें प्रमुख आकर्षण केंद्र शामिल होंगे–
  - → वेलनेस और योग: एक 'योग ग्राम', आयुर्वेद केंद्र और वेलनेस सेंटर की स्थापना।
  - → प्राकृतिक आवास: पर्यटकों के रहने के लिए जंगल के बीच ट्री हाउस-सह-कॉटेज का निर्माण।
  - → मनोरंजन: वन अनुभव केंद्र (Forest Experience Centre), इंडोर स्पोर्ट्स एरिया और एडवेंचर के शौकीनों के लिए ट्रैकिंग मार्ग।
  - → सुविधाएं: एंट्रेंस प्लाजा, वेटिंग एरिया, आधुनिक कैफेटेरिया और रेस्टोरेंट।

भीमबांध वन्यजीव अभयारण्य के बारे में

- स्थान: मुंगेर जिला (हवेली खड़गपुर ब्लॉक), बिहार
- क्षेत्रफल: लगभग 681.99 वर्ग किलोमीटर
- प्रमुख वन्यजीव: तेंदुआ, स्लॉथ बीयर (भालू), सांभर, चीतल और विभिन्न प्रवासी पक्षी
- मुख्य आकर्षण: गर्म पानी के झरने (ऋषि कुंड, सीता कुंड के पास), खड़गपुर झील

2.16 BSEB एक साथ तीन अंतरराष्ट्रीय ISO सर्टिफिकेट प्राप्त करने वाला देश का पहला बोर्ड

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति (BSEB) देश का ऐसा पहला राज्य बोर्ड बन गया है जिसने एक साथ तीन अंतरराष्ट्रीय ISO (International Organization for Standardization) सर्टिफिकेट हासिल किए हैं। दिसंबर 2025 में घोषित इस उपलब्धि ने बिहार बोर्ड को गुणवत्ता, सुरक्षा और प्रबंधन के मामले में देश के अन्य सभी शिक्षा बोर्डों से आगे खड़ा कर दिया है।

/// विधानसभा अध्यक्ष के संबंध में संवैधानिक प्रावधान ///

प्राप्त किए गए 3 प्रमुख ISO सर्टिफिकेट

- ISO 9001:2015 (गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली - QMS): यह प्रमाणपत्र परीक्षा संचालन, समय पर परिणाम जारी करने और प्रशासनिक कार्यों में उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए दिया गया है।
- ISO/IEC 27001:2022 (सूचना सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली - ISMS): छात्रों के डेटा, अंकों और गोपनीय जानकारी को साइबर खतरों से सुरक्षित रखने की विश्वस्तरीय प्रणाली के लिए यह सम्मान मिला है।
- ISO 15489-1:2016 (रिकॉर्ड प्रबंधन प्रणाली-RMS): बिहार बोर्ड ने साल 1983 से 2025 तक के मैट्रिक और इंटर के सभी रिकॉर्ड्स को पूरी तरह से डिजिटाइज़ कर दिया है। इस उत्कृष्ट रिकॉर्ड प्रबंधन के लिए यह सर्टिफिकेट मिला है।

2.17 बिहार कैबिनेट ने 'सात निश्चय 3.0' को मंजूरी दी

बिहार सरकार ने विकास के अगले चरण की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए सात निश्चय योजना 3.0 को मंजूरी दी है। सात निश्चय-1 (2015-20) और सात निश्चय-2 (2020-25) के तहत निर्धारित लक्ष्यों को हासिल करने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में सात निश्चय-3 (2025-30) के जरिए बिहार को देश के सर्वाधिक विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल करने का रोडमैप तैयार किया गया है।

सात निश्चय 3.0 (विवरण सहित)

1. **दोगुना रोजगार, दोगुनी आय**
   - अगले 5 वर्षों में 1 करोड़ युवाओं को नौकरी व रोजगार।
   - महिलाओं को स्वरोजगार हेतु ₹10,000+ आगे ₹2 लाख तक की सहायता।
   - चिह्नित 94 लाख गरीब परिवारों को प्राथमिकता के आधार पर रोजगार योजनाओं से आच्छादित किया जाएगा।
   - युवाओं के लिए अलग रोजगार एवं कौशल विकास विभाग।
2. **समृद्ध उद्योग, सशक्त बिहार**
   - बिहार को Tech Hub और Global Work Place बनाने की दिशा।
   - अगले 5 वर्षों में ₹50 लाख करोड़ निजी निवेश का लक्ष्य।
   - सभी जिलों में औद्योगिक क्षेत्र का विकास।
   - 9 बंद चीनी मिलों का पुनरुद्धार, 25 नई चीनी मिलों की स्थापना।
3. **कृषि में प्रगति, प्रदेश की समृद्धि**
   - वर्ष 2024-2029 के लिए चौथे कृषि रोड मैप को तेज़ी से लागू किया जाएगा।
   - मखाना रोड मैप से उत्पादन और प्रसंस्करण को मिलेगा नया विस्तार।
   - डेयरी और मत्स्य पालन को बढ़ावा, हर गांव में दुग्ध उत्पादन समिति।
   - हर पंचायत में सुधा बिक्री केंद्र और हर खेत तक सिंचाई का लक्ष्य।
4. **उन्नत शिक्षा, उज्ज्वल भविष्य**
   - राज्य में अलग उच्च शिक्षा विभाग का गठन।
   - पुराने प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान बनेंगे Center of Excellence।
   - आधुनिक सुविधाओं से युक्त नई Education City का निर्माण।
   - गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से युवाओं को मिलेगा वैश्विक मंच।
5. **सुलभ स्वास्थ्य – सुरक्षित जीवन**
   - प्रखंड स्तर पर CHC बनेंगे Speciality Hospital।
   - जिला अस्पताल होंगे Super Speciality Hospital।
   - नए मेडिकल कॉलेजों में बेहतर पढ़ाई व इलाज के लिए Public-Private Partnership।
   - दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में डॉक्टरों को अतिरिक्त प्रोत्साहन।
   - सरकारी चिकित्सकों की निजी प्रैक्टिस पर रोक, मरीजों को पूरा समय और सेवा।
6. **मजबूत आधार - आधुनिक विस्तार**
   - शहरी क्षेत्रों का विस्तार, नागरिक सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण।
   - नए नियोजित आधुनिक शहर और शहरी गरीबों के लिए सस्ते आवास।
   - संपर्कता के लिए 5 नई एक्सप्रेस-वे, ग्रामीण सड़कों का 2-लेन चौड़ीकरण।
   - बिजली अवसंरचना मजबूत, रूफटॉप सोलर से सौर ऊर्जा को बढ़ावा।
   - पर्यटन स्थलों का विकास, राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पहचान की ओर बिहार।
   - फिल्म सिटी, पटना में विश्वस्तरीय स्पोर्ट्स सिटी।
   - प्रगति यात्रा की 430 योजनाएं और सात निश्चय-2 के शेष कार्य होंगे पूरे।
7. **सबका सम्मान - जीवन आसान**
   - आधुनिक तकनीक से सरकारी सेवाएं सरल, तेज़ और पारदर्शी।
   - नवाचार के ज़रिये हर नागरिक तक सुविधा की आसान पहुँच।
   - संवेदनशील सुशासन से सम्मान, विश्वास और समाधान।
   - आम आदमी का समय, मेहनत और धन तीनों की होगी बचत।
   - हर वर्ग को सम्मान, हर जीवन को सुविधा।

NOT FOR

2.17 बिहार स्पेशल (To The Point)

- भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. प्रेम कुमार 18वीं बिहार विधानसभा के नए अध्यक्ष चुने गए। प्रोटेम स्पीकर नरेंद्र नारायण यादव ने इसकी घोषणा की।
- बिहार सरकार ने कक्षा 9-12 के छात्रों के लिए मुख्यमंत्री भारत दर्शन योजना शुरू की है।
- बिहार सरकार वैशाली जिले में स्थित बरैला झील (डॉ. सलीम अली जुब्बा सहनी पक्षी अभयारण्य) को 'नेचर-वाइल्ड लाइफ सर्किट' में शामिल करेगी।
- बिहार सरकार पटना के फतुहा में गुजरात के GIFT City की तर्ज पर एक आधुनिक फिनटेक सिटी विकसित कर रही है।
- बिहार में न्यायिक प्रणाली को सशक्त करने और न्याय वितरण की गति बढ़ाने के लिये 100 फास्ट ट्रैक अदालतों का गठन करेगी सरकार।
- भागलपुर के सोनवर्षा गांव के नाम पर होगा प्रवासी पक्षी मादा ग्रेलैग गूज का नाम।
- बिहार में तीन नए विभागों (युवा, रोजगार एवं कौशल विकास) के गठन की मंजूरी।
- महिलाओं की सुरक्षा के लिए बिहार में "अभया बिग्रेड" पुलिस यूनिट बनाने की घोषणा की गई है।
- काशी विश्वनाथ कॉरिडोर की तर्ज पर विकसित होगा हरिहरनाथ मंदिर, कला संस्कृति मंत्री अरुण शंकर प्रसाद ने घोषणा की।
- देश में मशरूम उत्पादन में बिहार अग्रणी राज्य बना, पुरे उत्पादन में 11 प्रतिशत भागीदारी।
- राजगीर स्थित राज्य खेल अकादमी को हाल ही में एशियन हॉकी फेडरेशन (AHF) की एक अकादमी और हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (HCoE) का दर्जा मिला।
- बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड (बीएसपीटीसीएल) को पावरलाइन ट्रांसटेक इंडिया अवार्ड्स 2025 में दो पुरस्कार मिले हैं।
- बिहार सरकार ने भूमि विवादों के शीघ्र समाधान और भूमि प्रशासन में पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए एक नई पहल 'भूमि सुधार संवाद' की घोषणा की है।
- बिहार विद्यालय परीक्षा समिति (बिहार बोर्ड) को कार्यप्रणाली में उत्कृष्टता और पारदर्शिता के लिए तीन श्रेणियों में आईएसओ (अंतरराष्ट्रीय मानकीकरण संगठन) प्रमाणपत्र मिले हैं। ये प्रमाणपत्र गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली, सूचना सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली और रिकॉर्ड प्रबंधन प्रणाली के लिए दिये गये हैं।
- मखाना बोर्ड की तर्ज पर बिहार में बनेगा पान विकास बोर्ड।
- बिहार कैबिनेट ने दिसंबर 2025 में 'सात निश्चय 3.0' (2025-2030) को मंजूरी दी है, जिसमें "दोगुना रोजगार- दोगुनी आय, समृद्ध उद्योग-सशक्त बिहार, कृषि में प्रगति-प्रदेश की समृद्धि, उन्नत शिक्षा-उज्ज्वल भविष्य, सुलभ स्वास्थ्य-सुरक्षित जीवन, मजबूत आधार-आधुनिक विस्तार, और सबका सम्मान-जीवन आसान "आदि लक्ष्यों के माध्यम से बिहार को विकसित राज्यों की श्रेणी में लाना है।
- जमुई जिले के चकाई प्रखंड के उरवा गांव में एशिया का सबसे बड़ा अनाज आधारित इथेनॉल प्लांट निर्माणाधीन है।
- केंद्र सरकार के पंचायती राज मंत्रालय की ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार, बिहार 'सभासार' (SabhaSaar) एआई ऐप को अपनाने में देश में पांचवें स्थान, और तमिलनाडु शीर्ष स्थान पर स्थित है।
- बांका जिले के ओढ़नी डैम में बिहार का पहला वाटर स्पोर्ट्स अकादमी बनेगा।

NOT FOR SALE

03 अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रम

3.1 चक्रवात दित्वाह और 'ऑपरेशन सागर बंधु'

चक्रवात 'दित्वाह' द्वारा श्रीलंका में मचाई गयी बड़ी तबाही ने जनजीवन को बड़े पैमाने पर प्रभावित किया, जिससे निपटने के लिए भारत ने 'ऑपरेशन सागर बंधु' के तहत श्रीलंका को तत्काल सहायता प्रदान की।

चक्रवात दित्वाह (Cyclone Ditwah)

- चक्रवात दित्वाह 28 नवंबर, 2025 के आसपास श्रीलंका के तट से टकराया। जिसके बाद भारी बारिश और ढेरों भूस्खलन की घटनाएं सामने आई।
- जिसने श्रीलंका के सभी 25 ज़िलों जनजीवन को प्रभावित किया, तथा बड़े पैमाने पर मानवीय और आर्थिक क्षति पहुंचाई।
- श्रीलंका के राष्ट्रपति ने प्रभावित क्षेत्रों में आपातकालीन कानून लागू किया और सेना को बचाव कार्यों में लगाया।
- चक्रवात 'दित्वाह' (Cyclone Ditwah) का नाम यमन द्वारा प्रस्तावित किया गया था, जिसका अर्थ है 'लैगून'। यह नाम यमन के सोकोत्रा द्वीप पर स्थित डेट्वाह लैगून से लिया गया है।

भारत की सहायता: 'ऑपरेशन सागर बंधु'

- 'ऑपरेशन सागर बंधु' भारत द्वारा श्रीलंका को इस प्राकृतिक आपदा में मदद देने के लिए चलाया गया अभियान था।
- भारतीय नौसेना के जहाज, जैसे आईएनएस विक्रांत और आईएनएस उदयगिरि, राहत सामग्री (सूखा राशन, ताज़ा भोजन) लेकर पहुँचे।
- भारतीय वायुसेना के विमान C-130J और IL-76, ने बड़ी मात्रा में सहायता सामग्री एयरलिफ्ट की।
- भारत द्वारा राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (NDRF) की लगभग 80 कर्मियों वाली विशेष बचाव और राहत टीमें भेजी गईं।
- वायुसेना के विमानों का उपयोग 300 से अधिक भारतीय नागरिकों को श्रीलंका से वापस लाने के लिए भी किया गया।

NOT FOR SALE

3.2 ACITI साझेदारी

भारत, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा ने मिलकर एक नई त्रिपक्षीय प्रौद्योगिकी और नवाचार साझेदारी (ACITI साझेदारी) की शुरुआत की है। ACITI का पूरा नाम है: ऑस्ट्रेलिया-कनाडा-इंडिया टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन (Australia-Canada-India Technology and Innovation) पार्टनरशिप।

/// ACITI साझेदारी के मुख्य उद्देश्य और फोकस क्षेत्र ///

यह साझेदारी मुख्य रूप से महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों (Critical and Emerging Technologies) पर सहयोग बढ़ाने पर केंद्रित है। इसके प्रमुख फोकस क्षेत्र निम्नलिखित हैं–

हरित ऊर्जा नवाचार (Green Energy Innovation)

- जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए स्वच्छ ऊर्जा समाधानों पर ज़ोर।
- सौर, पवन, और हाइड्रोजन जैसी नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों का संयुक्त विकास और निवेश।

महत्वपूर्ण खनिज और आपूर्ति श्रृंखला सुदृढ़ीकरण (Critical Minerals and Supply Chain Resilience)

- लिथियम, कोबाल्ट, और रेयर अर्थ तत्वों जैसे महत्वपूर्ण खनिजों की विश्वसनीय उपलब्धता सुनिश्चित करने में सहयोग।
- आपूर्ति स्रोतों में विविधता लाना और मजबूत आपूर्ति श्रृंखलाएँ विकसित करना।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence-AI) और उभरती प्रौद्योगिकियाँ

- नागरिक सेवाओं, शासन और आर्थिक विकास में सुधार के लिए AI समाधानों को जिम्मेदारी से बड़े पैमाने पर अपनाने के लिए एक रूपरेखा (framework) विकसित करना।
- इस साझेदारी की घोषणा G-20 शिखर सम्मेलन के दौरान की गई थी और इसका लक्ष्य तीनों देशों की तकनीकी क्षमताओं का लाभ उठाकर एक सुरक्षित, टिकाऊ और "नेट-ज़ीरो" उत्सर्जन वाला भविष्य बनाना है।

3.3 ग्लोबल कमिटमेंट टू डेवलपमेंट इंडेक्स (CDI) 2025

ग्लोबल कमिटमेंट टू डेवलपमेंट इंडेक्स (CDI) 2025 के अनुसार, भारत कुल मिलाकर 36वें स्थान पर है, जिसे सेंटर फॉर ग्लोबल डेवलपमेंट (CGD) द्वारा प्रकाशित किया जाता है।

CDI 2025 में भारत के प्रदर्शन

- समग्र रैंकिंग: भारत की समग्र CDI 2025 रैंकिंग 36 देशों में से 36वीं है।
- पर्यावरण (Environment): इस श्रेणी में भारत का प्रदर्शन सबसे मजबूत रहा, 8वां स्थान प्राप्त किया, जो इसे शीर्ष 10 देशों में रखता है। यह मुख्य रूप से प्रति व्यक्ति कम उत्सर्जन को दर्शाता है। जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक (CCPI) 2025 में भारत 10वें स्थान पर है, जो GHG उत्सर्जन और ऊर्जा उपयोग में "उच्च" श्रेणी का प्रदर्शन दिखाता है।
- विकास वित्त (Finance): भारत इस श्रेणी में 38वां स्थान प्राप्त करके सबसे निचले स्थान पर है।
- व्यापार (Trade): इस श्रेणी में भारत 30वें स्थान पर है, जो सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले छह देशों में से एक है।

अन्य श्रेणियाँ	
निवेश (Investment)	31वां स्थान
प्रवास (Migration)	36वां स्थान
सुरक्षा (Security)	30वां स्थान
स्वास्थ्य (Health)	38वां स्थान

3.4 जकार्ता अब दुनिया का सर्वाधिक आबादी वाला शहर

- जकार्ता (इंडोनेशिया की राजधानी) अब आधिकारिक तौर पर दुनिया का सर्वाधिक आबादी वाला शहर (या शहरी समूह/Urban Agglomeration) बन गया है। यह घोषणा संयुक्त राष्ट्र (UN) की हालिया 'वर्ल्ड अर्बनाइजेशन प्रॉस्पेक्ट्स 2025' रिपोर्ट में की गई है।

शीर्ष 3 सर्वाधिक आबादी वाले शहर (2025)

रैंक	शहर (देश)	अनुमानित आबादी (लगभग)
1	जकार्ता (इंडोनेशिया)	4.2 करोड़ (41.9 मिलियन)
2	ढाका (बांग्लादेश)	3.7 करोड़ (36.6 मिलियन)
3	टोक्यो (जापान)	3.7 करोड़ (36.6 मिलियन)

संयुक्त राष्ट्र की इस रिपोर्ट में भारत के दो बड़े शहर भी टॉप-10 में शामिल हैं-

- नई दिल्ली : चौथे स्थान पर (लगभग 3.02 करोड़)
- कोलकाता : आठवें स्थान पर (लगभग 2.25 करोड़)

3.5 पेरिस स्थित यूनेस्को मुख्यालय में भारत रत्न डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की प्रतिमा का अनावरण

संविधान दिवस के अवसर पर पेरिस स्थित यूनेस्को (UNESCO) मुख्यालय में भारत रत्न डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की प्रतिमा का अनावरण एक ऐतिहासिक और गौरवशाली क्षण रहा। यह पहली बार है जब किसी अंतरराष्ट्रीय संस्था के मुख्यालय में भारतीय संविधान के मुख्य शिल्पकार की प्रतिमा स्थापित की गई है।

मुख्य बिंदु

- 26 नवंबर 2025 को भारत के संविधान को अपनाने की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर पेरिस स्थित यूनेस्को मुख्यालय में भारत रत्न डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की प्रतिमा का अनावरण किया गया।
- प्रतिमा का अनावरण यूनेस्को में भारत के स्थायी प्रतिनिधि विशाल वी. शर्मा और यूनेस्को के महानिदेशक खालिद अल-इनानी (Khaled El-Enany) द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।
- इस समारोह में 50 से अधिक देशों के राजदूत, वरिष्ठ राजनयिक और भारतीय समुदाय के प्रमुख लोग शामिल हुए।
- यह कांस्य प्रतिमा (Bronze Bust) महाराष्ट्र सरकार द्वारा यूनेस्को को भेंट की गई है। जिसे भारत के प्रसिद्ध मूर्तिकार नरेश कुमावत ने तैयार किया है।
- प्रतिमा के नीचे लगी पट्टिका पर "Architect of the Indian Constitution, 75 Years (1949-2024) of the Indian Constitution" लिखा है।
- डॉ. अम्बेडकर की यह प्रतिमा यूनेस्को के प्रतिष्ठित 'शांति उद्यान' में स्थापित की गई है। जहां महात्मा गांधी, नेल्सन मंडेला और मार्टिन लूथर किंग जूनियर जैसी वैश्विक हस्तियों की प्रतिमा पहले से ही सुशोभित है।

डॉ. अम्बेडकर के बारे में

- डॉ. अम्बेडकर जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्य प्रदेश के महू (Mhow) में हुआ था। वे अपने माता-पिता की 14वीं संतान थे।
- उन्होंने मुंबई के एल्फिंस्टन कॉलेज से स्नातक किया और बाद में अमेरिका (कोलंबिया विश्वविद्यालय) और इंग्लैंड (लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स) से अर्थशास्त्र और कानून में डॉक्टरेट की डिग्रियां प्राप्त कीं।
- डॉ. अम्बेडकर संविधान सभा की प्रारूप समिति (Drafting Committee) के अध्यक्ष थे। उन्होंने आधुनिक भारत की लोकतांत्रिक नींव रखी और नागरिकों के मौलिक अधिकारों व समानता की वकालत की।
- उन्होंने 'बहिष्कृत हितकारिणी सभा' की स्थापना की और 'मूकनायक' जैसी पत्रिकाएं निकालीं। उन्होंने दलितों, महिलाओं और श्रमिकों के अधिकारों के लिए जीवन भर संघर्ष किया।
- उन्होंने दलितों के लिए स्वतंत्र निर्वाचन की मांग की थी, जिसके बाद गांधी जी के साथ उनका प्रसिद्ध 'पूना पैक्ट' (1932) हुआ।
- स्वतंत्रता के बाद वे भारत के प्रथम विधि एवं न्याय मंत्री बने।
- समानता की खोज में, उन्होंने 1956 में अपने लाखों अनुयायियों के साथ नागपुर में बौद्ध धर्म अपना लिया।
- 1990 में उन्हें मरणोपरांत भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया।

3.6 एशिया पावर इंडेक्स 2025 में भारत को तीसरा स्थान

ऑस्ट्रेलिया के लोवी इंस्टीट्यूट (Lowy Institute) द्वारा जारी एशिया पावर इंडेक्स 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत अब एशिया में तीसरी सबसे बड़ी शक्ति के रूप में उभरा है, जिसने जापान को पीछे छोड़ दिया है।

मुख्य बिंदु

- इस रिपोर्ट में भारत ने 100 में से 40.0 का स्कोर प्राप्त किया है। पहली बार भारत ने 40 अंकों की सीमा को पार किया है।
- लोवी इंस्टीट्यूट के मानदंडों के अनुसार, 40 या उससे अधिक स्कोर वाले देश को "प्रमुख शक्ति" (Major Power) माना जाता है। इससे पहले भारत "मध्यम शक्ति" (Middle Power) की श्रेणी में था।
- सूचकांक में देशों को उनकी समग्र शक्ति (आर्थिक, सैन्य, और कूटनीतिक) के आधार पर रैंकिंग दी जाती है।

एशिया पावर इंडेक्स 2025 में शीर्ष 5 देश

रैंक	देश	स्कोर	श्रेणी
1	अमेरिका	81.7	महाशक्ति (Superpower)
2	चीन	73.7	महाशक्ति (Superpower)
3	भारत	40.0	प्रमुख शक्ति (Major Power)
4	जापान	38.8	मध्यम शक्ति (Middle Power)
5	रूस	32.1	मध्यम शक्ति (Middle Power)

भारत की रैंकिंग में सुधार के प्रमुख कारण

- भारत अब आर्थिक क्षमता के मामले में जापान को पीछे छोड़कर तीसरे स्थान पर आ गया है वैश्विक निवेश (FDI) के आकर्षण में भारत अब अमेरिका के बाद दूसरे स्थान पर है।
- मई 2025 में हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसे अभियानों ने भारत की सैन्य परिचालन क्षमता और युद्धक अनुभव को अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों की नजर में मजबूत किया है।
- भारत की युवा जनसंख्या (डेमोग्राफिक डिविडेंड), तकनीकी प्रगति और बढ़ता R&D निवेश इसे भविष्य की एक स्थायी शक्ति बनाता है। G20 और Quad जैसे मंचों पर भारत की सक्रियता ने इसके कूटनीतिक प्रभाव को बढ़ाया है।

भारत के लिए चुनौतियाँ और आगे की राह

- रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि यद्यपि भारत अब एक 'प्रमुख शक्ति' है, लेकिन शीर्ष दो महाशक्तियों (अमेरिका और चीन) के साथ इसका अंतर अभी भी काफी बड़ा है।
- भारत के लिए मुख्य चुनौतियां निम्नलिखित हैं-
  - → रक्षा नेटवर्क: भारत के पास अभी भी नाटो (NATO) जैसे औपचारिक सैन्य गठबंधनों की कमी है।
  - → क्षेत्रीय प्रभाव: चीन की तुलना में क्षेत्रीय व्यापार और आर्थिक एकीकरण में भारत को अभी और काम करने की आवश्यकता है।

NOT FOR SALE

- यह रैंकिंग वैश्विक मंच पर "भारत के उदय" की पुष्टि करती है। भारत अब केवल एक उभरती हुई शक्ति नहीं, बल्कि एशिया की राजनीति और अर्थव्यवस्था को आकार देने वाला एक प्रमुख देश बन गया है।

3.7 हैली गुब्बी ज्वालामुखी

चर्चा में क्यों ?

हैली गुब्बी (Hayli Gubbi) इथियोपिया के अफ़ार क्षेत्र में स्थित एक शील्ड ज्वालामुखी है, जो हजारों वर्षों की लंबी निष्क्रियता के बाद नवंबर 2025 में एक बार फिर फटा है।

मुख्य बिंदु

- इथियोपिया का अफ़ार क्षेत्र, पूर्वी अफ्रीकी रिफ्ट घाटी में, एर्टा एले पर्वतमाला का हिस्सा है।
- यह एक शील्ड ज्वालामुखी (Shield Volcano) है, जो बेसाल्टिक लावा से बनता है और चौड़ी ढलानों वाला होता है।
- इसकी ऊंचाई समुद्र तल से लगभग 493 मीटर (1,617 फीट) है।

विस्फोट का प्रभाव

- यह विस्फोट सब-प्लिनियन प्रकार का था, जिसमें राख और सल्फर डाइऑक्साइड का गुबार 14-15 किमी ऊँचाई तक पहुँचा, लेकिन लावा प्रवाह नहीं हुआ।
- इस विस्फोट से निकला राख का बादल लाल सागर और दक्षिण एशिया (भारत) तक फैल गया।
- इससे भारत में विमानन (aviation) गतिविधियों पर असर पड़ा, जिससे उड़ानें प्रभावित हुईं।
- स्थानीय स्तर पर किसानों और पशुपालकों के लिए चारा संकट पैदा हुआ और सांस संबंधी दिक्कतें बढ़ीं।

भूवैज्ञानिक महत्व

- वैज्ञानिकों के लिए यह एक मौका है कि वे इतने लंबे समय तक शांत रहने वाले ज्वालामुखी के फटने के कारणों और टेक्टोनिक प्लेटों (अफ्रीकी और अरब) के अलग होने की प्रक्रिया की समझ को और अधिक विकसित करें।

3.8 भारत का 2025-29 के लिए यूनेस्को के कार्यकारी बोर्ड में पुनः चयन

हाल ही में भारत को आधिकारिक तौर पर 2025-29 के कार्यकाल के लिए यूनेस्को (UNESCO) कार्यकारी बोर्ड के सदस्य के रूप में फिर से चुना गया है। यह चुनाव अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की बढ़ती साख और शिक्षा, संस्कृति व विज्ञान के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का एक बड़ा प्रमाण है।

मुख्य बिंदु

- यह चुनाव उज्बेकिस्तान के समरकंद में यूनेस्को के 43वें आम सम्मेलन (General Conference) के दौरान हुआ। भारत का यह नया कार्यकाल 4 वर्षों (2025 से 2029) के लिए होगा।
- यूनेस्को में भारत के स्थायी प्रतिनिधिमंडल के अनुसार, यह जीत भारत के 'समावेशी और मानव-केंद्रित विकास' के मॉडल पर वैश्विक समुदाय के अटूट विश्वास को दर्शाती है।
- यूनेस्को कार्यकारी बोर्ड में कुल 58 सदस्य देश होते हैं। यह बोर्ड संगठन के बजट, रणनीतिक निर्णयों और कार्यक्रमों के कार्यान्वयन की निगरानी करता है।

भारत के लिए इस निर्वाचन का महत्व

- बोर्ड के सदस्य के रूप में, भारत विकासशील देशों की चिंताओं, जैसे डिजिटल विभाजन को कम करना और समान शिक्षा, को प्रमुखता से उठा सकेगा।
- भारत अपनी समृद्ध विरासत (जैसे हाल ही में चर्चा में रहे स्थल या अमूर्त कलाएँ) को विश्व पटल पर और अधिक मजबूती से पेश कर पाएगा।
- भारत अब यूनेस्को की भविष्य की रणनीतियों, विशेषकर एआई (AI) नैतिकता, जलवायु परिवर्तन और सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) में सक्रिय भागीदारी निभाएगा।

3.9 ताईवान में आयोजित विश्व कौशल प्रतियोगिता 2025 में भारत आठवें स्थान पर

भारत ने ताइवान के ताइपे में 27-29 नवंबर 2025 को आयोजित विश्व कौशल एशिया प्रतियोगिता (WSAC 2025) में अपनी पहली भागीदारी में ही 29 देशों के बीच 8वां स्थान हासिल किया। एशिया के 29 देशों के 500 से अधिक प्रतियोगियों ने इसमें भाग लिया।

मुख्य बिंदु

- पदक तालिका में शीर्ष तीन देशों में क्रमशः संयुक्त अरब अमीरात (UAE) पहले, सऊदी अरब दुसरे और मलेशिया तीसरे स्थान पर रहे।
- कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (MSDE) और राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (NSDC) के नेतृत्व में भारत ने 21 विभिन्न कौशल श्रेणियों में 23 सदस्यीय टीम भेजी थी।
- इस प्रतियोगिता में पहली बार हिस्सा लेने के बावजूद भारत ने 29 देशों के बीच 8वाँ स्थान हासिल किया।
- भारत ने 1 रजत, 2 कांस्य और 3 'उत्कृष्टता' पदक जीतकर कुल 6 पदक हासिल किए और यह देश की कौशल क्षमता का एक महत्वपूर्ण प्रदर्शन था।

भारतीय टीम का 6 पदकों का विवरण

- 1 रजत पदक (Silver Medal): मुस्कान ने 'पेंटिंग और डेकोरेटिंग' (Painting & Decorating) में जीता।
- 2 कांस्य पदक (Bronze Medals): कोमल पांडा (इंडस्ट्रियल डिजाइन टेक्नोलॉजी) और शिवम सिंह व दिनेश आर (रोबोट सिस्टम इंटीग्रेशन) ने जीते।
- 3 मेडलियन फॉर एक्सीलेंस (Medallions for Excellence): यह उन प्रतिभागियों को दिया गया जिन्होंने अपने कौशल में उच्च स्तर का प्रदर्शन किया।

3.10 अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा के लिए UNESCO की अंतर सरकारी समिति का 20वां सत्र दिल्ली में आयोजित

यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (ICH) की सुरक्षा के लिए अंतर-सरकारी समिति का 20वां सत्र 8 से 13 दिसंबर 2025 तक नई दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किला परिसर में आयोजित किया गया। इस दौरान दिपावाली (Deepavali) को यूनेस्को की अमूर्त विरासत सूची में शामिल किया जाना भारत की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

मुख्य बिंदु

- भारत ने पहली बार इसकी मेजबानी की जो वैश्विक सांस्कृतिक संरक्षण में भारत की बढ़ती भूमिका को दर्शाता है।

NOT FOR SALE

- सत्र का औपचारिक उद्घाटन विदेश मंत्री एस. जयशंकर द्वारा किया गया, जिन्होंने "विकास भी, विरासत भी" के मंत्र पर जोर दिया।
- यह सत्र भारत द्वारा 2003 के यूनेस्को कन्वेंशन को अपनाने के 20 साल पूरे होने का प्रतीक था।
- इसमें 150 से अधिक देशों के लगभग 800 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया और विश्व भर की कुल 67 नई परंपराओं को यूनेस्को की सूची में शामिल किया गया।
- आयोजन के दौरान भारत के विभिन्न राज्यों की लोक कलाओं, जैसे कि छऊ नृत्य, गरबा और वैदिक मंत्रोच्चार का प्रदर्शन किया गया।
- अमूर्त विरासत के दस्तावेजीकरण, संरक्षण और भविष्य की पीढ़ियों के लिए इसे सुरक्षित रखने के तरीकों पर चर्चा हुई, जिसमें योग और गरबा जैसे अन्य भारतीय तत्व भी शामिल रहे।

भारत के लिए मुख्य उपलब्धि

- 'दीपावली' को वैश्विक पहचान: भारत के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि दीपावली का यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में शामिल होना रही। इसे प्रकाश, भाईचारे और करुणा के त्योहार के रूप में मान्यता दी गई।
- भारत की स्थिति: दीपावली के शामिल होने के साथ ही, भारत के अब कुल 16 तत्व (जैसे योग, कुंभ मेला, गरबा, और रामलीला) यूनेस्को की इस सूची में दर्ज हो चुके हैं।

अमूर्त सांस्कृतिक विरासत क्या है?

अमूर्त विरासत से तात्पर्य उन परंपराओं या जीवित अभिव्यक्तियों से है जो हमारे पूर्वजों से विरासत में मिली हैं और जिन्हें हम अपने वंशजों को सौंपते हैं, जैसे-

- मौखिक परंपराएँ और भाषाएँ
- प्रदर्शन कलाएँ (संगीत, नृत्य, नाटक)
- सामाजिक प्रथाएँ, अनुष्ठान और उत्सव
- प्रकृति और ब्रह्मांड से जुड़े ज्ञान और अभ्यास
- पारंपरिक शिल्प कौशल

3.11 15वां अंतर्राष्ट्रीय रेत कला महोत्सव 2025

15वें अंतर्राष्ट्रीय रेत कला महोत्सव (International Sand Art Festival) का आयोजन हाल ही में ओडिशा के पुरी जिले में कोणार्क के प्रसिद्ध चंद्रभागा बीच पर किया गया।

मुख्य बिंदु

- इस पांच दिवसीय उत्सव (1-5 दिसम्बर 2025) का उद्घाटन ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी द्वारा किया गया।
- इसमें भारत और विदेशों (जैसे रूस, जापान, पुर्तगाल, स्पेन और श्रीलंका) के लगभग 143 रेत कलाकारों ने हिस्सा लिया।
- विश्व प्रसिद्ध रेत कलाकार और पद्म श्री पुरस्कार विजेता सुदर्शन पटनायक इस महोत्सव के मुख्य क्यूरेटर थे।
- इस वर्ष कलाकारों ने 'महिला सशक्तिकरण' (Women Empowerment), 'विश्व विरासत' (World Heritage) और 'ओड़िया अस्मिता' जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपनी कलाकृतियां बनाई।
- इस महोत्सव के साथ-साथ 'सुभद्रा शक्ति मेला' का भी आयोजन किया गया, जिसमें 150 से अधिक महिला स्वयं सहायता समूहों (SHGs) के उत्पादों को प्रदर्शित किया गया।

3.12 ग्लोबल एनर्जी लीडर्स समिट (GELS) 2025

ग्लोबल एनर्जी लीडर्स समिट (GELS) 2025 का आयोजन ओडिशा के पुरी में 5 से 7 दिसंबर 2025 तक हुआ। यह समिट ओडिशा सरकार द्वारा टोनी ब्लेयर इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल चेंज के सहयोग से आयोजित की गई। इस सम्मेलन का औपचारिक उद्घाटन ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी द्वारा किया गया।

मुख्य बिंदु

- इस शिखर सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य भारत के दीर्घकालिक ऊर्जा रोडमैप, विशेष रूप से 2070 तक 'नेट जीरो' (Net Zero) लक्ष्य और स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण (Energy Transition) पर चर्चा करना था।
- इस सम्मेलन का थीम "पावरिंग इंडिया: पर्याप्तता, संतुलन, नवाचार" (Powering India: Sufficiency, Balance, Innovation)रहा ।
- इस शिखर सम्मेलन का आयोजन ओडिशा सरकार के ऊर्जा विभाग ने टोनी ब्लेयर इंस्टीट्यूट (TBI) और IIT कानपुर के सहयोग से संपन्न किया।
- इसमें केंद्र सरकार, लगभग 15 भारतीय राज्यों के प्रतिनिधि और 30 से अधिक अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा विशेषज्ञों की भागीदारी रही। मलेशिया, इंडोनेशिया, सिंगापुर, ब्राजील और भूटान जैसे देशों के प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया गया।
- इस सम्मेलन में ग्रीन हाइड्रोजन और छोटे परमाणु रिएक्टरों (SMR) के उपयोग को बढ़ावा देने तथा ग्रिड सुरक्षा और ऊर्जा प्रबंधन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और डिजिटल उपकरणों के एकीकरण पर चर्चा हुई।
- मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि ओडिशा 2036 तक एक प्रमुख 'ग्रीन एनर्जी हब' बनने की राह पर है। राज्य में 1.5 लाख 'पीएम सूर्य घर' रूफटॉप सोलर यूनिट्स लगाने के लक्ष्य पर जोर दिया गया।

3.13 महिला, शांति और सुरक्षा सूचकांक (WPS Index) 2025-26

महिला, शांति और सुरक्षा सूचकांक 2025-26 के अनुसार, भारत 181 देशों में से 131वें स्थान पर है, जो महिलाओं की सुरक्षा, न्याय और समावेशिता में धीमी लेकिन असमान प्रगति को दर्शाता है। डेनमार्क इस सूचकांक में शीर्ष पर रहा।

मुख्य बिंदु

- यह सूचकांक वैश्विक स्तर पर महिलाओं की स्थिति का आकलन करता है और संघर्ष-प्रभावित क्षेत्रों में महिलाओं की असमानता को उजागर करता है।
- यह सूचकांक जॉर्जटाउन इंस्टीट्यूट फॉर वुमेन, पीस एंड सिक्योरिटी (GIWPS) और पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट ओस्लो (PRIO) द्वारा संयुक्त रूप से जारी किया जाता है।
- **महिला, शांति और सुरक्षा सूचकांक मुख्य रूप से तीन आयामों पर आधारित है–**
  - → समावेशन (Inclusion): आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक भागीदारी (जैसे शिक्षा और रोजगार)।
  - → न्याय (Justice): औपचारिक कानून और भेदभाव रहित स्थितियाँ (जैसे मातृ मृत्यु दर और कानूनी सुरक्षा)।
  - → सुरक्षा (Security): व्यक्तिगत, सामुदायिक और संघर्ष-स्तर पर सुरक्षा।
- इस सूचकांक में भारत 181 देशों में से 131वें स्थान पर है तथा भारत का स्कोर 0.607 है।

NOT FOR SALE

- सूचकांक में नॉर्डिक देशों (Nordic Countries) का दबदबा बरकरार रहा। डेनमार्क, आइसलैंड और नॉर्वे शीर्ष पर बने हुए हैं। 0.939 के स्कोर के साथ डेनमार्क ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है।
- सूचकांक में सबसे निचला स्थान अफगानिस्तान (0.279) को मिला है।
- भारत की तुलना में श्रीलंका (77वां) और भूटान (82वां) जैसे पड़ोसी देशों की स्थिति बेहतर बताई गई है।

3.14 टेक सिटीज़ इंडेक्स 2025 में बेंगलुरु को 16वां स्थान

बेंगलुरु को दुनिया के शीर्ष तकनीकी शहरों की सूची 'टेक सिटीज़ इंडेक्स 2025' में 16वां स्थान मिला है, जो इसे दुनिया के शीर्ष 30 टेक हब में शामिल करता है और यह किसी भारतीय शहर के लिए पहली बार है, जिसकी मुख्य वजह इसकी मजबूत टेक इंडस्ट्री, टैलेंट और स्टार्टअप इकोसिस्टम है।

मुख्य बिंदु

- रियल एस्टेट सलाहकार फर्म Savills India की 'टेक सिटीज़ इंडेक्स 2025' रिपोर्ट के अनुसार, बेंगलुरु को दुनिया के शीर्ष तकनीकी शहरों की सूची में 16वां स्थान मिला है।
- यह पहली बार है जब कोई भारतीय शहर वैश्विक स्तर पर इस सूची में शीर्ष 30 में शामिल हुआ है, जो देश के टेक सेक्टर के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।
- बेंगलुरु के लिए तकनीकी प्रतिभा, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, और व्यवसाय-अनुकूल माहौल इस रैंकिंग के प्रमुख कारण हैं।
- बेंगलुरु को 'भारत की सिलिकॉन वैली' कहा जाता है और यह अपने शानदार तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र (ecosystem) और बढ़ते स्टार्टअप्स के लिए प्रसिद्ध है।
- सैन फ्रांसिस्को और न्यूयॉर्क अभी भी दुनिया के शीर्ष दो टेक शहर बने हुए हैं, जबकि लंदन तीसरे स्थान पर है।
- एशिया-प्रशांत क्षेत्र से सिंगापुर (9वां) और सियोल (10वां) भी शीर्ष 10 में शामिल हुए हैं। चीन के बीजिंग और शंघाई जैसे शहर भी बेहतर स्थिति में हैं।
- इस सूची को तैयार करने के लिए शहरों के व्यापारिक माहौल, टैलेंट (कुशल कार्यबल), तकनीकी शक्ति और जीवन की गुणवत्ता (Quality of Life) जैसे कारकों को परखा जाता है।

3.15 अंतर्राष्ट्रीय भौतिकी शिक्षा सम्मेलन (ICPE) 2025

अंतर्राष्ट्रीय भौतिकी शिक्षा सम्मेलन 2025 (International Conference on Physics Education - ICPE 2025) इस वर्ष पंजाब के रोपड़ (IIT Ropar) में 16 दिसंबर से 20 दिसंबर, 2025 तक आयोजित हुआ। भौतिकी (Physics) के क्षेत्र में रुचि रखने वाले शिक्षकों और शोधकर्ताओं के लिए यह एक बहुत ही प्रतिष्ठित वैश्विक मंच है।

मुख्य बिंदु

- आयोजन स्थल: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) रोपड़।
- थीम: इस वर्ष की मुख्य चर्चा "Physics Education in the Era of AI and Quantum Technologies" (एआई और क्वांटम प्रौद्योगिकियों के युग में भौतिकी शिक्षा) पर केंद्रित रही।
- सहभागिता: इसमें दुनिया भर के लगभग 30 से अधिक देशों के शोधकर्ता, शिक्षक और नीति निर्माता हिस्सा ले रहे हैं।
- मुख्य उद्देश्य: पारंपरिक शिक्षण विधियों को आधुनिक तकनीक (जैसे वर्चुअल लैब्स और सिमुलेशन) के साथ जोड़ना। भारत ने इससे पहले 2005 में इस प्रतिष्ठित सम्मेलन (ICPE) की मेजबानी की थी, जिसका उद्घाटन तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने किया था।

महत्व

- इस तरह के आयोजनों से भारत को वैश्विक स्तर पर विज्ञान और शिक्षा के क्षेत्र में अपनी प्रगति दिखाने का मौका मिलता है। विशेष रूप से IAPT (Indian Association of Physics Teachers) और IUPAP के सहयोग से यह आयोजन भारत में भौतिकी के स्तर को ऊँचा उठाने में सहायक होता है।

3.16 WHO के दूसरे वैश्विक परंपरागत चिकित्सा शिखर सम्मेलन का आयोजन दिल्ली में

नई दिल्ली में 17 से 19 दिसंबर, 2025 तक आयोजित द्वितीय विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा शिखर सम्मेलन पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को आधुनिक विज्ञान के साथ जोड़ने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम रहा। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय और WHO द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस शिखर सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक और पूरक चिकित्सा को वैश्विक स्वास्थ्य प्रणालियों के मुख्यधारा में लाना था।

मुख्य बिंदु

- थीम: "संतुलन की पुनर्स्थापना: स्वास्थ्य और कल्याण का विज्ञान और व्यवहार" (Restoring Balance: The Science and Practice of Health and Well-being)।
- उद्देश्य: साक्ष्य-आधारित (Evidence-based) पारंपरिक चिकित्सा को बढ़ावा देना, ताकि इसे आधुनिक स्वास्थ्य प्रणाली का हिस्सा बनाया जा सके।

'दिल्ली घोषणा-पत्र' (Delhi Declaration)

- सम्मेलन का सबसे बड़ा परिणाम 'दिल्ली घोषणा-पत्र' रहा, जिसमें 100 से अधिक सदस्य देशों ने निम्नलिखित बातों पर सहमति जताई -
  - → डिजिटल लाइब्रेरी (TMGL): पारंपरिक चिकित्सा के लिए दुनिया की सबसे बड़ी 'ग्लोबल डिजिटल लाइब्रेरी' का शुभारंभ, जहाँ दुनिया भर के औषधीय ज्ञान को सुरक्षित रखा जाएगा।
  - → समान मानक: आयुष उत्पादों और अन्य पारंपरिक दवाओं के लिए वैश्विक गुणवत्ता मानक (Quality Standards) तय करना।
  - → जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य: यह स्वीकार किया गया कि पारंपरिक चिकित्सा पर्यावरण के अनुकूल है और सतत विकास (Sustainable Development) में सहायक है।
- यह शिखर सम्मेलन WHO की आगामी 10-वर्षीय रणनीति (2025-2034) के लिए आधार तैयार करने वाला रहा। इसका लक्ष्य 2030 तक 'यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज' (UHC) प्राप्त करने में पारंपरिक चिकित्सा के योगदान को सुनिश्चित करना है।

3.17 संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा (UNEA-7) का सातवां सत्र नैरोबी में आयोजित

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा (UNEA-7) का सातवां सत्र 8 से 12 दिसंबर 2025 तक नैरोबी, केन्या में आयोजित किया गया। यह दुनिया का सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण पर्यावरणीय मंच है जहाँ वैश्विक नेता और प्रतिनिधि पृथ्वी की सुरक्षा के लिए ठोस फैसले लेते हैं।

NOT FOR SALE

मुख्य बिंदु

- **थीम-** UNEA-7 का मुख्य विषय था: "एक लचीले ग्रह के लिए स्थायी समाधानों को बढ़ावा देना" (Advancing sustainable solutions for a resilient planet)।
- **उद्देश्य-** इसका उद्देश्य जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और जैव विविधता के नुकसान जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए सामूहिक कार्रवाई को तेज करना था।
- **11 संकल्प (Resolutions):** सभा ने कुल 11 संकल्प पारित किए, जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) की स्थिरता, खनिजों और धातुओं के प्रबंधन, रसायनों और कचरे के निपटान और युवाओं की भागीदारी जैसे विषयों पर केंद्रित थे।
- **प्लास्टिक प्रदूषण:** प्लास्टिक कचरे को समाप्त करने के लिए एक वैश्विक कानूनी संधि (Global Plastics Treaty) पर बातचीत को और आगे बढ़ाया गया।
- **जंगल की आग पर भारत का प्रस्ताव:** भारत द्वारा "जंगल की आग के वैश्विक प्रबंधन को सुदृढ़ करने" का प्रस्ताव सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया। इसमें आग की रोकथाम, पूर्व चेतावनी प्रणाली (Early Warning Systems) और पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली पर जोर दिया गया।
- UNEA-7 में UNEP की नई मध्यम अवधि की रणनीति (2026-2029) पर सहमति बनी। यह रणनीति आने वाले वर्षों में संसाधनों के बेहतर उपयोग और "सर्कुलर इकोनॉमी" (Circular Economy) को बढ़ावा देने पर केंद्रित रहेगी।

3.18 भारतीय नेतृत्व वाली इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस (IBCA) में शामिल हुआ रूस

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की दिसंबर 2025 की भारत यात्रा के दौरान रूस आधिकारिक तौर पर भारत के नेतृत्व वाले इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस (IBCA) में 19वें सदस्य के तौर पर शामिल हो गया है।

रूस के शामिल होने का महत्व

- **अमूर बाघ और हिम तेंदुआ:** रूस दुनिया के सबसे बड़े बाघ अमूर (साइबेरियन) टाइगर और दुर्लभ हिम तेंदुओं का प्रमुख निवास स्थान है। रूस के शामिल होने से इन प्रजातियों के संरक्षण को वैश्विक स्तर पर एक नई दिशा मिलेगी।
- **तकनीकी सहयोग:** रूस वन्यजीवों की निगरानी के लिए उन्नत निगरानी तकनीक और वैज्ञानिक डेटा साझा करेगा, जिससे गठबंधन के अन्य देशों को लाभ होगा।

/// इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस (IBCA) के बारे में ///

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 9 अप्रैल, 2023 को 'प्रोजेक्ट टाइगर' के 50 वर्ष पूरे होने के अवसर पर इसे लॉन्च किया था।
- इसका लक्ष्य दुनिया की सात प्रमुख बड़ी बिल्ली प्रजातियों - बाघ, शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, चीता, जगुआर और प्यूमा का संरक्षण करना है।
- इसका सचिवालय नई दिल्ली, भारत में स्थित है।
- भारत का वैश्विक महत्व: भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जहाँ इन 7 में से 5 प्रजातियाँ (बाघ, शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ और चीता) प्राकृतिक रूप से पाई जाती हैं।
- लक्ष्य: दुनिया के उन 95 देशों (Range Countries) को एक मंच पर लाना जहाँ ये प्रजातियाँ पाई जाती हैं, ताकि अवैध शिकार और वन्यजीव तस्करी को रोका जा सके।

3.19 भारत और लाइबेरिया के मध्य दवा गुणवत्ता मानकों पर सहयोग बढ़ाने हेतु समझौता

भारत और लाइबेरिया के मध्य दवा गुणवत्ता मानकों पर सहयोग बढ़ाने हेतु समझौता भारत और लाइबेरिया ने दवा गुणवत्ता मानकों पर सहयोग बढ़ाने के लिए एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं। मोनरोविया में हुआ यह समझौता दोनों देशों के स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्य बिंदु

- इस समझौता ज्ञापन पर भारत के राजदूत मनोज बिहारी वर्मा और लाइबेरिया की स्वास्थ्य मंत्री डॉ. लुईस एम. क्पोटो ने लाइबेरिया के मोनरोविया में हस्ताक्षर किए।
- दवाओं के लिए साझा गुणवत्ता मानकों को बढ़ावा देना, नियामक तालमेल बढ़ाना और सुरक्षित व सस्ती दवाओं तक पहुंच सुनिश्चित करना इस समझौते का मुख्य उद्देश्य रहा।
- फार्माकोपिया-दवाओं की पहचान, शुद्धता और शक्ति के लिए आधिकारिक गुणवत्ता मानकों को परिभाषित करता है।
- यह समझौता लाइबेरिया को भारतीय फार्माकोपिया का उपयोग करने में सक्षम बनाएगा, जिससे गुणवत्ता नियंत्रण और दवा आपूर्ति में सुधार होगा।

/// लाइबेरिया के बारे में ///

- लाइबेरिया, अफ्रीका के पश्चिमी तट पर स्थित सिएरा लियोन, गिनी और कोटे डी आइवर से घिरा हुआ देश है।
- इसकी राजधानी मोनरोविया है। (इसका नाम अमेरिका के पांचवें राष्ट्रपति जेम्स मोनरो के नाम पर रखा गया है।)
- यहां की मुद्रा लाइबेरियाई डॉलर (LRD) है, हालांकि यहाँ अमेरिकी डॉलर भी व्यापक रूप से चलता है।

3.20 लिथुआनिया में राष्ट्रीय आपातकाल

लिथुआनिया ने दिसंबर 2025 में बेलारूस से आने वाले तस्करी वाले मौसम गुब्बारों के कारण राष्ट्रीय आपातकाल (National Emergency) घोषित किया।

मुख्य बिंदु

- बेलारूस से बड़ी संख्या में मौसम संबंधी गुब्बारे लिथुआनिया के हवाई क्षेत्र में घुस रहे हैं, जिनमें सिगरेट और अन्य सामान भरा होता है।
- ये गुब्बारे अक्सर विमानों के उड़ान और लैंडिंग मार्गों में आ जाते हैं, जिससे विल्नियस हवाईअड्डा बार-बार बंद करना पड़ता है और यात्रियों को परेशानी होती है।
- लिथुआनियाई सरकार इसे बेलारूस द्वारा किया गया एक "हाइब्रिड हमला" मानती है, जिसका उद्देश्य अस्थिरता फैलाना है।
- आपातकाल की घोषणा के बाद लिथुआनियाई सेना को सीमा सुरक्षा और आंतरिक सुरक्षा में पुलिस के साथ मिलकर काम करने के विशेष अधिकार दिए गए हैं।
- सुरक्षा बलों को संदिग्धों को हिरासत में लेने, तलाशी लेने और सीमावर्ती क्षेत्रों में आवाजाही को प्रतिबंधित करने की अनुमति दी गई है।

लिथुआनिया के बारे में

- लिथुआनिया, उत्तरी यूरोप में बाल्टिक सागर के किनारे स्थित है, जो तीन बाल्टिक देशों (लिथुआनिया, लातविया, एस्टोनिया) में सबसे बड़ा है।
- इसकी राजधानी विल्नुस और मुद्रा यूरो है।
- यह यूरोपीय संघ (EU), नाटो (NATO), और शेंगेन क्षेत्र का सदस्य है।

NOT FOR SALE

3.21 प्रधानमंत्री मोदी की जार्डन, इथियोपिया और ओमान यात्रा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 से 18 दिसंबर 2025 तक जॉर्डन, इथियोपिया और ओमान की एक महत्वपूर्ण रणनीतिक यात्रा की। यह यात्रा 'ग्लोबल साउथ' (Global South) के देशों के साथ भारत के संबंधों को मजबूत करने और पश्चिम एशिया व अफ्रीका में भारत के प्रभाव को बढ़ाने के उद्देश्य से की गई थी।

जॉर्डन यात्रा (15-16 दिसंबर)

- जॉर्डन की यात्रा: यह 37 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली पूर्ण द्विपक्षीय जॉर्डन यात्रा थी। यह भारत और जॉर्डन के बीच राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर हुई।
- मुख्य वार्ता: पीएम मोदी ने किंग अब्दुल्ला द्वितीय के साथ व्यापार, निवेश और सुरक्षा पर चर्चा की।
- समझौते (MoUs): नवीकरणीय ऊर्जा, जल संसाधन प्रबंधन और डिजिटल समाधान साझा करने पर समझौते हुए।
- विशेष उपलब्धि: जॉर्डन के ऐतिहासिक शहर पेट्रा (Petra) और भारत के एलोरा (Ellora) के बीच 'ट्विनिंग समझौता' (Twinning Agreement) हुआ।

इथियोपिया यात्रा (16-17 दिसंबर)

- इथियोपिया की यात्रा: पीएम मोदी की इथियोपिया की यात्रा एतिहासिक रही क्यों की संसद को संबोधित करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने।
- रणनीतिक साझेदारी: दोनों देशों ने अपने संबंधों को 'रणनीतिक साझेदारी' (Strategic Partnership) के स्तर तक बढ़ाया।
- सर्वोच्च सम्मान: पीएम मोदी को इथियोपिया के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'द ग्रेट ऑनर निशान ऑफ इथियोपिया' से नवाजा गया।
- सहयोग: भारत ने इथियोपिया के कर्ज पुनर्गठन (Debt Restructuring), स्वास्थ्य सेवा और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर में मदद का आश्वासन दिया।

ओमान यात्रा (17-18 दिसंबर)

- ओमान यात्रा: ओमान भारत का सबसे पुराना रणनीतिक साझेदार है। इस यात्रा का मुख्य केंद्र आर्थिक और समुद्री सुरक्षा थी।
- CEPA समझौता: भारत और ओमान ने व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (CEPA) पर हस्ताक्षर किए, जिससे द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को नई ऊर्जा मिलेगी।
- समुद्री सुरक्षा: समुद्री विरासत और सुरक्षा पर 'संयुक्त विजन डॉक्यूमेंट' अपनाया गया।
- व्यापार शिखर सम्मेलन: मस्कट में भारत-ओमान बिजनेस समिट को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने भारतीय स्टार्टअप्स को ओमान में निवेश के लिए प्रेरित किया।

इस यात्रा ने भारत की 'लिंक वेस्ट' (Link West) नीति और अफ्रीका के साथ बढ़ते जुड़ाव को और अधिक मजबूती दी है। जॉर्डन, इथियोपिया और ओमान के साथ हुए ये समझौते ऊर्जा सुरक्षा, रक्षा सहयोग और डिजिटल अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में भारत के लिए दूरगामी परिणाम लेकर आएंगे।

3.22 अबू धाबी में ग्लोबल A.I. शो (Global AI Show) 2025

अबू धाबी ग्लोबल एआई शो (Global AI Show) 2025 की मेजबानी कर रहा है, जो कृत्रमि बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में एक प्रमुख वैश्विक आयोजन है। यह कार्यक्रम 8-9 दिसंबर 2025 को स्पेस-42 एरीना में हुआ, जहां एआई विशेषज्ञों, निवेशकों और तकनीकी दिग्गजों को एक साझा मंच मिला।

मुख्य बिंदु

- **स्थान:** स्पेस42 एरिना (Space42 Arena), अल राहा, अबू धाबी, संयुक्त अरब अमीरात (UAE)
- **थीम:** "एआई 2031: बुद्धिमान भविष्य को गति देना" (AI 2031: Accelerating Intelligent Futures)
- इसमें 5,000 से अधिक लोग और 200 से अधिक वैश्विक स्तर के एआई विशेषज्ञ और विचारकों ने भागीदारी की, साथ ही 300 से अधिक कंपनियाँ और 150 से अधिक प्रायोजकों ने अपनी तकनीक का प्रदर्शन किया।

मुख्य विषय और स्तंभ (Pillars)

- नियामक ढांचा (Regulatory Frameworks): एआई के लिए वैश्विक नियम और नैतिकता।
- स्वास्थ्य सेवा (Healthcare): चिकित्सा के क्षेत्र में एआई द्वारा क्रांतिकारी बदलाव।
- विकेंद्रीकृत वित्त (DeFi): वित्तीय सेवाओं का भविष्य।
- स्वायत्त रक्षा प्रौद्योगिकियाँ: सुरक्षा और रक्षा में एआई का उपयोग।
- जलवायु बुद्धिमत्ता (Climate Intelligence): पर्यावरण संरक्षण में एआई की भूमिका।
- कार्य का भविष्य (Future of Work): एआई के दौर में रोजगार और कौशल।

3.23 ऑपरेशन डेविल हंट-2

चर्चा में क्यों ?

ऑपरेशन डेविल हंट-2 बांग्लादेश की अंतरिम सरकार द्वारा शुरू किया गया एक व्यापक राष्ट्रव्यापी सुरक्षा अभियान है। इसका मुख्य उद्देश्य देश में कानून-व्यवस्था को मजबूत करना और आगामी संसदीय चुनावों से पहले शांति व्यवस्था बनाए रखना है।

NOT FOR SALE

मुख्य बिंदु

- बांग्लादेश द्वारा इस अभियान का दूसरा चरण 13 दिसंबर 2025 को आधिकारिक रूप से शुरू किया गया।
- ढाका में 'इन्कलाब मंच' के प्रवक्ता और संभावित संसदीय उम्मीदवार शरीफ उस्मान बिन हादी पर हुए जानलेवा हमले के बाद सरकार ने यह कड़ा कदम उठाया।
- इसका मुख्य उद्देश्य अवैध हथियारों की बरामदगी, "फासीवादी तत्वों" और आतंकवादियों पर लगाम लगाना और फरवरी 2026 में होने वाले चुनावों के लिए सुरक्षित माहौल तैयार करना है।
- ऑपरेशन का पहला चरण (Phase-1) 8 फरवरी 2025 को शुरू हुआ था। तब इसे पूर्व सरकार (शेख हसीना प्रशासन) के गिरने के बाद हुई हिंसा और अस्थिरता को रोकने के लिए लागू किया गया था।

ऑपरेशन डेविल हंट-2 अभियान की मुख्य गतिविधियाँ

- यह ऑपरेशन सेना, पुलिस और अन्य संयुक्त सुरक्षा बलों (Joint Forces) द्वारा चलाया जा रहा है। अभियान के शुरू होने के बाद से अब तक 8,597 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। अकेले एक 24 घंटे की अवधि में ही 663 गिरफ्तारियाँ दर्ज की गईं।
- सुरक्षा बलों ने अब तक लगभग 85 अवैध हथियार (जैसे पिस्तौल, देसी कट्टे और तलवारें) जब्त किए हैं। देशभर में लगभग 2.6 लाख मोटरसाइकिलों और वाहनों की तलाशी ली गई, जिसमें हजारों अवैध मोटरसाइकिलें जब्त की गईं।

3.24 आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की वैश्विक प्रतिस्पर्धा सूचकांक में भारत को तीसरा स्थान

स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा जारी Global AI Vibrancy Tool 2025 की हालिया रिपोर्ट के अनुसार भारत को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में तीसरा स्थान दिया गया है। भारत ने पिछले एक साल में असाधारण प्रगति की है। जहां पिछले साल भारत 7वें स्थान पर था, वहीं इस वर्ष लंबी छलांग लगाकर ब्रिटेन, दक्षिण कोरिया और जापान जैसे देशों को पीछे छोड़ते हुए तीसरा स्थान हासिल किया है।

ग्लोबल एआई रैंकिंग 2025: टॉप 3 देश

रैंक	देश	स्कोर
1	संयुक्त राज्य अमेरिका (USA)	78.60
2	चीन (China)	36.95
3	भारत (India)	21.59

भारत की इस सफलता के 4 मुख्य स्तंभ

1. **अतुलनीय एआई टैलेंट (AI Talent):** भारत में दुनिया का सबसे बड़ा एआई स्किल्ड वर्कफोर्स है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत एआई हायरिंग (AI Hiring) के मामले में दुनिया में शीर्ष पर है और GitHub पर एआई प्रोजेक्ट्स में दूसरा सबसे बड़ा योगदानकर्ता है।
2. **मजबूत स्टार्टअप इकोसिस्टम:** भारत में एआई स्टार्टअप्स की संख्या तेजी से बढ़ी है, जो हेल्थकेयर, फिनटेक और कृषि जैसे क्षेत्रों में नवाचार कर रहे हैं।
3. **सरकारी मिशन (IndiaAI Mission):** भारत सरकार ने ₹10,300 करोड़ के बजट के साथ 'इंडिया एआई मिशन' शुरू किया है, जिसका उद्देश्य कंप्यूटिंग क्षमता (10,000+ GPUs) बढ़ाना और एआई इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करना है।
4. **पब्लिक ओपिनियन:** भारतीयों में एआई को अपनाने और इसके प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अन्य कई विकसित देशों की तुलना में काफी अधिक है।

चुनौतियां

- हालांकि भारत तीसरे स्थान पर है, लेकिन स्कोर के मामले में अमेरिका और चीन के साथ अभी भी एक बड़ा अंतर (Gap) है। भारत को विशेष रूप से स्वदेशी हार्डवेयर (AI Chips) और गहन अनुसंधान (Deep Research) के क्षेत्रों में और अधिक निवेश करने की आवश्यकता है।

3.25 इटली का राष्ट्रीय व्यंजन यूनेस्को द्वारा मान्यता प्राप्त पहली राष्ट्रीय खाद्य परम्परा बनीं

इटली की पूरी राष्ट्रीय पाक कला (Italian Cuisine) यूनेस्को (UNESCO) द्वारा मान्यता प्राप्त करने वाली पहली राष्ट्रीय खाद्य परंपरा बन गई है, जिसे मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (Intangible Cultural Heritage) की सूची में शामिल किया गया है, और यह ऐतिहासिक मान्यता दिसंबर 2025 में दिल्ली में आयोजित यूनेस्को की बैठक में दी गई, जो किसी एक व्यंजन के बजाय पूरी भोजन संस्कृति को सम्मानित करती है।

मुख्य बिंदु

- यह पहली बार है जब किसी देश की पूरी राष्ट्रीय पाक-कला को यह सम्मान मिला है, न कि किसी एक व्यंजन को।
- इसमें पिज्जा बनाने की कला, पेस्टो, रागु, लज़ान्या जैसे पारंपरिक व्यंजनों के साथ-साथ स्थानीय सामग्री का उपयोग, सामुदायिक भोजन और पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरित ज्ञान भी शामिल है।
- यूनेस्को ने इटली की पाक-कला को सामाजिक बंधन, सांस्कृतिक जड़ों और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण माना है।
- यह मान्यता इटली के प्रधान मंत्री जॉर्जिया मेलोनी के नेतृत्व वाली सरकार के समर्थन से हासिल हुई और यह इटली के 20वें यूनेस्को तत्व के रूप में दर्ज हुआ।

3.26 थाईलैंड - कंबोडिया विवाद

चर्चा में क्यों ?

थाईलैंड और कंबोडिया सीमा एक बार फिर गोलीबारी और हवाई हमलों के कारण चर्चा में है। थाईलैंड ने अपने F-16 लड़ाकू विमानों से कंबोडिया के सैन्य ठिकानों पर बमबारी की, जबकि कंबोडिया ने जवाब में रॉकेट और तोपों से हमला किया। इस झड़प में दोनों तरफ के सैनिक मारे गए हैं।

मुख्य कारण

- थाईलैंड और कंबोडिया के बीच का विवाद मुख्य रूप से उनकी सीमा (Border) और विशेष रूप से प्रीह विहार मंदिर (Preah Vihear Temple) के आसपास के क्षेत्र पर संप्रभुता के दावे को लेकर है। यह एक सदियों पुराना मुद्दा है जो अक्सर सैन्य संघर्ष का रूप ले लेता है, जैसा कि जुलाई और दिसंबर 2025 में हुआ है।

विवाद के मुख्य बिंदु

- **प्रीह विहार मंदिर (Preah Vihear Temple)-**
  - → **विवाद का केंद्र:** यह 11वीं शताब्दी का एक प्राचीन खमेर-हिंदू (शिव) मंदिर है जो डंगरेक पर्वत (Dangrek Mountains) की चोटी पर स्थित है।
  - → **अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय का फैसला (1962):** 1962 में अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय (ICJ) ने मंदिर पर कंबोडिया की संप्रभुता को बरकरार रखा।
  - → **अस्पष्ट सीमा:** हालांकि मंदिर कंबोडिया को सौंप दिया गया था, लेकिन इसके आसपास का 4.6 वर्ग किलोमीटर का इलाका विवादित बना रहा क्योंकि अदालत ने उस क्षेत्र की सीमा स्पष्ट रूप से निर्धारित नहीं की थी।
  - → **2008 में तनाव:** 2008 में जब कंबोडिया ने इस मंदिर को यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल (UNESCO World Heritage Site) में सूचीबद्ध कराया, तो थाईलैंड ने इसका कड़ा विरोध किया, जिससे सैन्य तनाव बढ़ गया।
- **सीमा विवाद का ऐतिहासिक कारण-**
  - → **औपनिवेशिक विरासत:** इस विवाद का मूल कारण 1907 में फ्रांसीसी औपनिवेशिक शासकों (जब कंबोडिया फ्रांस के अधीन था) द्वारा खींची गई अस्पष्ट और अमान्य सीमा रेखाओं (French-Siamese treaties) में निहित है, जिसे थाईलैंड स्वीकार नहीं करता है।
  - → **अचिह्नित सीमा:** दोनों देशों के बीच 800 किलोमीटर लंबी सीमा का एक बड़ा हिस्सा आज भी ठीक से चिह्नित (demarcated) नहीं है, जिससे क्षेत्रीय दावों को लेकर लगातार संघर्ष होता रहता है।

3.27 अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रम (To The Point)

- क्रोलॉजी और इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए भारत और आस्ट्रेलिया ने कनाडा के साथ ACITI साझेदारी शुरू की।
- भारत को ग्लोबल कमिटमेंट टू डेवलपमेंट इंडेक्स 2025 में भारत को समग्र रूप से 36वां स्थान मिला।
- संयुक्त राष्ट्र (UN) की हालिया 'वर्ल्ड अर्बनाइजेशन प्रॉस्पेक्ट्स 2025' रिपोर्ट के अनुसार जकार्ता आधिकारिक तौर पर दुनिया का सर्वाधिक आबादी वाला शहर बन गया है।

NOT FOR SALE

- संविधान दिवस पर पेरिस में UNESCO मुख्यालय में डॉ.बी.आर अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण किया गया।
- फ्रांस ने सुरक्षा कारणों के लिए 10 महिनों की स्वैच्छिक मिलिट्री सर्विस शुरू करने की घोषणा की है।
- एनीमल हसबैंड्री स्टैटिसटिक्स 2025 के अनुसार विश्व का सर्वाधिक दुध उत्पादक देश बना भारत ।
- दुनिया के सबसे बड़े भूमिगत न्यूट्रिनो डिटेक्टर, जियांगमेन अंडरग्राउंड न्यूट्रिनो ऑब्जर्वेटरी (JUNO) का निर्माण चीन ने किया।
- एशिया पावर इंडेक्स 2025 में भारत को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ, जिससे वह पहली बार 'मेजर पावर' की श्रेणी में आ गया है। अमेरिका और चीन क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर स्थित हैं। यह इंडेक्स ऑस्ट्रेलिया के लोवी इंस्टीव्यूट (Lowy Institute) द्वारा जारी किया गया है।
- हाल ही में भारत को 2025-29 तक के कार्यकाल के लिए यूनेस्को के कार्यकारी बोर्ड में फिर से चुना गया।
- ताइवान में वर्ल्डस्किल्स एशिया प्रतियोगिता 2025 (WSAC 2025) में भारत ने पहली बार भाग लेते हुए 6 पदकों के साथ 29 देशों में 8वां स्थान हासिल किया।
- अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा के लिए यूनेस्को की अंतर-सरकारी समिति का 20वां सत्र 8 से 13 दिसंबर 2025 को नई दिल्ली, भारत के ऐतिहासिक लाल किले में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।
- 15वें अंतर्राष्ट्रीय रेत कला महोत्सव (International Sand Art Festival) का उद्घाटन ओडिशा के कोणार्क के पास चंद्रभागा बीच पर 1 दिसंबर, 2025 को हुआ।
- इटली ने महिलाओं की हत्या को एक अलग अपराध मानकर, इसमें उम्रकैद की सजा का प्रावधान किया है।
- महिला, शांति और सुरक्षा (WPS) सूचकांक 2025-26 के अनुसार भारत 181 देशों में 131वें स्थान पर है, जिसका स्कोर 0.607 रहा।
- महिला, शांति और सुरक्षा (WPS) सूचकांक 2025-26 में डेनमार्क शीर्ष पर और अफगानिस्तान सबसे नीचे रहा।
- दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवाती तूफान को 'दितवाह' (Ditwah) नाम दिया गया था, जिसे यमन देश ने सुझाया था और यह WMO-ESCAP की सूची के अनुसार है, जिसका मतलब 'लैगून' (Detwah Lagoon) होता है।
- रूसी संघ के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए 04-05 दिसंबर, 2025 को भारत की राजकीय यात्रा की।
- हाल ही में चर्चा में रहा थाईलैंड और कंबोडिया विवाद का मुख्य कारण उनकी सीमा (Border) और विशेष रूप से प्रीह विहार मंदिर (Preah Vihear Temple) के आसपास के क्षेत्र पर संप्रभुता का दावा है।
- आस्ट्रेलिया का न्यू साउथ वेल्स विश्वविद्यालय भारत में खोलेगा कैंपस।
- बेंगलुरु को विश्व के शीर्ष तकनीकी शहरों (टेक सिटी) की सूची में 16वां स्थान मिला है, जो टॉप 30 में शामिल होने वाला पहला भारतीय शहर है।
- जापान के मिसावा शहर के उत्तर-पूर्व में 8 दिसंबर 2025 की रात को 7.6 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप दर्ज किया गया।
- भारत में 17-19 दिसंबर, 2025 को नई दिल्ली में आयोजित पारंपरिक चिकित्सा पर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के दूसरे वैश्विक शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा की।
- संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा (UNEA) का सातवाँ सत्र (UNEA-7) 8-12 दिसंबर, 2025 को केन्या के नैरोबी में आयोजित किया गया, जिसका मुख्य विषय "एक लचीले ग्रह के लिए स्थायी समाधानों को आगे बढ़ाना" था।
- अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस (10 दिसंबर) का 2025 के लिए थीम: “Our Everyday Essentials” है।
- इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस (IBCA) का 19वां सदस्य देश रूस बना है, जिसने हाल ही में भारत के नेतृत्व वाले इस वैश्विक संरक्षण गठबंधन में शामिल होने के लिए अपनी सहमति दी है।
- 16 साल से कम उम्र के किशोरों के लिए सोशल मीडिया पर बैन लगाने वाला दुनिया का पहला देश बना आस्ट्रेलिया ।
- भारत और लाइबेरिया ने दवा गुणवत्ता मानकों पर सहयोग बढ़ाने हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
- रूस समर्थित बेलारूस से लगातार आ रहे मौसम संबंधी गुब्बारों द्वारा एयरस्पेस उल्लंघन के बाद लिथुआनिया की सरकार ने हाल ही में राष्ट्रीय आपातकाल घोषित कर दिया।
- प्रधानमंत्री मोदी 15 दिसम्बर से जॉर्डन, इथियोपिया व ओमान की चार दिन की यात्रा पर निकले।
- ग्लोबल एआई शो अबू धाबी, संयुक्त अरब अमीरात की प्रमुख एआई प्रदर्शनी है, जो 8-9 दिसंबर, 2025 को अबू धाबी के मध्य में आयोजित हुई।
- ओमान के निचले सदन 'शूरा परिषद्' ने भारत के साथ FTA को मंजूरी दी।
- ईरान ने नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी को गिरफ्तार किया।
- भारत ने डिहाइड्रेशन के मरीजों की मदद के लिए पेरू को 2.5 लाख सलाइन बोतलें सौंपीं।
- नैरोबी में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा के 7वें सत्र में जंगल की आग पर वैश्विक प्रबंधन को सुदृढ़ करने का भारतीय प्रस्ताव स्वीकृत किया गया।
- सी-5 मंच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रस्तावित एक नया वैश्विक समूह है, जिसमें अमेरिका, रूस, चीन, भारत और जापान शामिल हैं।
- फरवरी 2026 में होने वाले आम चुनावों से पहले अवैध हथियारों से होने वाली असामाजिक गतिविधियों को रोकने के लिए बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने 'ऑपरेशन डेविल हंट फेज-2' शुरू करने की घोषणा की।
- हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स राज्य के सिडनी में बोंडी बीच (समुद्र तट) पर आतंकी हमले में हुई गोलीबारी से कयी लोग हताहत।
- भारत ने हाल ही में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में वैश्विक प्रतिस्पर्धी क्षमताओं (Globally in AI Competitiveness) के मामले में तीसरा स्थान हासिल किया है। अमेरिका और चीन को क्रमशः पहला और दूसरा स्थान मिला।
- नई दिल्ली में आयोजित यूनेस्को की 20वीं अंतर-सरकारी समिति की बैठक में इटालियन व्यंजन को पहले राष्ट्रीय व्यंजन के रूप में मान्यता मिली।
- सिंगापुर के चांगी एयरपोर्ट ने वैश्विक विमानन क्षेत्र में वर्ष 2025 के लिए 'विश्व का सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा' का खिताब जीता।
- ऑस्ट्रेलिया ने हाल ही में हुए बोंडी बीच हमले के बाद गन बायबैक (बंदूकों को वापस खरीदने) योजना की घोषणा की है।
- हाल ही में ओमान ने अपने पहले पॉलिमर आधारित वन-रियाल बैंकनोट का अनावरण किया।
- जापान ने दुनिया के सबसे बड़े परमाणु संयंत्र काशी वाजाकी -कारिवा को फिर से शुरू करने की मंजूरी दी।
- ग्लोबल फूड सिटी रैंकिंग 2025-26 में इटली के नेपल्स को पहला तथा मुंबई को पांचवां स्थान। मुम्बई अपने जीवंत स्ट्रीट फूड के लिए प्रसिद्ध है।
- भ्रष्टाचार के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन (UNCAC) के सदस्य देशों का 11वां सम्मेलन (COSP11) हाल ही में कतर के दोहा में आयोजित किया गया।
- भारत को 1 जनवरी, 2026 से संयुक्त राष्ट्र समर्थित किम्बरली प्रक्रिया (केपी) की अध्यक्षता संभालने के लिए चुना गया है।

NOT FOR SALE

04 आर्थिक वाणिज्यिक परिदृश्य

4.1 सिंटर्ड रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट मैन्युफैक्चरिंग योजना के लिए 7,280 करोड़ रुपये मंजूरी

भारत सरकार के केंद्रीय मंत्रिमंडल ने नवंबर 2025 में सिंटर्ड रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट (SREPM) मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने की योजना के लिए 7,280 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता मंजूर की है, ताकि देश में इन शक्तिशाली चुंबकों का बड़े पैमाने पर उत्पादन हो सके, जिससे आयात पर निर्भरता कम हो और इलेक्ट्रिक वाहन (EVs), नवीकरणीय ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स और रक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता बढ़े।

मुख्य बिंदु

- इस योजना का लक्ष्य भारत में प्रति वर्ष 6,000 मीट्रिक टन की एकीकृत SREPM मैन्युफैक्चरिंग क्षमता स्थापित करना है।
- इसके लिए कुल 7,280 करोड़ रुपये, जिसमें 6,450 करोड़ रुपये बिक्री-आधारित प्रोत्साहन और 750 करोड़ रुपये पूंजीगत सब्सिडी के रूप में हैं।
- इस योजना की अवधि कुल 7 साल (2 साल प्लांट स्थापना के लिए और 5 साल प्रोत्साहन के लिए) है।
- इसमें वैश्विक प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के माध्यम से 5 कंपनियों का चयन किया जाएगा, प्रत्येक को 1,200 MTPA क्षमता मिलेगी।
- इन चुंबकों का उपयोग इलेक्ट्रिक वाहन, पवन ऊर्जा टर्बाइन, मोबाइल फोन, एयरोस्पेस और रक्षा अनुप्रयोगों में होता है।
- **महत्व:** यह योजना "मेक इन इंडिया" और "आत्मनिर्भर भारत" को बढ़ावा देगी, चीन पर निर्भरता कम करेगी, और भारत को वैश्विक REPM बाजार में एक प्रमुख खिलाड़ी बनाएगी।

4.2 ADB द्वारा महाराष्ट्र को सड़क निर्माण के लिए $400 मिलियन के ऋण को स्वीकृति

- एशियाई विकास बैंक (ADB) ने नवंबर 2025 में महाराष्ट्र के ग्रामीण और जलवायु-अनुकूल, आपदा-सुरक्षित सड़कों के लिए $400 मिलियन (लगभग ₹3,360 करोड़) का ऋण स्वीकृत किया है। यह "महाराष्ट्र रोड्स कनेक्टिविटी फॉर इंक्लूसिव ग्रोथ प्रोग्राम" के तहत है।
- इससे राज्य के 34 जिलों में, विशेषकर मराठवाड़ा और विदर्भ जैसे कमजोर क्षेत्रों में, 350 किमी. राज्य राजमार्गों और 2,577 किमी. ग्रामीण सड़कों का उन्नयन होगा, जिससे लगभग 1.7 मिलियन लोगों को फायदा होगा और सड़क सुरक्षा बढ़ेगी, यह एक समावेशी विकास कार्यक्रम का हिस्सा है। इसमें iRAP सुरक्षा मानक, बहु-जोखिम आकलन और जीवनचक्र रखरखाव शामिल हैं।

4.3 IITF 2025 में CBIC ने अपने "GST & Customs Pavilion" के लिए 'जनसंपर्क और संचार' श्रेणी में स्वर्ण पुरस्कार जीता

44वें भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले (IITF) 2025 में, केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (CBIC) ने अपने 'GST और सीमा शुल्क मंडप' (Pavilion) के लिए 'जनसंपर्क और संचार' श्रेणी के तहत स्वर्ण पुरस्कार हासिल किया है। यह उपलब्धि CBIC द्वारा करदाताओं और आम नागरिकों को शिक्षित करने के लिए अपनाए गए आधुनिक और इंटरैक्टिव तरीकों का परिणाम है।

मुख्य बिंदु

- **थीम (विषय):** पवेलियन की मुख्य थीम "Next-Gen GST: सरल कर, खुशहाल राष्ट्र" थी। यह सरल अनुपालन और डिजिटल सुधारों पर केंद्रित थी।
- **इंटरैक्टिव हेल्पडेस्क:** वहां 8 समर्पित हेल्पडेस्क लगाए गए थे, जहां विशेषज्ञों ने जीएसटी पंजीकरण, रिफंड और सीमा शुल्क निकासी (Customs Clearance) जैसे जटिल विषयों पर आगंतुकों की शंकाओं का समाधान किया।
- **क्षेत्रीय भाषाओं का उपयोग:** संचार को प्रभावी बनाने के लिए सूचनात्मक सामग्री 10 क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध कराई गई थी, ताकि भारत के विभिन्न कोनों से आए लोग इसे आसानी से समझ सकें।
- **युवाओं के लिए आकर्षण:** VR (वर्चुअल रियलिटी) गेम्स, क्विज़ और करियर काउंसलिंग सत्रों के माध्यम से छात्रों को कर प्रशासन की भूमिका के बारे में जानकारी दी गई।

पुरस्कारों की सूची: 'जनसंपर्क और संचार' श्रेणी

पदक	विभाग / मंत्रालय
स्वर्ण (Gold)	CBIC (करदाता सेवा महानिदेशालय)
रजत (Silver)	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
कांस्य (Bronze)	केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (CBDT)

4.4 SWAGAT-FI फ्रेमवर्क

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) ने कम जोखिम वाले विदेशी निवेशकों के लिए भारत में निवेश के नियमों को आसान बनाने के लिए "SWAGAT-FI" नामक एक नया सिंगल-विंडो फ्रेमवर्क लॉन्च किया है, जो 1 जून 2026 से लागू होगा, ताकि FPI और FVCI पंजीकरण की प्रक्रियाओं को एकीकृत किया जा सके और भारत को एक प्रमुख वैश्विक निवेश केंद्र बनाया जा सके।

मुख्य बिंदु

- SWAGAT-FI का पूरा नाम Single Window Automatic & Generalised Access for Trusted Foreign Investors (विश्वसनीय विदेशी निवेशकों के लिए सिंगल विंडो ऑटोमैटिक और जनरलाइज्ड एक्सेस) है।
- यह एक एकीकृत और सरल प्रवेश प्रणाली प्रदान करता है, जिससे पात्र निवेशक बिना किसी अतिरिक्त दस्तावेज़ के FPI और FVCI दोनों के रूप में पंजीकरण कर सकते हैं।
- सेबी ने 'कम जोखिम' (Low-risk) वाले निवेशकों को इस श्रेणी में रखा है जिसमें सॉवरेन वेल्थ फंड, केंद्रीय बैंक, सरकारी निवेश संस्थाएं, बीमा कंपनी, पेंशन फंड और बहुपक्षीय संस्थान शामिल हैं।
- पंजीकरण की अवधि बढ़ाकर 10 साल कर दी गई है, जिससे दीर्घकालिक निवेश को बढ़ावा मिलेगा।
- यह उन्हें लिस्टेड इक्विटी और डेट में FPI के रूप में और स्टार्टअप्स में FVCI के रूप में निवेश करने की अनुमति देता है।
- भारत में 80 लाख करोड़ रुपये से अधिक की FPI संपत्ति में से लगभग 70% हिस्सा इन्हीं 'ट्रस्टेड' श्रेणी के निवेशकों का है।
- इसका मुख्य उद्देश्य भारत को एक वैश्विक निवेश केंद्र (Investment Hub) के रूप में और अधिक आकर्षक बनाना और लंबी अवधि की पूंजी को आकर्षित करना है।

NOT FOR SALE

4.5 NITI आयोग और IBM का 2047 तक भारत को टॉप-3 क्वांटम अर्थव्यवस्था बनाने के लिए रोडमैप

नीति आयोग के फ्रंटियर टेक हब और IBM ने दिसंबर 2025 में "Transforming India into a Leading Quantum-Powered Economy" नामक एक महत्वपूर्ण नेशनल रोडमैप जारी किया है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य भारत को 2047 तक दुनिया की शीर्ष तीन क्वांटम अर्थव्यवस्थाओं में शामिल करना है।

मुख्य बिंदु

- 2047 का लक्ष्य: इस पहल का प्राथमिक विजन भारत को उसकी स्वतंत्रता के 100वें वर्ष (2047) तक दुनिया की शीर्ष तीन क्वांटम अर्थव्यवस्थाओं में स्थापित करना है।
- क्वांटम पारिस्थितिकी तंत्र: यह रोडमैप भारत में क्वांटम कंप्यूटिंग, संचार और सेंसिंग के लिए एक मजबूत इकोसिस्टम तैयार करने पर केंद्रित है।
- कौशल विकास: इसके तहत क्वांटम तकनीक में कुशल कार्यबल (Skilled Workforce) तैयार करने के लिए शैक्षणिक और औद्योगिक सहयोग पर जोर दिया गया है।
- क्षेत्रीय प्रभाव: यह पहल स्वास्थ्य सेवा, कृषि, ऊर्जा और वित्तीय सेवाओं जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में जटिल समस्याओं को हल करने के लिए क्वांटम समाधानों का उपयोग करने का मार्ग प्रशस्त करती है।

4.6 भारत का UPI दुनिया का सबसे बड़ा रीयल-टाइम पेमेंट सिस्टम घोषित

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भारत के यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) को लेनदेन की मात्रा के आधार पर दुनिया का सबसे बड़ा रीयल-टाइम पेमेंट सिस्टम घोषित किया है।

मुख्य बिंदु

- केवल एक वर्चुअल आईडी या फोन नंबर के जरिए तुरंत पैसे ट्रांसफर करने की सुविधा ने इसे हर किसी के लिए सुलभ बना दिया है।
- सामान्य उपयोगकर्ताओं के लिए यह पूरी तरह मुफ्त है, जिसने इसे नकदी (Cash) का सबसे बेहतर विकल्प बना दिया है।
- अंतर्संचालनीयता (Interoperability) इसकी प्रमुख विशेषता है, किसी भी ऐप (जैसे Google Pay, PhonePe, या BHIM) का उपयोग करके किसी भी अन्य ऐप के उपयोगकर्ता को पैसे भेजे जा सकते हैं।
- टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन और सुरक्षित एन्क्रिप्शन ने डिजिटल लेनदेन के प्रति जनता का भरोसा जीता है।

वैश्विक प्रभाव और विस्तार

- IMF और वर्ल्ड बैंक जैसे संस्थानों ने माना है कि UPI ने भारत में वित्तीय समावेशन (Financial Inclusion) की गति को तेज किया है। अब भारत इस तकनीक को दूसरे देशों के साथ भी साझा कर रहा है:
  - → सिंगापुर (PayNow): भारत और सिंगापुर के बीच रीयल-टाइम फंड ट्रांसफर लिंक शुरू हो चुका है।
  - → UAE और फ्रांस: इन देशों में भी भारतीय यात्री अब UPI के माध्यम से भुगतान कर सकते हैं।
  - → पड़ोसी देश: भूटान, नेपाल और श्रीलंका जैसे देशों ने भी इस प्रणाली को अपनाया है।

4.7 अमेजन (Amazon) 2030 तक भारत में 35 अरब डॉलर का निवेश करेगा

अमेजन ने दिसंबर 2025 में घोषणा की है कि वह 2030 तक भारत में 35 अरब डॉलर (लगभग ₹3 लाख करोड़) का अतिरिक्त निवेश करेगा। यह घोषणा नई दिल्ली में आयोजित 'अमेजन संभव' (Amazon Smbhav) समिट के छठे संस्करण के दौरान की गई।

मुख्य बिंदु

- **यह निवेश मुख्य रूप से तीन क्षेत्रों पर केंद्रित होगा-**
  1. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI): अमेज़न का लक्ष्य भारत के 1.5 करोड़ (15 million) छोटे व्यवसायों (SMBs) को AI टूल्स उपलब्ध कराना है। इसके अलावा, AWS (क्लाउड) इंफ्रास्ट्रक्चर को भी मजबूत किया जाएगा।
  2. ई-कॉमर्स निर्यात (Exports): कंपनी ने भारत से ई-कॉमर्स निर्यात का लक्ष्य बढ़ाकर 80 अरब डॉलर कर दिया है।
  3. रोजगार (Jobs): अमेज़न का दावा है कि इस निवेश से 2030 तक भारत में 10 लाख (1 Million) नई नौकरियां पैदा होंगी। इससे कुल समर्थित नौकरियों की संख्या 38 लाख तक पहुँचने की उम्मीद है।

अन्य महत्वपूर्ण विवरण

- इंफ्रास्ट्रक्चर: यह धनराशि डेटा सेंटर (AWS), लॉजिस्टिक्स नेटवर्क, फुलफिलमेंट सेंटर और डिजिटल पेमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने में खर्च किया जाएगा।
- शिक्षा: अमेजन 40 लाख सरकारी स्कूल के छात्रों को AI कोर्स और टेक्नोलॉजी प्रशिक्षण के माध्यम से सपोर्ट करेगा।
- क्विक कॉमर्स: कंपनी भारत में अपने 'क्विक कॉमर्स' (तेजी से डिलीवरी) और क्लाउड कंप्यूटिंग सेवाओं के विस्तार पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है।
- अमेजन का यह कदम माइक्रोसॉफ्ट और गूगल जैसी दिग्गज कंपनियों के निवेश के बाद आया है, जो भारत को एक वैश्विक डिजिटल और AI पावरहाउस बनाने की दिशा में एक बड़ा संकेत है।

4.8 भारत में 17.5 अरब डॉलर का निवेश करेगी माइक्रोसॉफ्ट

वैश्विक सॉफ्टवेयर कम्पनी माइक्रोसॉफ्ट भारत में 17.5 अरब डॉलर का निवेश करेगी। दिसंबर 2025 में माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला ने भारत की अपनी यात्रा के दौरान इस ऐतिहासिक निवेश की घोषणा की है। यह निवेश अगले चार वर्षों (2026 से 2029) के दौरान किया जाएगा। यह भारत के साथ साथ पूरे एशिया में माइक्रोसॉफ्ट का अब तक का सबसे बड़ा निवेश है।

निवेश के तीन मुख्य स्तंभ

1. **इन्फ्रास्ट्रक्चर का विस्तार (Scale)**
   - → हैदराबाद में 'इंडिया साउथ सेंट्रल' नामक एक विशाल क्लाउड रीजन बनाया जा रहा है, जो 2026 के मध्य तक शुरू होगा।
   - → यह भारत में माइक्रोसॉफ्ट का सबसे बड़ा डेटा सेंटर होगा। इसका आकार दो 'ईडन गार्डन्स' स्टेडियम के बराबर बताया जा रहा है।
   - → चेन्नई, पुणे और हैदराबाद के मौजूदा डेटा सेंटर्स का भी विस्तार किया जाएगा।
2. **कौशल विकास (Skills)**
   - → माइक्रोसॉफ्ट ने 2030 तक 2 करोड़ (20 मिलियन) भारतीयों को AI स्किल्स सिखाने का लक्ष्य रखा है (पहले यह लक्ष्य 1 करोड़ था)।
   - → इसमें डेटा साइंस, कोडिंग, साइबर सिक्योरिटी और क्लाउड मैनेजमेंट जैसे आधुनिक विषय शामिल होंगे।

NOT FOR SALE

3. **डेटा संप्रभुता (Sovereignty)**

→ कंपनी भारत में Sovereign Public Cloud और Sovereign Private Cloud लॉन्च करेगी ताकि संवेदनशील डेटा (जैसे सरकारी और बैंकिंग डेटा) देश की सीमाओं के भीतर ही सुरक्षित रहे।

→ 2025 के अंत तक 'Microsoft 365 Copilot' के लिए इन-कंट्री डेटा प्रोसेसिंग की सुविधा भी शुरू हो जाएगी।

4.9 RBI द्वारा फिनो पेमेंट्स बैंक को स्मॉल फाइनेंस बैंक (SFB) में बदलने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी

भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने दिसंबर 2025 में फिनो पेमेंट्स बैंक (Fino Payments Bank) को स्मॉल फाइनेंस बैंक (SFB) में बदलने के लिए सैद्धांतिक रूप से (in-principle) मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही फिनो पेमेंट्स बैंक देश का पहला ऐसा पेमेंट्स बैंक बन गया है जिसे SFB में बदलने की अनुमति मिली है।

मुख्य बिंदु

- अभी तक पेमेंट्स बैंक होने के कारण फिनो बैंक कर्ज (Loan) नहीं दे सकता था और जमा राशि (Deposit) की भी एक सीमा थी। SFB बनने के बाद यह:
  - → अपने ग्राहकों को लोन (Lending) दे पाएगा।
  - → क्रेडिट कार्ड जारी कर सकेगा।
  - → जमा राशि की सीमा समाप्त होने से बड़े डिपॉजिट स्वीकार कर पाएगा।

आरबीआई (RBI) के नियम और शर्तें

- **18 महीने का समय:** RBI ने बैंक को इस परिवर्तन को पूरा करने के लिए 18 महीने का समय दिया है। इस दौरान बैंक को सभी नियामक शर्तों को पूरा करना होगा।
- **अनुभव:** नियमों के अनुसार, कम से कम 5 साल तक पेमेंट्स बैंक के रूप में काम करने वाली संस्थाएं ही SFB के लिए आवेदन कर सकती हैं। फिनो ने 2017 में परिचालन शुरू किया था।
- **पूंजी (Capital):** SFB के लिए न्यूनतम पेड-अप इक्विटी पूंजी ₹200 करोड़ होनी चाहिए, जबकि फिनो की नेट वर्थ इससे काफी अधिक है।

ग्राहकों पर प्रभाव

- फिनो का नेटवर्क ग्रामीण और अर्ध-शहरी इलाकों में बहुत मजबूत है। इसके SFB बनने से उन छोटे व्यापारियों और किसानों को फायदा होगा जो अब सीधे बैंक से सुरक्षित या असुरक्षित ऋण (Secure/Unsecured Loans) ले सकेंगे।

नोट: हालांकि यह 'सैद्धांतिक मंजूरी' है, अंतिम लाइसेंस तभी मिलेगा जब बैंक अगले 18 महीनों में RBI के सभी मापदंडों और अनुपालन (Compliance) को सफलतापूर्वक पूरा कर लेगा।

4.10 विकसित भारत-जी राम जी (VB-G RAM G) अधिनियम 2025

विकसित भारत-जी राम जी (VB-G RAM G) अधिनियम 2025 भारत सरकार द्वारा ग्रामीण रोजगार के क्षेत्र में किया गया एक युगांतरकारी सुधार है। दिसंबर 2025 में संसद द्वारा पारित और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी के बाद, इसने दो दशक पुराने मनरेगा (MGNREGA), 2005 का स्थान ले लिया है। इसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण रोजगार को "राहत कार्य" से बदलकर "उत्पादक परिसंपत्ति निर्माण" और विकसित भारत @2047 के विजन से जोड़ना है।

प्रमुख विशेषताएं और बड़े बदलाव

- रोजगार की गारंटी प्रति वर्ष 100 दिन बढ़ाकर 125 दिन कर दी गई है।
- कार्य की प्रकृति मांग आधारित न होकर आपूर्ति प्रेरित और नियोजित (Supply-driven/Planned) होगी।
- खेती के समय अवकाश का कोई निश्चित प्रावधान नहीं था अब पीक सीजन में 60 दिन का 'काम बंदी' काल शामिल किया गया है। (ताकि खेती के लिए मजदूर मिलें)।
- इसके फंडिंग में पहले केंद्र का भारी योगदान (मजदूरी 100%) था जिसे अब केंद्र - राज्यों में साझा (60:40) और पूर्वोत्तर/पहाड़ी राज्यों के लिए 90:10 किया गया है।
- अब कार्य के 4 मुख्य क्षेत्र (जल सुरक्षा, बुनियादी ढांचा, आजीविका और जलवायु लचीलापन) निर्धारित किए गए हैं।

अधिनियम के मुख्य प्रावधान

- **वर्धित सुरक्षा:** प्रत्येक ग्रामीण परिवार जिसके वयस्क सदस्य अकुशल शारीरिक कार्य के लिए तैयार हैं, उन्हें अब साल में 125 दिनों के काम की कानूनी गारंटी मिलेगी।
- **खेती और श्रमिकों में संतुलन:** कृषि सीजन (बुवाई और कटाई) के दौरान राज्य सरकारें 60 दिनों की अवधि के लिए काम बंद रख सकेंगी। इससे किसानों को मजदूर मिलने में आसानी होगी।

डिजिटलीकरण और पारदर्शीता

- **बायोमेट्रिक हाजिरी:** फर्जी उपस्थिति रोकने के लिए।
- **GPS ट्रैकिंग:** कार्यों की रियल-टाइम निगरानी के लिए।
- **साप्ताहिक भुगतान:** मजदूरी का भुगतान साप्ताहिक या अधिकतम 15 दिनों के भीतर करना अनिवार्य है।
- **बेरोजगारी भत्ता:** यदि आवेदन के 15 दिनों के भीतर काम नहीं मिलता है, तो राज्य सरकार को बेरोजगारी भत्ता देना होगा।
- **नया जॉब कार्ड:** पुराने मनरेगा कार्ड की जगह 'ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्ड' जारी किए जाएंगे जिनकी वैधता 3 वर्ष होगी।

चुनौतियां और आलोचना

- विपक्ष और कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि राज्यों पर 40% वित्तीय बोझ डालने से गरीब राज्यों को कठिनाई हो सकती है। साथ ही, मांग-आधारित मॉडल से हटकर बजट-सीमित मॉडल की ओर जाने से उन क्षेत्रों में काम की कमी हो सकती है जहाँ जरूरत अधिक है।

4.11 'सबका बीमा, सबकी रक्षा (बीमा कानूनों का संशोधन) विधेयक, 2025'

'सबका बीमा, सबकी रक्षा (बीमा कानूनों का संशोधन) विधेयक, 2025 भारत सरकार द्वारा दिसंबर 2025 में पारित किया गया एक ऐतिहासिक कानून है, जिसका मुख्य उद्देश्य बीमा क्षेत्र में बड़े सुधार लाना है, खासकर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) की सीमा को 74% से बढ़ाकर 100% करना, जिससे बीमा कवरेज बढ़े, प्रतिस्पर्धा बढ़े और आम आदमी के लिए सस्ती, बेहतर और नई तरह की बीमा पॉलिसियाँ उपलब्ध हों, साथ ही क्लेम सेटलमेंट भी तेज़ हो। यह विधेयक बीमा अधिनियम, 1938, एलआईसी अधिनियम, 1956 और आईआरडीए अधिनियम, 1999 जैसे प्रमुख कानूनों में संशोधन करता है।

मुख्य प्रावधान और उद्देश्य

- **विदेशी निवेश में उदारीकरण:** बीमा कंपनियों में 100% प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) की अनुमति–
  - → इससे पूंजी विस्तार, नई तकनीक, वैश्विक प्रथाएं और रोजगार बढ़ेगा।
  - → प्रतिस्पर्धा से उत्पाद-सेवाओं में दक्षता आएगी, जो उपभोक्ताओं के लिए फायदेमंद।

NOT FOR SALE

- **व्यापार सुगमता के उपाय–**
  - → इंटरमीडियरीज के लिए वन-टाइम लाइसेंसिंग और लाइसेंस निलंबन (रद्द करने के बजाय)।
  - → बीमाकर्ताओं के लिए शेयर पूंजी हस्तांतरण की सीमा 1% से 5%।
  - → फॉरेन रीइंश्योरेंस ब्रांच के लिए नेट ओन्ड फंड ₹5,000 करोड़ से घटाकर ₹1,000 करोड़।
  - → LIC को क्षेत्रीय कार्यालय खोलने और विदेशी कार्यालयों को स्थानीय कानूनों के अनुरूप ढालने की स्वायत्तता।
- **पॉलिसीधारकों की सुरक्षा–**
  - → पॉलिसीधारक शिक्षा एवं संरक्षण कोष की स्थापना बीमा जागरूकता के लिए।
  - → पॉलिसीधारकों का डेटा DPDP अधिनियम 2023 के अनुरूप संग्रहित करना अनिवार्य।
- **नियामक सुधार–**
  - → विनियमन के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) और अनिवार्य परामर्श।
  - → IRDAI को अनुचित लाभ वसूलने की शक्ति।
  - → दंड प्रावधानों को तर्कसंगत बनाना और जुर्माने के मानक परिभाषित करना।

अपेक्षित प्रभाव

- ये बदलाव बीमा कवरेज को आम लोगों, परिवारों और उद्यमों तक विस्तार देंगे। व्यापार सुगमता बढ़ेगी, नियामक निगरानी मजबूत होगी, और भारतीय अर्थव्यवस्था को वित्तीय मजबूती मिलेगी। कुल मिलाकर, बीमा क्षेत्र अधिक प्रतिस्पर्धी और समावेशी बनेगा।

4.12 'भारत CPSE परामर्श सम्मेलन' (Bharat CPSEs' Consultative Conclave)

हाल ही में, दिसंबर 2025 में 'भारत CPSE परामर्श सम्मेलन' (Bharat CPSEs' Consultative Conclave) का आयोजन नई दिल्ली में किया गया। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (CPSEs) की कार्यक्षमता को बढ़ाना और उन्हें 'विकसित भारत @2047' के लक्ष्य के लिए तैयार करना था।

मुख्य बिंदु

- **आयोजक:** यह सम्मेलन क्षमता निर्माण आयोग (Capacity Building Commission-CBC) द्वारा लोक उद्यम विभाग (DPE) और वित्त मंत्रालय के सहयोग से आयोजित किया गया।
- **विषय (Theme):** "दक्ष पीएसई @2047 के जरिए भारत की विकास यात्रा को आकार देना" (Shaping India's Growth Story through DAKSH PSEs @2047)।

सम्मेलन के दौरान कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया गया

- **सुशासन (Good Governance):** शासन के सिद्धांतों को सार्वजनिक उद्यमों की मानव संसाधन रणनीतियों में शामिल करना।
- **नेतृत्व और उत्तराधिकार योजना:** भविष्य के नेतृत्व को तैयार करने के लिए मजबूत 'सक्सेशन प्लानिंग' (Succession Planning) पर चर्चा।
- **अंतर-CPSE सहयोग:** विभिन्न सार्वजनिक उद्यमों के बीच आपसी सहयोग को बढ़ावा देना ताकि वे एक-दूसरे के अनुभवों और संसाधनों का लाभ उठा सकें।
- **डिजिटल और तकनीकी क्षमता:** बदलते वैश्विक परिदृश्य में तकनीक को अपनाने और नवाचार पर जोर देना।

महत्व

- **राष्ट्र निर्माता के रूप में CPSE:** सम्मेलन में इस बात पर जोर दिया गया कि CPSEs केवल व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं हैं, बल्कि वे सार्वजनिक विश्वास, आर्थिक लचीलेपन और राष्ट्र निर्माण के संरक्षक भी हैं।
- **क्षमता निर्माण संग्रह:** इस आयोजन के परिणाम के रूप में एक 'CPSE क्षमता निर्माण संग्रह' (CPSE Capacity Building Compendium) विकसित करने की योजना है, जिसमें सर्वोत्तम प्रथाओं (Best Practices) का विवरण होगा।

4.13 नेशनल पेंशन सिस्टम (NPS) में बदलाव

नेशनल पेंशन सिस्टम (NPS) में हाल ही में कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं, जो मुख्य रूप से निकासी नियमों, उम्र सीमा और अन्य प्रावधानों को प्रभावित करते हैं। ये बदलाव PFRDA द्वारा लागू किए गए हैं, जो नौकरीपेशा लोगों को अधिक लचीलापन प्रदान करते हैं।

निकासी नियम

- रिटायरमेंट या एग्जिट पर अब निवेशक अपनी जमा राशि का 80% तक एकमुश्त (लम्पसम) निकाल सकते हैं, जबकि अनिवार्य एन्यूटी (वार्षिकी) की सीमा 40% से घटाकर 20% कर दी गई है। अगर कुल राशि 5 लाख रुपये तक है, तो 100% निकासी संभव है बिना एन्यूटी खरीदे। प्राइवेट सेक्टर और कॉर्पोरेट NPS के लिए ये नियम विशेष रूप से लागू होते हैं।

उम्र सीमा

- NPS में बने रहने की अधिकतम उम्र सीमा 75 से बढ़ाकर 85 वर्ष कर दी गई है।
- इससे सब्सक्राइबर्स लंबे समय तक फंड को जारी रख सकते हैं।

न्यू बदलाव

- पूर्व-रिटायरमेंट निकासी की सीमा 3 से बढ़ाकर 4 बार कर दी गई है, जिसमें प्रत्येक निकासी के बीच कम से कम 4 वर्ष का अंतर होना चाहिए।
- स्कीम A को स्कीम C और E में मर्ज किया जा रहा है, जिसमें 25 दिसंबर 2025 तक फ्री स्विचिंग का विकल्प है।
- ये बदलाव निवेशकों को अधिक नियंत्रण देते हैं, लेकिन विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि अधिक लम्पसम निकासी से मासिक पेंशन कम हो सकती है।

4.14 भारत अमेरिका व्यापार वार्ता

चर्चा में क्यों ?

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता (India-US Trade Dialogue) हाल ही में काफी चर्चा में रही है, और दोनों देश एक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (Bilateral Trade Agreement - BTA) के पहले चरण को अंतिम रूप देने की कोशिश कर रहे हैं।

मुख्य बिंदु

प्रमुख लंबित मुद्दे (Pending Issues)

- **कृषि उत्पाद और डेयरी:** यह सबसे बड़ा बाधा बनी हुई है। अमेरिका चाहता है कि भारत डेयरी, मांस, सोयाबीन, मक्का और कुछ जेनेटिकली मॉडिफाइड (GMO) उत्पादों के लिए अपने बाज़ार में अधिक पहुंच दे।
- **भारत का रुख:** भारत अपने छोटे किसानों के हितों की रक्षा के लिए इन उत्पादों पर रियायत देने से हिचक रहा है, खासकर राजनीतिक रूप से संवेदनशील कृषि और डेयरी क्षेत्रों में।

NOT FOR SALE

- टैरिफ (शुल्क): अमेरिका ने भारत के कुछ उत्पादों पर 50% तक टैरिफ (शुल्क) लगाया हुआ है, जिसमें प्रतिशोधात्मक शुल्क और रूसी तेल खरीद से संबंधित द्वितीयक शुल्क शामिल हैं।
- भारत की मांग: भारत इन भारी-भरकम शुल्कों को हटाने की मांग कर रहा है।
- बाजार पहुंच: औद्योगिक उत्पाद, आयात-निर्यात शुल्क और बाजार पहुंच से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण मुद्दे भी बातचीत के एजेंडे में शामिल हैं।

हालिया घटनाक्रम (Latest Developments)

- उच्च-स्तरीय वार्ता: दिसंबर 2025 में अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि टीम (Deputy USTR के नेतृत्व में) ने नई दिल्ली का दौरा किया, जिससे बातचीत को गति मिली है।
- सकारात्मक संकेत: भारत के मुख्य आर्थिक सलाहकार (CEA) ने पुष्टि की है कि अधिकांश लंबित व्यापार मुद्दों को हल कर लिया गया है, और उन्हें उम्मीद है कि समझौता मार्च 2026 तक पूरा हो सकता है।
- नेतृत्व स्तर पर बातचीत: प्रधान मंत्री और अमेरिकी राष्ट्रपति ने हाल ही में फोन पर बात की, जिसमें द्विपक्षीय संबंधों और व्यापार समझौते की प्रगति पर चर्चा की गई।
- व्यापार घाटा: भारत ने अमेरिका से आयात बढ़ाया है (विशेषकर ऊर्जा/तेल का), जिससे अमेरिका के साथ भारत का व्यापार अधिशेष (Trade Surplus) सिकुड़ गया है, जो अमेरिका की एक चिंता को कम करता है।

लक्ष्य और सहयोग के अन्य क्षेत्र

- द्विपक्षीय व्यापार लक्ष्य: दोनों देशों ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को वर्तमान $191 बिलियन से बढ़ाकर $500 बिलियन करने का लक्ष्य रखा है।
- अन्य सहयोग: व्यापार के अलावा, दोनों देश रक्षा, ऊर्जा, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों (Critical Technologies), अंतरिक्ष और विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखला जैसे क्षेत्रों में भी सहयोग को गहरा करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।
- यह वार्ता दोनों देशों के लिए आर्थिक स्थिरता और विकास के लिए महत्वपूर्ण मानी जाती है, खासकर वैश्विक व्यापार में बड़े बदलावों के बीच।

4.15 सरस आजीविका फूड फेस्टिवल 2025

केंद्रीय ग्रामीण विकास और कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 1 दिसंबर 2025 को नई दिल्ली की ऐतिहासिक सुंदर नर्सरी में सरस आजीविका फूड फेस्टिवल 2025 का औपचारिक उद्घाटन किया। यह आयोजन ग्रामीण महिला उद्यमियों के कौशल और भारत की सांस्कृतिक विविधता का एक अनूठा संगम था।

मुख्य बिंदु

- इस उत्सव में देश के 25 राज्यों की लगभग 300 'लखपति दीदियां' और स्वयं सहायता समूहों (SHGs) की महिलाओं ने हिस्सा लिया।
- मेले में कुल 62 स्टॉल लगाए गए थे, जिनमें से 50 स्टॉल पर 500 से अधिक पारंपरिक व्यंजन लाइव बनाए गए।
- इनमें लिट्टी-चोखा (बिहार), सरसों का साग-मक्के की रोटी (पंजाब), सिड्डू (हिमाचल) और मालाबार बिरयानी (केरल) जैसे प्रसिद्ध क्षेत्रीय ज़ायके शामिल थे।
- इसका मुख्य लक्ष्य ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाना, उनके उत्पादों को एक बड़ा बाज़ार मंच प्रदान करना और शहरी लोगों को ग्रामीण भारत की कला और स्वाद से रूबरू कराना है।
- उद्घाटन के अवसर पर केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी भी मौजूद थीं।

4.16 आर्थिक वाणिज्यिक परिदृश्य (To The Point)

- केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा सिंटर्ड रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट मैन्युफैक्चरिंग योजना के लिए 7,280 करोड़ रुपये वित्तीय सहायता को मंजूरी मिली।
- इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर (IITF) 2025 में, केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (CBIC) ने अपने 'GST & Customs Pavilion' के लिए 'जनसंपर्क और संचार' श्रेणी में स्वर्ण पुरस्कार (Gold Prize) जीता, जो 'नेक्स्ट-जनरेशन जीएसटी: सरल कर, खुशहाल राष्ट्र' की थीम पर आधारित था।
- केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सरस आजीविका फूड फेस्टिवल 2025 का उद्घाटन नई दिल्ली में किया।
- भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) ने कम जोखिम वाले विदेशी निवेशकों के लिए भारत में निवेश को आसान बनाने के लिए SWAGAT-FI (Single Window Automatic & Generalised Access for Trusted Foreign Investors) नामक एक नया फ्रेमवर्क लॉन्च किया है, जो 1 जून, 2026 से लागू होगा।
- नीति आयोग और IBM ने 2047 तक भारत को दुनिया की शीर्ष तीन क्वांटम अर्थव्यवस्थाओं (Top 3 Quantum Economies) में से एक बनाने के लिए एक रोडमैप जारी किया है।
- एशियाई विकास बैंक (ADB) ने महाराष्ट्र में ग्रामीण और सुरक्षित सड़कों के लिए 400 मिलियन डॉलर (लगभग ₹3300 करोड़) के एक बड़े परिणाम-आधारित ऋण (RBL) कार्यक्रम को मंज़ूरी दी है।
- ADB ने भारत का विकास दर अनुमान 6.5 से बढ़ाकर 7.2% किया।
- रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) से स्मॉल फाइनेंस बैंक में बदलने के लिए सैद्धांतिक मंज़ूरी पाने वाला पहला पेमेंट बैंक बना फिनो पेमेंट्स बैंक।
- बैंक ऑफ बड़ौदा (BoB) को फ़ाइनेंशियल टाइम्स की प्रतिष्ठित प्रकाशन द बैंकर द्वारा आयोजित बैंक ऑफ द ईयर अवॉर्ड्स 2025 – एशिया-पैसिफ़िक में 'बेस्ट बैंक इन इंडिया' के सम्मान से नवाज़ा गया है।
- राष्ट्रपति मुर्मू ने संसद द्वारा पारित विकसित भारत-रोज़गार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) : वीबी–जी राम जी (विकसित भारत-जी राम जी) विधेयक, 2025 को स्वीकृति दी, जो मनरेगा की जगह लेगा।
- केंद्र सरकार ने इंश्योरेंस सेक्टर में सुधार के लिए 'सबका बीमा, सबकी सुरक्षा' विधेयक पारित किया है। इसके तहत बीमा क्षेत्र में FDI की सीमा 74 से बढ़ाकर 100 कर दी गई है।
- हाल ही में क्षमता निर्माण आयोग ने लोक उद्यम विभाग और वित्त मंत्रालय के सहयोग से नई दिल्ली में भारत सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम – सी पी एस ई परामर्श सम्मेलन का आयोजन किया।
- Google Pay ने दिसंबर 2025 में भारत में अपना पहला क्रेडिट कार्ड लॉन्च किया, जो Axis Bank के साथ को-ब्रांडेड RuPay कार्ड है, जिसे Flex by Google Pay कहा जाता है।
- हुरुन इंडिया की 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, जोमैटो (Eternal की पैरेंट कंपनी) के संस्थापक दीपिंदर गोयल भारत के नंबर वन सेल्फ-मेड अरबपति बनें।
- आगामी तीन वर्षों के लिए रोलिंग बजट तैयार करने की पहल करने वाला देश का पहला राज्य बनेगा मध्यप्रदेश।

NOT FOR SALE

05 विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

5.1 'ऑन्कोमार्क' AI टूल

भारतीय वैज्ञानिकों ने हाल ही में 'OncoMark' नामक एक क्रांतिकारी AI टूल विकसित किया है, जिसे कैंसर के निदान और उपचार की दिशा में एक बड़ी सफलता माना जा रहा है।

मुख्य बिंदु

- इसे एस.एन. बोस नेशनल सेंटर फॉर बेसिक साइंसेज (कोलकाता) और अशोका यूनिवर्सिटी (हरियाणा) के शोधकर्ताओं ने मिलकर विकसित किया है। इस टीम का नेतृत्व डॉ. सुभासिस हलदर और डॉ. देबयन गुप्ता ने किया।
- पारंपरिक तरीके (जैसे TNM स्टेजिंग) ट्यूमर के आकार और फैलाव पर ध्यान केंद्रित करते हैं, लेकिन 'OncoMark' कैंसर की "मॉलिक्यूलर पर्सनालिटी" (आणविक व्यक्तित्व) को पढ़ता है।
- **हॉलमार्क ऑफ कैंसर:** यह टूल कैंसर कोशिकाओं के 10 मूलभूत जैविक गुणों (Hallmarks) का विश्लेषण करता है, जैसे कि वे इम्यून सिस्टम से कैसे बचती हैं या कैसे तेज़ी से फैलती हैं।
- **डेटा बेस:** इसे 14 प्रकार के कैंसर की लगभग 31 लाख (3.1 million) कोशिकाओं के डेटा पर प्रशिक्षित किया गया है।
- **उच्च सटीकता:** आंतरिक परीक्षणों में इसकी सटीकता 99% से अधिक रही है और बाहरी डेटा पर यह 96% से अधिक सटीक पाया गया है।
- **पर्सनलाइज्ड थेरेपी:** यह डॉक्टरों को यह समझने में मदद करता है कि किसी विशेष मरीज का ट्यूमर भविष्य में कैसा व्यवहार करेगा, जिससे इलाज को मरीज की जरूरत के हिसाब से "कस्टमाइज" किया जा सकता है।
- **प्रारंभिक पहचान:** यह उन आक्रामक कैंसरों की भी पहचान कर सकता है जो सामान्य जांच में कम गंभीर दिखते हैं।

5.2 'कृष्णन क्रेटर'

अहमदाबाद स्थित फिजिकल रिसर्च लेबोरेटरी (PRL) के वैज्ञानिकों की सिफारिश पर इंटरनेशनल एस्ट्रोनॉमिकल यूनियन (IAU) ने मंगल ग्रह के 'थार्सिस' (Tharsis) ज्वालामुखी क्षेत्र में स्थित एक क्रेटर का नाम 'कृष्णन क्रेटर' रखा है।

मुख्य बिंदु

- यह नाम प्रसिद्ध भारतीय भूविज्ञानी एम. एस. कृष्णन (M.S. Krishnan) के सम्मान में दिया गया है, जो भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (GSI) के पहले भारतीय महानिदेशक थे। वैज्ञानिकों के अनुसार यह क्रेटर लगभग 3.5 अरब वर्ष पुराना है।
- यह क्रेटर मंगल के लारिस-सा- वल्लीस (Laris sa Vallis) क्षेत्र में स्थित है। इसकी गहराई और बनावट से मंगल के प्राचीन इतिहास और पर्यावरण को समझने में मदद मिलेगी।
- इससे पहले भी मंगल पर कुछ क्रेटरों के नाम भारतीय शहरों या महान हस्तियों के नाम पर रखे गए हैं, जैसे कि हाल ही में अहमदाबाद स्थित फिजिकल रिसर्च लेबोरेटरी (PRL) के वैज्ञानिकों ने तीन क्रेटरों के नाम 'लाल', 'मुरसान' और 'हिसार' रखने का सुझाव दिया था।

एम. एस. कृष्णन के बारे में

- डॉ. एम. एस. कृष्णन (1899–1970) आधुनिक भारतीय भू-विज्ञान का जनक माना जाता है।
- वे भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (GSI) के पहले भारतीय महानिदेशक थे।
- उन्हें उनकी प्रसिद्ध पुस्तक "Geology of India and Burma" के लिए जाना जाता है, जिसे आज भी भू-विज्ञान के छात्रों के लिए "बाइबिल" माना जाता है। भारत सरकार ने उन्हें पद्म भूषण (1970) से भी सम्मानित किया था।

5.3 अनंत सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर नेविगेशन (ACEN)

भारत का पहला प्राइवेट सेक्टर नेविगेशन इनोवेशन हब, अनंत सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर नेविगेशन (ACEN), तिरुवनंतपुरम के किन्फ्रा पार्क में स्थापित किया गया।

मुख्य बिंदु

- इसरो के चेयरमैन वी. नारायणन ने इसका उद्घाटन नवंबर 2025 में किया।
- यह केंद्र अनंत टेक्नोलॉजीज लिमिटेड द्वारा विकसित है, जो नेविगेशन तकनीकों में आत्मनिर्भरता बढ़ाएगा।

मुख्य उद्देश्य

- ACEN स्वदेशी नेविगेशन सेंसर, एआई-आधारित फ्यूजन और NavIC प्रणाली के उन्नत उपयोग को समर्थन देगा।
- यह रखरखाव, मरम्मत और ओवरहॉल (MRO) सुविधाएं प्रदान कर विदेशी GPS निर्भरता कम करेगा।
- इससे रक्षा, एयरोस्पेस और मशीनरी क्षेत्रों में नवाचार को बढ़ावा मिलेगा।

5.4 भारतीय वैज्ञानिकों द्वारा खोजी गई नयी आकाशगंगा "अलकनंदा"

भारतीय वैज्ञानिक, राशि जैन और योगेश वडादेकर ने दिसंबर 2025 में जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप (JWST) के डेटा का उपयोग करके 'अलकनंदा' नाम की एक प्राचीन सर्पिल आकाशगंगा (spiral galaxy) की खोज की है, जो ब्रह्मांड के शुरुआती दौर की महत्वपूर्ण खोज है।

मुख्य बिंदु

- इस खोज का नेतृत्व पुणे स्थित Inter-University Centre for Astronomy and Astrophysics (IUCAA) के वैज्ञानिकों राशि जैन और योगेश वडादेकर ने किया।
- अलकनंदा एक खूबसूरत सर्पिल (spiral) आकाशगंगा है, जिसमें साफ-सुथरी भुजाएँ और केंद्र है, जो हमारी मिल्की वे के युवा रूप जैसा दिखता है। इसमें लगभग 1000 करोड़ तारे हैं।
- यह आकाशगंगा 11.3 अरब प्रकाश वर्ष दूर स्थित है और इसे एबेल 2744 तारामंडल के पास देखी गई। यह ब्रह्मांड के केवल 1.5 अरब वर्ष पुराने होने पर बनी थी, जब अधिकांश आकाशगंगाएं असंगठित होती थीं।
- 'अलकनंदा' नाम पौराणिक मान्यताओं और हमारी अपनी आकाशगंगा 'मंदाकिनी' को सम्मान देने के लिए चुना गया है, जो एक काव्यात्मक नाम है।

NOT FOR SALE

- महत्व: इतनी जल्दी (बिग बैंग के 1.5 अरब साल बाद) इतनी व्यवस्थित आकाशगंगा का मिलना वैज्ञानिकों की पुरानी धारणाओं को चुनौती देता है क्योंकि गैलेक्सी बनने में अरबों साल लगते हैं।

5.5 नेल्लौर में भारत का पहला गहरा समुद्र सूक्ष्मजीव अनुसंधान केंद्र

भारत का पहला गहरे समुद्र सूक्ष्मजीव अनुसंधान केंद्र (Deep Sea Marine Microbial Repository) आंध्र प्रदेश के नेल्लौर के पास स्थापित किया जा रहा है। यह केंद्र भारत के 'डीप ओशन मिशन' (Deep Ocean Mission) का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

मुख्य बिंदु

- **संचालन:** इसे राष्ट्रीय महासागर प्रौद्योगिकी संस्थान (NIOT) द्वारा अपने समुद्र-तटीय परिसर (Seafront Campus) में विकसित किया जा रहा है।
- **उद्देश्य:** इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य गहरे समुद्र (Extreme Marine Environments) में पाए जाने वाले सूक्ष्मजीवों का संरक्षण, संवर्धन और अध्ययन करना है।
- **अत्याधुनिक तकनीक:** यहाँ विशेष क्रायो-फ्रीजर (Cryo-freezers) और उपकरण होंगे जो समुद्र की गहराइयों जैसे अत्यधिक दबाव और कम तापमान वाली स्थितियों को लैब में बना सकेंगे।
- **महत्व:** गहरे समुद्र के ये जीव बिना सूरज की रोशनी और भारी दबाव में जीवित रहते हैं। इनसे ऐसे अनोखे अणु (Molecules) मिल सकते हैं जो दवाइयों (Biomedical), औद्योगिक प्रक्रियाओं और पर्यावरण सुधार में क्रांतिकारी बदलाव ला सकते हैं।
- यह केंद्र भारत को महासागर प्रौद्योगिकी में आत्मनिर्भर बनाने और 'भारत @ 2047' विज़न के तहत समुद्री अनुसंधान क्षमताओं को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

5.6 DHRUV64 माइक्रोप्रोसेसर

यह भारत की तकनीकी संप्रभुता की दिशा में एक बहुत ही महत्वपूर्ण उपलब्धि है। C-DAC (सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग) द्वारा DHRUV64 माइक्रोप्रोसेसर का विकास 'डिजिटल इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को सशक्त बनाने वाला कदम है।

DHRUV64 प्रोसेसर की मुख्य विशेषताएँ

- आर्किटेक्चर: यह एक 64-बिट ड्यूल-कोर प्रोसेसर है, जो जटिल गणनाओं को संभालने में सक्षम है।
- गति (Clock Speed): इसकी क्लॉक स्पीड 1.0 GHz है, जो इसे विभिन्न एम्बेडेड और कंप्यूटिंग कार्यों के लिए उपयुक्त बनाती है।
- पूरी तरह स्वदेशी: इसका डिज़ाइन और विकास भारत में ही किया गया है, जिससे विदेशी हार्डवेयर पर निर्भरता कम होगी।
- बहुमुखी उपयोग: इसे इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT), स्मार्ट सिटी समाधानों और औद्योगिक नियंत्रण प्रणालियों में आसानी से उपयोग किया जा सकता है।

भारत के लिए महत्व

- रणनीतिक स्वायत्तता: रक्षा (Defense) और अंतरिक्ष (Space) जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में विदेशी चिप्स का उपयोग जोखिम भरा हो सकता है।
- DHRUV64 जैसे स्वदेशी चिप्स डेटा सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं।
- सेमीकंडक्टर मिशन: यह 'इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन' (ISM) को मजबूती प्रदान करता है, जिससे भारत भविष्य में चिप डिजाइन का ग्लोबल हब बन सके।
- एम्बेडेड सिस्टम: इसे स्मार्ट मीटर, ऑटोमोबाइल कंट्रोल यूनिट और नेटवर्किंग डिवाइस में व्यापक रूप से इस्तेमाल किया जा सकेगा।
- विशेष नोट: DHRUV64 के साथ, भारत उन चुनिंदा देशों की सूची में शामिल होने की ओर अग्रसर है, जिनके पास अपने स्वयं के उच्च-प्रदर्शन वाले माइक्रोप्रोसेसर हैं।

5.7 राष्ट्रीय वन हेल्थ मिशन की वैज्ञानिक संचालन समिति की चौथी बैठक

- राष्ट्रीय वन हेल्थ मिशन (NOHM) की वैज्ञानिक संचालन समिति (Scientific Steering Committee - SSC) की चौथी बैठक 18 दिसंबर 2025 को हुई।
- इसकी अध्यक्षता प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार (PSA) प्रो. अजय के. सूद ने की।
- इसमें मिशन की प्रगति की समीक्षा की गई और INSACOG के मॉडल पर धारित एक वन हेल्थ जीनोमिक्स कंसोर्टियम (One Health Genomics Consortium) की स्थापना को मंजूरी दी गई।
- इसका उद्देश्य मानव, पशु और पर्यावरण के स्वास्थ्य को जोड़ने वाले अंतर्संबंधों में स्वास्थ्य चुनौतियों का समाधान करना और एक एकीकृत रोग नियंत्रण प्रणाली बनाना है।
- मिशन का मुख्य फोकस महामारी की तैयारी, एकीकृत निगरानी और डेटा एकीकरण पर ध्यान केंद्रित करना है।

5.8 भारत, AI मॉडल्स और उनके उपयोग के मामले में दुनिया का सबसे बड़ा और सक्रिय बाजार

हाल ही में भारत AI मॉडल्स और उनके उपयोग के मामले में दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे सक्रिय बाजार बनकर उभरा है। दिसंबर 2025 की Bank of America की ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार, भारत 'लार्ज लैंग्वेज मॉडल' (LLM) एडॉप्शन में दुनिया का नेतृत्व कर रहा है।

मुख्य बिंदु

वैश्विक बढ़त और यूजर बेस

- सबसे बड़ा यूजर बेस: भारत ChatGPT, Gemini और Perplexity जैसे प्रमुख AI ऐप्स के मासिक और दैनिक सक्रिय उपयोगकर्ताओं (MAUs/ DAUs) के मामले में दुनिया में पहले स्थान पर है।
- युवा आबादी: भारत की 60% से अधिक इंटरनेट आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है, जो नई तकनीकों को तेजी से अपनाने में माहिर है।
- किफायती डेटा: दुनिया की सबसे सस्ती डेटा दरों (लगभग $2 में 20-30 GB) ने AI टूल्स को हर नागरिक की पहुँच में ला दिया है।

AI के लिए 'टेस्ट बेड' (Testing Ground)

- विदेशी कंपनियाँ भारत को 'एजेंटिक AI' (वह AI जो स्वयं निर्णय लेकर कार्य पूरे कर सकता है) के लिए एक आदर्श टेस्टिंग ग्राउंड मान रही हैं। इसकी वजह भारत की विशाल और विविधतापूर्ण आबादी है, जो वास्तविक दुनिया के कठिन डेटा प्रदान करती है।
- **आर्थिक और औद्योगिक प्रभाव–**
  - → बाजार का आकार: भारतीय AI बाजार 2025 में लगभग $13 बिलियन का है, जिसके 2032 तक $130 बिलियन तक पहुँचने का अनुमान है।

NOT FOR SALE

→ **प्रतिभा भंडार (Talent Pool):** दुनिया के कुल AI टैलेंट का 16% हिस्सा भारत में है। भारत 'AI स्किल पेनेट्रेशन' के मामले में दुनिया में पहले स्थान पर है।

→ **निवेश:** माइक्रोसॉफ्ट, अमेज़न और गूगल जैसे टेक दिग्गज भारत में क्लाउड और AI इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए अरबों डॉलर का निवेश कर रहे हैं।

भारत की ताकत के प्रमुख स्तंभ

क्षेत्र	भारत की स्थिति
LLM एडॉप्शन	दुनिया में नंबर 1
AI स्किल पेनेट्रेशन	दुनिया में नंबर 1
स्टैनफोर्ड AI वाइब्रेंसी इंडेक्स	दुनिया में नंबर 3 (USA और चीन के बाद)
AI टैलेंट पूल	दुनिया का 16% हिस्सा

नोट: भारत में AI न केवल अंग्रेजी, बल्कि स्थानीय भाषाओं में भी उपलब्ध हो रहा है, जिससे "AI का लोकतंत्रीकरण" (Democratisation of AI) हो रहा है।

5.9 भारतीय टीम ने नासा स्पेस ऐप्स चैलेंज में वैश्विक स्तर पर अग्रणी का खिताब जीता

नासा (NASA) इंटरनेशनल स्पेस ऐप्स चैलेंज 2025 में भारत (चेन्नई) की टीम "फोटोनिक्स ओडिसी" (Photonics Odyssey) ने इस वैश्विक प्रतियोगिता में 'मोस्ट इंस्पिरेशनल' (Most Inspirational) अवार्ड जीतकर वैश्विक स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल किया है।

मुख्य बिंदु

- **विजेता टीम:** फोटोनिक्स ओडिसी (चेन्नई, भारत)।
- **प्रोजेक्ट का नाम:** "स्वदेशी सैटेलाइट इंटरनेट" (Sovereign Satellite Internet Concept)।
- **अवार्ड:** मोस्ट इंस्पिरेशनल अवार्ड (यह प्रतियोगिता की 10 मुख्य श्रेणियों में से एक है)।
- **चैलेंज:** टीम ने 'कमर्शियलाइजिंग लो अर्थ ऑर्बिट' (Commercializing LEO) की चुनौती पर काम किया।
- इस गौरवशाली टीम में मनीष, डी.एम.के. प्रशांत जी., राजालिंगम एन., राशि एम. और शक्ति आर. शामिल हैं। इस प्रतियोगिता में 167 देशों के 1,14,000 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया था, जिसमें से टॉप 10 ग्लोबल विजेताओं में भारत की इस टीम ने अपनी जगह बनाई।

प्रोजेक्ट की खासियत

- इस टीम ने एक ऐसे Phased-array सैटेलाइट इंटरनेट इंफ्रास्ट्रक्चर का प्रस्ताव दिया जो बिना किसी टावर या जमीनी निर्भरता के दूरदराज के इलाकों में हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड पहुंचा सकता है।
- इसका मुख्य उद्देश्य भारत के उन 70 करोड़ लोगों को इंटरनेट से जोड़ना है जो अभी भी डिजिटल पहुंच से दूर हैं।
- इन्होंने इंटरनेट को एक निजी सेवा के बजाय "बिजली-पानी" जैसी सरकारी सार्वजनिक सुविधा के रूप में विकसित करने का विचार दिया है।

5.10 अंतरिक्ष में जाने वाली पहली व्हीलचेयर यूजर बनी माइकेला "मीची" बेंटहाउस (Michaela Benthaus)

जर्मनी की 33 वर्षीय एयरोस्पेस इंजीनियर माइकेला "मीची" बेंटहाउस (Michaela Benthaus) ने हाल ही में अंतरिक्ष की यात्रा कर एक ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किया है। वह अंतरिक्ष में जाने वाली पहली व्हीलचेयर यूजर बन गई हैं।

मुख्य बिंदु

- माइकेला एक जर्मन एयरोस्पेस और मेकाट्रॉनिक्स इंजीनियर हैं और वर्तमान में यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ESA) से जुड़ी हुई हैं।
- माइकेला बेंटहाउस ने जेफ बेजोस की अंतरिक्ष कंपनी ब्लू ओरिजिन (Blue Origin) के 'न्यू शेपर्ड' (NS-37) रॉकेट के जरिए अंतरिक्ष की यह यात्रा की। यह ऐतिहासिक उड़ान 20 दिसंबर 2025 को भरी गई।
- साल 2018 में एक माउंटेन बाइकिंग दुर्घटना के दौरान उनकी रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोट (Spinal Cord Injury) आई थी, जिसके बाद से वे व्हीलचेयर का इस्तेमाल कर रही हैं।

5.11 ISRO के LVM3-M6 के जरिए अमेरिका के ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 (BlueBird Block-2) उपग्रह का सफल प्रक्षेपण

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने 24 दिसंबर 2025 को अपने सबसे शक्तिशाली रॉकेट LVM3-M6 के जरिए अमेरिका के ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 (BlueBird Block-2) उपग्रह को सफलतापूर्वक लॉन्च कर इतिहास रच दिया है।

मुख्य बिंदु

- **लॉन्च की तारीख:** 24 दिसंबर 2025 (सुबह 8:55 बजे IST)।
- **लॉन्च स्थल:** सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (SDSC), श्रीहरिकोटा (दूसरा लॉन्च पैड)।
- **लॉन्च वाहन:** LVM3-M6 (Launch Vehicle Mark 3), जिसे 'बाहुबली' रॉकेट भी कहा जाता है। यह इसकी छठी परिचालन उड़ान (6th Operational Flight) थी।
- **उपग्रह:** ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 (अमेरिकी कंपनी AST SpaceMobile द्वारा निर्मित)।
- **कक्षा (Orbit):** पृथ्वी की निचली कक्षा (Low Earth Orbit - LEO), लगभग 520 किमी की ऊंचाई पर।
- **पेलोड वजन:** लगभग 6,100 किलोग्राम (यह भारतीय धरती से लॉन्च किया गया अब तक का सबसे भारी वाणिज्यिक उपग्रह है)।

/// ब्लूबर्ड ब्लॉक-2: दुनिया का सबसे बड़ा व्यावसायिक संचार उपग्रह ///

- **यह उपग्रह अगली पीढ़ी की "डायरेक्ट-टू-मोबाइल" संचार तकनीक का प्रतिनिधित्व करता है-**
  - → **सीधी कनेक्टिविटी:** यह बिना किसी विशेष ग्राउंड स्टेशन या टावर के सीधे सामान्य स्मार्टफोन को 4G/5G कनेक्टिविटी प्रदान करेगा।
  - → **विशाल एंटीना:** इसमें 223 वर्ग मीटर (~2,400 sq ft) का विशाल 'फेज्ड ऐरे' एंटीना लगा है, जो इसे LEO में अब तक का सबसे बड़ा वाणिज्यिक संचार एंटीना बनाता है।
  - → **डिजिटल क्रांति:** यह उन दुर्गम क्षेत्रों (पहाड़, समुद्र, रेगिस्तान) में हाई-स्पीड इंटरनेट और वॉयस कॉल पहुंचाएगा जहाँ मोबाइल टावर लगाना संभव नहीं है।

महत्व

- यह सफलता भारत के आगामी मानव मिशन 'गगनयान' के लिए LVM3 की विश्वसनीयता को और पुख्ता करती है।
- इस मिशन की सफलता ने भारत को SpaceX और ESA जैसे वैश्विक दिग्गजों के समकक्ष लाकर खड़ा कर दिया है। जहाँ दुनिया में भारी उपग्रहों के प्रक्षेपण के लिए सीमित विकल्प उपलब्ध हैं, वहीं इसरो का LVM3 एक किफायती और भरोसेमंद विकल्प बनकर उभरा है।

NOT FOR SALE

5.12 विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (To The Point)

- भारतीय वैज्ञानिकों ने कैंसर को डिकोड करने के लिए 'ऑन्कोमार्क' AI टूल विकसित किया है।
- अंतर्राष्ट्रीय खगोलीय संघ (IAU) ने मंगल ग्रह पर लगभग 3.5 अरब साल पुराने एक बड़े क्रेटर का नाम भारत के प्रसिद्ध भूविज्ञानी एम. एस. कृष्णन के सम्मान में 'कृष्णन क्रेटर' रखा है।
- चन्द्रमा पर पहली बार छोटे आयरन ऑक्साइड क्रिस्टल की खोज चीन द्वारा की गयी है।
- भारत के पहले प्राइवेट सेक्टर नेविगेशन इनोवेशन हब, अनंत सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर नेविगेशन (ACEN), का उद्घाटन हाल ही में तिरुवनंतपुरम (केरल) में किया गया, जिसे इसरो के चेयरमैन वी. नारायणन ने लॉन्च किया।
- भारतीय वैज्ञानिकों, राशि जैन और योगेश वाडेकर ने जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप (JWST) की मदद से 'अलकनंदा' नाम की एक विशाल सर्पिल (Spiral) आकाशगंगा की खोज की है।
- रीजनल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) इम्पैक्ट कॉन्फ्रेंस 2025 शिलांग के स्टेट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित हुई थी। इस सम्मेलन का फोकस 'लोग, प्रकृति और प्रगति' पर था।
- चीन ने विश्व के सबसे बड़े न्यूट्रिनो डिटेक्टर, जियांगमेन अंडरग्राउंड न्यूट्रिनो ऑब्जर्वेटरी (JUNO) का निर्माण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, जो न्यूट्रिनो कणों के रहस्यों को उजागर करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- भारत का पहला गहरे समुद्र सूक्ष्मजीव अनुसंधान केंद्र (Deep Sea Marine Microbial Repository) आंध्र प्रदेश के नेल्लोर के पास स्थापित किया जा रहा है।
- राशि जैन और योगेश वडाडेकर ने जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप (JWST) का इस्तेमाल करके 'अलकनंदा' (Alaknanda) नाम की एक भव्य सर्पिल (Grand-Design Spiral) आकाशगंगा की खोज की है।
- इसरो का आदित्य - L1 ऐतिहासिक सौर तूफान अध्ययन के वैश्विक प्रयास में शामिल हुआ।
- भारत ने DHRUV-64 लॉन्च किया है, जो C-DAC द्वारा विकसित देश का पहला स्वदेशी 1.0 GHz, 64-बिट ड्यूल-कोर माइक्रोप्रोसेसर है।
- भारत, AI मॉडल्स और उनके उपयोग के मामले में दुनिया का सबसे बड़ा और सक्रिय बाजार बना।
- नासा के इंटरनेशनल स्पेस ऐप्स चैलेंज में भारत को पहला स्थान, चेन्नई की एक टीम 'फोटोनिक्स ओडिसी' ने 'मोस्ट इंस्पिरेशनल अवार्ड' जीता। चैलेंज में टीम ने सैटेलाइट इंटरनेट कॉन्सेप्ट पेश किया।
- अंतरिक्ष में जाने वाली पहली व्हीलचेयर यूजर बनीं जर्मनी की इंजीनियर 'मिशाइला बेन्थौस' (Michaela Benthaus)। ये स्पाइनल कॉर्ड इंजरी के कारण चलने में असमर्थ हैं।
- ISRO ने आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र से अपने सबसे भारी अंतरिक्ष यान LVM-3 - M-6 के जरिए अगली पीढ़ी के अमरीकी संचार उपग्रह ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 का सफल प्रक्षेपण किया।
- रूस की स्पेस एजेंसी रॉस्कोस्मोस ने 2036 तक चांद पर एक न्यूक्लियर पावर प्लांट (परमाणु ऊर्जा संयंत्र) बनाने की घोषणा की है।

NOT FOR SALE

06 पर्यावरण और पारिस्थितिकी

6.1 होया डावोडिएंसिस

होया डावोडिएंसिस (Hoya dawodiensis) अरुणाचल प्रदेश के विजयनगर क्षेत्र में खोजी गई 'होया' जीनस (wax plant) की एक नई पुष्पीय पादप प्रजाति है, जो पेड़ों पर उगती है (epiphytic), इसके फूल मोमी और चमकदार होते हैं और यह भारत की वनस्पति विविधता को बढ़ाती है।

मुख्य बिंदु

- **स्थान:** अरुणाचल प्रदेश के चांगलांग जिले के विजयनगर क्षेत्र में खोजी गई है।
- **प्रकार:** यह 'होया' जीनस (कुल: एपोसिनेसी) से संबंधित एक नई एपिफाइटिक (epiphytic) प्रजाति है, जिसका अर्थ है कि यह दूसरे पेड़ों पर उगती है।
- **पहचान:** इसे इसके मोमी और चमकदार फूलों के कारण 'वैक्स प्लांट' या 'पोर्सिलेन फ्लावर' भी कहते हैं।
- **महत्व:** यह खोज भारत की वनस्पति विविधता और पूर्वी हिमालय क्षेत्र में शोध के महत्व को दर्शाती है, जिससे होया जीनस के अध्ययन में नया दृष्टिकोण मिलता है।

6.1 पिलिया मालेनाडू (Pilia malenadu)

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में कर्नाटक के चिक्कमगलुरु (Chikkamagaluru) जिले के पश्चिमी घाट में पिलिया मालेनाडू (Pilia malenadu) नामक कूदने वाली मकड़ी की एक नई प्रजाति की खोज की गई है।

मुख्य बिंदु

- पिलिया मालेनाडू को कर्नाटक के चिक्कमगलुरु जिले के मुदिगेरे तालुक के मधुगुंडी गाँव में खोजा गया है।
- इसका यह नाम 'मालेनाडू' क्षेत्र के सम्मान में रखा गया है। कन्नड़ में 'मले' (Male) का अर्थ पहाड़/बारिश और 'नाडु' (Nadu) का अर्थ भूमि होता है।
- 'पिलिया' (Pilia) वंश की किसी मकड़ी को आखिरी बार 1902 में केरल में देखा गया था। तब से लेकर 2025 तक, इस वंश की कोई भी प्रजाति भारत या दुनिया के किसी भी हिस्से में रिकॉर्ड नहीं की गई थी।
- अब तक पिलिया वंश की केवल नर प्रजातियों की जानकारी ही उपलब्ध थी परन्तु इस खोज के दौरान वैज्ञानिकों ने पहली बार इस वंश की मादा (Female) का दस्तावेजीकरण किया है।
- **शोधकर्ताओं के अनुसार यह मकड़ी बहुत ही शर्मीले स्वभाव की है और केवल दो विशिष्ट पौधों की पत्तियों के बीच छिपी रहती है:**
  - → मेमेसीलोन अंबेलटम (Memecylon umbellatum)
  - → मेमेसीलोन मालाबारिकम (Memecylon malabaricum)
  - → पिलिया मालेनाडू के आगे के पैर काफी मजबूत और लंबे होते हैं। नर मकड़ी के सिर (Carapace) पर आंखों के पास विशेष सख्त बालों का गुच्छा होता है।

6.3 'गोल्डन जैकाल एंबेसडर' पहल

तमिलनाडु के तेनकासी जिले ने गोल्डन जैकाल (सुनहरी सियार) की घटती आबादी को बचाने और संरक्षण के लिए 'गोल्डन जैकाल एंबेसडर' नामक एक नया कंजर्वेशन प्रोग्राम शुरू किया है। यह कार्यक्रम तेनकासी वन विभाग द्वारा 'फ्रेंड्स ऑफ एलीफेंट्स' (Friends of Elephants) योजना की सफलता के बाद शुरू किया गया है।

मुख्य बिंदु

- इस पहल के तहत् वन विभाग द्वारा स्कूल और कॉलेज के छात्रों को 'गोल्डन जैकाल एंबेसडर' के रूप में प्रशिक्षित किया जाएगा।
- इन छात्रों को जानवरों के व्यवहार, पारिस्थितिक तंत्र में उनके महत्व और संकटग्रस्त -जानवरों के बचाव (Rescue) के बारे में सिखाया जाएगा।
- गोल्डन जैकल के अलावा यह कार्यक्रम अन्य छोटे वन्यजीवों जैसे नेवला (Mongoose), चींटीखोर (Ant-eater), कछुए, सांप और मॉनिटर लिजार्ड के संरक्षण पर भी ध्यान केंद्रित करता है।
- प्रशिक्षित छात्र अपने समुदायों में संदेश फैलाएंगे कि ये जानवर हानिकारक नहीं हैं, बल्कि पर्यावरण के लिए 'प्राकृतिक सफाईकर्मी' के रूप में काम करते हैं

उद्देश्य

- इस योजना का मुख्य उद्देश्य तेनकासी जिले में तेजी से घट रही गोल्डन जैकाल (सुनहरा सियार) की आबादी को बचाना है। शहरीकरण, प्राकृतिक वनस्पतियों के विनाश और मानवीय हस्तक्षेप के कारण इनके प्राकृतिक आवास नष्ट हो रहे हैं, जिसे रोकने के लिए यह जन-जागरूकता अभियान शुरू किया गया है।

/// गोल्डन जैकाल के बारे में ///

- **वैज्ञानिक नाम-** Canis aureus
- **संरक्षण स्थिति-** IUCN रेड लिस्ट में 'Least Concern' (लेकिन स्थानीय स्तर पर खतरा)
- **कानूनी सुरक्षा-** वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की अनुसूची-I (Schedule-I) के तहत सुरक्षित।
- **पारिस्थितिक भूमिका-** ये सर्वाहारी होते हैं और चूहों व कचरे को खाकर बीमारियों को फैलने से रोकते हैं।

6.4 दुधवा टाइगर रिजर्व

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में उत्तर प्रदेश के दुधवा टाइगर रिजर्व (DTR) के बफर एरिया में पहली बार रेनबो वॉटर स्नेक (Enhydris enhydris) पाया गया है।

/// दुधवा टाइगर रिजर्व के बारे में ///

- यह भारत के उत्तर प्रदेश राज्य के लखीमपुर खीरी और बहराइच जिलों में भारत-नेपाल सीमा पर स्थित एक प्रसिद्ध संरक्षित क्षेत्र है।

NOT FOR SALE

- यह अपने समृद्ध जैव विविधता, खासकर रॉयल बंगाल टाइगर और बारहसिंगा (दलदली हिरण) के लिए जाना जाता है। यह बाघों के लिए एक महत्वपूर्ण आश्रय स्थल है।
- इसमें दुधवा नेशनल पार्क, किशनपुर वन्यजीव अभयारण्य और कतर्नियाघाट वन्यजीव अभयारण्य शामिल हैं, जो इसे उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण वन्यजीव क्षेत्र बनाते हैं।
- इसे 1987 में टाइगर रिजर्व घोषित किया गया और यह प्रोजेक्ट टाइगर का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य बाघों और उनके आवास का संरक्षण करना है।
- यह रिजर्व उत्तर में मोहना नदी और दक्षिण में सुहेली नदी से घिरा हुआ है। कतर्नियाघाट क्षेत्र से गेरवा नदी बहती है, जहाँ घड़ियाल और डॉल्फिन भी देखे जा सकते हैं। यहाँ थारू जनजाति के लोग भी रहते हैं, जिनकी अपनी समृद्ध संस्कृति है।

/// रेनबो वॉटर स्नेक के बारे में ///

- रेनबो वॉटर स्नेक (Scientific Name: Enhydris enhydris) एक हल्का विषैला, जलीय साँप है जो एशिया में पाया जाता है।
- इसकी त्वचा पर मौजूद धारियों और रंगों के कारण इसमें इंद्रधनुषी चमक होती है, जिससे इसे रेनबो (इंद्रधनुषी) वाटर स्नेक कहते हैं।
- यह मुख्य रूप से मीठे पानी जैसे तालाबों, नालों और खेतों में रहता है। यह रात में सक्रिय (Nocturnal) होता है और छिपकर रहता है, इसलिए इसे देखना मुश्किल होता है।

6.5 जीवाणु संक्रमण की चपेट में आने से झारखण्ड में 10 काले हिरणों की मौत

जमशेदपुर के टाटा स्टील जूलॉजिकल पार्क (TSZP) में 1 दिसंबर से 6 दिसंबर 2025 के बीच मात्र छह दिनों के भीतर 10 काले हिरणों की मौत हो गई।

मुख्य बिंदु

- विशेषज्ञों के अनुसार, इन मौतों का मुख्य कारण हैमरेजिक सेप्टीसीमिया (Haemorrhagic Septicaemia-HS) नामक एक घातक जीवाणु संक्रमण है। इसे सामान्य भाषा में 'गलघोंटू' भी कहा जाता है।
- यह संक्रमण पाश्चरेला (Pasteurella) प्रजाति के बैक्टीरिया के कारण होता है। यह फेफड़ों पर तेजी से हमला करता है और अचानक मौत का कारण बनता है।
- संक्रमण फैलने से पहले चिड़ियाघर में कुल 18 काले हिरण थे, जिनमें से 10 की मौत के बाद अब केवल 8 ही जीवित बचे हैं।

6.6 'डोलोमेडेस इंडिकस' मकड़ी

चर्चा में क्यों ?

दिसंबर 2025 में, केरल के वायनाड जिले के सदाबहार वर्षावनों में मकड़ी की एक दुर्लभ प्रजाति डोलोमेडेस इंडिकस (Dolomedes indicus) खोजी गई है। यह भारत में डोलोमेडेस वंश (Genus Dolomedes) की पहली वैज्ञानिक रूप से पुष्टि की गई प्रजाति है।

मुख्य बिंदु

- यह खोज केरल वन अनुसंधान संस्थान (KFRI) के शोधकर्ताओं द्वारा की गई है।
- इसे वायनाड के लक्किड़ी और पेरिया वन क्षेत्रों की ठंडी और साफ पानी वाली धाराओं के पास पाया गया है।
- इसे 'राफ्ट स्पाइडर' (Raft Spider) या 'फिशिंग स्पाइडर' (Fishing Spider) कहा जाता है क्योंकि यह पानी की सतह पर तैरने और शिकार करने में सक्षम है।
- यह मकड़ी केवल अत्यधिक स्वच्छ, ठंडे और प्रदूषण मुक्त मीठे पानी के स्रोतों में रहती है। इसकी उपस्थिति उस क्षेत्र के पानी और पर्यावरण की शुद्धता का संकेत देती है।

6.7 चराइचुंग महोत्सव (Charaichung Festival)

असम के माजुली द्वीप में दिसंबर 2025 में चराइचुंग महोत्सव मनाया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य एशिया के पहले संरक्षित शाही पक्षी अभयारण्य 'चराइचुंग' (स्थापित 1633 में) को पुनर्जीवित करना और इसके ऐतिहासिक व पारिस्थितिक महत्व को उजागर करना था, जो संरक्षण, जैव विविधता और स्थानीय संस्कृति को बढ़ावा देता है।

मुख्य बिंदु

- यह महोत्सव स्थानीय लोगों और माजुली साहित्य के सहयोग से 7-10 दिसंबर 2025 को मनाया गया।
- इसका उद्देश्य चराइचुंग रॉयल बर्ड सेंचुरी को पुनर्जीवित करना, जो 1633 में अहोम राजा स्वर्गदेव प्रताप सिंह द्वारा स्थापित किया गया था और अब लुप्तप्राय था।
- माजुली ब्रह्मपुत्र नदी के बीच स्थित होने के कारण प्रवासी पक्षियों (Migratory Birds) के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। चराइचुंग जैसे स्थानों को संरक्षित करने से यहाँ आने वाले दुर्लभ पक्षियों की संख्या में वृद्धि होगी और स्थानीय इकोसिस्टम संतुलित रहेगा।
- माजुली, ब्रह्मपुत्र नदी द्वारा निर्मित विश्व का सबसे बड़ा नदी द्वीप है।

6.8 अरावली पर्वत श्रृंखला

चर्चा में क्यों ?

दिसंबर 2025 में अरावली पर्वत श्रृंखला पूरे देश में चर्चा और विवाद का केंद्र बनी हुई है। इसका मुख्य कारण सुप्रीम कोर्ट का वह ऐतिहासिक फैसला (20 नवंबर 2025) है, जिसमें अरावली पहाड़ियों की एक नई और विशिष्ट परिभाषा को स्वीकार किया गया है।

मुख्य बिंदु

पहाड़ियों की नई परिभाषा (100 मीटर का नियम)

- सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार की विशेषज्ञ समिति के उस सुझाव को मंजूरी दे दी है जिसमें पहाड़ियों की नई परिभाषा (100 मीटर का नियम) सामने आई है।
- इसके अनुसार अब केवल वे भू-आकृतियाँ जो अपने स्थानीय धरातल (Local Relief) से 100 मीटर या उससे अधिक ऊँची हैं, उन्हें ही तकनीकी रूप से 'अरावली पहाड़ी' माना जाएगा।
- साथ ही यदि ऐसी दो पहाड़ियाँ एक-दूसरे से 500 मीटर के दायरे में हैं, तो उन्हें 'अरावली रेंज' कहा जाएगा।
- **विवाद का कारण:** अरावली दुनिया की सबसे पुरानी और अत्यधिक अपर्दित (Eroded) पर्वतमाला है। पर्यावरणविदों का कहना है कि 100 मीटर का यह कड़ा मानक लागू होने से अरावली का लगभग 90% हिस्सा (खासकर दिल्ली-NCR और हरियाणा की छोटी पहाड़ियाँ) सुरक्षा के दायरे से बाहर हो सकता है।

NOT FOR SALE

'सेव अरावली' (Save Aravalli) अभियान

- पर्यावरणविद् और आम नागरिकों को डर है कि जो पहाड़ियाँ अब "अरावली" की श्रेणी में नहीं आएंगी, उन्हें खनन और रियल एस्टेट विकास के लिए खोल दिया जाएगा।
- जिसके बाद से राजस्थान और हरियाणा में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय पर्वत दिवस (11 दिसम्बर) पर 'अरावली विरासत जन अभियान' शुरू किया गया। सोशल मीडिया पर #SaveAravalli हैशटैग ट्रेंड कर रहा है।

सरकार का पक्ष और स्पष्टीकरण

- भारी विरोध के बीच, केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने 21-22 दिसंबर 2025 को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर स्पष्ट किया कि नई परिभाषा मुख्य रूप से खनन गतिविधियों को विनियमित करने के लिए है।
- टाइगर रिजर्व, इको-सेंसिटिव जोन और संरक्षित वन (Reserved Forests) पहले की तरह ही सुरक्षित रहेंगे, चाहे उनकी ऊँचाई कितनी भी हो।
- सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है कि जब तक एक 'सतत खनन प्रबंधन योजना' (MPSM) तैयार नहीं हो जाती, तब तक नए खनन पट्टे (Leases) नहीं दिए जाएंगे।

पर्यावरणीय महत्व

- अरावली केवल पत्थर के पहाड़ नहीं हैं, बल्कि उत्तर भारत की "पारिस्थितिक जीवन रेखा" हैं:
  - → रेगिस्तान का विस्तार: यह थार मरुस्थल को दिल्ली और गंगा के मैदानों की ओर बढ़ने से रोकने वाली एकमात्र दीवार है।
  - → जल सुरक्षा: ये पहाड़ियाँ भूजल पुनर्भरण (Groundwater Recharge) के लिए महत्वपूर्ण हैं। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि पहाड़ियों के नष्ट होने से आने वाले 10-20 वर्षों में उत्तर भारत में गंभीर जलवायु संकट आ सकता है।

/// अरावली के बारे में ///

- अरावली विश्व की सबसे प्राचीन पर्वत श्रृंखलाओं में से एक है। यह भारत के उत्तर-पश्चिम भाग में स्थित है और राजस्थान को दो असमान भागों में विभाजित करती है।

भौगोलिक विस्तार

- लंबाई: लगभग 692 किलोमीटर (पालनपुर, गुजरात से दिल्ली तक)। यह दक्षिण-पश्चिम (गुजरात) से उत्तर-पूर्व (दिल्ली) की ओर फैला हुआ है।
- विस्तार: यह गुजरात, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली राज्यों में फैली हुई है। इसका लगभग 80% हिस्सा राजस्थान में है।

मुख्य विशेषताएं

- प्राचीनतम पर्वत: यह एक 'अवशिष्ट पर्वत' (Residual Mountain) है, जिसका निर्माण प्री-कैम्ब्रियन काल में हुआ था।
- सर्वोच्च शिखर: गुरु शिखर (1722 मीटर), जो सिरोही जिले के माउंट आबू में स्थित है।
- जलवायु विभाजक: यह उत्तर-पश्चिम के थार मरुस्थल को उपजाऊ मैदानी भागों से अलग करती है, जिससे मरुस्थल का प्रसार पूर्व की ओर रुकता है।

आर्थिक और पर्यावरणीय महत्व

- खनिज संसाधन: अरावली तांबा, जस्ता, सीसा और संगमरमर जैसे खनिजों से भरपूर है।
- नदियों का उद्गम: बनास, लूनी, साबरमती और साहिबी जैसी नदियां इसी क्षेत्र से निकलती हैं।
- वन्यजीव: यहाँ रणथंभौर, सरिस्का और कुंभलगढ़ जैसे महत्वपूर्ण अभयारण्य स्थित हैं।

6.9 उत्तराखंड सरकार जल्द शुरू करेगा "हिम तेंदुआ पर्यटन"

उत्तराखंड सरकार शीतकालीन पर्यटन को बढ़ावा देने और स्थानीय रोजगार बढ़ाने के लिए जल्द ही "हिम तेंदुआ पर्यटन" (Snow Leopard Tour) शुरू करने जा रही है, जिसकी शुरुआत गंगोत्री राष्ट्रीय उद्यान (उत्तरकाशी) में प्रायोगिक तौर पर होगी, जिसमें सख्त नियमों के साथ पर्यटकों को दुर्लभ हिम तेंदुए देखने का अवसर मिलेगा और इससे हिमालयी संरक्षण और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मदद मिलेगी।

मुख्य बिंदु

- इसकी शुरुआत उत्तरकाशी जिले के गंगोत्री नेशनल पार्क से एक प्रायोगिक (Pilot) आधार पर की जाएगी।
- इसे लद्दाख के सफल 'स्नो लेपर्ड टूर' मॉडल की तर्ज पर विकसित किया जा रहा है, जहाँ सर्दियों में बड़ी संख्या में वन्यजीव प्रेमी हिम तेंदुए को देखने आते हैं।
- हिमालय के पारिस्थितिकी तंत्र (Ecosystem) को बचाने के लिए पर्यटकों की संख्या को सीमित और नियंत्रित रखा जाएगा।
- इस योजना से सीमांत क्षेत्रों में होमस्टे (Homestays), स्थानीय गाइड्स और साहसिक पर्यटन से जुड़ी गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।
- सर्दियों में अक्सर खाली रहने वाले पहाड़ी गांवों में पर्यटकों के आने से स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।
- औली और खलिया टॉप जैसे स्थानों पर हेली-स्कीइंग और हिमालयन कार रैली शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही मसूरी, नैनीताल और उत्तरकाशी में विंटर कार्निवल का आयोजन किया जाएगा।
- हिम तेंदुए को "घोस्ट ऑफ द माउंटेन" कहा जाता है। उत्तराखंड के उत्तरकाशी और पिथौरागढ़ क्षेत्रों में इनकी अच्छी संख्या (लगभग 86) होने का अनुमान है।

6.10 राजस्थान का सिलीसेढ़ झील और छत्तीसगढ़ का कोपरा जलाशय, रामसर स्थल घोषित

भारत के हालिया दो नए रामसर साइट हैं सिलीसेढ़ झील (राजस्थान) और कोपरा जलाशय (छत्तीसगढ़), जिन्हें दिसंबर 2025 में घोषित किया गया, जिससे देश में कुल रामसर स्थलों की संख्या बढ़कर 96 हो गई हैं।

सिलीसेढ़ झील (राजस्थान)

- सिलीसेढ़ झील राजस्थान के अलवर जिले में अरावली की पहाड़ियों के बीच स्थित एक सुंदर, मानव निर्मित झील है।
- इसका निर्माण 1845 में अलवर के महाराजा विनय सिंह ने शहर को पानी की आपूर्ति के लिए करवाया था।
- सरिस्का टाइगर रिजर्व के बफर ज़ोन में स्थित, यह एक जल-दुर्लभ क्षेत्र में महत्वपूर्ण जल स्रोत है और स्थानीय जैव विविधता का समर्थन करती है।

कोपरा जलाशय (छत्तीसगढ़)

- कोपरा जलाशय, जिसे कोपरा बांध के नाम से भी जाना जाता है, छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में स्थित एक महत्वपूर्ण आर्द्रभूमि है।
- दिसंबर 2025 में इसे छत्तीसगढ़ का पहला रामसर स्थल घोषित किया गया है, जो इसे अंतरराष्ट्रीय महत्व की आर्द्रभूमि बनाता है।
- महानदी नदी के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र में स्थित, यह नदी बेसिन कनेक्टिविटी को बढ़ाता है और प्रवासी और स्थानीय पक्षियों के लिए भोजन और घोंसले के आवास प्रदान करता है।
- यहां 160 से अधिक पक्षियों की प्रजातियां दर्ज की गई हैं, जिनमें लगभग 60 प्रवासी प्रजातियां शामिल हैं।

NOT FOR SALE

- सर्दियों में यहां रेड-क्रेस्टेड पोचार्ड, यूरेशियन कूट और बार-हेडेड गीज़ जैसे पक्षी बड़ी संख्या में आते हैं।
- यहां संकटग्रस्त मिस्र का गिद्ध (Egyptian Vulture) और ग्रेटर स्पॉटेड ईगल जैसे दुर्लभ पक्षी भी पाए जाते हैं।

/// रामसर स्थल के बारे में ///

- रामसर स्थल, रामसर कन्वेंशन के तहत अंतर्राष्ट्रीय महत्व की आर्द्रभूमि है व आर्द्रभूमियों के संरक्षण तथा उनके सत्तत उपयोग हेतु 1971 ई में ईरान के 'रामसर शहर में आयोजित रामसर सम्मेलन में हस्ताक्षरित एक संधि है, जो 21 दिसम्बर 1975 में प्रभाव में आयी। भारत ने 1 फरवरी 1982 ई. को इस संधि पर हस्ताक्षर किया। भारत में रामसर स्थलों का प्रबंधन, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा किया जाता है।

मुख्य तथ्य

- भारत में कुल रामसर स्थलों की संख्या -96
- भारत में सर्वाधिक आर्द्रभूमि वाला राज्य - तमिलनाडु (20)
- भारत का सबसे बड़ा आर्द्रभूमि (रामसर स्थल) - सुंदरवन डेल्टा (क्षेत्रफल -4230 km^2)
- भारत का सबसे छोरा आर्द्रभूमि - रेनुका वेटलैण्ड , हिमाचल प्रदेश (क्षेत्रफल -0.2km^2)
- देश की सबसे पुरानी चिन्हित रामसर स्थल चिल्का झील (1981ई)।
- विश्व आर्द्रभूमि दिवस - 2 फरवरी [1997 में पहली बार मनाया गया था।]
- उत्तर प्रदेश का हैदरपुर वेटलैण्ड, भारत का एक मात्र मानव निर्मित वेटलैंड है।
- किसी स्थल को रामसर स्थल के रूप में IUCN द्वारा घोषित किया जाता है।

6.11 NH-45 पर भारत का पहला वन्यजीव-सुरक्षित राजमार्ग

राष्ट्रीय राजमार्ग 45 (NH-45) पर भारत का पहला "वन्यजीव-सुरक्षित" (Wild life-Safe) कॉरिडोर हाल ही में मध्य प्रदेश में शुरू किया गया है। यह राजमार्ग का वह हिस्सा है जो भोपाल और जबलपुर को जोड़ता है।

मुख्य बिंदु

- यह कॉरिडोर मध्य प्रदेश के हिरन-सिंदूर (Hiran-Sindoor) वन क्षेत्र में स्थित है, जो जबलपुर से लगभग 60 किमी दूर है।
- यह नौरादेही वन्यजीव अभयारण्य और वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व के बीच के संवेदनशील वन्यजीव गलियारे से होकर गुजरता है। यह विशेष सुरक्षा उपाय लगभग 11.96 किलोमीटर लंबे खंड पर लागू किए गए हैं।
- इस हाईवे की सबसे बड़ी विशेषता 5 मिलीमीटर मोटी रेड थर्मोप्लास्टिक टेबल-टॉप मार्किंग है। यह लाल रंग की कोटिंग ड्राइवरों को यह संकेत देती है कि वे एक संवेदनशील वन्यजीव क्षेत्र में प्रवेश कर रहे हैं।
- राजमार्ग के नीचे 25 अंडरपास बनाए गए हैं ताकि बाघ, हिरण और अन्य जानवर सड़क पार किए बिना सुरक्षित रूप से निकल सकें।
- सड़क के दोनों ओर लगभग 8 फीट ऊंची लोहे की बाड़ लगाई गई है, जो जानवरों को सीधे सड़क पर आने से रोकती है और उन्हें अंडरपास की ओर निर्देशित करती है।
- वाहनों की गति पर नज़र रखने के लिए आधुनिक उपकरण और कैमरे भी लगाए गए हैं।
- यह प्रोजेक्ट भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) की 'ग्रीन हाईवे' नीति के तहत बनाया गया है। इसकी कुल लागत लगभग 122 करोड़ रुपये है।

/// नौरादेही वन्यजीव अभयारण्य ///

- नौरादेही वन्यजीव अभयारण्य मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा वन्यजीव अभयारण्य है, जो अपनी जैव विविधता और प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है।
- हाल ही में इसे वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व के हिस्से के रूप में अधिसूचित किया गया है, जिससे यह राज्य का 7वां टाइगर रिजर्व बन गया है।
- यह मुख्य रूप से सागर, दमोह और नरसिंहपुर जिलों के मिलन स्थल पर स्थित है।
- अभयारण्य के अंदर छिवला तालाब (Chhewla Pond), बामनेर नदी और चकई नाला प्रमुख आकर्षण हैं।
- नौरादेही को भारतीय भेड़ियों (Indian Wolf) के संरक्षण के लिए विशेष रूप से जाना जाता है। इसके अलावा यहां बाघ, तेंदुआ, नीलगाय, चिंकारा, चौसिंगा, भालू और जंगली कुत्ते पाए जाते हैं।
- वनस्पतियों में यहाँ मुख्य रूप से सागौन (Teak), साल, बांस और तेंदू के पेड़ पाए जाते हैं।
- यह पन्ना और सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के लिए एक गलियारे (corridor) के रूप में भी कार्य करता है।

6.12 नरपुह वन्यजीव अभयारण्य

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में वैज्ञानिकों और संरक्षण विशेषज्ञों द्वारा मेघालय के पूर्वी जयंतिया हिल्स जिले में स्थित नरपुह वन्यजीव अभयारण्य जो एक अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र है, को लेकर गंभीर चिंता जताई गई है। चूना-पत्थर (लाइमस्टोन) की खनन गतिविधियाँ और आसपास स्थापित सीमेंट फैक्ट्रियाँ इस अभयारण्य के नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र के लिए दीर्घकालिक खतरा बन रही हैं।

NOT FOR SALE

/// नरपुह वन्यजीव अभयारण्य के बारे में ///

- स्थान - पूर्वी जयंतिया हिल्स, मेघालय
- स्थापना - 10 जून, 2014
- क्षेत्रफल - लगभग 59.90 वर्ग किमी
- प्रमुख नदी - लुखा नदी (Lukha River)
- प्रमुख वन्यजीव - हूलॉक गिब्बन, क्लाउडेड लेपर्ड, हॉर्नबिल

6.13 ब्लैक-कैप्ड कैपुचिन बंदर

चर्चा में क्यों ?

बैनरघट्टा जैविक उद्यान, कर्नाटक द्वारा एक विनियमित पशु विनिमय कार्यक्रम के तहत दक्षिण अफ्रीका से आठ "ब्लैक-कैप्ड कैपुचिन बंदरों" (Black-capped Capuchin monkeys) का आयात हाल ही में चर्चा में रहा है। यह कदम केवल जानवरों के प्रदर्शन के बजाय संरक्षण-उन्मुख चिड़ियाघर प्रबंधन पर भारत के बढ़ते फोकस को उजागर करता है।

मुख्य बिंदु

- **आयात की संख्या:** कुल 8 बंदर (4 नर और 4 मादा)।
- **किस देश से:** दक्षिण अफ्रीका (इंडुना प्राइमेट और पैरट पार्क से)।

- **गंतव्य:** बैनरघट्टा जैविक उद्यान (BBP), बेंगलुरु (कर्नाटक)।
- **उद्देश्य:** आनुवंशिक विविधता (Genetic Diversity) को बढ़ाना और आधुनिक चिड़ियाघर प्रबंधन के तहत 'एक्स-सीटू संरक्षण' (Ex-situ Conservation) को बढ़ावा देना।

/// ब्लैक-कैप्ड कैपुचिन बंदरों के बारे में ///

- **वैज्ञानिक नाम:** Sapajus apella (इसे 'टफ्टेड कैपुचिन' भी कहा जाता है)।
- **मूल निवास (Native Habitat):** ये मूल रूप से दक्षिण अमेरिका (विशेषकर अमेज़न बेसिन) के निवासी हैं। ये 'न्यू वर्ल्ड मंकी' (New World Monkeys) की श्रेणी में आते हैं।
- **IUCN स्थिति:** कम चिंताजनक (Least Concern)।
- **विशेषताएँ:** इन्हें प्राइमेट्स में सबसे बुद्धिमान माना जाता है। ये प्रकृति में पत्थरों के औजारों का उपयोग करने के लिए जाने जाते हैं(जैसे नट्स फोड़ने के लिए)।
- इनकी पूंछ 'प्रिहेंसाइल' (Prehensile) होती है, जिसका उपयोग ये शाखाओं को पकड़ने के लिए पांचवें हाथ की तरह करते हैं।

/// बैनरघट्टा जैविक उद्यान के बारे में ///

- यह बेंगलुरु (कर्नाटक) के पास स्थित है और 'अनेकल' पर्वतमाला का हिस्सा है।
- इसकी स्थापना 1971 में हुई थी और इसे 1974 में राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया था।
- 2002 में, इसके एक हिस्से को 'जैविक उद्यान' (Biological Park) के रूप में अलग कर दिया गया, जो अब व्यावसायिक पर्यटन का प्रबंधन करता है।
- यहाँ मुख्य रूप से शुष्क पर्णपाती वन (Dry Deciduous Forests) और दक्षिणी उष्णकटिबंधीय कांटेदार वन पाए जाते हैं।
- बैनरघट्टा जैविक उद्यान के संदर्भ में सबसे महत्वपूर्ण जल स्रोत सुवर्णमुखी नदी है। जो कावेरी के सहायक नदी अर्कावती की सहायक है।

6.14 स्मूथ-कोटेड ऊदबिलाव (Smooth-coated Otter)

चर्चा में क्यों ?

तमिलनाडु सरकार ने हाल ही में कावेरी नदी डेल्टा में स्मूथ-कोटेड ऊदबिलाव (Smooth-coated Otter) के संरक्षण के लिए एक महत्वपूर्ण पहल शुरू की है। तमिलनाडु वन विभाग द्वारा शुरू की गई इस योजना का मुख्य उद्देश्य कावेरी डेल्टा में ऊदबिलावों की घटती संख्या को रोकना और उनके आवास को सुरक्षित करना है।

NOT FOR SALE

मुख्य बिंदु

- यह पहल मुख्य रूप से कावेरी नदी डेल्टा में स्थित तमिलनाडु के तीन जिलों तंजावुर, तिरुवारूर और कड्डालोर में शुरू की गई है। ऊदबिलाव यहाँ की सिंचाई नहरों, धीमी बहने वाली सहायक नदियों और मैंग्रोव क्षेत्रों में पाए जाते हैं।

ऊदबिलाव की संरक्षण स्थिति

- IUCN रेड लिस्ट: संवेदनशील (Vulnerable) श्रेणी में।
- वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972: अनुसूची-I (Schedule-I) के तहत पूर्ण कानूनी सुरक्षा (उच्चतम स्तर की सुरक्षा)।
- CITES: परिशिष्ट-II (Appendix-II) में सूचीबद्ध।

पहल के मुख्य उद्देश्य

- ऊदबिलावों की संख्या का वैज्ञानिक सर्वेक्षण और कैमरा ट्रैप, eDNA और फेकल (Fecal) विश्लेषण के माध्यम से अध्ययन।
- आवास सुधार हेतु आर्द्रभूमि (Wetlands) की बहाली, नरकट (Reeds) का वृक्षारोपण और मछलियों की आवाजाही के लिए 'फिश लैडर' (Fish Ladders) का निर्माण किया जाएगा।
- मछुआरों के साथ संघर्ष कम करना, क्योंकि ऊदबिलाव अक्सर मछली पकड़ने वाले जाल फाड़ देते हैं।

/// स्मूथ-कोटेड ऊदबिलाव के बारे में ///

- **जैव-संकेतक (Bio-indicator):** ये स्वस्थ मीठे पानी के पारिस्थितिकी तंत्र के प्रमुख संकेतक माने जाते हैं।
- **सामाजिक व्यवहार:** ये समूहों में रहते हैं जिन्हें 'Bevvies' कहा जाता है (4 से 12 का समूह)।
- **स्थानीय नाम:** तमिलनाडु में स्थानीय लोग इन्हें प्यार से 'मीनाकुट्टी' (Meenakutty) कहते हैं।

6.15 पर्यावरण और पारिस्थितिकी (To The Point)

- होया डावोडिएंसिस (Hoya Dawodiensis) अरुणाचल प्रदेश के विजयनगर क्षेत्र में खोजी गई 'होया' जीनस (wax plant) की एक नई पुष्पीय पादप प्रजाति है, जो पेड़ों पर उगती है।
- पिलिया मालेनाडू नामक कूदने वाली मकड़ी की एक नई प्रजाति कर्नाटक राज्य में खोजी गई है।
- तमिलनाडु के तेनकासी जिले में घटती गोल्डन जैकाल (सुनहरा गीदड़) आबादी को बचाने और जागरूकता फैलाने के लिए 'गोल्डन जैकाल एंबेसडर' (Golden Jackal Ambassadors) नामक एक नया संरक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया है।
- उत्तर प्रदेश के दुधवा टाइगर रिजर्व (DTR) के बफर जोन में पहली बार रेनबो वॉटर स्नेक (Enhydris enhydris) पाया गया है।
- झारखंड के जमशेदपुर स्थित टाटा जू में हाल ही में एक जीवाणु संक्रमण के कारण 10 काले हिरणों (Blackbucks) की मौत हो गई। यह संक्रमण हेमोरेजिक सेप्टिसीमिया नामक बीमारी से जुड़ा है, जो Pasteurella bacteria से फैलता है।
- केरल के वायनाड के वर्षावनों में डोलोमीडेस इंडिकस (Dolomedes indicus) नामक मछली पकड़ने वाली (राफ्ट/फिशिंग) मकड़ी की एक नई प्रजाति खोजी गई है, जो भारत में इस जीनस (वंश) की पहली पहचान है।
- एशिया के पहले संरक्षित शाही पक्षी अभयारण्य, 'चराइचुंग' (Charaichung), को पुनर्जीवित करने के लिए असम के माजुली द्वीप पर चराइचुंग महोत्सव (Charaichung Festival) मनाया गया है।
- उत्तराखंड सरकार, उत्तरकाशी स्थित गंगोत्री राष्ट्रीय उद्यान में प्रायोगिक तौर पर हिम तेंदुआ पर्यटन संचालित करेगी।
- भारत में 2 नयी आर्द्रभूमियों, सिलीसेढ़ झील अलवर, राजस्थान और कोपरा जलाशय बिलासपुर, छत्तीसगढ़ को रामसर स्थल के रूप में मान्यता मिली। भारत के कुल रामसर स्थलों की संख्या बढ़कर 96 हो गयी है।
- राष्ट्रीय राजमार्ग 45 (NH-45) पर भारत का पहला "वन्यजीव-सुरक्षित" (Wildlife-Safe) कॉरिडोर हाल ही में मध्य प्रदेश में शुरू किया गया है।
- हाल ही में वैज्ञानिकों और संरक्षण विशेषज्ञों द्वारा मेघालय के पूर्वी जयंतिया हिल्स जिले में स्थित अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र नरपुह वन्यजीव अभयारण्य को लेकर गंभीर चिंता जताई गई है।

- उत्तर प्रदेश सरकार ने गोरखपुर में भारत के पहले समर्पित वन विश्वविद्यालय की स्थापना की घोषणा की।
- 'चन्ना भोई' (Channa bhoi) स्नेकहेड मछली की एक नई प्रजाति है जिसे हाल ही में भारत के मेघालय राज्य के री-भोई जिले की एक छोटी पहाड़ी जलधारा में खोजा गया है।
- हाल ही में अरावली पर्वत श्रेणी, सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी नयी पर्वतीय परिभाषा के बाद देश भर में चर्चा में रहा।
- कर्नाटक के "बन्नेरघट्टा बायोलॉजिकल पार्क" (BBP) ने एक विनियमित पशु विनिमय कार्यक्रम के तहत दक्षिण अफ्रीका से आठ "ब्लैक-कैप्ड कैपुचिन बंदर" आयात किए हैं।
- तमिलनाडु सरकार ने कावेरी नदी डेल्टा में स्मूथ-कोटेड ऊदबिलाव की सुरक्षा के लिए संरक्षण पहल शुरू की है।
- वैज्ञानिकों ने सिक्किम के उच्च हिमालयी क्षेत्र से कोलेम्बोला (स्प्रिंगटेल) की एक नई प्रजाति नीलुस सिक्किमेंसिस (Neelus Sikkimensis) की खोज की है।
- गोदावरी मुहाना व कोरिंगा वन्यजीव अभ्यारण्य (आंध्र प्रदेश) में 40वीं एशियाई और 60वीं अंतर्राष्ट्रीय जलपक्षी जनगणना 10-11 जनवरी, 2026 को आयोजित की जाएगी।

NOT FOR SALE

07 पुरस्कार एवं सम्मान

7.1 लोक नायक फाउंडेशन (LNF) साहित्य पुरस्कार 2025

प्रसिद्ध तेलुगु साहित्यकार और शिक्षाविद वेलामाला सिम्मन्ना को लोक नायक फाउंडेशन (LNF) साहित्य पुरस्कार 2025 के लिए चुना गया है।

/// वेलामाला सिम्मन्ना के बारे में ///

- वेलामाला सिम्मन्ना प्रसिद्ध तेलुगु साहित्यकार, विद्वान और आंध्र विश्वविद्यालय में तेलुगु विभाग के पूर्व अध्यक्ष रहे हैं।
- उन्होंने 100 से अधिक पुस्तकों की रचना की है और तेलुगु भाषा, साहित्य व संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

/// LNF साहित्य पुरस्कार 2025 के बारे में ///

- यह पुरस्कार लोक नायक फाउंडेशन, आंध्र प्रदेश द्वारा प्रदान किया जाता है।
- पुरस्कार के तहत 2 लाख रुपये की नकद राशि दी जाएगी और समारोह 18 जनवरी, 2026 को विशाखापट्टनम में आयोजित किया जाएगा।
- यह सम्मान हर वर्ष 18 जनवरी को पूर्व आंध्र प्रदेश मुख्यमंत्री एन. टी. रामाराव और हिंदी के सुप्रसिद्ध कवि हरिवंश राय बच्चन की पुण्यतिथि के अवसर पर प्रदान किया जाता है।
- इस पुरस्कार के माध्यम से तेलुगु भाषा, साहित्य और संस्कृति के संवर्धन में विशिष्ट कार्य करने वाले व्यक्तित्वों को सम्मानित किया जाता हैं।

7.2 53वें अंतर्राष्ट्रीय एमी अवार्ड्स

53वें अंतर्राष्ट्रीय एमी अवार्ड्स (53rd International Emmy Awards 2025) का आयोजन नवंबर, 2025 में न्यूयॉर्क शहर के 'न्यूयॉर्क हिल्टन मिडटाउन' में किया गया। यह इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ टेलीविज़न आर्ट्स एंड साइंसेज (IATAS) द्वारा आयोजित किया गया था। इस साल के समारोह में यूनाइटेड किंगडम (UK) का दबदबा रहा, जिसने ड्रामा और कॉमेडी जैसी प्रमुख श्रेणियों में जीत हासिल की।

मुख्य विजेताओं की सूची (प्रमुख श्रेणियों में)

सर्वश्रेष्ठ ड्रामा सीरीज़	'Rivals' (यूनाइटेड किंगडम)
सर्वश्रेष्ठ कॉमेडी सीरीज़	'Ludwig' (यूनाइटेड किंगडम)
सर्वश्रेष्ठ अभिनेता	ओरिओल प्ला ('Yo, adicto' - स्पेन)
सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री	एना मैक्सवेल मार्टिन ('Until I Kill You'- यूनाइटेड किंगडम)
सर्वश्रेष्ठ टीवी मूवी/मिनी-सीरीज़	'Lost Boys & Fairies' (यूनाइटेड किंगडम)
फाउंडर्स अवार्ड	डाना वाल्डेन (डिज़्नी एंटरटेनमेंट की सह-अध्यक्ष)

- भारत के तरफ से दिलजीत दोसांझ को उनकी फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता और फिल्म को सर्वश्रेष्ठ टीवी मूवी/मिनी-सीरीज़ श्रेणी में नामांकित किया गया था, लेकिन वे पुरस्कार जीतने में असफल रहे।

7.3 डॉ. टेसी थॉमस को वर्ष 2025 का डॉ. पॉलोस मार ग्रेगोरियोस अवार्ड

- भारत की प्रसिद्ध वैज्ञानिक और "मिसाइल वुमन" (Missile Woman) के नाम से जानी जाने वाली डॉ. टेसी थॉमस को वर्ष 2025 के 8वें डॉ. पॉलोस मार ग्रेगोरियोस अवार्ड से सम्मानित किया गया है।
- यह सम्मान उन्हें रक्षा विज्ञान, मिसाइल प्रौद्योगिकी और महिला सशक्तिकरण में उनके अभूतपूर्व योगदान के लिए नई दिल्ली में दिया गया।
- डॉ. टेसी थॉमस भारत में मिसाइल प्रोजेक्ट (अग्नि-IV और अग्नि-V) का नेतृत्व करने वाली पहली महिला वैज्ञानिक हैं। उन्हें 'अग्निपुत्री' भी कहा जाता है।

/// डॉ. पॉलोस मार ग्रेगोरियोस अवार्ड के बारे में ///

- यह पुरस्कार दिल्ली धर्मप्रांत के पहले मेट्रोपॉलिटन और प्रसिद्ध दार्शनिक डॉ. पॉलोस मार ग्रेगोरियोस की स्मृति में स्थापित किया गया है।
- यह एक द्विवार्षिक (हर दो साल में एक बार) दिया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार है।
- डॉ. थॉमस से पहले यह सम्मान दलाई लामा, बाबा आमटे, डॉ. वर्गीज कुरियन और सोनम वांगचुक जैसी महान हस्तियों को मिल चुका है।

7.4 'वर्ल्ड एथलीट ऑफ द ईयर' 2025

स्वीडन के पोल वॉल्ट स्टार मोंडो डुप्लांटिस और अमेरिका की धाविका सिडनी मैक्लॉघलिन-लेवरोन को साल 2025 के लिए 'वर्ल्ड एथलीट ऑफ द ईयर' (World Athlete of the Year) चुना गया है। मोनाको में आयोजित विश्व एथलेटिक्स पुरस्कारों (World Athletics Awards 2025) में इन दोनों को यह शीर्ष सम्मान दिया गया।

मुख्य बिंदु

- **मोंडो डुप्लांटिस (स्वीडन):** इन्होंने तीसरी बार (2020, 2022 और 2025) यह खिताब जीता है। 2025 में डुप्लांटिस ने चार बार पोल वॉल्ट का विश्व रिकॉर्ड तोड़ा और पूरे सीजन में 16 प्रतियोगिताओं में अपराजित रहे।
- **सिडनी मैक्लॉघलिन-लेवरोन (USA):** इन्होंने दूसरी बार (2022 और 2025) यह पुरस्कार जीता है। सिडनी ने टोक्यो में आयोजित विश्व चैंपियनशिप में 400 मीटर की दौड़ में ऐतिहासिक प्रदर्शन किया।
- **विशेष उपलब्धि:** डुप्लांटिस को 'मेंस फील्ड एथलीट' और मैक्लॉघलिन-लेवरोन को 'विमेंस ट्रैक एथलीट' के रूप में भी सम्मानित किया गया।

7.5 डोनाल्ड ट्रम्प को पहला फीफा शांति पुरस्कार

- FIFA 2026 विश्व कप के ग्रुप ड्रॉ के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को पहला फीफा शांति पुरस्कार प्रदान किया गया।
- वॉशिंगटन डीसी के केनेडी सेंटर में आयोजित समारोह में फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैंटिनो ने ट्रम्प को ट्रॉफी, मेडल और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया।
- फीफा द्वारा इसी वर्ष से शुरू यह नया शांति पुरस्कार उन व्यक्तियों को देने की घोषणा की गई है जो दुनिया में शांति फैलाने और लोगों को एकजुट करने में योगदान देते हैं।

NOT FOR SALE

7.6 शिल्प गुरु और राष्ट्रीय हस्तशिल्प पुरस्कार 2023 और 2024

भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने 9 दिसंबर 2025 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित एक गरिमामय समारोह में वर्ष 2023 और 2024 के लिए प्रतिष्ठित शिल्प गुरु और राष्ट्रीय हस्तशिल्प पुरस्कार वितरित किए। यह आयोजन हस्तशिल्प क्षेत्र के उन असाधारण कारीगरों को सम्मानित करने के लिए था, जिन्होंने अपनी कला के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखा है।

मुख्य बिंदु

- इस समारोह में कुल 48 पुरस्कार दिए गए, जिनमें 12 शिल्प गुरु पुरस्कार और 36 राष्ट्रीय पुरस्कार शामिल थे।
- इस वर्ष कुल विजेताओं में 20 महिला शिल्पकार शामिल थीं।
- ये पुरस्कार देश के विभिन्न राज्यों की पारंपरिक कलाओं जैसे कि कांथा कढ़ाई, टेराकोटा, कलमकारी, लकड़ी की नक्काशी और मेटल क्राफ्ट के लिए दिए गए।
- यह पुरस्कार समारोह 'राष्ट्रीय हस्तशिल्प सप्ताह' के दौरान आयोजित किया जाता है, जो हर साल 8 से 14 दिसंबर तक मनाया जाता है।

/// कुछ महत्वपूर्ण विजेताओं की सूची ///

पश्चिम बंगाल

- **अजीत कुमार दास (2023):** नेचुरल कलर हैंड-पेंटेड टेक्सटाइल्स (कमल पोत्री)।
- **डोलन कुंडु मंडल (2023):** टेराकोटा शिल्प।
- **तारित पॉल (2024):** क्ले मॉडलिंग (भगवान कृष्ण का विश्वरूप)।
- **शोभारानी पोद्दार (2024):** जूट क्राफ्ट (देवी दुर्गा की प्रतिमा)।

राजस्थान

- **कमलेश शर्मा (2024)**: वुड क्राफ्ट (टेबल पर तारकशी का काम) के लिए शिल्प गुरु।
- **अनिल कुमार प्रजापत:** टेराकोटा शिल्प के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार (दिव्यांग श्रेणी)।
- **रोशन छीपा:** हैंड ब्लॉक प्रिंटिंग के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार।
- **धापा देवी और कविता चौधरी:** कालीन (Rugs) के लिए 'डिजाइन और इनोवेशन' में संयुक्त सम्मान।

उत्तर प्रदेश

- **मोहम्मद दिलशाद (2024):** शीशम की लकड़ी पर नक्काशी (सेंटर टेबल) के लिए शिल्प गुरु।
- **माधुरी मिश्रा (2023):** बाटिक प्रिंटिंग (आर्टिस्टिक टेक्सटाइल्स) के लिए शिल्प गुरु।
- **बाबू राम यादव:** मेटल क्राफ्ट के लिए शिल्प गुरु।

छत्तीसगढ़ और बिहार

- **हिराबाई झरेका बघेल (छत्तीसगढ़):** बेल मेटल (ढोकरा कला) के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार।
- **पिंटू प्रसाद (बिहार):** टेराकोटा और मिट्टी के शिल्प के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार।

अन्य राज्य

- **गुजरात:** खत्री गुलाम हुसैन उमर को बांधनी (Tie & Dye) के लिए शिल्प गुरु।
- **आंध्र प्रदेश:** डी. सिवम्मा को लेदर पपेट (चमड़े की कठपुतली) के लिए शिल्प गुरु।
- **हरियाणा:** सुभाष अरोड़ा को धातु शिल्प के लिए 2024 शिल्प गुरु।

7.7 अनंत अंबानी को ग्लोबल ह्यूमेन संस्था द्वारा "चैंपियन ऑफ एनिमल वेलफेयर" पुरस्कार

अनंत अंबानी को वाशिंगटन डी.सी. में ग्लोबल ह्यूमेन (Global Humane) संस्था द्वारा "चैंपियन ऑफ एनिमल वेलफेयर" (Champion of Animal Welfare) पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उनके द्वारा स्थापित 'वंतारा' (Vantara) प्रोजेक्ट और पशु संरक्षण के प्रति उनकी असाधारण प्रतिबद्धता के लिए दिया गया है।

मुख्य बिंदु

- अनंत अंबानी यह अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार पाने वाले पहले भारतीय हैं। कुछ रिपोर्ट के अनुसार सबसे कम उम्र और पहले एशियाई भी हैं।
- **वंतारा:** गुजरात के जामनगर में स्थित यह केंद्र दुनिया के सबसे बड़े पशु पुनर्वास और संरक्षण केंद्रों में से एक है। यहाँ हाथियों, गैंडों और अन्य जंगली जानवरों को नया जीवन दिया जाता है।
- यह संस्था दुनिया भर में उन लोगों को सम्मानित करती है जो जानवरों की रक्षा, उनके स्वास्थ्य और उनके प्राकृतिक आवास को बचाने के लिए असाधारण प्रयास करते हैं।
- ग्लोबल ह्यूमन सोसाइटी के नेतृत्व ने अनंत अंबानी के विजन की सराहना करते हुए कहा कि उनका काम केवल भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक मिसाल है।

7.8 रवीना टंडन, PETA इंडिया 2025 की 'पर्सन ऑफ द ईयर'

- बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन को PETA इंडिया (People for the Ethical Treatment of Animals) द्वारा वर्ष 2025 का 'पर्सन ऑफ द ईयर' चुना गया है।
- रवीना टंडन को यह सम्मान उनके पशु कल्याण (Animal Welfare) के प्रति अटूट समर्पण और वन्यजीवों की रक्षा के लिए उनके द्वारा किए गए साहसी प्रयासों के लिए दिया गया है।
- रवीना टंडन से पहले सोनाक्षी सिन्हा, आलिया भट्ट, जॉन अब्राहम और विराट कोहली जैसे सितारे भी PETA इंडिया के 'पर्सन ऑफ द ईयर' रह चुके हैं।

7.9 IAS सुप्रिया साहू को UNEP 2025 चैंपियन आफ द अर्थ पुरस्कार

तमिलनाडु कैडर की वरिष्ठ IAS अधिकारी सुप्रिया साहू को संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) द्वारा वर्ष 2025 के 'चैंपियंस ऑफ द अर्थ' (Champions of the Earth) पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

मुख्य बिंदु

- यह पुरस्कार संयुक्त राष्ट्र का सर्वोच्च पर्यावरणीय सम्मान है। सुप्रिया साहू को यह सम्मान 'प्रेरणा और कार्रवाई' (Inspiration and Action) श्रेणी में दिया गया है।
- संयुक्त राष्ट्र के द्वारा उन्हें यह पुरस्कार तमिलनाडु में जलवायु परिवर्तन से निपटने, पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली और सतत शीतलन के क्षेत्र में उनके दूरदर्शी नेतृत्व के लिए मिला है। जिसका विवरण नीचे उपलब्ध है-
  - → जलवायु अनुकूलन (Climate Adaptation): तमिलनाडु में जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए नवीन नीतियों का कार्यान्वयन।

NOT FOR SALE

→ ग्रीन जॉब्स: उनके नेतृत्व में चलाए गए अभियानों से राज्य में लगभग 25 लाख हरित नौकरियों का सृजन हुआ।

→ सतत शीतलन (Sustainable Cooling): 'कूल रूफ' (Cool Roof) जैसी पहलों के माध्यम से लगभग 1.2 करोड़ लोगों को गर्मी से राहत दिलाने में मदद मिली।

→ प्रकृति की बहाली: मैंग्रोव संरक्षण, नीलगिरी तहर परियोजना और प्लास्टिक मुक्त अभियानों (जैसे- 'मंजपई' अभियान) में उनका योगदान ऐतिहासिक रहा है।

- सुप्रिया साहू ने वर्षों पहले नीलगिरी में प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने के लिए 'ऑपरेशन ब्लू माउंटेन' चलाया था, जिसने उन्हें पर्यावरण संरक्षण की दुनिया में एक बड़ा नाम बना दिया था।

/// विभिन्न श्रेणियों में चैंपियन ऑफ द अर्थ पुरस्कार विजेता ///

- सुप्रिया साहू (भारत) को प्रेरणा और कार्रवाई के लिए।
- पैसिफिक आइलैंड्स स्टूडेंट्स (फिजी/प्रशांत द्वीप) को नीति नेतृत्व के लिए ।
- मरियम इसोफू (नाइजर) को उद्यमी विजन के लिए।
- इमाज़ॉन (ब्राजील) को विज्ञान और नवाचार के लिए।
- मैनफ्रेडी कालटागिरोन (इटली) (मरणोपरांत) लाइफटाइम अचीवमेंट के लिए।

/// पुरस्कार के बारे में ///

- चैंपियन ऑफ द अर्थ (Champions of the Earth) पुरस्कार संयुक्त राष्ट्र का सर्वोच्च पर्यावरणीय सम्मान है। इसकी स्थापना 2005 में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) द्वारा की गई थी।
- यह पर्यावरण की रक्षा के लिए साहसिक कदम उठाने वाले और नवाचार करने वाले वैश्विक नेताओं को सम्मानित करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया था।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन के नेतृत्व और प्लास्टिक प्रदूषण के खिलाफ संकल्प के लिए 2018 में यह पुरस्कार दिया जा चुका है।

7.10 आर्किटेक्ट्स ऑफ एआई"2025 के लिए टाइम्स पत्रिका के'पर्सन ऑफ द ईयर'

- टाइम पत्रकि (TIME Magazine) ने दिसंबर 2025 में "आर्किटेक्ट्स ऑफ एआई" (Architects of AI) को सामूहिक रूप से 2025 का 'पर्सन ऑफ द ईयर' घोषित किया है।
- "आर्किटेक्ट्स ऑफ एआई" उन दूरदर्शी वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और नीति-निर्माताओं का एक विशिष्ट समूह है, जिन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence) को एक विचार से बदलकर आधुनिक दुनिया की सबसे शक्तिशाली तकनीक बना दिया है।
- टाइम ने अपनी एक प्रतीकात्मक कवर इमेज में आठ प्रमुख एआई नेताओं को दिखाया है, जिसे प्रसिद्ध फ़ोटोग्राफ "Lunch Atop a Skyscraper" से प्रेरित बनावट दी गई है।

फ़ीचर्ड एआई लीडर्स	
मार्क ज़ुकरबर्ग	सीईओ, Meta
लीसा सु	सीईओ, AMD
एलोन मस्क	टेस्ला सीईओ, xAI के संस्थापक
जेंसन हुआंग	सीईओ, NVIDIA
सैम ऑल्टमैन	सीईओ, OpenAI
डेमिस हासाबिस	सीईओ, Google DeepMind
डेरियो अमोडेई	सीईओ, Anthropic
फेई-फेई ली	एआई वैज्ञानिक; वर्ल्ड लैब्स की संस्थापक

- 1927 से टाइम हर वर्ष उस व्यक्ति, समूह या विचार को चुनता है जिसने वर्ष भर में दुनिया पर सबसे बड़ा प्रभाव डाला हो।
- पिछले वर्षों के 'पर्सन ऑफ द ईयर'–

→ डोनाल्ड ट्रंप — 2024

→ टेलर स्विफ्ट — 2023

- वर्ष 2025 में, दुनिया की दिशा तय करने वाला विषय था — एआई और उसके आर्किटेक्ट्स।

7.11 प्रसिद्ध हिंदी कथाकार श्रीमती मैत्रेयी पुष्पा 'इफको (IFFCO) साहित्य सम्मान'2025

- हाल ही में प्रसिद्ध हिंदी कथाकार श्रीमती मैत्रेयी पुष्पा को वर्ष 2025 के 'इफको साहित्य सम्मान' के लिए चुना गया है।
- यह सम्मान विशेष रूप से उन साहित्यकारों को दिया जाता है जिन्होंने अपने लेखन के माध्यम से भारतीय ग्रामीण जीवन, कृषि संस्कृति और किसानों के संघर्षों को प्रमुखता से उभारा है।
- इस वर्ष का 'इफको युवा साहित्य सम्मान' अंकिता जैन को उनकी चर्चित पुस्तक "ओ रे! किसान" के लिए दिया जाएगा।
- इस वर्ष चयन समिति की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार चंद्रकांता ने की। समिति के अन्य सदस्यों में नासिरा शर्मा, अनंत विजय, यतींद्र मिश्र, उत्कर्ष शुक्ल और डॉ. नलिन विकास शामिल थे। यह सम्मान 30 दिसंबर, 2025 को नई दिल्ली में आयोजित समारोह में दिया जाएगा।

7.12 ICC का नवम्बर 2025 का प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड

- 15 दिसंबर, 2025 को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने नवंबर, 2025 के लिए पुरुष और महिला प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड विजेताओं की घोषणा की है।
- आईसीसी ने नवंबर, 2025 के लिए दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर साइमन हार्मर को आईसीसी मेंस प्लेयर ऑफ द मंथ चुना है।
- भारत की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा आईसीसी वूमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ चुनी गई हैं। शेफाली को यह सम्मान आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 के फाइनल में अपने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए दिया गया है।

7.13 मियाना रेलवे स्टेशन, राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार 2025 से सम्मानित

मध्य प्रदेश के गुना जिले में स्थित मियाना (Miyana) रेलवे स्टेशन को दिसंबर, 2025 में 'राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस' के अवसर पर नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित एक समारोह में 'राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार 2025' से सम्मानित किया गया।

मुख्य बिंदु

- यह पुरस्कार राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा प्रदान किया गया, जिसे पश्चिम मध्य रेलवे (WCR) की महाप्रबंधक श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय ने ग्रहण किया।
- मियाना रेलवे स्टेशन को 'परिवहन श्रेणी (रेलवे स्टेशन)' में देश की सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली इकाई (Best Performing Unit) के रूप में चुना गया है।
- स्टेशन ने स्मार्ट तकनीकों के माध्यम से कुल 9,687 यूनिट बिजली की बचत की।
- यह पुरस्कार ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (BEE), विद्युत मंत्रालय द्वारा उन संस्थानों को दिया जाता है जो ऊर्जा बचाने के लिए नवाचार और प्रभावी प्रबंधन करते हैं।

NOT FOR SALE

7.14 राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार 2025 (NECA 2025)

राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार 2025 (NECA 2025) का आयोजन 14 दिसंबर, 2025 को 'राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस' के अवसर पर विज्ञान भवन, नई दिल्ली में किया गया। भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने विभिन्न क्षेत्रों में ऊर्जा दक्षता और संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली संस्थाओं और राज्यों को सम्मानित किया। यह पुरस्कारों का 35वां संस्करण था, जिसे ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (BEE) द्वारा आयोजित किया गया।

/// NECA 2025 के मुख्य विजेता ///

इस वर्ष के पुरस्कारों में राज्यों, रेलवे स्टेशनों और उद्योगों ने प्रमुख स्थान हासिल किया

1. **राज्यों का प्रदर्शन (State Energy Efficiency Performance)**- राज्यों को उनकी भौगोलिक स्थिति और ऊर्जा खपत के आधार पर अलग-अलग समूहों में बांटा गया था-
   - → समूह 1 (शीर्ष राज्य): कर्नाटक (प्रथम), महाराष्ट्र (द्वितीय)
   - → समूह 2: आंध्र प्रदेश (प्रथम - लगातार चौथी बार जीत), तेलंगाना (द्वितीय)
   - → समूह 3: केरल (प्रथम), पंजाब (द्वितीय)
   - → समूह 4: असम (प्रथम)
   - → समूह 5 (UTs और छोटे राज्य): चंडीगढ़ (प्रथम), त्रिपुरा (द्वितीय)
2. **परिवहन क्षेत्र (Transport Sector)**
   - → सर्वश्रेष्ठ रेलवे स्टेशन: मियाना रेलवे स्टेशन (गुना, मध्य प्रदेश) को LED लाइटिंग और स्मार्ट सिस्टम के माध्यम से भारी ऊर्जा बचत के लिए प्रथम पुरस्कार मिला।
   - → मेट्रो रेलवे: DMRC ईस्ट विनोद नगर मेट्रो स्टेशन (दिल्ली) को प्रथम स्थान मिला।
3. **उपकरण और नवाचार (Appliances & Innovation)**
   - → Haier India: इसने 'रेफ्रिजरेटर' और 'डीप फ्रीजर' श्रेणियों में ऐतिहासिक दोहरी जीत हासिल की।
   - → Crompton Greaves: इसे ऊर्जा-कुशल 'वॉटर हीटर' के लिए सम्मानित किया गया।
   - → संस्थान श्रेणी: ब्रह्माकुमारीज़ (जगदंबा भवन, पुणे) ने प्रथम पुरस्कार जीता।

/// NECA 2025 की नई विशेषताएं ///

- **नयी श्रेणी:** इस वर्ष पहली बार "सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स" के लिए एक नई श्रेणी शुरू की गई। इसमें मुस्कान (हरियाणा), वंशिका पांडे (मप्र) और वेदिका खत्री (दिल्ली) को सम्मानित किया गया।
- **पेंटिंग प्रतियोगिता:** राष्ट्रीय स्तर की पेंटिंग प्रतियोगिता में 80 लाख से अधिक छात्रों ने भाग लिया।
- **बचत का आंकड़ा:** राष्ट्रपति ने बताया कि 2023-24 में भारत ने लगभग 53.60 मिलियन टन तेल के बराबर (MTOE) ऊर्जा की बचत की है।
- **महत्वपूर्ण तथ्य:** आंध्र प्रदेश ने लगातार चौथी बार यह पुरस्कार जीतकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

7.15 फीफा बेस्ट फुटबॉल अवॉर्ड्स 2025

फीफा बेस्ट फुटबॉल अवॉर्ड्स 2025 (The Best FIFA Football Awards 2025) का आयोजन 16 दिसंबर, 2025 को दोहा, कतर में किया गया। इस समारोह में दुनिया के बेहतरीन फुटबॉलरों और कोचों को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।

मुख्य पुरस्कार विजेता (2025)	
सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी	ओस्मान डेम्बेले (पीएसजी/फ्रांस)
सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी	आइतना बोनमती (बर्सिलोना/स्पेन)
सर्वश्रेष्ठ पुरुष कोच	लुइस एनरिक (पीएसजी)
सर्वश्रेष्ठ महिला कोच	लुइस एनरिक (पीएसजी)
सर्वश्रेष्ठ पुरुष गोलकीपर	जियानलुइजी डोनारुम्मा (इटली)
सर्वश्रेष्ठ महिला गोलकीपर	हन्ना हैम्पटन (चेल्सी / इंग्लैंड)

/// प्रमुख उपलब्धियां ///

- **ओस्मान डेम्बेले:** उन्होंने पीएसजी (PSG) के साथ चैंपियंस लीग और ट्रेबल जीतने के बाद अपना पहला फीफा 'द बेस्ट' खिताब जीता। उन्होंने लामिन यामल और किलियन एम्बाप्पे को पीछे छोड़ा।
- **आइतना बोनमती:** स्पेन की इस खिलाड़ी ने लगातार तीसरी बार सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का पुरस्कार जीतकर इतिहास रच दिया।

7.16 पुरस्कार एवं सम्मान (To The Point)

- प्रसिद्ध तेलुगु साहित्यकार और शिक्षाविद वेलामाला सिम्माना को लोक नायक फाउंडेशन (LNF) साहित्यिक पुरस्कार 2025 के लिए चुना गया है।
- इंग्लैंड के प्रसिद्ध फुटबॉलर डेविड बेकहम, नाइटहुड सम्मान पाने वाले 17वें फुटबॉलर बने।
- टेसी थॉमस को डॉ. पॉलोस मार ग्रेगोरियोस अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया।
- अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को वाशिंगटन में फीफा-2026 विश्व कप ड्रॉ के दौरान पहले फीफा शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने हाल ही में नई दिल्ली के विज्ञान भवन में 2023 और 2024 के लिए राष्ट्रीय हस्तशिल्प पुरस्कार प्रदान किए। यह समारोह राष्ट्रीय हस्तशिल्प सप्ताह 2025 (8-14 दिसंबर) का हिस्सा था, जिसमें कुल 48 पुरस्कार दिए गए, जिनमें 12 शिल्प गुरु पुरस्कार, 36 राष्ट्रीय हस्तशिल्प पुरस्कार और 2 विशेष डिज़ाइन एवं नवाचार पुरस्कार शामिल थे।
- टाइम मैगज़ीन ने भारतीय मूल के यूट्यूब सीईओ (CEO) नील मोहन को अपने 'CEO ऑफ द ईयर 2025' के सम्मान से नवाजा है।
- मियाना रेलवे स्टेशन (गुना, मध्य प्रदेश) को ऊर्जा संरक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया है।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इथियोपिया की राजधानी अदीस अबाबा में देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ग्रेट ऑनर निशान ऑफ इथियोपिया' से सम्मानित किया गया।
- राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार 2025 (NECA 2025) में आंध्र प्रदेश ने ग्रुप II में लगातार चौथे साल पहला स्थान हासिल किया। कर्नाटक को ग्रुप I में पहला स्थान मिला।
- निर्देशक नीरज घायवान की फिल्म 'होमबाउंड' (Homebound) को 98वें एकेडमी अवार्ड्स (ऑस्कर 2026) के लिए 'बेस्ट इंटरनेशनल फीचर फिल्म' श्रेणी में शॉर्टलिस्ट किया गया।
- ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ऑर्डर ऑफ ओमान' (Order of Oman) से सम्मानित किया।
- एयर इंडिया ने ट्रैवल + लेज़र अवॉर्ड्स 2025 में बेस्ट डोमेस्टिक एयरलाइन (घरेलू विमानन) का खिताब जीता।
- असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा को हाल ही में 28वें SIES श्री चंद्रशेखरेंद्र सरस्वती राष्ट्रीय उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- हाल ही में प्रख्यात खगोल भौतिक विज्ञानी जयंत विष्णु नारलिकर को मरणोपरांत आजीवन उपलब्धि के लिए प्रतिष्ठित "विज्ञान रत्न पुरस्कार" से सम्मानित किया गया।
- भारतीय प्रकाशन जगत की एक प्रमुख हस्ती, रवि डीसी को फ्रांस सरकार द्वारा कला और साहित्य में विशिष्ट योगदान के लिए "शेवलिए दे लॉर्द दे ज़ार ए दे लेत्र" (Chevalier de l'Ordre des Arts et des Lettres) से सम्मानित किया गया है।
- पुरुष हॉकी टीम के उप-कप्तान और दो बार के ओलंपिक पदक विजेता हार्दिक सिंह प्रतिष्ठित मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार के लिए नामांकित हुए। 24 खिलाड़ियों को

NOT FOR SALE

EDU TERIA

08 खेल

8.1 महिला कबड्डी विश्वकप 2025

- बांग्लादेश के ढाका में आयोजित महिला कबड्डी विश्वकप 2025 का खिताब भारत ने जीता। फाइनल मुकाबले में भारत ने चीनी ताइपे (Chinese Taipei) को 35-28 के स्कोर से हराया। यह भारतीय महिला कबड्डी टीम का लगातार दूसरा विश्व कप खिताब है।

8.2 जावोखिर सिंदारोव ने जीता FIDE विश्व कप 2025 का खिताब

उज्बेकिस्तान के युवा ग्रैंडमास्टर जावोखिर सिंदारोव (Javokhir Sindarov) ने FIDE विश्व कप 2025 का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया है।

मुख्य बिंदु

- उन्होंने 19 साल की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की, जिससे वह FIDE विश्व कप जीतने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए। उन्होंने फाइनल में चीन के वेई यी (Wei Yi) को एक रोमांचक टाईब्रेक मुकाबले में हराया।
- भारत के गोवा में 206 खिलाड़ियों के बीच एक माह तक चली यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता सिंदारोव की अद्भुत एकाग्रता और मानसिक दृढ़ता की मिसाल रही।
- इस जीत के साथ, उन्होंने प्रतिष्ठित कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है। यह शतरंज की दुनिया में उज्बेकिस्तान के लिए एक बहुत बड़ी सफलता है।

8.3 वीमेंस प्रिमियर लीग 2026 के नीलामी में ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा सबसे महंगी खिलाड़ी

- वीमेंस प्रिमियर लीग 2026 की नीलामी (Auction) में भारत की स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा सबसे महंगी खिलाड़ी रहीं।
- दीप्ति को यूपी वारियर्स ने राइट टू मैच (RTM) का प्रयोग करके 3.20 करोड़ रुपए में खरीदा।
- इस कीमत के साथ दीप्ति शर्मा WPL इतिहास की दूसरी सबसे महंगी खिलाड़ी बन गई हैं। (स्मृति मंधाना 3.40 करोड़ रुपये के साथ पहले स्थान पर हैं।)

अन्य प्रमुख खिलाड़ी

- **अमेलिया केर:** न्यूजीलैंड की यह ऑलराउंडर 3 करोड़ रुपये के साथ दूसरी सबसे महंगी और सबसे महंगी विदेशी खिलाड़ी रहीं (मुंबई इंडियंस)।
- **शिखा पांडे:** अनुभवी भारतीय तेज गेंदबाज शिखा पांडे को भी यूपी वारियर्स ने 2.40 करोड़ रुपये में अपनी टीम में शामिल किया।

8.4 कतर ग्रैंड प्रिक्स, 2025

- फार्मूला वन वर्ल्ड चैंपियनशिप, 2025 की 23 वीं कार रेस कतर ग्रैंड प्रिक्स, 2025 लुसैल,कतर में 30 नवंबर, 2025 को संपन्न हुई।
- इस फार्मूला वन कार रेस का ख़िताब रेड बुल रेसिंग के मैक्स वर्स्टापेन (नीदरलैंड्स) जीत लिया है।
- रेस में मैकलारेन-मर्सिडीज के चालक ऑस्कर जैक पियास्त्री (ऑस्ट्रेलिया) दूसरे स्थान पर रहे तथा विलियम्स के चालक कार्लोस सैंज (स्पेन) ने तीसरा स्थान हासिल किया।

8.5 31वां सुल्तान अजलान शाह कप 2025

मलेशिया के इपोह में आयोजित 31वें सुल्तान अजलान शाह कप 2025 के फाइनल मुकाबले में बेल्जियम ने भारत को 1-0 से हरा कर जीता।

मुख्य बिंदु

- **विजेता:** बेल्जियम (यह बेल्जियम का पहला सुल्तान अजलान शाह खिताब है)।
- **उपविजेता:** भारत (अब तक 5 बार कप जीत चुके भारत को इस बार रजत पदक से संतोष करना पड़ा)।
- **निर्णायक गोल:** बेल्जियम के लिए एकमात्र और विजयी गोल थिबाउ स्टॉकब्रोक्स (Thibeau Stockbroekx) ने 34वें मिनट में किया।
- **तीसरा स्थान (कांस्य पदक):** न्यूजीलैंड ने मेजबान मलेशिया को 6-1 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया।
- **पिछला विजेता:** 2024 (30वें संस्करण) में जापान ने पाकिस्तान को हराकर खिताब जीता था।

8.6 आर्चरी प्रीमियर लीग को इंडिया स्पोर्ट्स अवार्ड्स 2025 में 'इमर्जिंग प्रोफेशनल स्पोर्ट्स इवेंट ऑफ द ईयर' का खिताब

- आर्चरी प्रीमियर लीग (APL) को इंडिया स्पोर्ट्स अवार्ड्स 2025 में 'इमर्जिंग प्रोफेशनल स्पोर्ट्स इवेंट ऑफ द ईयर' का खिताब दिया गया।
- यह सम्मान नई दिल्ली में हुए 15वें ग्लोबल स्पोर्ट्स समिट (FICCI TURF 2025) के दौरान प्रदान किया गया था।
- यह पुरस्कार लीग के सफल पहले सीज़न और भारतीय तीरंदाजी को एक रोमांचक और आधुनिक रूप देने के उसके प्रभाव के लिए दिया गया।

/// APL सीजन 1 (2025) का विवरण ///

- **विजेता:** राजपूताना रॉयल्स (Rajputana Royals) ने फाइनल में पृथ्वीराज योद्धा को हराकर पहला खिताब जीता।
- **समय और स्थान:** 2 से 12 अक्टूबर, 2025 तक यमुना स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली में।
- **ब्रांड एंबेसडर:** दक्षिण भारतीय सुपरस्टार राम चरण इस लीग के आधिकारिक ब्रांड एंबेसडर हैं।

8.7 ISSF विश्व कप फाइनल 2025 में भारत को 6 पदक

दोहा (कतर) में आयोजित ISSF विश्व कप फाइनल 2025 में भारतीय निशानेबाजों ने अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है।

मुख्य बिंदु

- भारत ने इस प्रतियोगिता का समापन कुल 6 पदकों (2 स्वर्ण, 3 रजत और 1 कांस्य) के साथ किया, जो इस वार्षिक टूर्नामेंट के इतिहास में भारत की सबसे बड़ी पदक संख्या है।
- इस शानदार उपलब्धि के साथ भारत पदक तालिका में चीन के बाद दूसरे स्थान पर रहा। पदक तालिका में तीसरा स्थान अमेरिका को प्राप्त हुआ।

NOT FOR SALE

/// पदक विजेता खिलाड़ी ///

- सुरुचि सिंह ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। साथ ही 245.1 अंकों के साथ न्यू जूनियर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया।
- सिमरनप्रीत कौर बरार ने महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता।
- सैन्यम (Sainyam) ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक जीता।
- ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन में रजत पदक हासिल किया।
- अनीश भानवाला ने पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल मुकाबले में रजत पदक जीता।
- सम्राट राणा ने पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल में कांस्य पदक जीता।

8.8 ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंद ने FIDE सर्किट 2025 जीतकर कैंडिडेट्स टूर्नामेंट 2026 के लिए सीधी योग्यता हासिल की

दिसंबर 2025 में, भारतीय ग्रैंडमास्टर (GM) रमेशबाबू प्रज्ञानानंद ने 115.17 अंकों के साथ अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ (FIDE) सर्किट 2025 जीता, जो जनवरी से दिसंबर 2025 तक आयोजित टूर्नामेंटों की एक साल की श्रृंखला थी, जिससे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट 2026 के लिए सीधी योग्यता हासिल हुई।

मुख्य बिंदु

- वह FIDE सर्किट के माध्यम से क्वालीफाई करने वाले एकमात्र पुरुष खिलाड़ी बन गए और कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में लगातार दूसरी उपस्थिति दर्ज करेंगे।
- तीन भारतीय महिला GM दिव्या देशमुख, कोनेरू हम्पी और वैशाली रमेशबाबू पहले ही 2026 महिला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई कर चुकी हैं।

/// कैंडिडेट्स टूर्नामेंट 2026 ///

- **स्थान और तिथियां:** पेगिया, साइप्रस में मार्च-अप्रैल 2026 में
- **प्रतिभागी:** अनीश गिरी, फैबियानो कारुआना, मैथियास ब्लूबाम, जावोखिर सिंडारोव, वेई यी, एंड्री एसिपेंको और आर. प्रज्ञानानंद
- **महिला उम्मीदवार:** तीन भारतीय खिलाड़ी दिव्या देशमुख, कोनेरू हम्पी और आर वैशाली।

8.9 स्क्वैश वर्ल्ड कप 2025 का विजेता बना भारत

भारतीय स्क्वैश टीम ने 14 दिसंबर 2025 को चेन्नई में आयोजित WSF (वर्ल्ड स्क्वैश फेडरेशन) स्क्वैश वर्ल्ड कप 2025 जीतकर इतिहास रच दिया है। यह भारत का पहला स्क्वैश वर्ल्ड कप खिताब है। इस जीत के साथ ही भारत यह उपलब्धि हासिल करने वाला पहला एशियाई (पूर्णतः एशियाई) देश बन गया है।

मुख्य बिंदु

- चेन्नई के एक्सप्रेस एवेन्यू मॉल में आयोजित फाइनल में भारत ने शीर्ष वरीयता प्राप्त हांगकांग को 3-0 से हराकर खिताब अपने नाम किया।
- भारतीय टीम ने पूरे टूर्नामेंट में एक भी मैच हारे बिना यह जीत हासिल की।
- भारत अब ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और मिस्र के बाद यह खिताब जीतने वाला दुनिया का चौथा देश बन गया है।
- इससे पहले भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2023 में था, जब टीम ने कांस्य पदक (Bronze) जीता था।

/// प्रमुख खिलाड़ी ///

- **जोशना चिनप्पा:** अनुभवी खिलाड़ी जोशना ने पहले मैच में का यी ली को 3-1 से हराकर भारत को शानदार शुरुआत दी।
- **अभय सिंह:** उन्होंने एलेक्स लाउ को सीधे सेटों में 3-0 से हराकर टीम की स्थिति बहुत मजबूत कर दी।
- **अनाहत सिंह:** मात्र 17 वर्षीय सनसनी अनाहत ने टोमाटो हो को 3-0 से हराकर भारत की ऐतिहासिक जीत पर मुहर लगा दी।

8.10 लैंडो नोरिस ने 2025 फॉर्मूला 1 वर्ल्ड ड्राइवर्स चैंपियनशिप का खिताब जीता

ब्रिटिश ड्राइवर लैंडो नोरिस (Lando Norris) ने 2025 फॉर्मूला 1 वर्ल्ड ड्राइवर्स चैंपियनशिप का खिताब जीता। 7 दिसंबर 2025 को अबू धाबी के यास मरीना सर्किट में हुए रोमांचक फाइनल में, नोरिस ने तीसरा (P3) स्थान हासिल किया, जो उन्हें विश्व चैंपियन बनाने के लिए पर्याप्त था।

मुख्य बिंदु

- यह लैंडो नोरिस के करियर की पहली वर्ल्ड चैंपियनशिप है। वह F1 इतिहास के 35वें अलग विश्व चैंपियन बने हैं।
- नोरिस ने डिफेंडिंग चैंपियन मैक्स वेरस्टैपेन को मात्र 2 अंकों के अंतर से हराया। वेरस्टैपेन ने अंतिम रेस (अबू धाबी) जीती, लेकिन नोरिस के P3 फिनिश ने उन्हें बढ़त बनाए रखने में मदद की।
- 2008 में लुईस हैमिल्टन की जीत के बाद, 17 साल के लंबे अंतराल के बाद मैकलारेन के किसी ड्राइवर ने यह खिताब जीता है।
- नोरिस की जीत के साथ, मैकलारेन (McLaren) ने 2025 की 'कन्स्ट्रक्टर्स चैंपियनशिप' (Constructors' Championship) भी अपने नाम की।

8.11 फुटबॉल को बढ़ावा देने के लिए महाराष्ट्र सरकार का "प्रोजेक्ट महादेव"

- 'प्रोजेक्ट महादेवा' (Project Mahadeva) महाराष्ट्र सरकार की एक अत्यंत महत्वाकांक्षी खेल पहल है, जिसे भारतीय फुटबॉल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- इस प्रोजेक्ट का औपचारिक शुभारंभ 14 दिसंबर 2025 को मुंबई के ऐतिहासिक वानखेड़े स्टेडियम में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दुनिया के दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी के मौजूदगी में किया।

मुख्य बिंदु

- **लक्ष्य 2034:** इस प्रोजेक्ट का मुख्य विजन 2034 के फीफा वर्ल्ड कप के लिए भारतीय फुटबॉल टीम को तैयार करना है। सरकार चाहती है कि भविष्य में महाराष्ट्र के खिलाड़ी वैश्विक स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करें।
- **अंडर-13 प्रतिभा की खोज:** यह कार्यक्रम विशेष रूप से 13 वर्ष से कम आयु के बच्चों (लड़के और लड़कियां) के लिए है। राज्य भर के 35 जिलों से ट्रायल के माध्यम से सर्वश्रेष्ठ टैलेंट को चुना गया है।
- **पूर्ण छात्रवृत्ति (Scholarship):** पहले चरण में चुने गए 60 बच्चों (30 लड़के और 30 लड़कियां) को 5 साल की आवासीय छात्रवृत्ति दी जाएगी। इसमें उनकी ट्रेनिंग, रहने-खाने, स्कूल की शिक्षा, पोषण और मानसिक स्वास्थ्य का पूरा खर्च सरकार उठाएगी।

NOT FOR SALE

- **विश्वस्तरीय प्रशिक्षण:** खिलाड़ियों को विदेशी कोचों के मार्गदर्शन में आधुनिक फुटबॉल तकनीकें और कौशल सिखाए जाएंगे।
- **ब्रैंड एंबेसडर:** बॉलीवुड अभिनेता और मार्शल आर्ट्स एक्सपर्ट टाइगर श्रॉफ को इस प्रोजेक्ट का ब्रैंड एंबेसडर बनाया गया है।
- **सहयोग:** यह पहल महाराष्ट्र सरकार, 'मित्रा' (MITRA), CIDCO, और वेस्टर्न इंडिया फुटबॉल एसोसिएशन (WIFA) के संयुक्त सहयोग से चलाई जा रही है।

8.12 33वें दक्षिण पूर्व एशियाई खेल 2025

33वें दक्षिण पूर्व एशियाई खेल (33rd SEA Games) आधिकारिक रूप से संपन्न हो चुके हैं। मेजबान देश थाईलैंड ने इस प्रतियोगिता में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया है।

मुख्य बिंदु

- **आयोजन की अवधि:** 9 दिसंबर से 20 दिसंबर 2025 तक।
- **मेजबान देश और शहर:** थाईलैंड (मुख्य शहर: बैंकॉक और चोनबुरी)।
- **आदर्श वाक्य (Motto):** "Ever Forward" (हमेशा आगे)।
- **भागीदारी:** 10 दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के लगभग 9,000 एथलीटों ने हिस्सा लिया। (कंबोडिया ने सुरक्षा चिंताओं के कारण इस बार भाग नहीं लिया)।

अंतिम पदक तालिका (Top 5 देश)

रैंक	देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
1	थाईलैंड	233	154	112	499
2	इंडोनेशिया	91	111	131	333
3	वियतनाम	87	81	110	278
4	मलेशिया	57	57	117	231
5	सिंगापुर	52	61	89	202

- 34वें दक्षिण पूर्व एशियाई खेलों की मेजबानी 2027 में मलेशिया द्वारा की जाएगी।

8.13 भारत ने जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप 2025 में कांस्य पदक जीता

- चेन्नई में आयोजित जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप 2025 में भारतीय टीम ने कांस्य पदक मुकाबले में अर्जेंटीना को 4-2 से हराकर नौ साल बाद पदक जीता।
- यह 2016 के लखनऊ आयोजन में भारत द्वारा जीते गए स्वर्ण पदक के बाद पहला पदक है।
- जर्मनी टूर्नामेंट का विजेता रहा और स्वर्ण (Gold) पदक हासिल किया, तथा स्पेन रनर अप रहते हुए रजत (Silver) पदक अपने नाम किया।

8.14 अखिल भारतीय सिविल सेवा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप 2025-26

अखिल भारतीय सिविल सेवा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप 2025-26 का आयोजन इस बार बिहार की राजधानी पटना में सफलतापूर्वक किया गया। यह आयोजन 'केंद्रीय सिविल सेवा सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा बोर्ड' (CCSCSB) द्वारा बिहार सरकार के सहयोग से आयोजित किया गया था।

मुख्य बिंदु

- इसका आयोजन 13 दिसंबर से 15 दिसंबर 2025 तक पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, कंकड़बाग, पटना में किया गया।
- इस आयोजन में देश भर के विभिन्न राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्रीय सचिवालय की टीमों के लगभग 1,000 से अधिक सिविल सेवकों ने भाग लिया।
- इसका भव्य शुभारंभ बिहार के मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत द्वारा किया गया।
- इस आयोजन के सभी प्रतिभागी सरकारी कर्मचारी होते हैं, इसलिए टूर्नामेंट के दौरान उन्हें 'ऑन ड्यूटी' माना जाता है और उन पर CCS (आचरण) नियम लागू होते हैं।
- इस तरह के आयोजनों का मुख्य उद्देश्य सरकारी कर्मचारियों के बीच खेल भावना, शारीरिक फिटनेस और आपसी एकता को बढ़ावा देना है।
- उत्तराखंड की टीम ने इस चैम्पियनशिप में दबदबा बनाया और कुल 9 पदक (6 स्वर्ण और 3 कांस्य) जीतकर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्यों में जगह बनाई।
- इस चैम्पियनशिप में बिहार के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 4 पदक (3 स्वर्ण और 1 रजत) जीते -
  - → अंजनी कुमारी ने भाला फेंक में स्वर्ण पदक जीता।
  - → शिवानी कुमारी ने 1500 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता।
  - → सनी कुमार ने लंबी कूद में स्वर्ण पदक जीता।
  - → रिंकी कुमारी ने 200 मीटर दौड़ में रजत पदक जीता।

8.15 एशियाई घुड़सवारी चैंपियनशिप 2025 में भारत का प्रदर्शन

थाईलैंड के पटाया में आयोजित FEI एशियाई घुड़सवारी चैंपियनशिप 2025 में भारतीय घुड़सवारों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 5 पदक (1 स्वर्ण और 4 रजत) जीते।

मुख्य बिंदु

- आशीष लिमये ने अपने घोड़े 'विली बी डन' (Willy Be Dun) के साथ व्यक्तिगत इवेंटिंग में स्वर्ण जीतकर इतिहास रचा। वे इस स्पर्धा में स्वर्ण जीतने वाले पहले भारतीय बने।
- श्रुति वोरा इस चैंपियनशिप की स्टार रहीं, जिन्होंने कुल 3 रजत पदक अपने नाम किए।
- भारत पदक तालिका में तीसरे स्थान पर रहा। थाईलैंड 7 पदकों के साथ शीर्ष पर रहा।

भारत का प्रदर्शन

- आशीष लिमये ने व्यक्तिगत इवेंटिंग में स्वर्ण पदक जीता।
- श्रुति वोरा ने व्यक्तिगत ड्रेसाज में रजत पदक जीता।
- श्रुति वोरा ने ड्रेसाज इंटरमीडिएट फ्रीस्टाइल-I में रजत पदक जीता।
- आशीष लिमये, शशांक सिंह कटारिया, शशांक कनमुरि ने टीम इवेंटिंग में रजत पदक जीता।
- श्रुति वोरा, दिव्यकृति सिंह, गौरव पुंडीर ने टीम ड्रेसाज में रजत पदक जीता।

8.16 IPL 2026 ऑक्शन

दिसंबर 2025 में अबू धाबी में संपन्न हुआ IPL 2026 ऑक्शन बेहद ऐतिहासिक रहा। इस नीलामी में न केवल पुराने रिकॉर्ड टूटे, बल्कि अनकैप्ड (Uncapped) भारतीय खिलाड़ियों पर हुई धनवर्षा ने सबको हैरान कर दिया।

NOT FOR SALE

मुख्य बिंदु

- **सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी:** ऑस्ट्रेलिया के कैमरून ग्रीन को कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) ने ₹25.20 करोड़ में खरीदा। वे आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी बन गए हैं।
- **अनकैप्ड खिलाड़ियों का जलवा:** चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) ने प्रशांत वीर और कार्तिक शर्मा प्रत्येक को ₹14.20 करोड़ में खरीदकर इतिहास रच दिया। ये दोनों अब तक के सबसे महंगे अनकैप्ड खिलाड़ी बन गए हैं।
- **मथीशा पथिराना:** KKR ने श्रीलंका के इस तेज गेंदबाज को ₹18 करोड़ की भारी-भरकम राशि में अपनी टीम में शामिल किया।
- नए नियमों के अनुसार, किसी भी विदेशी खिलाड़ी का कॉन्ट्रैक्ट ₹18 करोड़ पर कैप (सीमित) कर दिया गया है।

नोट: यदि किसी खिलाड़ी पर ₹18 करोड़ से अधिक की बोली लगती है (जैसे ग्रीन पर ₹25.20 करोड़), तो खिलाड़ी को केवल ₹18 करोड़ ही मिलेंगे और अतिरिक्त राशि (इस मामले में ₹7.20 करोड़) BCCI के वेलफेयर फंड में जमा की जाएगी।

8.17 खेल (To The Point)

- भारतीय मूल की ब्रिटिश युवा शतरंज खिलाड़ी बोधना शिवानंदन ने यूके विमेंस ब्लिट्ज शतरंज चैम्पियनशिप 2025 का खिताब जीता है।
- बांग्लादेश में आयोजित महिला कबड्डी विश्वकप 2025 का खिताब भारत ने जीता।
- ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट 2025 में भारतीय शटलर लक्ष्य सेन ने फाइनल में जापान के युशी तनाका को 21-15, 21-11 से हरा कर पुरुष एकल खिताब जीता।
- उज्बेकिस्तान के युवा ग्रैंडमास्टर जावोखिर सिंदारोव (Javokhir Sindarov) FIDE विश्व कप 2025 का खिताब जीतने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए।
- भारतीय एथलीट जियोवाना डी सेक्वेरा ने अबू धाबी में वर्ल्ड प्रोफेशनल जिउ - जित्सु चैम्पियनशिप में ब्रान्ज मेडल जीता है।
- विमेंस प्रीमियर लीग (WPL) 2026 की नीलामी में भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा सबसे महंगी खिलाड़ी बनीं, जिन्हें यूपी वॉरियर्स (UP Warriors) ने 3.2 करोड़ रुपये में राइट-टू-मैच (RTM) कार्ड का उपयोग करके अपनी टीम में वापस लिया।
- ल्यूक लिटलर, डार्ट्स खेल में दुनिया के सबसे कम उम्र के नंबर 1 खिलाड़ी बने।
- पुर्तगाल में आयोजित डब्ल्यू एफ डी एफ वर्ल्ड बीच अल्टिमेट चैंपियनशिप 2025 भारत ने जीती है।
- बेल्जियम ने हाल ही में मलेशिया में आयोजित सुल्तान अजलान शाह कप 2025 (31वां संस्करण) का खिताब फाइनल में भारत को 1-0 से हराकर जीता।
- कदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बने रोहित शर्मा।
- 41 वें ऑल इंडिया गवर्नर गोल्ड कप 2025 का खिताब राजस्थान यूनाइटेड ने जीता।
- भारतीय तेज गेंदबाज मोहित शर्मा ने 3 दिसंबर, 2025 को क्रिकेट के सभी प्रारूपों (टेस्ट, वनडे, टी20) से संन्यास की घोषणा कर दी है।
- गगनजीत भुल्लर ने इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग का खिताब जीता।
- आर्चरी प्रीमियर लीग (APL) को 15वें ग्लोबल स्पोर्ट्स समिट (FICCI TURF 2025) के दौरान इंडिया स्पोर्ट्स अवार्ड्स 2025 में 'इमर्जिंग प्रोफेशनल स्पोर्ट्स इवेंट ऑफ द ईयर' के खिताब से नवाज़ा गया।
- भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने हाल ही में हुए जेरूसलम मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट का खिताब विश्वनाथन आनंद को हरा कर अपने नाम किया।
- आईएसएसएफ निशानेबाजी विश्व कप फ़ाइनल 2025 में महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में सिमरनप्रीत कौर ने स्वर्ण पदक जीता।
- आईएसएसएफ निशानेबाजी विश्व कप 2025 में ऐश्वर्या प्रताप सिंह तोमर ने पुरुषों की 50 मीटर थ्री पोज़िशन में और अनीष ने पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक जीता।
- FIDE Circuit 2025 में लगातार शानदार प्रदर्शन करते हुए आर. प्रज्ञानानंद, Candidates Tournament 2026 के लिए क्वालिफाई करने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए।
- मुंबई स्मैशर्स ने इंडियन पिकलबाल लीग (IPBL) के ग्रांड फिनाले को हैदराबाद रायल्स को हरा कर जीता।
- स्क्वैश विश्व कप 2025 का आयोजन चेन्नई में 9 से 14 दिसंबर 2025 तक किया गया था। भारतीय स्क्वॉश टीम ने हॉन्ग कॉन्ग को हराकर अपना पहला स्क्वॉश वर्ल्ड कप खिताब जीत लिया। जिसमें अनाहत सिंह, जोशना चिनप्पा और अभय सिंह ने अहम भूमिका निभाई।
- फार्मूला 1 वर्ल्ड चैम्पियनशिप 2025 का खिताब लैंडो नॉरिस ने जीता।
- 33 वें साउथ ईस्ट एशियन गेम्स 2025 का उद्घाटन थाइलैंड में किया गया।
- मध्य प्रदेश के सागर के रहने वाले सर्वज्ञ सिंह कुशवाहा सिर्फ 3 साल, 7 महीने और 20 दिन की उम्र में दुनिया के सबसे कम उम्र के ऑफिशियली रेटेड शतरंज खिलाड़ी बन गए हैं।
- रतलाम के दिव्यांग तैराक अब्दुल कादिर इंदौरी ने दुबई में एशियाई युवा पैरा गेम्स में दो गोल्ड मेडल जीते।
- जूनियर पुरुष हॉकी विश्वकप में भारत ने अर्जेंटीना को हराकर नौ साल बाद कांस्य पदक जीता।
- लियोनेल मेसी ने हाल ही में भारत के कोलकाता में अपने 'G.O.A.T. टूर' के दौरान 70 फुट ऊंची अपनी मूर्ति का वर्चुअल अनावरण किया, जिसे श्रीभूमि स्पोर्टिंग क्लब में स्थापित किया गया है।
- भारतीय पहलवान विनेश फोगाट ने कुश्ती में वापसी का फैसला किया है। पेरिस ओलंपिक में वजन विवाद के बाद उन्होंने संन्यास की घोषणा की थी
- अखिल भारतीय सिविल सेना एथलेटिक्स चैम्पियनशिप का आगाज पटना स्थित पाटलिपुत्र खेल परिसर में हुआ।
- भारतीय U15 बॉयज़ वॉलीबॉल टीम ने ISF वर्ल्ड U15 वॉलीबॉल चैंपियनशिप (चीन) में पहली बार ब्रांज मेडल जीता।
- राजस्थान में आयोजित 5वें खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स (KIUG) 2025 का खिताब चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने जीता।
- अबु धाबी ग्रैंड प्रिक्स 2025 का खिताब रेड बुल रेसिंग के चालक मैक्स वर्स्टपेन (नीदरलैंड्स) ने जीत लिया है।
- गुवाहाटी मास्टर्स 2025 (बैडमिंटन टूर्नामेंट) में भारत के संस्कार सारस्वत ने पुरुष एकल खिताब जीता।
- थाईलैंड के पटाया में आयोजित FEI एशियाई घुड़सवारी चैंपियनशिप 2025 में भारतीय घुड़सवारों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 5 पदक (1 स्वर्ण और 4 रजत) जीते।
- आईसीसी ने नवंबर, 2025 के लिए दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर साइमन हार्मर को आईसीसी मेंस प्लेयर ऑफ द मंथ चुना है।
- भारत की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा नवम्बर 2025 के आईसीसी वूमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ चुनी गई।

NOT FOR SALE

- राजस्थान में आयोजित 5वें खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स (KIUG) 2025 में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने कुल 67 पदकों (42 स्वर्ण, 14 रजत, 11 कांस्य) के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया है।
- अंडर-19 में अभिज्ञान कुंदू दोहरा शतक जड़ने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बने।
- फीफा अवार्ड्स 2025 में ओस्मान डेंबेले को सर्वश्रेष्ठ पुरुष और ऐताना बोनमाटी को सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी चुना गया।
- कैमरून ग्रीन, IPL के इतिहास के सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी बन गए, कोलकाता नाइट राइडर्स ने अबू धाबी में हुए IPL 2026 ऑक्शन में इस ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर को ₹25.20 करोड़ में खरीदा।
- सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 के खिताबी मुकाबले में झारखंड ने हरियाणा को 69 रनों से हराकर अपनी पहली ट्रॉफी जीती।
- हाल ही में फीफा इंटरकॉन्टिनेंटल कप 2025 का खिताब पेरिस सेंट जर्मेन ने जीता।
- हाल ही में कतर में आयोजित फीफा अरब कप 2025 का खिताब मोरक्को ने जॉर्डन को हराकर जीता।
- आर्यना सबालेंका लगातार दूसरी बार डब्ल्यूटीए की साल की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुनी गईं।
- नोएडा के युवा गोल्फर सुखमन सिंह ने कोलकाता के ऐतिहासिक टॉलीगंज क्लब में आयोजित IGU 124वां एमेच्योर गोल्फ चैंपियनशिप ऑफ इंडिया खिताब जीता।
- 4000 टी ट्वेंटी इंटरनेशनल रन बनाने वाली पहली एशियाई महिला खिलाड़ी बनी स्मृति मंधाना।
- सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय जोड़ी ने चीन के हांगचोओ में आयोजित विश्व बैडमिंटन टूर फाइनल्स में कांस्य पदक जीता।
- युवा मामले और खेल मंत्रालय (MYAS) की नई इंटर्नशिप पॉलिसी के तहत भारत के खेल इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए प्रतिवर्ष 452 इंटर्नशिप प्रदान की जाएंगी।
- छत्तीसगढ़ में आयोजित होने वाले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 का शुभंकर 'मोरवीर', का अनावरण किया गया।
- लिस्ट ए क्रिकेट (विजय हजारे ट्राफी) में शतक लगाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए वैभव सूर्यवंशी। बिहार ने 50 ओवर में रिकार्ड 576 रन बनाए।

NOT FOR SALE

09 विविध

9.1 'रेज बेट'(Rage Bait) ऑक्सफोर्ड का 'वर्ड ऑफ द ईयर'

- ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस (OUP) ने 'रेज बेट' (Rage Bait) को वर्ष 2025 के लिए अपना 'वर्ड ऑफ द ईयर' घोषित किया है।
- 'रेंज बेट' सोशल मीडिया पर जानबूझकर गुस्सा या आक्रोश भड़काने वाली ऑनलाइन सामग्री (कंटेंट) को दर्शाता है ताकि लोग उस पर कमेंट और शेयर करें, जिससे एंगेजमेंट बढ़े।
- इस शब्द का चयन एक वैश्विक सर्वेक्षण और भाषा डेटा के विश्लेषण के बाद किया गया जिसमें 'आरा फार्मिंग' और 'बायो-हैक' जैसे शब्दों को पीछे छोड़ा।
- **Aura Farming (आरा फार्मिंग):** आत्मविश्वास या करिश्मा दिखाने के लिए खुद को इस तरह पेश करना कि लोग प्रभावित हों।
- **Biohack (बायो-हैक):** अपनी शारीरिक या मानसिक क्षमता, स्वास्थ्य और लंबी उम्र को बेहतर बनाने के लिए जीवनशैली में बदलाव करना।

9.2 लुआना लोपेस लारा विश्व की सबसे कम उम्र की 'सेल्फ-मेड' महिला अरबपति

लुआना लोपेस लारा (Luana Lopes Lara) हाल ही में दुनिया की सबसे कम उम्र की 'सेल्फ-मेड' (स्व-निर्मित) महिला अरबपति बनी हैं। 29 वर्षीय लुआना ने इस मामले में 'स्केल एआई' की लूसी गुओ और मशहूर गायिका टेलर स्विफ्ट को भी पीछे छोड़ दिया है।

मुख्य बिंदु

- लुआना Kalshi (कालशी) की सह-संस्थापक (Co-founder) हैं। यह एक 'प्रेडिक्शन मार्केट' (Prediction Market) प्लेटफॉर्म है जहाँ लोग भविष्य की घटनाओं (जैसे चुनाव, आर्थिक आंकड़े, खेल आदि) पर दांव लगा सकते हैं।
- कालशी की वैल्यूएशन हाल ही में बढ़कर 11 बिलियन डॉलर हो गई है। इसमें लुआना की 12% हिस्सेदारी है, जिससे उनकी कुल संपत्ति लगभग 1.3 बिलियन डॉलर (करीब ₹10,900 करोड़) आँकी गई है।
- लुआना ने ब्राजील के बोल्शोई थिएटर स्कूल से बैले डांस की ट्रेनिंग ली और ऑस्ट्रिया में प्रोफेशनल बैले डांसर रहीं बाद में उन्होंने MIT से कंप्यूटर साइंस, मैथमेटिक्स और कॉग्निटिव साइंस में डिग्री हासिल की।

9.3 महाराष्ट्र के प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. बाबा अधव का निधन

महाराष्ट्र के वरिष्ठ समाजवादी नेता और प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. बाबा अधव (बाबासाहेब पांडुरंग अधव) का दिसंबर, 2025 में पुणे में 95 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे सात दशकों से अधिक समय तक असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों और वंचित वर्गों की आवाज़ बने रहे।

मुख्य बिंदु

- 1930 में पुणे में जन्में बाबा अवध ने आयुर्वेद के डॉक्टर के रूप में अपना करियर शुरू किया था, लेकिन 1966 में गरीबों की सेवा के लिए डॉक्टरी छोड़ दी।
- वे महात्मा ज्योतिराव फुले, डॉ. बी.आर. अंबेडकर और साने गुरुजी की विचारधारा से गहराई से प्रभावित थे।
- वे हमाल पंचायत (Hamal Panchayat) के संस्थापक सदस्यों में से एक थे और 'एक गांव-एक पनवठा' (एक गाँव–एक जल स्रोत) जैसे सामाजिक अभियानों के प्रणेता थे।

/// बाबा अवध के प्रमुख कार्य ///

'एक गांव - एक पनवठा' आंदोलन

- डॉ. बाबा अधव को उनके 'एक गांव - एक पनवठा' (एक गांव - एक जलाशय) अभियान के लिए सबसे ज्यादा याद किया जाता है।
- उन्होंने छुआछूत और जातिवाद के खिलाफ महाराष्ट्र के गांवों में घूम-घूमकर आंदोलन किया।
- उनका लक्ष्य था कि दलितों और पिछड़ों को भी गांव के सार्वजनिक कुओं और जलाशयों से पानी भरने का समान अधिकार मिले।

'हमाल पंचायत' और मजदूर आंदोलन

- उन्होंने असंगठित क्षेत्र के मजदूरों को सम्मानजनक जीवन दिलाने के लिए अभूतपूर्व कार्य किया।
- पुणे में कुली (हमाल) और माथाड़ी कामगारों को संगठित करने के लिए उन्होंने 'हमाल पंचायत' बनाई।
- मजदूरों को बहुत कम दाम में पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए उन्होंने 'कष्टाची भाकर' नाम से कैंटीन शुरू की।
- इसके अलावा उन्होंने घरेलू कामगारों, कचरा बीनने वालों और रिक्शा चालकों के लिए भी कई आंदोलनों का नेतृत्व किया ताकि उन्हें पेंशन और स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें।

9.4 सम्राट पेरुंबिदुगु मुथरैय्यर द्वितीय (सुवर्ण मारन)

चर्चा में क्यों ?

तमिल संस्कृति के महान संरक्षक सम्राट पेरुंबिदुगु मुथरैय्यर द्वितीय (सुवर्ण मारन) के सम्मान में 14 दिसंबर, 2025 को उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन द्वारा एक स्मारक डाक टिकट जारी किया गया।

मुख्य बिंदु

- सम्राट पेरुंबिदुगु मुथरैय्यर द्वितीय 8वीं शताब्दी के दौरान मुथरैय्यर राजवंश के सबसे शक्तिशाली शासकों में से एक थे।
- उन्होंने तंजावुर और तिरुचिरापल्ली के क्षेत्रों पर शासन किया था।
- उन्हें मंदिरों के निर्माण और तमिल साहित्य को प्रोत्साहन देने के लिए जाना जाता है।
- उन्हें "तंजाई कोंडन" (तंजावुर का विजेता) के रूप में जाना जाता है।
- उन्होंने पांड्यों और पल्लवों के बीच सत्ता संतुलन बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई थी।

NOT FOR SALE

- तिरुचिरापल्ली के पास सेंथलाई (Sendhalai) में स्थित मीनाक्षी सुंदेश्वर मंदिर उनके काल की कला और उनके द्वारा छोड़े गए शिलालेखों का एक जीवंत प्रमाण है।
- उनके शौर्य और न्यायप्रिय शासन की प्रशंसा 'पंडीकोवई' और 'मुत्तोल्लयरम' जैसे प्राचीन तमिल ग्रंथों में मिलती है।

संक्षिप्त विवरण	
शासन काल	8वीं शताब्दी (लगभग 705–745 ईस्वी)
राजवंश	मुथरैय्यर (Mutharaiyar)
मुख्य उपाधियाँ	पेरुंबिदुगु, सुवर्ण मारन, शत्रुमल्ल
राजधानी	तंजावुर (तंजाई) और वल्लुवम

9.5 वोरैयूर कॉटन साड़ी और थूयामल्ली चावल को GI टैग

वोरैयूर कॉटन साड़ी और थूयामल्ली चावल दोनों तमिलनाडु से संबंधित उत्पाद हैं और इन्हें दिसंबर 2025 में भौगोलिक संकेत (GI) टैग मिला है, जो इनकी विशिष्टता और गुणवत्ता को दर्शाता है, और अब तमिलनाडु के कुल GI उत्पादों की संख्या 74 हो गई है।

मुख्य बिंदु

- **वोरैयूर कॉटन साड़ी:** तिरुचि जिले की यह साड़ी चोल काल की बुनाई परंपरा से जुड़ी है, जो पतली किनारी और कोरवाई तकनीक के लिए प्रसिद्ध है, जिसे मनामेदु में बनाया जाता है।
- **थूयमल्ली चावल:** यह एक सुगंधित, चमकदार और पौष्टिक चावल की किस्म है, जो अपनी शुद्धता और हल्के स्वाद के लिए जाना जाता है, जिसे आजकल कांचीपुरम जिले में उगाया जाता है।

9.6 श्रीकाकुलम जिले की प्रसिद्ध पोंडुरु खादी को GI टैग

आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले की प्रसिद्ध पोंडुरु खादी (Ponduru Khadi) को हाल ही में भौगोलिक संकेत (GI) टैग प्रदान किया गया है, जो इस पारंपरिक, हाथ से काते और बुने हुए सूती कपड़े को कानूनी पहचान और वैश्विक मान्यता देता है।

मुख्य बिंदु

- पोंडुरु खादी श्रीकाकुलम के पोंडुरु गांव की एक खास हाथ से बनी खादी है, जो पहाड़ी कॉटन (hill cotton) से बनती है और अपनी बारीक बनावट व टिकाऊपन के लिए जानी जाती है।
- इसके उत्पादन में मशीन का इस्तेमाल नहीं होता; रुई की सफाई के लिए मछली के जबड़े (Valuga fish jawbone) और चरखे (Gandhi Charkha) का उपयोग किया जाता है, जो इसे बेहद महीन बनाता है।
- महात्मा गांधी ने 1921 में 'यंग इंडिया' पत्रिका में इसकी तारीफ की थी और इसे स्वदेशी आंदोलन से जोड़ा था।
- GI टैग उत्पाद विशेष की प्रामाणिकता की रक्षा करता है, नकल को रोकता है और स्थानीय कारीगरों के जीवनयापन को बढ़ावा देता है।

9.6 विविध (To The Point)

- ओडिया गायक ह्यूमेन सागर का 34 वर्ष की आयु में निधन हो गया।
- 1 दिसम्बर को नगालैंड ने अपना 62 वां स्थापना दिवस मनाया।
- ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी ने 'रेज बेट' (Rage Bait) को साल 2025 का शब्द (Word of the Year) चुना है, जिसका मतलब है ऐसी ऑनलाइन सामग्री जो जानबूझकर गुस्सा या आक्रोश भड़काने के लिए बनाई जाती है।
- 29 वर्षीय ब्राज़ीलियाई उद्यमी 'कालशी' की मालकिन लुआना लोपेस लारा (Luana Lopes Lara) दुनिया की सबसे कम उम्र की सेल्फ-मेड महिला अरबपति बन गई हैं।
- हाल ही में प्रकाशित "भारत: दैट इज इंडिया - रिक्लेमिंग आवर रियर आइडेंटिटी" नामक किताब अभिजीत जोग द्वारा लिखी गई।
- "चुनौतियाँ मुझे पसंद हैं" नामक किताब आनंदी बेन पटेल के जीवन पर आधारित है जिसका गुजराती संस्करण केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा लॉन्च किया गया।
- महाराष्ट्र के चर्चित सामाजिक कार्यकर्ता बाबा अवध का 95 वर्ष की आयु में निधन हो गया।
- कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री शिवराज पाटिल का 12 दिसंबर 2025 को 90 वर्ष की आयु में महाराष्ट्र के लातूर स्थित उनके आवास पर निधन हो गया।
- उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने तमिल संस्कृति के महान संरक्षक तंजावुर के सम्राट पेरुंबिदुगु मुथरैय्यर द्वितीय (सुवर्ण मारन) के सम्मान में डाक टिकट जारी।
- Perplexity AI के ब्रांड एंबेसडर बने क्रिस्टियानो रोनाल्डो।
- स्टैच्यू ऑफ यूनिटी (Statue of Unity) के प्रसिद्ध मूर्तिकार राम वनजी सुतार का हाल ही में 100 वर्ष की आयु में निधन हो गया।
- फोर्ब्स और रायटर्स के अनुसार एलन मस्क ने क्रमशः 600 अरब डॉलर और 700 अरब डॉलर की संपत्ति वाले दुनिया के पहले व्यक्ति होने का गौरव हासिल किया।
- "सलमान खान: द सुल्तान ऑफ बॉलीवुड" नामक बायोग्राफी मोहर बसु द्वारा लिखी गयी है।
- राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस (24 दिसंबर) 2025 का विषय "डिजिटल न्याय के साथ अक्षम्य और त्वरित क्रियान्वयन" है।
- हाल ही में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पुस्तक 'सनातन संस्कृति की अटल दृष्टि' का विमोचन किया।
- प्रतिवर्ष 25 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती को सुशासन दिवस के रूप में मनाया जाता है।
- इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) ने "घोस्ट पेयरिंग" नामक एक साइबर अभियान के बारे में चेतावनी जारी की है।
- हाल ही में ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित छत्तीसगढ़ के प्रख्यात हिंदी लेखक विनोद कुमार शुक्ला का 88 वर्ष की आयु निधन। इन्हें 'दीवार में एक खिड़की है' के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार भी मिला था।

NOT FOR SALE

10 रक्षा एवं सुरक्षा

10.1 ऑपरेशन पवन

चर्चा में क्यों ?

भारतीय सेना ने हाल ही में, 38 साल बाद, श्रीलंका में 'ऑपरेशन पवन' (1987-1990) के दौरान शहीद हुए 1171 जवानों को पहली बार आधिकारिक तौर पर सम्मानित किया, साथ ही सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने एक स्मृति समारोह में श्रद्धांजलि दी।

मुख्य बिंदु

- यह भारतीय शांति सेना (IPKF) का एक महत्वपूर्ण और चुनौतीपूर्ण मिशन था, जिसमें लिट्टे उग्रवादियों से लड़ते हुए कई भारतीय सैनिक शहीद हुए थे।
- शहीद सैनिकों को दशकों तक किसी प्रकार का औपचारिक सम्मान नहीं मिला था, जिसे हाल ही में सेना ने शुरू किया है।

/// ऑपरेशन पवन के बारे में ///

- 1987 के भारत-श्रीलंका समझौते के तहत, LTTE (लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम) को निरस्त्र करना और श्रीलंका में शांति स्थापित करने के उद्देश्य से शुरू हुआ था।
- यह अभियान 1987 से 1990 तक चला, जिसमें 1987 के शुरुआती दौर की लड़ाई 'ऑपरेशन पवन' थी।
- इस ऑपरेशन में 1171 भारतीय सैनिक शहीद हुए और 3,500 से अधिक घायल हुए।
- यह आजादी के बाद भारत का पहला बड़ा विदेशी सैन्य मिशन था, लेकिन राजनीतिक कारणों से इसके शहीदों को लंबे समय तक आधिकारिक पहचान नहीं मिल पाई थी।

10.2 स्काईरूट एयरोस्पेस के इन्फिनिटी कैंपस और कंपनी के पहले ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-I का अनावरण

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 27 नवंबर, 2025 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हैदराबाद, तेलंगाना में स्काईरूट एयरोस्पेस के अत्याधुनिक इन्फिनिटी कैंपस का उद्घाटन किया और कंपनी के पहले ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-I का अनावरण किया।

/// इन्फिनिटी कैंपस (Infinity Campus) के बारे में ///

- यह लगभग 2 लाख वर्ग फुट में फैला हुआ एक अत्याधुनिक परिसर है।
- इसे विभिन्न लॉन्च वाहनों (Launch Vehicles) के डिजाइन, विकास, एकीकरण और परीक्षण के लिए बनाया गया है।
- कंपनी का दावा है कि यहाँ हर महीने एक ऑर्बिटल रॉकेट बनाने की क्षमता है, जो ऑन-डिमांड लॉन्च को संभव बनाएगा।

/// विक्रम-I (Vikram-I) रॉकेट के बारे में ///

- यह भारत का पहला निजी तौर पर विकसित ऑर्बिटल-क्लास रॉकेट है।
- इसका नाम भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक डॉ. विक्रम साराभाई के नाम पर रखा गया है।
- यह 350 किलोग्राम तक के पेलोड को निम्न-भू-कक्षा (LEO - Low Earth Orbit) में स्थापित करने में सक्षम है।
- इसकी सबसे बड़ी विशेषता इसका ऑल-कार्बन-कंपोजिट (All-Carbon-Composite) ढाँचा है, जो इसे हल्का और अत्यधिक कुशल बनाता है।
- इसे 24 घंटे के भीतर असेंबल और लॉन्च करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो तेज़ और किफायती प्रक्षेपण सेवाएँ प्रदान करेगा।

महत्व

- यह कदम भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव का प्रतीक है।
- यह भारत को वैश्विक छोटे उपग्रह (Small Satellite) प्रक्षेपण बाजार में एक मजबूत और प्रतिस्पर्धी खिलाड़ी के रूप में स्थापित करेगा।
- इससे पहले, स्काईरूट ने नवंबर 2022 में अपना पहला सब-ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-एस सफलतापूर्वक लॉन्च किया था, जो किसी भारतीय निजी कंपनी द्वारा अंतरिक्ष में लॉन्च किया गया पहला रॉकेट था।

10.3 हैदराबाद में भारत की पहली वैश्विक एयरक्राफ्ट इंजन MRO (रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल) सुविधा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 26 नवंबर 2025 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हैदराबाद में भारत की पहली वैश्विक एयरक्राफ्ट इंजन MRO (रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल) सुविधा का उद्घाटन किया।

मुख्य बिंदु

- **कंपनी:** यह सुविधा फ्रांसीसी एयरोस्पेस प्रमुख सफ्रान (Safran) द्वारा स्थापित की गई है।
- **नाम:** सफ्रान एयरक्राफ्ट इंजन सर्विसेज इंडिया (SAESI)।
- **स्थान:** हैदराबाद में राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास जीएमआर एयरोस्पेस एवं इंडस्ट्रियल पार्क – SEZ।
- **विशेषता:** यह भारत का पहला वैश्विक MRO केंद्र है जिसे किसी वैश्विक इंजन निर्माता (OEM) द्वारा स्थापित किया गया है।
- **फोकस:** यह मुख्य रूप से आधुनिक विमानों (जैसे Airbus A320neo और Boeing 737 MAX) में इस्तेमाल होने वाले LEAP इंजनों की सर्विसिंग करेगा।

महत्व

- यह सुविधा भारत को वैश्विक MRO हब के रूप में स्थापित करने में मदद करेगी।
- इससे विमानन क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ेगी और विदेशी MRO पर भारत की निर्भरता कम होगी।
- इसमें 1,000 से अधिक कुशल भारतीय इंजीनियरों और तकनीशियनों को रोजगार मिलने की उम्मीद है।
- यह भारतीय विमानन और 'मेक इन इंडिया' पहल के लिए एक बहुत बड़ा और ऐतिहासिक कदम है।

NOT FOR SALE

10.4 MH-60R 'सीहॉक' नौसेना हेलीकॉप्टर

चर्चा में क्यों ?

भारत और अमेरिका के बीच MH-60R सीहॉक हेलीकॉप्टर को लेकर हाल ही में एक बड़ा रक्षा समझौता हुआ है, जिसके तहत भारत ने अपने 24 मल्टी-रोल हेलीकॉप्टर (जो पहले से नौसेना में शामिल हैं) के रखरखाव, स्पेयर पार्ट्स, ट्रेनिंग और तकनीकी सहायता के लिए $946 मिलियन (लगभग ₹7,995 करोड़) का सपोर्ट पैकेज साइन किया है, जिससे भारतीय नौसेना की समुद्री ताकत और एंटी-सबमरीन युद्ध क्षमताएं बढ़ेंगी और भारत में ही इसके सपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास होगा।

समझौते का विवरण

- यह अनुबंध नवंबर 2025 में रक्षा मंत्रालय द्वारा अमेरिकी विदेशी सैन्य बिक्री (FMS) कार्यक्रम के तहत Letters of Offer & Acceptance (LOA) पर हस्ताक्षरित हुआ, जो 2025-2030 तक पांच वर्षों के लिए वैध है।
- इसमें स्पेयर पार्ट्स, मरम्मत, प्रशिक्षण और भारत में मध्यम स्तर की रिपेयर फैसिलिटी स्थापित करना शामिल है, जिससे विदेशी निर्भरता कम होगी।

सामरिक महत्व

- MH-60R हेलीकॉप्टर एंटी-सबमरीन वारफेयर (ASW), सतह-से-सतह हमलों और सभी मौसमों में ऑपरेशन के लिए अत्याधुनिक हैं, जो INS विक्रांत जैसे विमान वाहकों पर सफलतापूर्वक उतरे हैं।
- यह डील हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की समुद्री ताकत मजबूत करेगी, खासकर पनडुब्बी रोधी क्षमताओं को बढ़ाएगी।
- 2020 में ₹15,000 करोड़ में खरीदे गए इन हेलीकॉप्टरों की परिचालन उपलब्धता अब और मजबूत होगी।

10.5 अभ्यास 'एकुवेरिन' (EKUVERIN) का 14वां संस्करण

भारत और मालदीव के बीच आयोजित होने वाले संयुक्त सैन्य अभ्यास 'एकुवेरिन' (EKUVERIN) का 14वां संस्करण हाल ही में केरल में संपन्न हुआ है। यह अभ्यास दोनों देशों के बीच मजबूत रक्षा संबंधों और हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा सहयोग का प्रतीक है।

मुख्य बिंदु

- अभ्यास 'एकुवेरिन' का 14वां संस्करण 2 दिसंबर से 15 दिसंबर 2025 तक आयोजित किया गया।
- केरल के तिरुवनंतपुरम (पांगोडे मिलिट्री स्टेशन) में आयोजित इस अभ्यास में भारतीय सेना के गढ़वाल राइफल्स (Garhwal Rifles) की एक बटालियन के 45 जवानों ने भागीदारी की।
- मालदीव की ओर से मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल (MNDF) के 45 जवानों की एक टुकड़ी ने इस अभ्यास में हिस्सा लिया।
- यह दो सप्ताह तक चलने वाला एक गहन सैन्य प्रशिक्षण अभ्यास था, जिसके मुख्य बिंदु निम्नलिखित हैं:-
  - → **परिचालन तालमेल (Interoperability):** दोनों सेनाओं के बीच आपसी समन्वय और संयुक्त मिशन योजना बनाने की क्षमता को बढ़ाना।
  - → **आतंकवाद विरोधी अभियान:** जंगल, अर्ध-शहरी और विशेष रूप से तटीय क्षेत्रों (Coastal Areas) में आतंकवाद-विरोधी (Counter-Terrorism) और विद्रोह-विरोधी (Counter-Insurgency) अभियानों के लिए प्रशिक्षण।
  - → **तकनीकी आदान-प्रदान:** इस बार के संस्करण में आधुनिक रक्षा प्रौद्योगिकियों (Niche Technologies) के एकीकरण और सर्वोत्तम सैन्य प्रथाओं को साझा करने पर विशेष जोर दिया गया।
  - → **रणनीतिक अभ्यास:** इसमें घेराबंदी और तलाशी अभियान (Cordon and Search), रूम इंटरवेंशन और क्लोज-क्वार्टर कॉम्बैट जैसे कठिन अभ्यास शामिल थे।

/// अभ्यास एकुवेरिन के बारे में ///

- धिवेही भाषा में 'एकुवेरिन' का अर्थ 'दोस्त' होता है।
- यह अभ्यास वर्ष 2009 में शुरू हुआ था और तब से यह बारी-बारी से भारत और मालदीव में आयोजित किया जाता है।
- यह अभ्यास भारत की 'नेबरहुड फर्स्ट' (पड़ोसी पहले) नीति और 'सागर' (SAGAR - Security and Growth for All in the Region) विजन के अनुरूप है।
- मालदीव, हिंद महासागर में भारत का एक प्रमुख रणनीतिक साझेदार है, और यह अभ्यास समुद्री सुरक्षा बनाए रखने में मदद करता है।

नोट: भारत और मालदीव के बीच 'एकुवेरिन' के अलावा 'एकथा' (नौसेना अभ्यास) और 'दोस्ती' (भारत-मालदीव-श्रीलंका त्रिपक्षीय तटरक्षक अभ्यास) भी आयोजित किए जाते हैं।

/// मालदीव के बारे में ///

- मालदीव (Maldives) उत्तर-मध्य हिंद महासागर में, भारत और श्रीलंका के दक्षिण-पश्चिम में स्थित एक बेहद खूबसूरत और लोकप्रिय द्वीप देश है।
- इसकी राजधानी माले दुनिया के सबसे घनी आबादी वाले शहरों में से एक है।
- मालदीव का मुद्रा मालदीवियन रुफिया (MVR) है।
- मालदीव लगभग 1,192 छोटे मूंगा (coral) द्वीपों से बना है, जिनमें से केवल 200 द्वीपों पर ही आबादी रहती है।
- यह दुनिया का सबसे कम ऊंचाई वाला देश है, जो समुद्र तल से औसतन केवल 1.5 मीटर ऊपर है।
- यह अपनी प्राकृतिक सुंदरता, सफेद रेत के समुद्र तटों और नीले साफ पानी के लिए दुनिया भर में जाना जाता है।

10.6 आईएनएस अरिदमन

चर्चा में क्यों ?

आईएनएस अरिदमन भारत की तीसरी स्वदेशी रूप से बनी परमाणु-संचालित (न्यूक्लियर पावर्ड) बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी (SSBN) है, जो अरिहंत श्रेणी की एक उन्नत पनडुब्बी है और भारतीय नौसेना के रणनीतिक प्रतिरोध (strategic deterrence) को मजबूत करने के लिए जल्द ही नौसेना में शामिल होने वाली है।

मुख्य बिंदु

- यह अपनी पूर्ववर्ती पनडुब्बियों (अरिहंत और अरिघाट) की तुलना में बड़ी है और अधिक मिसाइलें ले जाने में सक्षम है। इसे उन्नत प्रौद्योगिकी पोत (ATV) परियोजना के तहत बनाया गया है और यह शक्तिशाली K-4 (3,500 किमी रेंज) मिसाइलों से लैस होगी, जो भारत की 'सेकेंड-स्ट्राइक कैपेबिलिटी' को और मजबूत करती हैं।
- यह एक स्वदेशी न्यूक्लियर रिएक्टर द्वारा संचालित है, जिससे यह हफ्तों तक पानी के अंदर छिपी रह सकती है, जो इसे दुश्मन के लिए ट्रैक करना लगभग नामुमकिन बना देता है। यह भारत की 'नो फर्स्ट यूज' (No First Use) परमाणु नीति के तहत 'सेकंड स्ट्राइक' क्षमता का आधार है।

NOT FOR SALE

10.7 इनो-योद्धा 2025

- इनो-योद्धा 2025 भारतीय सेना का वार्षिक नवाचार कार्यक्रम और सेमिनार है, जो सैनिकों द्वारा विकसित स्वदेशी तकनीकी समाधानों को प्रदर्शित करता है, जिसका उद्देश्य परिचालन क्षमता, रसद और प्रशिक्षण को बढ़ाना है।
- यह कार्यक्रम दिसंबर 2025 के पहले सप्ताह में नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में आयोजित किया गया।
- सेना उप-प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेन्द्र पाल सिंह ने 89 प्रविष्टियों में से 32 चयनित नवाचारों को सम्मानित किया, जो भारतीय सेना में सैनिक-केंद्रित नवाचार की बढ़ती संस्कृति को दर्शाता है।

10.8 हरिमऊ शक्ति 2025

भारत और मलेशिया के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास 'हरिमऊ शक्ति 2025' हाल ही में (5-18 दिसंबर 2025) संपन्न हुआ, यह इस द्विपक्षीय अभ्यास का 5वां संस्करण था।

मुख्य बिंदु

- 'हरिमऊ शक्ति 2s025' का आयोजन राजस्थान के महाजन फील्ड फायरिंग रेंज (बिकानेर) में किया गया था। इस अभ्यास का मुख्य फोकस आतंकवाद-रोधी अभियान, शांति स्थापना और संयुक्त राष्ट्र अध्याय VII के तहत उप-पारंपरिक संचालन पर रहा।
- डोगरा रेजिमेंट (भारत) और 25वीं बटालियन रॉयल मलेशियाई सेना ने भाग लिया। इसमें आर्मी मार्शल आर्ट्स, कॉम्बैट रिफ्लेक्स शूटिंग, योग और हेलीबोर्न इंसर्शन जैसी गतिविधियां शामिल थीं।
- इस अभ्यास से दोनों सेनाओं के बीच अंतर-संचालनीयता, सामरिक कौशल और सहयोग बढ़ा। पहली बार रेगिस्तानी इलाके में आयोजित हुआ जो अपने पिछले जंगल-केंद्रित संस्करणों से अलग था।
- यह भारत की एक्ट ईस्ट नीति को मजबूत करता है और दोनों देशों के रक्षा सहयोग को बढ़ावा देता है।

10.9 भारत -रूस के मध्य RELOS समझौता

भारत और रूस ने हाल ही में रेसिप्रोकल एक्सचेंज ऑफ लॉजिस्टिक्स सपोर्ट (RELOS) समझौता किया है, जिसे रूसी संसद ने मंजूरी दी और राष्ट्रपति पुतिन ने भी इस पर हस्ताक्षर कर इसे संघीय कानून का दर्जा दिया है।

/// RELOS समझौता क्या है? ///

- यह समझौता दोनों देशों की सेनाओं (थल, नौसेना, वायुसेना) को एक-दूसरे के ठिकानों (बंदरगाह, हवाई अड्डे, सैन्य क्षेत्र) पर रुकने, ईंधन भरने, मरम्मत करने और आपूर्ति प्राप्त करने की अनुमति देता है। इसके तहत:
  - → **विस्तारित पहुँच:** भारतीय नौसेना को आर्कटिक से लेकर प्रशांत क्षेत्र तक रूसी नौसैनिक अड्डों का उपयोग करने का अधिकार मिलेगा, जिससे लंबी दूरी के मिशनों में मदद मिलेगी।
  - → **सैन्य सहयोग:** यह संयुक्त अभ्यास, प्रशिक्षण, मानवीय सहायता और आपदा राहत जैसे कार्यों के लिए दोनों देशों के बीच सैन्य आवाजाही और सहयोग को मजबूत करेगा।
  - → **रणनीतिक महत्व:** यह समझौता भारत-रूस रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करता है और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में भारत की सैन्य पहुंच बढ़ाता है, जो अमेरिका और चीन जैसे देशों की नजर में भी महत्वपूर्ण है।

भारत के लिए रणनीतिक महत्व

- **आर्कटिक में उपस्थिति:** भारत की पहुँच अब आर्कटिक क्षेत्र तक आसान हो जाएगी, जो ऊर्जा सुरक्षा और भविष्य के समुद्री व्यापार मार्गों (Northern Sea Route) के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।
- **रूसी हथियारों का रखरखाव:** भारत के पास मौजूद 60-70% सैन्य उपकरण रूसी मूल के हैं। इस समझौते से उनके स्पेयर पार्ट्स की उपलब्धता और मेंटेनेंस बहुत सरल हो जाएगी।
- **शक्ति संतुलन:** भारत के पास अमेरिका के साथ भी ऐसा ही समझौता (LEMOA) है। रूस के साथ RELOS साइन करना भारत की 'रणनीतिक स्वायत्तता' (Strategic Autonomy) को दर्शाता है कि वह पश्चिम और रूस दोनों के साथ संतुलन बना कर चल रहा है।
- **हिंद महासागर में मजबूती:** रूस को भारतीय बंदरगाहों तक पहुँच मिलने से हिंद महासागर क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव के खिलाफ एक वैकल्पिक शक्ति संतुलन तैयार होगा।

10.10 गलवान घाटी में दुनिया का सबसे ऊंचा युद्ध स्मारक

भारत ने लद्दाख की गलवान घाटी में दुनिया का सबसे ऊंचा युद्ध स्मारक खोला है, जिसे 8 दिसंबर 2025 को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उद्घाटित किया। इसे 'शौर्य स्थल' के नाम से भी जाना जाता है।

मुख्य विशेषताएं

- यह लगभग 14,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित है, जो इसे दुनिया का सबसे ऊंचा युद्ध स्मारक बनाता है।
- यह रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण DS-DBO (दौर्बुक-श्योक-दौलता बेग ओल्डी) रोड पर KM-120 के पास स्थित है। यह क्षेत्र सीधे गलवान घाटी की ओर जाता है।
- स्मारक का मुख्य ढांचा त्रिशूल और डमरू की आकृति से प्रेरित है, जो शक्ति और दिव्य ऊर्जा का प्रतीक है।
- इसे बनाने में लाल और काले ग्रेनाइट का उपयोग किया गया है, जहाँ लाल रंग वीरता और काला रंग बलिदान को दर्शाता है।
- यह उन 20 भारतीय सैनिकों की याद में बनाया गया है जिन्होंने 15 जून 2020 को चीनी पीएलए (PLA) के साथ हुई हिंसक झड़प में अपनी जान न्यौछावर कर दी थी।
- यहाँ शहीद हुए सभी 20 जवानों की आदमकद कांस्य प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं।
- स्मारक परिसर में एक आधुनिक संग्रहालय भी है, जहाँ चित्रों और वीडियो के माध्यम से गलवान के संघर्ष और भारतीय सेना के इतिहास को दिखाया गया है।
- इसे 'भारत रणभूमि दर्शन' पहल के तहत विकसित किया गया है ताकि आम नागरिक भी इन दुर्गम क्षेत्रों में जाकर सेना के साहस को महसूस कर सकें।

10.11 अरुणाचल प्रदेश के दिरांग में सेना का पहला सामुदायिक रेडियो स्टेशन "रेडियो दिरांग" लॉन्च

- भारतीय सेना ने हाल ही में अरुणाचल प्रदेश के दिरांग में अपना पहला सामुदायिक रेडियो स्टेशन, "रेडियो दिरांग 88.4 एफएम - अपनी मिट्टी, अपनी कहानी", लॉन्च किया है।
- यह गजराज कोर द्वारा 'ऑपरेशन सद्भावना' के तहत स्थापित किया गया है, ताकि सीमावर्ती क्षेत्रों में संचार को मजबूत किया जा सके और स्थानीय संस्कृति व विकास को बढ़ावा दिया जा सके।
- यह एंड्रॉइड और iOS ऐप्स के माध्यम से लाइव स्ट्रीमिंग और पॉडकास्ट की सुविधा भी प्रदान करता है।

NOT FOR SALE

पहल का मुख्य उद्देश्य

- **समुदाय से जुड़ाव:** इसका मुख्य लक्ष्य स्थानीय नागरिकों और भारतीय सेना के बीच संबंधों को और मजबूत करना है।
- **सूचना का प्रसार:** यह स्टेशन स्थानीय लोगों तक सरकारी योजनाओं, स्वास्थ्य सेवाओं, कृषि संबंधी जानकारी और मौसम के अपडेट पहुँचाने में मदद करता है।
- **सांस्कृतिक संरक्षण:** यह रेडियो स्टेशन स्थानीय लोक संगीत, कहानियों और अरुणाचल प्रदेश की विविध संस्कृतियों को बढ़ावा देने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है।
- **वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम:** यह केंद्र सरकार के 'वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम' का एक हिस्सा है, जिसका उद्देश्य सीमावर्ती गांवों में बुनियादी ढांचे और संचार को बेहतर बनाकर वहां के जीवन स्तर को ऊपर उठाना है।

10.12 सूर्यकिरण-XIX (2025)

सूर्यकिरण-XIX (2025) भारत और नेपाल की सेनाओं के बीच आयोजित होने वाला एक महत्वपूर्ण वार्षिक संयुक्त सैन्य अभ्यास है। इस वर्ष इसका 19वां संस्करण उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

मुख्य बिंदु

- यह अभ्यास 25 नवंबर से 8 दिसंबर 2025 तक उत्तराखंड के पिथौरागढ़ आयोजित हुआ।
- इसमें भारत और नेपाल दोनों देशों के 334-334 सैनिकों ने इसमें हिस्सा लिया। भारतीय दल का नेतृत्व मुख्य रूप से असम रेजिमेंट के सैनिकों ने तथा नेपाली दल का नेतृत्व मुख्य रूप से देवी दत्त रेजिमेंट के सैनिकों ने किया।
- इसका उद्देश्य दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों और जंगलों में सैन्य संचालन की क्षमता बढ़ाना, आतंकवाद विरोधी अभियानों का प्रशिक्षण देना और आपदा प्रबंधन (HADR) में समन्वय सुधारना रहा।
- यह अभ्यास हर साल बारी-बारी से भारत और नेपाल में आयोजित किया जाता है। इसकी शुरुआत वर्ष 2011 में हुई थी।
- इस वर्ष के अभ्यास में अत्याधुनिक तकनीकों जैसे ड्रोन आधारित ISR (खुफिया जानकारी), आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और मानव रहित लॉजिस्टिक वाहनों का उपयोग किया गया है।

/// भारत-नेपाल रक्षा संबंध ///

- **सैन्य संबंध:** 1816 की सुगौली संधि, नेपाल के गोरखा प्रमुखों और ब्रिटिश भारतीय सरकार के बीच एक समझौता, ने एंग्लो-नेपाली युद्ध (1814-16) को समाप्त कर दिया तथा भारतीय (तत्कालीन ब्रिटिश भारतीय) सेना में नेपाली भर्ती का मार्ग प्रशस्त किया।
- **शांति और मैत्री संधि 1950:** शांति और मैत्री संधि 1950 ने आर्थिक भागीदारी, संपत्ति स्वामित्त्व, व्यापार, निवास और आवागमन में एक दूसरे के नागरिकों को राष्ट्रीय व्यवहार प्रदान किया।

10.13 भारतीय नौसेना द्वारा कोच्चि में अपना पहला स्वदेशी डाइविंग सपोर्ट क्राफ्ट DSC A20 का कमीशन

भारतीय नौसेना ने 16 दिसंबर 2025 को कोच्चि में अपना पहला स्वदेशी डाइविंग सपोर्ट क्राफ्ट (DSC) DSC A20 कमीशन किया है, जिसे टीटागढ़ रेल सिस्टम्स लिमिटेड ने बनाया है। DSC A20 का कमीशन होना समुद्री सुरक्षा और तटीय संचालन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

DSC A20 की मुख्य विशेषताएं

- **स्वदेशी निर्माण:** इसे कोलकाता स्थित टीटागढ़ रेल सिस्टम्स लिमिटेड (TRSL) द्वारा बनाया गया है। यह पूरी तरह से भारत में डिजाइन और विकसित किया गया है।
- **अत्याधुनिक उपकरण:** यह जहाज उन्नत डाइविंग उपकरणों से लैस है, जो गोताखोरों को गहरे समुद्र में परिचालन, बचाव कार्य और जहाजों के निचले हिस्से की मरम्मत (Underwater Repair) में मदद करेंगे।
- **तकनीकी क्षमता:** इसमें अत्याधुनिक नेविगेशन और संचार प्रणालियां लगी हैं, जो इसे कठिन समुद्री परिस्थितियों में भी प्रभावी बनाती हैं।

महत्व

- यह क्राफ्ट बंदरगाहों और तटवर्ती क्षेत्रों में नौसेना की परिचालन क्षमता को बढ़ाएगा।
- स्वदेशी होने के कारण इसके रखरखाव और भविष्य के निर्माण में विदेशी निर्भरता कम होगी।
- DSC A20 इस श्रेणी के कुल पांच जहाजों में से पहला है। अन्य चार जहाजों के आने से नौसेना की डाइविंग सपोर्ट क्षमता कई गुना बढ़ जाएगी।

10.14 भारत व ब्राजील ने स्कॉर्पीन पनडुब्बी के रख-रखाव पर त्रिपक्षीय MoU पर हस्ताक्षर किए

भारत और ब्राजील ने दिसंबर 2025 में स्कॉर्पीन श्रेणी की पनडुब्बियों के रखरखाव और जीवन-चक्र समर्थन के लिए एक ऐतिहासिक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें भारतीय नौसेना, ब्राज़ीलियाई नौसेना और मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (MDL) शामिल हैं।

मुख्य बिंदु

- इसका उद्देश्य स्कॉर्पीन पनडुब्बियों (और अन्य नौसैनिक प्लेटफार्मों) के रखरखाव, जीवन-चक्र समर्थन, प्रशिक्षण, और रक्षा अनुसंधान व विकास (R&D) में सहयोग करना है।
- यह समझौता भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी की ब्राजील यात्रा (9-12 दिसंबर 2025) के दौरान हुआ।
- यह समझौता दोनों देशों के बीच समुद्री सुरक्षा, तकनीकी साझेदारी और 'ग्लोबल साउथ' के भागीदारों के बीच रक्षा औद्योगिक सहयोग को बढ़ावा देगा, जिससे दोनों नौसेनाओं की पनडुब्बी तत्परता और परिचालन क्षमता बढ़ेगी।
- यह MoU दस वर्षों के लिए वैध है और आपसी सहमति से इसे बढ़ाया जा सकता है।

महत्व

- यह समझौता भारत और ब्राजील के बीच "ग्लोबल साउथ" के दो प्रमुख देशों के रूप में बढ़ते रक्षा संबंधों को दर्शाता है।
- MDL जैसे भारतीय शिपयार्ड को वैश्विक स्तर पर अपनी तकनीकी क्षमताओं को प्रदर्शित करने और निर्यात/रखरखाव सेवाओं के विस्तार का अवसर मिलेगा।
- दक्षिण अटलांटिक और हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा सहयोग को मजबूती मिलेगी।
- नोट: भारत में स्कॉर्पीन पनडुब्बियां 'कलवरी क्लास' (Project-75) के तहत बनाई गई हैं, जबकि ब्राजील इन्हें 'रियाचुएलो' (Riachuelo) क्लास के नाम से संचालित करता है।

NOT FOR SALE

10.15 इंडियन मिलिट्री एकेडमी (IMA) से पास आउट होने वाली पहली महिला अधिकारी बनीं साई जाधव

- महाराष्ट्र की 23 वर्षीय साई जाधव, देहरादून स्थित इंडियन मिलिट्री एकेडमी (IMA) से पास आउट होने वाली पहली महिला अधिकारी बनीं।
- उनकी कमीशनिंग के साथ ही 93 वर्षों का वह इंतजार खत्म हो गया, जो 1932 में IMA की स्थापना के बाद से चला आ रहा था।
- अब तक इस प्रतिष्ठित अकादमी से 67 हजार से अधिक ऑफिसर कैडेट्स पास आउट हो चुके हैं, लेकिन ये सभी पुरुष थे।

10.16 'डेजर्ट साइक्लोन-II' (Desert Cyclone-II)

भारत और संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास 'डेजर्ट साइक्लोन-II' (Desert Cyclone-II) का दूसरा संस्करण आयोजित किया गया है। यह अभ्यास दोनों देशों के बीच बढ़ते रक्षा सहयोग और रणनीतिक साझेदारी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

मुख्य बिंदु

- **अवधि:** 18 दिसंबर से 30 दिसंबर 2025
- **स्थान:** अल-हमरा (Al-Hamra), अबू धाबी, यूएई
- **संस्करण:** दूसरा (II)
- **भारतीय दल:** 45 सैन्य कर्मी (मुख्य रूप से मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री रेजिमेंट से)
- **UAE दल:** 53 मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री बटालियन

प्रमुख उद्देश्य और गतिविधियाँ

- **शहरी युद्ध (Urban Warfare):** अभ्यास का मुख्य फोकस शहरी क्षेत्रों और निर्मित वातावरण (Built-up areas) में संचालन की बारीकियों को सीखना है।
- **संयुक्त राष्ट्र अधिदेश (UN Mandate):** यह अभ्यास संयुक्त राष्ट्र के ढांचे के तहत शांति स्थापना (Peacekeeping) और आतंकवाद विरोधी अभियानों के लिए दोनों सेनाओं की अंतर-संचालनीयता (Interoperability) बढ़ाने पर केंद्रित है।
- **तकनीकी प्रशिक्षण:** इसमें ड्रोन (UAS) और काउंटर-ड्रोन तकनीक, हेलीबोर्न ऑपरेशन (Heliborne operations), और जटिल मिशन प्लानिंग का अभ्यास शामिल है।
- **रणनीतिक तालमेल:** इसका लक्ष्य दोनों सेनाओं के बीच सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करना और एक-दूसरे की संचालन प्रक्रियाओं (SOPs) को समझना है।

पृष्ठभूमि

- **पहला संस्करण (Desert Cyclone 2024):** इस अभ्यास का पहला संस्करण 2 जनवरी से 15 जनवरी 2024 तक राजस्थान के महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में आयोजित किया गया था।
- **महत्व:** यह अभ्यास भारत और यूएई के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों के साथ-साथ अब मजबूत होते सैन्य कूटनीति के संबंधों को भी दर्शाता है।

10.17 भारतीय तटरक्षक बल का पोत 'ICGS सार्थक' ईरान के चाबहार बंदरगाह पर

भारतीय तटरक्षक बल (ICG) के अपतटीय गश्ती पोत ICGS सार्थक ने ईरान के चाबहार बंदरगाह पर अपने पहले दौरे का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य समुद्री सुरक्षा और क्षेत्रीय सहयोग को मज़बूत करना है।

मुख्य बिंदु

- यह दौरा चाबहार की उस भूमिका को सुदृढ़ करता है जो भारत के लिये ईरान, अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक प्रत्यक्ष समुद्री मार्ग के रूप में कार्य करती है।
- यह सुरक्षित आपूर्ति शृंखलाओं को मज़बूत करता है और भारत के सागर (SAGAR) तथा महासागर (MAHASAGAR) विज़न के अनुरूप है।
- गतिविधियों में बीच वॉकाथन और खेल शामिल हैं, जो भारत के पुनीत सागर अभियान के अनुरूप हैं। जिसका उद्देश्य समुद्र तटों, बीच, नदियों, झीलों और अन्य जल निकायों को प्लास्टिक व अन्य अपशिष्ट से मुक्त करना है।

/// चाबहार बंदरगाह ///

- चाबहार बंदरगाह ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में स्थित एक गहरे जल का बंदरगाह है, जो गल्फ ऑफ ओमान पर स्थित है और हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य से बाहर है।
- यह ईरान का एकमात्र गहरे समुद्र का बंदरगाह है, जो भारत को ईरान, अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक प्रत्यक्ष समुद्री पहुँच प्रदान करता है।
- इसका विकास वर्ष 2016 के चाबहार समझौते के तहत भारत, ईरान और अफगानिस्तान के बीच किया गया था।
- यह अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा (INSTC) का एक हिस्सा है।
- चाबहार में दो टर्मिनल हैं - शहीद बेहेश्ती और शहीद कलंतरी।
- भारत ने शहीद बेहेश्ती टर्मिनल का विकास किया है और उसका संचालन सक्रिय रूप से कर रहा है।
- दिसंबर 2018 से बंदरगाह संचालन का प्रबंधन इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड (IPGL) द्वारा इसकी सहयोगी इकाई इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल चाबहार फ्री ज़ोन (IPGCFZ) के माध्यम से किया जा रहा है।

NOT FOR SALE

10.18 आईएनएएस 335 (ऑस्प्रे) का कमीशन किया गया

भारतीय नौसेना ने हाल ही में 17 दिसंबर 2025 को आई.एन.ए.एस. 335 (INAS 335), जिसे 'द ऑस्प्रे' (The Ospreys) के नाम से जाना जाता है, को अपने बेड़े में शामिल किया है। यह नौसेना का दूसरा ऐसा स्क्वाड्रन है जो आधुनिक MH-60R 'रोमियो' (Seahawk) मल्टी-रोल हेलीकॉप्टरों का संचालन करेगा।

मुख्य बिंदु

- **कमीशनिंग:** 17 दिसंबर 2025, INS हंसा, गोवा में
- **नाम:** INAS 335 'द ऑस्प्रे' (The Ospreys)
- **हेलीकॉप्टर:** MH-60R मल्टी-रोल हेलीकॉप्टर (सीहॉक का उन्नत संस्करण)
- **उद्देश्य:** पनडुब्बी-रोधी युद्ध (ASW), सतह-रोधी युद्ध (ASUW), खोज और बचाव (SAR), चिकित्सा निकासी (MEDEVAC) और जहाजों के बीच आपूर्ति (VERTREP) जैसे कई मिशनों के लिए।
- **महत्व:** पश्चिमी समुद्री सीमाओं पर भारतीय नौसेना की परिचालन क्षमता और मारक क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि।
- **विशेषताएँ:** यह एक अत्याधुनिक, सभी मौसम में दिन-रात काम करने में सक्षम हेलीकॉप्टर है जिसमें उन्नत हथियार और सेंसर लगे हैं, जिसे एक 'उड़ता किला' कहा जा रहा है।

10.19 पनडुब्बी रोधी युद्धपोत 'अंजदीप' (INS Anjadip) नौसेना को सौंपा गया

- भारतीय नौसेना की मारक क्षमता को और अधिक सशक्त बनाने के लिए 22 दिसंबर 2025 को चेन्नई में स्वदेशी रूप से निर्मित पनडुब्बी रोधी युद्धपोत 'अंजदीप' (INS Anjadip) सौंपा गया है।
- यह पोत गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (GRSE), कोलकाता द्वारा तैयार किया गया है और यह 8 जहाजों वाली ASW SWC (Anti-Submarine Warfare Shallow Water Craft) परियोजना का तीसरा जहाज है।

मुख्य बिंदु

- लगभग 77-78 मीटर लम्बाई वाली यह युद्धपोत वॉटरजेट प्रोपल्शन से संचालित होने वाला भारतीय नौसेना का सबसे बड़ा युद्धपोत वर्ग है।
- इसमें लगा विशेष 'सोनार' (SONAR) सिस्टम इसे उथले पानी में अत्यधिक गति और चपलता (Manoeuvrability) प्रदान करता है।
- इसमें स्वदेशी 30mm नेवल सरफेस गन, हल्के वजन वाले टारपीडो और पनडुब्बी रोधी रॉकेट आदि की उपस्थिति है।
- इसका नाम कर्नाटक के कारवार तट के पास स्थित 'अंजदीप द्वीप' के नाम पर रखा गया है। यह पुराने INS अंजदीप (पैट्या क्लास कार्वेट) का आधुनिक रूप है, जिसे 2003 में सेवामुक्त (Decommissioned) किया गया था।
- इसका प्राथमिक कार्य तटीय क्षेत्रों में पनडुब्बियों का पता लगाना और उन्हें नष्ट करना, तटीय निगरानी और माइन-लेइंग (समुद्री बारूदी सुरंग बिछाना) है।

10.20 इजरायल देगा भारत को 40 हजार लाइट मशीन गन (LMG)

चर्चा में क्यों ?

इजरायल की प्रमुख रक्षा कंपनी इजरायल वेपन इंडस्ट्रीज (Israel Weapon Industries-IWI), भारत को 40,000 लाइट मशीन गन (LMG) की पहली खेप जल्द ही सप्लाई करने की तैयारी में है।

मुख्य बिंदु

- इजरायल की प्रमुख कंपनी इजरायल वेपन इंडस्ट्रीज (IWI) ने भारत को 40 हजार नेगेव (Negev) परिवार की उन्नत लाइट मशीन गन देने का अनुबंध पिछले साल (2024 में) हस्ताक्षरित किया था।
- IWI के अनुसार, सभी परीक्षण, ट्रायल और सरकारी जाँच पूरी हो चुकी है, और उन्हें उत्पादन का लाइसेंस भी मिल गया है। और कंपनी की योजना अगले साल (2026 की शुरुआत) में पहली खेप की आपूर्ति करने की है।
- कुल सप्लाई अवधि LMG की पूरी सप्लाई पाँच साल की अवधि में पूरी की जाएगी।
- यह सप्लाई 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत हो रही है, जिसमें IWI, अडानी ग्रुप के साथ एक संयुक्त उद्यम पीएलआर सिस्टम्स (PLR Systems) के माध्यम से भारत में सह-उत्पादन कर रही है।
- इसके अलावा, IWI लगभग 1.70 लाख नई पीढ़ी की क्लोज क्वार्टर बैटल (CQB) कार्बाइन राइफलों की सप्लाई के लिए भी अनुबंध के अंतिम चरण में है, जिसमें 40% हिस्सा IWI/पीएलआर सिस्टम्स को मिलेगा।

10.21 ऑपरेशन हॉकआई स्ट्राइक

अमेरिका ने दिसंबर 2025 में सीरिया में ऑपरेशन हॉकआई स्ट्राइक शुरू किया, जो पल्मायरा में इस्लामिक स्टेट (IS) के हमले के जवाब में था। इस ऑपरेशन में IS के बुनियादी ढांचे और हथियार ठिकानों को निशाना बनाया गया। यह कार्रवाई अमेरिका की आतंकवाद विरोधी रणनीति का हिस्सा है।

मुख्य बिंदु

- यह ऑपरेशन 19 दिसंबर 2025 को शुरू हुआ, जिसमें मध्य सीरिया के करीब 70 IS ठिकानों पर हवाई हमले किए गए।
- इसमें F-15 ईगल, A-10 थंडरबोल्ट और AH-64 अपाचे जैसे विमानों का इस्तेमाल हुआ। जॉर्डन की वायुसेना ने भी सहयोग दिया।
- 13 दिसंबर 2025 को पल्मायरा में IS ने अमेरिकी काफिले पर हमला किया, जिसमें दो सैनिक और एक नागरिक अनुवादक मारे गए थे तथा तीन अन्य सैनिक घायल हुए थे। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसे "क्रूर हत्या का बदला" बताया।
- भारत में इस्लामिक स्टेट (IS) और इसके सभी स्वरूप गैर-कानूनी गतिविधियाँ (रोकथाम) अधिनियम, 1967 (UPA) के तहत प्रतिबंधित हैं।

/// सीरिया के बारे में ///

- यह पश्चिम एशिया में स्थित है, जिसके उत्तर में तुर्की, पूर्व में इराक, दक्षिण में जॉर्डन तथा पश्चिम में इज़राइल और लेबनान स्थित हैं। इसकी तटरेखा भूमध्य सागर के साथ लगती है।
- इसके भौगोलिक क्षेत्र में सीरियाई रेगिस्तान, यूफ्रेट्स नदी घाटी और लेबनान सीमा के साथ स्थित एंटी-लेबनान पर्वत श्रृंखला शामिल है, जिसमें माउंट हर्मोन इसका सबसे ऊँचा स्थान है।
  - → **यूफ्रेट्स नदी (Euphrates River):** यह सीरिया की सबसे महत्वपूर्ण जलधारा है, जो तुर्की से निकलती है और इराक की ओर जाती है। इसके किनारे बसे क्षेत्र कृषि और ऊर्जा के लिए महत्वपूर्ण हैं, जिस पर नियंत्रण को लेकर अक्सर संघर्ष होता है।
  - → **गोलान हाइट्स (Golan Heights):** यह एक पठारी क्षेत्र है जिसे इज़राइल ने 1967 के युद्ध में सीरिया से छीन लिया था। सामरिक दृष्टि से यह इज़राइल के लिए 'बफर ज़ोन' का काम करता है।
  - → **अलेप्पो और इदलिब:** ये शहर सीरियाई गृहयुद्ध के मुख्य केंद्र रहे हैं। इदलिब वर्तमान में विद्रोहियों का अंतिम प्रमुख गढ़ माना जाता है।

10.22 समुद्र प्रताप

चर्चा में क्यों ?

'समुद्र प्रताप' भारतीय तटरक्षक बल (ICG) का पहला स्वदेशी रूप से विकसित प्रदूषण नियंत्रक पोत (Pollution Control Vessel) है, जिसे गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (GSL) ने बनाया है और यह 24 दिसंबर 2025 को ICG के बेड़े में शामिल हुआ है, जो भारत के समुद्री तटों पर तेल रिसाव जैसी घटनाओं का पता लगाने और उनसे निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

NOT FOR SALE

मुख्य बिंदु

- **प्रदूषण नियंत्रण उपकरण:** यह तेल रिसाव का पता लगाने के लिए 'ऑयल फिंगरप्रिंटिंग मशीन' और 'जाइरो-स्टेबलाइज्ड केमिकल डिटेक्टर' से लैस है। इसमें प्रदूषित पानी से तेल को अलग करने और गाढ़े तेल से कचरा निकालने की आधुनिक क्षमता है।
- **डायनेमिक पॉजिशनिंग (DP-1):** यह भारतीय तटरक्षक बल का पहला ऐसा जहाज है जिसमें 'डायनेमिक पॉजिशनिंग सिस्टम' लगा है, जो इसे समुद्र में एक ही स्थान पर सटीक रूप से स्थिर रहने में मदद करता है।
- **अग्निशमन क्षमता:** इसमें FiFi-2/FFV-2 स्तर की उच्च क्षमता वाली बाहरी अग्निशमन प्रणाली है, जो समुद्र में आग लगने की घटनाओं पर काबू पा सकती है।
- **हथियार प्रणाली:** सुरक्षा के लिए इसमें 30mm CRN-91 गन और दो 12.7mm रिमोट-कंट्रोल गन लगाई गई हैं।
- **ऑनबोर्ड प्रयोगशाला:** जहाज पर एक समर्पित प्रदूषण नियंत्रण प्रयोगशाला है जहाँ समुद्र से लिए गए नमूनों का तत्काल विश्लेषण किया जा सकता है।

10.23 आकाश नेक्स्ट जनरेशन (Akash-NG) मिसाइल सिस्टम

भारत ने हाल ही में आकाश नेक्स्ट जनरेशन (Akash-NG) मिसाइल सिस्टम का सफल परीक्षण किया है। यह सतह से हवा में मार करने वाली एक अत्याधुनिक मिसाइल (Surface-to-Air Missile - SAM) है, जो देश की हवाई सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा स्वदेशी कदम है।

मुख्य बिंदु

मुख्य उद्देश्य और मारक क्षमता

- आकाश-NG को लड़ाकू विमानों, क्रूज मिसाइलों और ड्रोन जैसे तेजी से आने वाले और फुर्तीले हवाई खतरों को रोकने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- **मारक दूरी (Range):** यह लगभग 70 से 80 किलोमीटर की दूरी तक लक्ष्य को भेद सकती है।
- **ऊंचाई:** यह बहुत कम ऊंचाई से लेकर काफी ऊंचाई तक उड़ रहे लक्ष्यों को नष्ट करने में सक्षम है।

उन्नत तकनीक

- पुराने आकाश सिस्टम की तुलना में इसमें कई बड़े सुधार किए गए हैं:
  - → **डुअल-पल्स सॉलिड रॉकेट मोटर:** यह तकनीक मिसाइल को अपनी उड़ान के आखिरी चरणों में भी उच्च गति और ऊर्जा बनाए रखने में मदद करती है, जिससे दुश्मन के विमान का बच निकलना मुश्किल हो जाता है।
  - → **स्वदेशी सक्रिय सीकर (Active Seeker):** इसमें भारत में विकसित 'एक्टिव आरएफ सीकर' लगा है, जो लक्ष्य को ट्रैक करने और उसे सटीकता से लॉक करने में मदद करता है।
  - → **कनस्तरीकृत प्रणाली (Canisterized System):** मिसाइल को एक कंटेनर (कनस्तर) में रखा जाता है। इससे इसे ले जाना, स्टोर करना और कहीं भी तैनात करना बहुत आसान और तेज़ हो जाता है।

रडार और कंट्रोल सिस्टम

- आकाश-NG प्रणाली अकेले काम नहीं करती, बल्कि इसके साथ एक पूरा इकोसिस्टम होता है:
  - → **राजेंद्र रडार का उन्नत संस्करण:** इसमें मल्टी-फंक्शन रडार का उपयोग किया जाता है जो एक साथ कई लक्ष्यों को ट्रैक कर सकता है।
  - → **क्विक रिएक्शन:** इसका रिस्पांस टाइम बहुत कम है, जिससे यह अचानक होने वाले हमलों का प्रभावी ढंग से जवाब दे सकती है।

महत्व

- यह मिसाइल प्रणाली 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' पहल का एक बेहतरीन उदाहरण है। इसे रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) द्वारा विकसित किया गया है और भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (BDL) व भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (BEL) द्वारा निर्मित किया जा रहा है।

10.24 रक्षा एवं सुरक्षा (To The Point)

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में हैदराबाद, तेलंगाना में स्काईरूट एयरोस्पेस के अत्याधुनिक इन्फिनिटी कैंपस का उद्घाटन किया और कंपनी के पहले ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-I का अनावरण किया।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हैदराबाद में भारत की पहली ग्लोबल एयरक्राफ्ट इंजन MRO सुविधा का उद्घाटन किया।
- NCB ने दिल्ली पुलिस के साथ मिलकर ड्रग पेडलर्स के खिलाफ ऑपरेशन क्रिस्टल फोर्ट्रेस चलाया है।
- भारत - मालदीव द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास EKUVERIN का 14 वां संस्करण केरल के तिरुवनंतपुरम में (2-15 दिसम्बर) सम्पन्न हुआ।
- आईएनएस अरिदमन (INS Aridhaman) भारत की तीसरी स्वदेशी रूप से निर्मित परमाणु-संचालित बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी (SSBN) है, जो अरिहंत-श्रेणी की उन्नत पनडुब्बी है।
- भारतीय सेना ने हाल ही में 5 दिसंबर, 2025 को नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में अपना वार्षिक आइडिया और इनोवेशन प्रतियोगिता और सेमिनार, "इनो-योद्धा 2025" (Inno-Yoddha 2025) सफलतापूर्वक आयोजित किया।
- भारत और मलेशिया के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास 'हरिमौ शक्ति 2025' का आयोजन राजस्थान के महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में 5 से 18 दिसंबर 2025 तक किया गया।
- भारत-रूस RELOS (Reciprocal Exchange of Logistics Support) समझौता, दोनों देशों की सेनाओं (नौसेना, वायुसेना) को एक-दूसरे के सैन्य ठिकानों, बंदरगाहों और हवाई क्षेत्रों तक पहुँच प्रदान करता है।
- हाल ही में भारत और अमेरिका के बीच MH-60R नौसेना हेलीकॉप्टर के लिए 7900 करोड़ का सौदा हुआ है।
- इजरायल की प्रमुख रक्षा कंपनी इजरायल वेपन इंडस्ट्रीज (IWI), भारत को 40,000 लाइट मशीन गन (LMG) की पहली खेप जल्द ही सप्लाई करेगा।
- भारत ने लद्दाख के गलवान घाटी में दुनिया का सबसे ऊंचा (14,500 फीट) युद्ध स्मारक (War Memorial) खोला है, जिसका उद्घाटन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया।
- भारतीय सेना ने अरुणाचल प्रदेश के दिरांग में अपना पहला सामुदायिक रेडियो स्टेशन, "रेडियो दिरांग, 88.4 FM – अपनी मिट्टी, अपनी कहानी" लॉन्च किया है, जिसे गजराज कोर द्वारा ऑपरेशन सद्भावना के तहत स्थापित किया गया है।
- सूर्यकिरण सैन्य अभ्यास (SURYAKIRAN-XIX) , भारत और नेपाल का 19वां संयुक्त सैन्य अभ्यास रहा जो 25 नवंबर से 8 दिसंबर, 2025 तक उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।
- भारतीय नौसेना कोच्चि में अपना पहला स्वदेशी डाइविंग सपोर्ट क्राफ्ट, DSC A 20, कमीशन करेगी।
- भारत और ब्राजील ने हाल ही में स्कॉर्पीन पनडुब्बियों के रखरखाव पर एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें भारतीय नौसेना, ब्राज़ीलियाई नौसेना और मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (MDL) शामिल हैं।

NOT FOR SALE

- साइबर अपराध की जांच में तेजी के लिए ए आई आधारित 'Maha Crime OS AI' को तैनात करने वाला देश का पहला राज्य बना महाराष्ट्र।
- महाराष्ट्र की 23 वर्षीय साई जाधव, देहरादून स्थित इंडियन मिलिट्री एकेडमी (IMA) से पास आउट होने वाली पहली महिला अधिकारी बनीं।
- आतंकवाद से जुड़े मामलों में त्वरित सुनवाई के लिए केंद्र सरकार, हर राज्य और केंद्र-शासित प्रदेश में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की एक समर्पित अदालत स्थापित करेगा।
- अप्रचलित और पुराने हो चुके 71 कानूनों को समाप्त करने या संशोधित करने के प्रावधान वाले 'निरसन और संशोधन विधेयक, 2025' संसद द्वारा पारित।
- मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा किए गए घोषणा और जारी आधिकारिक राजपत्र अधिसूचना के बाद हरियाणा का 23वां जिला बना हांसी।
- भारत और संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास 'डेजर्ट साइक्लोन-II' (Desert Cyclone-II) का दूसरा संस्करण 'अल-हमरा (Al-Hamra), अबू धाबी, यूएई' में आयोजित हुआ।
- विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (WADA) की दिसंबर 2025 में जारी 2024 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, भारत लगातार तीसरे वर्ष दुनिया में सबसे अधिक डोपिंग उल्लंघन करने वाला देश बना है।
- भारतीय तटरक्षक बल (ICG) का अपतटीय गश्ती पोत ICGS सार्थक, ईरान के चाबहार बंदरगाह पर अपने पहले दौरे पर पहुंचा।
- भारतीय नौसेना ने हाल ही में INAS 335, जिसे 'द ऑस्प्रे' के नाम से जाना जाता है, को अपने बेड़े में शामिल किया है। यह आधुनिक MH-60R 'रोमियो' (Seahawk) मल्टी-रोल हेलीकॉप्टरों का संचालन करेगा।
- अमेरिका ने हाल ही में सीरिया में ISIS आतंकवादियों के खिलाफ "ऑपरेशन हॉकआई" (Operation Hawkeye Strike) नामक एक बड़ा हवाई हमला अभियान शुरू किया।
- भारतीय तटरक्षक बल ने गोवा शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा स्वदेशी रूप से निर्मित अपना पहला प्रदूषण नियंत्रण पोत, "समुद्र प्रताप" का कमीशन किया।
- हाल ही में नौसेना को पनडुब्बी रोधी क्षमता बढ़ाने वाला नया स्वदेशी युद्धपोत अंजादीप सौंपा गया।
- DRDO और भारतीय सेना ने आकाश मिसाइल डिफेंस सिस्टम के एडवांस्ड वर्जन "आकाश नेक्स्ट जेनरेशन" (आकाश-NG) का ओडिशा के चांदीपुर इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज में सफल ट्रायल किया।
- चार दशकों के सेवा के बाद नौसेना के पनडुब्बी INS सिंधुघोष को आधिकारिक तौर पर सेवामुक्त कर दिया गया।
- टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (TASL) ने मोरक्को को स्वदेशी रूप से विकसित व्हील्ड आर्मर्ड प्लेटफॉर्म (WhAP) 8x8 गाड़ियों का पहला बैच सौंपा।

NOT FOR SALE

11 नियुक्ति

11.1 ज्ञानेश कुमार, इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड इलेक्टोरल के अध्यक्ष नामित किए गए

- भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS) के सेवानिवृत्त अधिकारी ज्ञानेश कुमार को इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड इलेक्टोरल असिस्टेंस (International Institute for Democracy and Electoral Assistance - IDEA) के अध्यक्ष के रूप में नामित (Nominated) किया गया है।
- वे भारत की ओर से इस पद पर नियुक्त होने वाले पहले व्यक्ति हैं। उनका यह पदभार 1 फरवरी 2026 से शुरू होगा।

/// इंटरनेशनल IDEA के बारे में ///

- यह एक अंतर-सरकारी संगठन (Inter-governmental organization) है जो दुनिया भर में लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए काम करता है।
- मुख्यालय: स्टॉकहोम, स्वीडन।
- स्थापना: 1995 में।
- यह संगठन लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं, सुधारों और संस्थाओं को समर्थन देने के लिए तटस्थ विशेषज्ञता और साधन प्रदान करता है।

11.2 विवेक चतुर्वेदी, केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (CBIC) के नये अध्यक्ष

- भारतीय राजस्व सेवा (IRS) के 1990 बैच के अधिकारी विवेक चतुर्वेदी को केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (CBIC) का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।
- इन्होंने 1 दिसंबर, 2025 से पदभार संभाला है और संजय कुमार अग्रवाल का स्थान लिया है।
- CBIC अध्यक्ष के रूप में, वे भारत में जीएसटी (GST), केंद्रीय उत्पाद शुल्क और सीमा शुल्क से संबंधित नीतियों के कार्यान्वयन और प्रशासन के लिए जिम्मेदार होंगे।

NOT FOR SALE

11.3 प्रवीण कुमार को सीमा सुरक्षा बल (BSF) के महानिदेशक (DG) का अतिरिक्त प्रभार

केंद्र सरकार ने 1993 बैच के पश्चिम बंगाल कैडर के IPS अधिकारी प्रवीण कुमार को सीमा सुरक्षा बल (BSF) के महानिदेशक (DG) का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है।

मुख्य बिंदु

- प्रवीण कुमार वर्तमान में भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP) के महानिदेशक (DG) के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने यह पद 1 अक्टूबर 2025 को संभाला था।
- प्रवीण कुमार को यह प्रभार दलजीत सिंह चौधरी (1990 बैच, UP कैडर) के 30 नवंबर 2025 को सेवानिवृत्त (Retirement) होने के बाद दिया गया है।
- प्रवीण कुमार के पास सुरक्षा और इंटेलिजेंस का व्यापक अनुभव है। उन्होंने लगभग दो दशकों तक इंटेलिजेंस ब्यूरो (IB) में महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है।
- प्रवीण कुमार अब ITBP (चीन सीमा) और BSF (पाक-बांग्लादेश सीमा) दोनों प्रमुख बलों का नेतृत्व संभाल रहे हैं।

11.4 वाइस एडमिरल संजय साधु, युद्धपोत उत्पादन एवं अधिग्रहण नियंत्रक नियुक्त हुए

- वाइस एडमिरल संजय साधु, एवीएसएम, एनएम ने 28 नवंबर 2025 को युद्धपोत उत्पादन एवं अधिग्रहण (सीडब्ल्यूपी एंड ए) नियंत्रक का पदभार संभाला।
- उन्होंने वाइस एडमिरल राजाराम स्वामीनाथन का स्थान लिया, जो 30 नवंबर 2025 को सेवानिवृत्त हुए।
- वाइस एडमिरल संजय साधु 1987 में भारतीय नौसेना में कमीशन हुए मैकेनिकल इंजीनियरिंग में पोस्टग्रेजुएट हैं और डिफेंस एवं स्ट्रेटेजिक स्टडीज में एमफिल धारक हैं।
- उनके 38 वर्षों के करियर में आईएनएस विराट, आईएनएस ब्रह्मपुत्र और आईएनएस दूनागिरी जैसे जहाजों पर सेवा तथा रूस से एयरक्राफ्ट कैरियर विक्रमादित्य के आधुनिकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका रही।

11.5 आंद्रेज बाबिस, चेक गणराज्य के प्रधानमंत्री नियुक्त हुए

- आंद्रेज बाबिस को चेक गणराज्य का प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया। यह अक्टूबर 2025 के संसदीय चुनावों में बाबिस की पार्टी ANO (Action of Dissatisfied Citizens) ने निर्णायक जीत हासिल करने के बाद संभव हुआ।
- उन्होंने 9 दिसंबर 2025 को प्राग स्थित राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति पेट्र पावेल के समक्ष पद की शपथ ली।
- यह बाबिस की प्रधानमंत्री के रूप में दूसरा कार्यकाल रहा है।
- इससे पहले वे 2017 से 2021 तक इस पद पर रहे थे।

11.6 जोस एंटोनियो कास्ट, हाल ही में चिली के राष्ट्रपति निर्वाचित हुए

जोस एंटोनियो कास्ट (Jose Antonio Kast) ने चिली के हालिया राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल कर ली है। दिसंबर 2025 में हुए निर्णायक दूसरे दौर (Run-off) के चुनाव में उन्होंने अपनी प्रतिद्वंद्वी जेनेट जारा (Jeannette Jara) को हराकर यह जीत दर्ज की।

मुख्य बिंदु

- इस चुनाव में जोस एंटोनियो कास्ट को लगभग 58% वोट मिले, जबकि जेनेट जारा को 42% वोट प्राप्त हुए।
- कास्ट, रिपब्लिकन पार्टी' के एक धुर दक्षिणपंथी नेता हैं।
- उन्होंने अपने अभियान में अवैध अप्रवासन, अपराध पर लगाम और आर्थिक सुधारों जैसे मुद्दों पर जोर दिया।
- नव-निर्वाचित राष्ट्रपति जोस एंटोनियो कास्ट 11 मार्च, 2026 को वर्तमान राष्ट्रपति गैब्रियल बोरिक (Gabriel Boric) से पदभार ग्रहण करेंगे।

11.7 प्रेस क्लब ऑफ इंडिया की पहली महिला अध्यक्ष बनीं संगीता बरुआ पिशारोटी

- वरिष्ठ पत्रकार संगीता बरुआ पिशारोटी (Sangeeta Barooah Pisharoty) ने हाल ही में प्रेस क्लब ऑफ इंडिया (PCI) की पहली महिला अध्यक्ष बनकर इतिहास रच दिया है।
- प्रेस क्लब की स्थापना 1958 में हुई थी और इसके 67 वर्षों के इतिहास में यह पहली बार है जब किसी महिला ने इस प्रतिष्ठित पद की कमान संभाली है।
- पद के लिए आयोजित चुनाव में संगीता बरुआ के पैनल ने सभी 21 पदों पर जीत हासिल करते हुए 'क्लीन स्वीप' (21-0) किया।
- उन्हें कुल 1,019 मत मिले, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी अतुल मिश्रा को केवल 129 मत प्राप्त हुए।
- उनके साथ अफजल इमाम को महासचिव और जतिन गांधी को उपाध्यक्ष चुना गया है।
- संगीता बरुआ पिशारोटी एक वरिष्ठ पत्रकार और लेखिका हैं।
- वे वर्तमान में न्यूज़ पोर्टल 'द वायर' (The Wire) की नेशनल अफेयर्स एडिटर हैं।
- वे मूल रूप से असम की रहने वाली हैं।

11.8 राज कुमार गोयल, भारत के नए मुख्य सूचना आयुक्त (CIC)

भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी राज कुमार गोयल ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के समक्ष केंद्रीय सूचना आयोग के मुख्य सूचना आयुक्त (CIC) के पद की शपथ ली। इन्होंने पूर्व मुख्य सूचना आयुक्त हीरालाल समरिया का स्थान लिया।

मुख्य बिंदु

- राज कुमार गोयल वर्ष 1990 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी रहे हैं, जो मूल रूप से जम्मू-कश्मीर कैडर के थे।
- अगस्त 2025 में उन्होंने विधि एवं न्याय मंत्रालय के न्याय विभाग के सचिव पद से सेवानिवृत्ति ली।
- गोयल की नियुक्ति के साथ ही जया वर्मा सिन्हा, स्वागत दास, संजीव कुमार जिंदल, सुरेंद्र सिंह मीना तथा खुशवंत सिंह सेठी को सूचना आयुक्त के रूप में नियुक्ति हेतु अनुशंसित किया गया है।
- आनंदी रामलिंगम और विनोद कुमार तिवारी सूचना आयुक्त (IC) के पद पर पहले से ही कार्यरत हैं।

केंद्रीय सूचना आयोग

- इसकी स्थापना RTI अधिनियम, 2005 के अंतर्गत एक वैधानिक निकाय (संवैधानिक निकाय नहीं) के रूप में की गई थी।
- इस अधिनियम के अनुसार केंद्रीय सूचना आयोग में एक मुख्य सूचना आयुक्त (CIC) तथा अधिकतम 10 केंद्रीय सूचना आयुक्त हो सकते हैं।
- सदस्यों की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा एक समिति की सिफारिशों के आधार पर की जाती है, जिसमें प्रधानमंत्री(अध्यक्ष), लोकसभा में विपक्ष के नेता और प्रधानमंत्री द्वारा नामित एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री शामिल होते हैं।
- विधि, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, समाज सेवा, प्रबंधन, पत्रकारिता या शासन में अनुभव वाले प्रतिष्ठित व्यक्ति इसके लिए पात्र माने जाते हैं।
- इसके अलावा ये सांसद, विधायक नहीं होना चाहिये, या किसी लाभ के पद पर नहीं होना चाहिये।
- ये पुनर्नियुक्ति के पात्र नहीं हैं।
- गवाहों को बुलाना, दस्तावेज़ों का निरीक्षण करना, सार्वजनिक अभिलेखों की मांग करना तथा जाँच के लिये समन जारी करना आदि CIC की शक्तियाँ हैं।
- इसकी प्राथमिक भूमिका RTI अधिनियम, 2005 के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करना और नागरिकों के सूचना के अधिकार को बनाए रखना है।
- यह न्यायालय, केंद्र सरकार और केंद्रशासित प्रदेशों के कार्यालयों, वित्तीय संस्थानों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों तथा अन्य संस्थाओं से संबंधित मामलों का समाधान करता है।

11.9 सुरेश गोयल, NCAER के अगले डायरेक्टर जनरल नियुक्त

हाल ही में दिसंबर 2025 में, सुरेश गोयल को नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च (NCAER) का अगला डायरेक्टर जनरल (DG) नियुक्त किया गये हैं।

मुख्य बिंदु

- सुरेश गोयल आधिकारिक तौर पर 5 जनवरी 2026 को अपना पद संभालेंगे और इस पद पर पूनम गुप्ता का स्थान लेंगे।
- सुरेश गोयल के पास सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में 30 से अधिक वर्षों का अनुभव है।
- इस नियुक्ति से पहले वह नेशनल हाईवे इंफ्रा ट्रस्ट (NHIT) के प्रबंध निदेशक और सीईओ थे।
- NCAER भारत का सबसे पुराना और अग्रणी स्वतंत्र आर्थिक नीति अनुसंधान संस्थान (थिंक टैंक) है, जिसकी स्थापना 1956 में हुई थी।
- NCAER के गवर्निंग बोर्ड (जिसके अध्यक्ष नंदन नीलेकणि हैं) ने गोयल को संस्थान की क्षमताओं को और मजबूत करने की जिम्मेदारी दी है।

11.10 बी साईंराम, CIL के चेयरमैन-सह-प्रबंध निदेशक (CMD) और सीईओ (CEO) नियुक्त

दिसम्बर 2025 में कोल इंडिया लिमिटेड (CIL) ने बी साईंराम को कंपनी के चेयरमैन-सह-प्रबंध निदेशक (CMD) और सीईओ (CEO) नियुक्त किया है।

मुख्य बिंदु

- बी साईराम, कोल इंडिया के CMD और CEO दोनों भूमिकाएं निभाएंगे।
- यह पहली बार है जब कोल इंडिया में CEO का पद सृजित कर CMD को यह अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है।
- इस पद पर वे 31 मार्च 2028 तक या अगले आदेश तक बने रहेंगे।
- कोल इंडिया के CMD बनने से पहले, वह इसकी सहायक कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (NCL) के CMD थे।
- उनके पास कोयला क्षेत्र में 30 से अधिक वर्षों का अनुभव है।
- वह NIT रायपुर से माइनिंग इंजीनियर हैं और उन्होंने NTPC स्कूल ऑफ बिजनेस से MBA (एनर्जी मैनेजमेंट) किया है।

/// कोल इंडिया लिमिटेड (CIL) के बारे में ///

- **स्थापना:** 1975 में।
- **मुख्यालय:** कोलकाता, पश्चिम बंगाल।

NOT FOR SALE

- CIL एक 'महारत्न' कंपनी है (2011 में यह दर्जा मिला)।
- **स्वामित्व:** यह भारत सरकार के पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी है और कोयला मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में है.
- **महत्व:** यह दुनिया की सबसे बड़ी कोयला खनन कंपनी है और भारत के कुल कोयला उत्पादन में लगभग 80% का योगदान देती है।
- **नेट जीरो लक्ष्य:** CIL ने भविष्य में कार्बन उत्सर्जन कम करने और "नेट जीरो" कंपनी बनने का लक्ष्य रखा है।
- **उत्पादन लक्ष्य:** वर्ष 2025-26 तक 1 बिलियन टन (1 BT) कोयला उत्पादन का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा गया है।

11.11 श्रीमती उषा जानकीरमन, आर बी आई की नयी कार्यकारी निदेशक

भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) द्वारा श्रीमती उषा जानकीरमन को 1 दिसंबर 2025 से नया कार्यकारी निदेशक (Executive Director - ED) नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति से पूर्व ये मुंबई स्थित केंद्रीय कार्यालय के विनियमन विभाग (Department of Regulation) में मुख्य महाप्रबंधक-प्रभारी के रूप में कार्यरत थीं।

मुख्य बिंदु

- श्रीमती जानकीरमन के पास RBI में 30 से अधिक वर्षों का लंबा अनुभव है। उन्होंने अपने करियर के दौरान विनियमन, बाहरी निवेश और संचालन, बैंकिंग पर्यवेक्षण, सार्वजनिक ऋण प्रबंधन और मुद्रा प्रबंधन जैसे विविध क्षेत्रों में कार्य किया है।
- कार्यकारी निदेशक के रूप में, वे मुख्य रूप से पर्यवेक्षण विभाग (Department of Supervision) की देखरेख करेंगी।

उनके कार्यों में निम्नलिखित महत्वपूर्ण क्षेत्र शामिल होंगे-

- जोखिम मूल्यांकन (Risk Assessment)
- एनालिटिक्स (Analytics)
- भेद्यता मूल्यांकन (Vulnerability Assessment - RAVA)

/// रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) के बारे में ///

- **स्थापना:** 1 अप्रैल, 1935 (RBI अधिनियम, 1934 के अनुसार)।
- **संगठनात्मक ढांचा:** RBI में 1 गवर्नर, अधिकतम 4 डिप्टी गवर्नर और कई कार्यकारी निदेशक होते हैं।
- **मुख्यालय:** मुंबई, महाराष्ट्र।
- **गवर्नर:** संजय मल्होत्रा।

11.12 नियुक्ति (To The Point)

- कजाकिस्तान के पूर्व विश्व चैंपियन मुक्केबाज गेनाडी गोलोवकिन (Gennadiy Golovkin) को वर्ल्ड बॉक्सिंग (World Boxing) का नया अध्यक्ष चुना गया है।
- भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी ज्ञानेश कुमार को इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड इलेक्टोरल असिस्टेंस (IDEA) के अध्यक्ष के रूप में नामित किया गया है।
- 1990 बैच के भारतीय राजस्व सेवा (IRS) अधिकारी विवेक चतुर्वेदी को केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (CBIC) का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।
- IPS अधिकारी प्रवीण कुमार, जो वर्तमान में ITBP के महानिदेशक हैं, ने 30 नवंबर 2025 से BSF के महानिदेशक (DG) का अतिरिक्त प्रभार संभाला है।
- वाइस एडमिरल संजय साधु, एवीएसएम, एनएम ने 28 नवंबर 2025 को युद्धपोत उत्पादन और अधिग्रहण नियंत्रक के रूप में पदभार ग्रहण किया।
- अरुण कुमार सिंह को ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन (ONGC) का अध्यक्ष पुनः नियुक्त किया गया ।
- फील्ड मार्शल आसिम मुनीर, पाकिस्तान के पहले चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज (CDF) नियुक्त हुए।
- एलीन हिगिंस ने डोनाल्ड ट्रम्प समर्थित उम्मीदवार को हरा कर मियामी शहर के मेयर का चुनाव जीत लिया। ये मियामी की मेयर बनने वाली पहली महिला हैं।
- आंद्रेज बाबिस, चेक गणराज्य के नये प्रधानमंत्री नियुक्त हुए।
- चिली ने धुर दक्षिणपंथी नेता जोसे एंटोनियो कास्ट को अपना अगला राष्ट्रपति चुना।
- मेजर जनरल रोमन गोफमैन को इजरायल की प्रमुख खुफिया एजेंसी मोसाद के अगले निदेशक नियुक्त हुए।
- वरिष्ठ पत्रकार संगीता बुरुआ पिशारोटी को प्रेस क्लब ऑफ इंडिया की पहली महिला अध्यक्ष के रूप में चुना गया है।
- सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी राज कुमार गोयल देश के अगले मुख्य सूचना आयुक्त (सीआईसी) नियुक्त किए गए।
- हाल ही में सुरेश गोयल को नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च (NCAER) के अगले डायरेक्टर जनरल (DG) नियुक्त किए गये।
- बी. साईराम, हाल ही में कोल इंडिया लिमिटेड (CIL) के नए चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (CMD) के साथ मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) भी नियुक्त किए गए।
- 1991 बैच की आईएएस अधिकारी अनु गर्ग ओडिशा की पहली महिला मुख्य सचिव होंगी। तथा पूर्व मुख्य सचिव मनोज आहूजा का स्थान लेगी।
- सलीम अहमद को रेल विकास निगम लिमिटेड (RVNL) का नया अध्यक्ष और प्रबंध महानिदेशक (CMD) नियुक्त किया गया।

NOT FOR SALE

12 AI के साथ बदलता भारत

स्रोत– PIB

- भारत, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए.आई.) द्वारा संचालित एक नए युग की कगार पर खड़ा है, जहां प्रौद्योगिकी जिंदगियां बदल रही हैं और देश की प्रगति को आकार दे रही हैं। AI अब केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि स्वास्थ्य सेवा, कृषि और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में आम नागरिकों के जीवन को बदल रहा है। यह किसानों को फसल और कृषि पद्धति के संदर्भ में बेहतर निर्णय लेने में मदद कर रहा है। व्यक्तिगत शिक्षा के माध्यम से कक्षाओं में क्रांति ला रहा है और शहरों को अधिक स्मार्ट, सुरक्षित व स्वच्छ बना रहा है।
- इंडिया एआई मिशन और एआई उत्कृष्टता केंद्र जैसी पहले इस परिवर्तन के केंद्र में हैं। भारत का दृष्टिकोण एआई को खुला, किफायती और सुलभ बनाने पर केंद्रित है।

कृत्रिम बुद्धिमता क्या है?

कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) वह क्षमता है जो मशीनों को ऐसे कार्य करने में सक्षम बनाती है जिनके लिए सामान्यतः मानव बुद्धिमता की आवश्यकता होती है। यह सिस्टम्स को अनुभव से सीखने, नई परिस्थितियों के अनुकूल ढलने, और जटिल समस्याओं को स्वतंत्र रूप से हल करने में सक्षम बनाती है। एआई डेटा सेट, एल्गोरिदम और बड़े भाषा मॉडल का उपयोग करके जानकारी का विश्लेषण करता है, पैटर्न पहचानता है, और प्रतिक्रियाएँ उत्पन्न करता है। समय के साथ, ये सिस्टम्स अपनी प्रदर्शन क्षमता में सुधार करती हैं, जिससे वे मनुष्यों के समान तर्क कर सकें, निर्णय ले सकें, और संवाद कर सकें।

क्या आप जानते हैं? (Do You Know?)

स्टैनफोर्ड विश्विद्यालय के 2025 ग्लोबल ए.आई. वाइवेसी टूल की रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने कृत्रमि बुद्धिमता प्रतिस्पर्धात्मकता में वैश्विक स्तर पर तीसरा स्थान हासिल किया है।

- भारत में ए.आई. बनाना और एआई को भारत के लिए कारगर बनाना" के विजन से प्रेरित होकर, कैबिनेट ने मार्च 2024 में इंडियाएआई मिशन को मंजूरी दी, जिसका पांच वर्षों के लिए बजट ₹10,371.92 करोड़ है। यह मिशन भारत को कृत्रमि बुद्धिमता में वैश्विक नेता बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। अपने लॉन्च से ही, मिशन ने देश की कंप्यूटिंग अवसंरचना के विस्तार में मजबूत प्रगति की है। 10,000 जी.पी.यू. के प्रारंभिक लक्ष्य से, भारत ने अब 38,000 जीपीयू हासिल कर लिए हैं, जो विश्व-स्तरीय एआई संसाधनों तक किफायती पहुँच प्रदान करते हैं।
- इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत एक स्वतंत्र व्यापार प्रभाग, इंडिया ए.आई. द्वारा कार्यान्वित यह मिशन एक व्यापक इकोसिस्टम का निर्माण कर रहा है जो नवाचार को प्रोत्साहित करता है, स्टार्टअप्स को समर्थन देता है, डेटा तक पहुँच को मजबूत करता है, और सार्वजनिक हित के लिए ए.आई. का जिम्मेदार उपयोग सुनिश्चित करता है।

/// इंडिया ए. आई. मिशन के सात स्तंभ ///

1. इंडिया ए. आई. कंप्यूटर स्तंभ
2. इंडिया ए. आई. एप्लिकेशन डेवलपमेंट पहल
3. ए. आई. कोश
4. इंडिया ए. आई. फाउंडेशन
5. इंडिया ए. आई. फ्यूचर स्किल्स
6. इंडिया ए. आई. स्टार्टअप वित्तपोषण
7. सुरक्षित और विश्वसनीय ए. आई.

जीपीयू क्या है?

जीपीयू या ग्राफ़िक्स प्रोसेसिंग यूनिट एक शक्तिशाली कंप्यूटर चिप है जो मशीनों को तेजी से सोचने, छवियों को संसाधित करने, एआई प्रोग्राम चलाने, और जटिल कार्यों को सामान्य प्रोसेसर की तुलना में अधिक कुशलता से संभालने में मदद करती है।

इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2025 में ए.आई.

9वें इंडिया मोबाइल कांग्रेस

- उद्घाटन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 8 अक्टूबर 2025 की यशोभूमि, नई दिल्ली मे किया इसमें कृत्रिम बुद्धिमता का मुख्य स्थान रहा। दूरसंचार विभाग और सीओएआई द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम 8 से 11 अक्टूबर तक "इनोवेट टू ट्रांसफॉर्म' थीम के तहत आयोजित किया गया।
- आईएमसी 2025 में छह प्रमुख वैश्विक सम्मेलन शामिल हैं, जिनमें अंतरराष्ट्रीय एआई सम्मेलन भी शामिल है, जिसने नेटवर्क, सेवाओं, और अगली पीढ़ी की डिजिटल अवसंरचना में एआई की परिवर्तनकारी भूमिका को उजागर किया। एआई, 5G, 6G, स्मार्ट मोबिलिटी, साइबरसुरक्षा, क्वांटम कंप्यूटिंग, और ग्रीन टेक्नोलॉजी में 1,600 से अधिक नए उपयोग-मामले 100+ सत्रों और 800+ वक्ताओं के माध्यम से प्रदर्शित किए गए।
- इस कार्यक्रम में 150 देशों से 1.5 लाख से अधिक आगंतुक, 7,000 वैश्विक प्रतिनिधि, और 400 कंपनियों शामिल हुई। एआई और डिजिटल प्रौद्योगिकी के भविष्य को आकार देने के लिए यह कार्यक्रम नवप्रवर्तकों, स्टार्टअप्स, नीति निर्माताओं और उद्योग के नेताओं को एक साथ लेकर आया।

अन्य प्रमुख सरकारी पहलें और नीतिगत प्रोत्साहन

भारत सरकार परिवर्तनकारी पहलों की एक श्रृंखला के माध्यम से अपने ए.आई. विजन को कार्य रूप दे रही है। ये प्रयास एक मजबूत एआई इकोसिस्टम बनाने, नवाचार को प्रोत्साहित करने, और यह सुनिश्चित करने पर केंद्रित है कि प्रौद्योगिकी समाज के हर वर्ग के काम आए। विश्व-स्तरीय अनुसंधान केंद्र बनाने से लेकर देशज एआई मॉडल विकसित करने तक, सरकार का दृष्टिकोण नीति, अवसंरचना, और क्षमता निर्माण को समान रूप से संयोजित करता है।

- **एआई उत्कृष्टता केंद्र–** अनुसंधान-आधारित नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए, सरकार ने स्वास्थ्य सेवा, कृषि, और टिकाऊ शहरों जैसे प्रमुख क्षेत्रों में तीन उत्कृष्टता केंद्र (CoEs) स्थापित किए हैं। शिक्षा के लिए चौथा उत्कृष्टता केंद्र बजट 2025 में घोषित किया गया।
- **एआई दक्षता ढांचा–** यह ढांचा सरकारी अधिकारियों के लिए संरचित प्रशिक्षण प्रदान करता है, जिससे वे आवश्यक एआई कौशल प्राप्त कर सके और उन्हें नीति निर्माण और शासन में लागू कर सके।
- **सर्वम् एआईः स्मार्टर आधार सेवाएँ–** सर्वम् एआई, बंगलुरु स्थित कंपनी, उन्नत एआई अनुसंधान को व्यावहारिक शासन समाधानों में परिवर्तित कर रही है। यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (यूआईडीएआई) के साथ साझेदारी में, यह जनरेटिव एआई का उपयोग करके आधार सेवाओं को अधिक स्मार्ट और सुरक्षित बना रही है।

- **भाषिणीः डिजिटल समावेशन के लिए आवाज़–** भाषिणी एक एआई-संचालित प्लेटफॉर्म है जो कई भारतीय भाषाओं में अनुवाद और संभाषण उपकरण प्रदान करके भाषा की बाधाओं को तोड़ता है। यह नागरिकों को आसानी से डिजिटल सेवाएं उपयोग करने में मदद करता है, भले ही वे पढ़ने-लिखने में सहज न हो।
- **भारतजेन एआईः भारत का बहुभाषी एआई मॉडल–** 2 जून 2025 को भारतजेन समिट में लॉन्च किया गया, भारतजेन एआई पहला सरकार द्वारा वित्तपोषित, देशज मल्टीमॉडल बड़ा भाषा मॉडल है। यह 22 भारतीय भाषाओं को सपोर्ट करता है और टेक्स्ट, संभाषण, और छवि की समझ को एकीकृत करता है।
- **इंडिया ए आई इम्पैक्ट समिट 2026–** भारत फरवरी 2026 में एआई इम्पैक्ट समिट की मेजबानी करेगा। इस समिट में भारत की एआई क्षमताओं को प्रदर्शित किया जाएगा और विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार को प्रोत्साहित किया जाएगा। 18 सितंबर 2025 को भारत ने इस कार्यक्रम का लोगो और प्रमुख पहलों का अनावरण किया था। इस आयोजन की संभावित प्रमुख पहलें -
  - → एआई पिच फेस्ट (उड़ान- UDAAN)
  - → युवाओं, महिलाओं, और अन्य प्रतिभागियों के लिए वैश्विक नवाचार चुनौतियाँ
  - → अनुसंधान संगोष्ठी
  - → एआई एक्सपो

दैनिक जीवन और कार्य में एआई

कृत्रिम बुद्धिमता नवाचार की एक नई लहर चला रही है जो दैनिक जीवन के हर हिस्से को प्रभावित करती है, स्वास्थ्य सेवा और कृषि से लेकर शिक्षा, शासन, और जलवायु पूर्वानुमान तक। यह चिकित्सकों को तेज़ी से रोगों का निदान करने में मदद करती है, किसानों को डेटा-आधारित निर्णय लेने में सहायता प्रदान करती है, पत्रों के ज्ञानार्जन के परिणामों में सुधार करती है, और शासन को अधिक कुशल तथा पारदर्शी बनाती है। भारत का ए.आई. दृष्टिकोण ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार करने और मौसम पैटर्न की भविष्यवाणी करने से लेकर न्यायालय के निर्णयों का क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद करने तक, ए.आई. प्रगति हेतु एक ऐसे सशक्त सहयोगी के रूप में उभर रहा है, जो एक डिजिटली सशक्त और न्यायसंगत भारत के निर्माण में मदद करता है। कुछ प्रमुख क्षेत्र जहाँ एआई दैनिक जीवन को बेहतर बना रहा है, वे हैं -

- **स्वास्थ्य सेवा–** एआई स्वास्थ्य सेवा प्रदायगी को बदल रहा है। यह चिकित्सकों को बीमारियों का जल्दी पता लगाने, चिकित्सा स्कैन का विश्लेषण करने, और व्यक्तिगत उपचार की सिफारिश करने में मदद करता है। एआई-संचालित टेलीमेडिसिन प्लेटफॉर्म ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों को शीर्ष अस्पतालों के विशेषज्ञों से जोड़ते हैं, जिससे समय और लागत बचती है और उपचार की गुणवता बेहतर होती है।
- **कृषि–** किसानों के लिए एआई एक विश्वसनीय डिजिटल साथी है। यह मौसम की भविष्यवाणी करता है, कीट हमलों का पता लगाता है, और सिंचाई व बुआई के लिए उपयुक्त समय सुझाता है। कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय एआई का उपयोग किसान ई-मित्र जैसी पहलों के माध्यम से कर रहा है।
- **शिक्षा और कौशल विकास–** एआई को भारत की शिक्षा प्रणाली में शामिल किया जा रहा है, जिससे ज्ञानार्जन अधिक समावेशी, आकर्षक, और भविष्य के अनुकूल हो सके। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) कक्षा VI से 15 घंटे का एआई कौशल मॉड्यूल और कक्षा IX से xi तक वैकल्पिक एआई विषय पदान करता है। एनसीईआरटी का दीक्षा डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म एआई उपकरणों का उपयोग करता है, जैसे वीडियो में कीवर्ड सर्च और रीड-अलाउड फीचर्स, जिससे एआई की पहुँच (एक्सेस) बढ़ती है, विशेष रूप से दृष्टिबाधित शिक्षार्थियों के लिए। इसके अलावा, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस डिवीजन (NeGD) ने अपने साझेदारों के सहयोग से युवाओं के लिए उन्नति और विकास एआई (YUVAI) को लागू किया, एक राष्ट्रीय कार्यक्रम जिसका उद्देश्य कक्षा 8 से 12 तक के छात्रों को समावेशी ढंग से एआई और सामाजिक कौशल से सशक्त बनाना है। यह कार्यक्रम पत्रों को आठ विषयगत क्षेत्रों कृषि, आरोग्य, शिक्षा, पर्यावरण, परिवहन, ग्रामीण विकास, स्मार्ट सिटी, और विधि एवं न्याय - में एआई कौशल सीखने और इस्तेमाल करने हेतु मंच प्रदान करता है, जिससे वे वास्तविक दुनिया की चुनौतियों के लिए एआई-आधारित समाधान विकसित कर सकें।
- **शासन और न्याय प्रदायगी–** एआई शासन और सार्वजनिक सेवा प्रदायगी को पुनः आकार दे रहा है। भारत के सर्वोच्च न्यायालय के अनुसार, ई-कोर्ट्स प्रोजेक्ट फेज- III के तहत, न्याय प्रणाली को अधिक कुशल और सुलभ बनाने के लिए आधुनिक प्रौद्योगिकियों को एकीकृत किया जा रहा है। कृत्रिम बुद्धिमता और इसके उपसर्ग जैसे मशीन लर्निंग, ऑप्टिकल कैरेक्टर रिकग्नीशन, और नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग का उपयोग अनुवाद, पूर्वानुमान, प्रशासनिक दक्षता, स्वचालित फाइलिंग, इंटेलीजेंट शेड्यूलिंग, और पैटबॉट्स के माध्यम से संचार में किया जा रहा है। ई-एचसीआर और ई-आईएलआर जैसे डिजिटल कानूनी प्लेटफॉर्म अब नागरिकों को कई क्षेत्रीय आशाओं में ऑनलाइन निर्णयों तक पहुँच प्रदान करते हैं, जिससे न्याय प्रदाय अधिक पारदर्शी और समावेशी बनता है।
- **मौसम पूर्वानुमान और जलवायु सेवाएँ–** एआई भारत की प्राकृतिक घटनाओं की भविष्यवाणी और प्रतिक्रिया क्षमता को मजबूत कर रहा है। भारतीय मौसम विभाग एआई-आधारित मॉडल्स का उपयोग वर्षा, धुंध, बिजली, और आग का पूर्वानुमान लगाने के लिए करता है। एडवांस्ड इवोरक तकनीक चक्रवात की तीव्रता का अनुमान लगाने में मदद करती है, जबकि मौसमजीपीटी - एक आगामी एआई चैटबॉट - किसानों तथा आपदा प्रबंधन एजेंसियों को मौसम तथा जलवायु से संबंधित रिअल-टाइम सलाह प्रदान करेगा।

NOT FOR SALE

समावेशी सामाजिक विकास के लिए ए.आई.

- नीति आयोग की रिपोर्ट, "समावेशी सामाजिक विकास के लिए ए आई "(अक्टूबर 2025), भारत के अनौपचारिक कार्यजन को सशक्त बनाने के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग का एक रोडमैप प्रस्तुत करती है।
- यह रोडमैप बताता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, ब्लॉकचेन, रोबोटिक्स, और इमर्सिव लर्निंग किस प्रकार भारत के 49 करोड़ अनौपचारिक श्रमिकों के सामने मौजूद प्रणालीगत बाधाओं को दूर कर सकते हैं।
- यह एक ऐसे भविष्य की कल्पना करता है जहाँ साल 2035 तक वॉयस फर्स्ट एआई इंटरफ़ेस भाषा और साक्षरता की बाधाओं को पार कर लें। स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट्स समयबद्ध और पारदर्शी भुगतान सुनिश्चित करेंगे। माइको बेजेंशियल्स और ऑन डिमांड लर्निंग श्रमिकों को उनकी महत्वाकांक्षा की गति के अनुसार कौशल उन्नयन में सक्षम बनाएँगे।
- रिपोर्ट इस बात पर बल देती है कि इस समावेशी डिजिटल उन्नति को हासिल करने के लिए केवल आशावाद पर्याप्त नहीं होगा।
- इसके लिए अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) में समन्वित निवेश, लक्षित कौशल विकास कार्यक्रम, तथा एक सुदृढ़ नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र की आवश्यकता होगी।

प्रस्तावित कार्यान्वयन रोडमैप

9वें इंडिया मोबाइल कांग्रेस

- **चरण 1 (2025-2036):** मिशन अभिमुखीकरण
- **चरण 2 (2026-2027):** संस्थागत ढांचे की स्थापना और शासन संरचना का अभिकल्पन
- **चरण 3 (2027-2029):** प्रायोगिक परियोजनाओं तथा चयनित कार्यक्रमों का शुभारंभ
- **चरण 4 (2029 से आगे):** राष्ट्रव्यापी विस्तार और एकीकरण

- वर्ष 2035 तक, यह मिशन भारत को समावेशी कृत्रिम कृत्रिम बुद्धिमता के कार्यान्वयन में एक वैश्विक नेता के रूप में परिकल्पित करता है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रौद्योगिकी न केवल आर्थिक वृद्धि को गति दें, बल्कि आजीविकाओं को सुदृढ़ करे, अवसरों तक पहुँच का विस्तार करे, और एक न्यायसंगत तथा सशक्त डिजिटल अर्थव्यवस्था की दिशा में राष्ट्र की यात्रा को समर्थन प्रदान करे।

निष्कर्ष

कृत्रिम बुद्धिमता में भारत की यात्रा एक स्पष्ट विजन और निर्णायक कार्यवाही को दर्शाती है। कंप्यूटिंग अवसंरचना के विस्तार से लेकर देशज मॉडल्स को प्रोत्साहित करने और स्टार्टअप्स का समर्थन करने तक, देश एक मजबूत एआई पारिस्थितिकी तंत्र बना रहा है जो नागरिकों को लाभ पहुँचाता है और नवाचार को बढ़ावा देता है। कृषि, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और शासन के क्षेत्रों में की गई पहलों ने वास्तविक प्रभाव के साथ व्यावहारिक अनुप्रयोगों को प्रदर्शित किया है। इंडियाएआई मिशन, डिजिटल श्रमसेतु, और फाउंडेशनल मॉडल विकास जैसी रणनीतिक पहलों से यह सुनिश्चित हो रहा है कि नवाचार हर नागरिक तक पहुँचे, साथ ही अनुसंधान, कौशल और उद्यमशीलता को भी बढ़ाता मिले। ये प्रयास भारत को विकसित भारत 2047 के अपने विजन की ओर बढ़ते हुए, एक वैश्विक एआई नेता के रूप में उभरने के लिए मजबूत आधार प्रदान करते हैं।

NOT FOR SALE

13 भारत-रूस संबंध

और पुतिन की भारत यात्रा

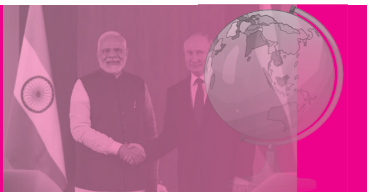

पुतिन की भारत यात्रा

चर्चा में क्यों ?

भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर, रूसी संघ के राष्ट्रपति श्री व्लादिमीर पुतिन 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए 04-05 दिसंबर, 2025 को भारत की राजकीय यात्रा पर आए।

मुख्य बिंदु

- यह यात्रा 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए थी, जो दोनों देशों के बीच "विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी" को मजबूत करने पर केंद्रित थी।
- पुतिन की यह यात्रा वर्ष 2000 में स्थापित "रणनीतिक साझेदारी" के 25 वर्ष पूरे होने को चिह्नित करता है।
- इस यात्रा के दौरान राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से द्विपक्षीय वार्ता, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ मुलाकात और 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में भागीदारी शामिल रहा।
- पीएम नरेंद्र मोदी और पुतिन की बैठक में 16 से अधिक डील्स पर हस्ताक्षर हुए, जिनमें श्रम गतिविधि, अनियमित प्रवासन, स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा, खाद्य सुरक्षा और सीमा शुल्क सहयोग शामिल हैं।

/// प्रमुख समझौते और सहयोग के क्षेत्र ///

आर्थिक सहयोग कार्यक्रम 2030

- द्विपक्षीय व्यापार को 2030 तक 100 बिलियन डॉलर तक बढ़ाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा गया है।
- व्यापार और निवेश को विविध और संतुलित बनाने पर ज़ोर दिया गया है।
- राष्ट्रीय मुद्राओं (INR और RUB) में भुगतान निपटान (settlement) को बढ़ावा देना।
- यूरेशियन इकोनॉमिक यूनियन (EAEU) के साथ मुक्त व्यापार समझौते (FTA) को शीघ्र अंतिम रूप देने की दिशा में प्रयास।

ऊर्जा और परमाणु सहयोग

- भारत को ईंधन (कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, कोयला) की निर्बाध आपूर्ति जारी रखने का रूस द्वारा आश्वासन।
- कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र (KKNPP) के काम में तेजी लाने और भारत में अन्य छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों (SMR) में सहयोग।

रक्षा सहयोग

- भारत के 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम के तहत रूस में निर्मित हथियारों और उपकरणों के लिए भारत में कल-पुर्जे, उपकरण और अन्य उत्पादों का संयुक्त निर्माण।
- प्रौद्योगिकी हस्तांतरण (Technology Transfer) और संयुक्त उद्यमों (Joint Ventures) के माध्यम से भारतीय सशस्त्र बलों की जरूरतों को पूरा करना।

श्रम और आवाजाही (Migration and Mobility)

- एक-दूसरे के देश के नागरिकों के लिए अस्थायी श्रम गतिविधियों पर समझौता।
- रूसी नागरिकों के लिए 30 दिन का निःशुल्क ई-पर्यटक वीज़ा देने की घोषणा।

अन्य क्षेत्रों में समझौते

- स्वास्थ्य सेवा, चिकित्सा शिक्षा और विज्ञान में सहयोग।
- **खाद्य सुरक्षा और मानक पर समझौता–**
  - → उर्वरक (Fertilizers): यूरिया उत्पादन के लिए संयुक्त रूप से काम करने पर सहमति।
  - → समुद्री लॉजिस्टिक्स: समुद्री सहयोग और कनेक्टिविटी (INSTC, उत्तरी सागर मार्ग) को मजबूत करना।

भारत-रूस संबंध

भारत और रूस के संबंध ऐतिहासिक रूप से मजबूत और भरोसेमंद रहे हैं, जिन्हें "विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी" का दर्जा दिया गया है। ये संबंध समय की कसौटी पर खरे उतरे हैं और कई महत्वपूर्ण स्तंभों पर टिके हुए हैं।

/// ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और कूटनीतिक आधार ///

- **सोवियत काल (1947 से):** स्वतंत्र भारत की विदेश नीति में सोवियत संघ (USSR) के साथ घनिष्ठ मैत्रीपूर्ण संबंध एक आधार स्तंभ रहे हैं। सोवियत संघ ने 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध जैसे महत्वपूर्ण समय में भारत का समर्थन किया।
- **रणनीतिक साझेदारी:** वर्ष 2000 में "रणनीतिक साझेदारी" की स्थापना हुई।
- **शीर्ष स्तर पर उन्नयन:** दिसंबर 2010 में इसे "विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी" के स्तर तक बढ़ाया गया।
- **बहुपक्षीय मंच:** दोनों देश BRICS, शंघाई सहयोग संगठन (SCO), और G-20 जैसे अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर सहयोग करते हैं, और एक बहु-ध्रुवीय विश्व व्यवस्था के पक्षधर हैं। रूस, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) में स्थायी सदस्यता के लिए भारत की दावेदारी का समर्थन करता है।

/// प्रमुख सहयोग ///

रक्षा एवं सामरिक सहयोग

- **प्रमुख रक्षा आपूर्तिकर्ता:** रूस लंबे समय से भारत के लिए रक्षा उपकरणों और प्रणालियों का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता रहा है।
- **सहयोग का विस्तार:** सहयोग अब केवल 'क्रेता-विक्रेता' तक सीमित न होकर संयुक्त अनुसंधान एवं विकास, सह-उत्पादन और सह-अभिकल्पना तक पहुँच गया है (जैसे: ब्रह्मोस मिसाइल)।
- **आपूर्ति:** S-400 ट्राइम्फ एयर डिफेंस सिस्टम और विभिन्न युद्धपोतों व पनडुब्बियों की आपूर्ति जारी है।
- **संयुक्त सैन्य अभ्यास:** दोनों देशों की सेनाएं नियमित रूप से INDRA जैसे संयुक्त अभ्यास आयोजित करती हैं।

NOT FOR SALE

आर्थिक और ऊर्जा सहयोग

- हाल के वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार में तेजी से वृद्धि हुई है, मुख्यतः ऊर्जा क्षेत्र के कारण–
  - → व्यापार लक्ष्य: दोनों देशों ने 2030 तक $100 अरब के द्विपक्षीय व्यापार और $50 अरब के पारस्परिक निवेश का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है।
  - → कच्चा तेल: रूस अब भारत को कच्चा तेल और पेट्रोलियम उत्पादों का एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता बन गया है, जो भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है।
  - → परमाणु ऊर्जा: रूस, भारत में कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र के विकास में सहयोग कर रहा है, जो दोनों देशों के बीच तकनीकी सहयोग का एक जीवंत उदाहरण है।
  - → एलएनजी और कोयला: भारत रूस के सुदूर पूर्व (RFE) में तेल क्षेत्रों में निवेश कर रहा है, और कोयला व एलएनजी (LNG) आपूर्ति में भी सहयोग बढ़ रहा है।
  - → अन्य क्षेत्र: उर्वरक सुरक्षा, फार्मास्यूटिकल्स, कृषि, और औद्योगिक सहयोग में भी समझौते हुए हैं।
  - → भुगतान तंत्र: पश्चिमी प्रतिबंधों के बीच रुपया-रूबल व्यापार निपटान तंत्र और अन्य सुगम भुगतान व्यवस्थाओं को विकसित करने पर लगातार काम चल रहा है।

अंतरिक्ष और अन्य क्षेत्र

- **अंतरिक्ष सहयोग:** यह साझेदारी 1970 के दशक से चली आ रही है। भारत के महत्वाकांक्षी गगनयान मिशन में रूस महत्वपूर्ण सहयोग दे रहा है।
- **जन-जन के संबंध (People-to-People Ties):** बॉलीवुड फिल्में, योग दिवस का उत्सव और रूसी विश्वविद्यालयों में भारतीय छात्रों (विशेषकर चिकित्सा क्षेत्र में) की बड़ी संख्या इस संबंध को मजबूत करती है।

/// वर्तमान चुनौतियाँ और भविष्य की दिशा ///

चुनौतियाँ

- **रक्षा आयात पर निर्भरता में कमी:** भारत द्वारा अपने रक्षा स्रोतों में विविधता लाने के कारण रूस से रक्षा आयात का प्रतिशत कम हुआ है।
- **व्यापार असंतुलन:** ऊर्जा आयात में वृद्धि के कारण व्यापार असंतुलन भारत के विरुद्ध है, जिसे भारतीय निर्यात बढ़ाकर संतुलित करने की आवश्यकता है।
- **पश्चिमी प्रतिबंध:** रूस पर लगे पश्चिमी प्रतिबंधों के कारण भुगतान और व्यापार में लॉजिस्टिक संबंधी बाधाएं आती हैं।

भविष्य की दिशा

- दोनों देश आर्कटिक क्षेत्र और चेन्नई-व्लादिवोस्तोक समुद्री गलियारे में सहयोग पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, जो कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स को मजबूत करेगा।
- सहयोग को रक्षा और ऊर्जा से आगे बढ़ाकर डिजिटल नवाचार, एआई, और चिकित्सा प्रौद्योगिकी जैसे उच्च-प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में विस्तारित करना।

/// रूस के बारे में ///

- **क्षेत्रफल:** 1,71,09,242 वर्ग किमी, जो इसे विश्व का सबसे बड़ा देश बनाता है।
- **अवस्थिति:** यह दो महाद्वीपों (यूरोप और एशिया) में फैला हुआ है, जिसकी सीमा यूराल पर्वत द्वारा निर्धारित होती है।
- **समय जोन:** इसका विशाल विस्तार 11 समय क्षेत्रों में फैला है, जो इसकी भौगोलिक विशालता को दर्शाता है।
- **राजधानी:** मास्को, जो उत्तरी गोलार्ध में सबसे अधिक जनसंख्या वाली राजधानी है।
- **सबसे ऊँचा शिखर:** माउंट एल्ब्रस (5,642 मीटर), जो यूरोप का सबसे ऊँचा पर्वत भी है।
- **सबसे गहरी झील:** बैकाल झील, जो न केवल सबसे गहरी (1,642 मीटर) बल्कि विश्व की सबसे पुरानी (25-30 मिलियन वर्ष) ताजे पानी की झील भी है।
- **प्रमुख नदियां:** वोल्गा (यूरोप की सबसे लंबी), येनिसेई, लेना, ओबी, अमूर।
- **रूस की सीमा:** स्थलीय सीमाएँ 14 देशों पोलैंड, लिथुआनिया, नॉर्वे, फिनलैंड, एस्टोनिया, लातविया, बेलारूस, यूक्रेन, जॉर्जिया, अजरबैजान, कजाकिस्तान, चीन, मंगोलिया, उत्तर कोरिया के साथ लगती है। रूस अपनी समुद्री सीमा जापान और संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ साझा करती है।
- **वर्तमान राष्ट्रपति:** व्लादिमीर व्लादिमिरोविच पुतिन (2000 से सत्ता में)।
- **राष्ट्रीय दिवस:** 12 जून (1990 में सोवियत संघ से स्वतंत्रता की घोषणा)।
- **मुद्रा:** रूसी रूबल (RUB)।
- **प्राकृतिक संसाधन:** रूस के पास विश्व का सबसे बड़ा प्राकृतिक गैस भंडार, दूसरा सबसे बड़ा कोयला भंडार, और तेल, सोना, निकल, प्लैटिनम, यूरेनियम जैसे महत्वपूर्ण खनिज हैं, जो इसे एक शक्तिशाली ऊर्जा महाशक्ति बनाते हैं।

क्या आप जानते हैं? (Do You Know?)

सोवियत संघ (USSR) का विघटन 1991 में हुआ था और इसके बाद कुल 15 स्वतंत्र देश बने, जिनमें रूस, यूक्रेन, बेलारूस, कजाकिस्तान, उज़्बेकिस्तान, तजाकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, किर्गिस्तान, जॉर्जिया, अजरबैजान, आर्मेनिया, मोल्दोवा, लिथुआनिया, लातविया और एस्टोनिया शामिल थे।

NOT FOR SALE

अभ्यास प्रश्न

1. पीएम नरेंद्र मोदी ने किस स्थान पर लक्ष कंठ गीता परायण में भाग लिया?
   A. गोकर्ण B. उडुपी
   C. पणजी D. द्वारका

2. पीएम मोदी द्वारा जारी किया गया 550 रुपये का स्मारक सिक्का किस संस्था की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में था?
   A. राम मंदिर B. कनक दास स्मारक
   C. श्री संस्थान गोकर्ण परतागली जीवोत्तम मठ
   D. इस्कॉन

3. टेक्स-रैम्प्स योजना किस मंत्रालय द्वारा लागू की जाती है?
   A. वस्त्र मंत्रालय B. वाणिज्य मंत्रालय
   C. MSME मंत्रालय D. कौशल विकास मंत्रालय

4. टेक्स-रैम्प्स योजना का कुल परिव्यय है:
   A. 150 करोड़ रुपये B. 250 करोड़ रुपये
   C. 305 करोड़ रुपये D. 500 करोड़ रुपये

5. भारत ने किस हेलीकॉप्टर के समर्थन के लिए अमेरिका के साथ 7,995 करोड़ रुपये का सौदा किया?
   A. अपाचे B. चिनूक
   C. MH-60R सीहॉक D. Mi-17

6. NUDGE चरण 2 अभियान किसके द्वारा लॉन्च किया गया था?
   A. RBI B. CBDT
   C. SEBI D. GST परिषद

7. NUDGE अभियान मुख्य रूप से किसे बढ़ावा देता है?
   A. डिजिटल भुगतान B. GST अनुपालन
   C. स्वैच्छिक विदेशी संपत्ति प्रकटीकरण
   D. स्टार्टअप फंडिंग

8. C-DOT ने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने के लिए किस IIT के साथ MoU पर हस्ताक्षर किए?
   A. आईआईटी दिल्ली B. आईआईटी मद्रास
   C. आईआईटी रुड़की D. आईआईटी कानपुर

9. 56वां अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (IFFI) कहाँ आयोजित किया गया था?
   A. मुंबई B. नई दिल्ली
   C. पणजी D. कोच्चि

10. IFFI 2025 में कौन सा देश “कंट्री ऑफ़ फोकस” था?
   A. स्पेन B. ऑस्ट्रेलिया
   C. जापान D. फ्रांस

11. भारत को IMO परिषद की किस श्रेणी में फिर से चुना गया?
   A. श्रेणी A B. श्रेणी B
   C. श्रेणी C D. पर्यवेक्षक

12. स्टैनफोर्ड के ग्लोबल AI वाइब्रेंसी टूल 2025 में किस देश ने टॉप किया?
   A. USA B. चीन
   C. भारत D. दक्षिण कोरिया

13. 2024 में किस राज्य में सबसे ज़्यादा विदेशी पर्यटक आए?
   A. गुजरात B. उत्तर प्रदेश
   C. पश्चिम बंगाल D. महाराष्ट्र

14. हंसा-3 (NG) ट्रेनर विमान का अनावरण कहाँ किया गया था:
   A. HAL बेंगलुरु B. DRDO हैदराबाद
   C. CSIR-NAL बेंगलुरु D. ISRO श्रीहरिकोटा

15. हंसा-3 (NG) भारत का पहला है:
   A. सुपरसोनिक ट्रेनर
   B. जेट ट्रेनर
   C. ऑल-कंपोजिट दो सीटों वाला विमान
   D. UAV ट्रेनर

16. ACEN, भारत का पहला निजी नेविगेशन हब, कहाँ स्थित है:
   A. तिरुवनंतपुरम B. बेंगलुरु
   C. हैदराबाद D. चेन्नई

17. InDApp किसे लाभ पहुँचाने के लिए लॉन्च किया गया था:
   A. किसानों को B. स्टार्टअप्स को
   C. MSMEs को D. निर्यातकों को

18. समुद्री सहयोग बढ़ाने के लिए भारतीय नौसेना प्रमुख ने किस देश का दौरा किया?
   A. एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी B. एडमिरल आर. हरि कुमार
   C. एडमिरल करमबीर सिंह D. एडमिरल सुनील लांबा

19. भारत को UNESCO के कार्यकारी बोर्ड में किस कार्यकाल के लिए फिर से चुना गया?
   A. 2024–28 B. 2025–29
   C. 2026–30 D. 2027–31

20. IWAI ने किस जलमार्ग के लिए 6000 करोड़ रुपये से अधिक के MoU पर हस्ताक्षर किए?
   A. ब्रह्मपुत्र B. गोदावरी
   C. गंगा NW-1 D. कृष्णा

NOT FOR SALE

21. भारतीय नौसेना प्रमुख की ब्राजील यात्रा के दौरान कौन सा त्रिपक्षीय MoU साइन किया गया?

A. MDL के साथ पनडुब्बी रखरखाव

B. विमानवाहक पोत डिजाइन

C. नौसैनिक ड्रोन टेक्नोलॉजी

D. सैटेलाइट निगरानी

22. सेमीकंडक्टर ट्रेनिंग लैब का उद्घाटन कहाँ किया गया:

A. नोएडा B. बेंगलुरु

C. मोहाली D. पुणे

23. स्वदेशी हथियारों के लिए संयुक्त MoU में किस IIT ने भाग लिया:

A. IIT दिल्ली B. IIT बॉम्बे

C. IIT कानपुर D. IIT मद्रास

24. PM मोदी द्वारा भारत-जॉर्डन द्विपक्षीय व्यापार के लिए क्या लक्ष्य तय किया गया था?

A. USD 3 बिलियन B. USD 5 बिलियन

C. USD 7 बिलियन D. USD 10 बिलियन

25. सार्वजनिक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए पीएम पुरस्कार में कितनी नकद प्रो-त्साहन राशि दी जाती है:

A. 10 लाख रुपये B. 15 लाख रुपये

C. 20 लाख रुपये D. 25 लाख रुपये

26. EKUVERIN 2025 भारत और किस देश के बीच एक संयुक्त सैन्य अभ्यास है:

A. श्रीलंका B. मालदीव

C. इंडोनेशिया D. मलेशिया

27. 2030 के लिए स्वीकृत सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल ब्लेंडिंग लक्ष्य कितना है:

A. 3% B. 4%

C. 5% D. 10%

28. BIS ने पूरे हिमालयी क्षेत्र को किस भूकंपीय क्षेत्र के तहत रखा है?

A. ज़ोन IV B. ज़ोन V

C. ज़ोन VI D. ज़ोन VII

29. NHAI ने सुरक्षा अलर्ट के लिए किस कंपनी के साथ MoU पर हस्ताक्षर किए?

A. एयरटेल B. BSNL

C. वोडाफोन आइडिया D. रिलायंस जियो

30. PM मोदी को उनकी यात्रा के दौरान इथियोपिया द्वारा कौन सा सम्मान दिया गया?

A. ऑर्डर ऑफ द नाइल

B. द ग्रेट ऑनर निशान ऑफ इथियोपिया

C. ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार

D. इथियोपियन गोल्डन हार्ट

31. PMO कॉम्प्लेक्स का नाम बदलकर क्या रखा गया:

A. लोक सदन B. सेवा तीर्थ

C. अमृत भवन D. राज लोक

32. 15वां अंतर्राष्ट्रीय रेत कला महोत्सव कहाँ आयोजित किया गया था:

A. पुरी B. भुवनेश्वर

C. कोणार्क D. कटक

33. भारत का पहला उच्च क्षमता वाला वाटर-पॉजिटिव हवाई अड्डा कौन सा है:

A. मुंबई B. बेंगलुरु

C. हैदराबाद D. IGI दिल्ली

34. "बाल विवाह मुक्त भारत" अभियान का लक्ष्य वर्ष है:

A. 2027 B. 2028

C. 2029 D. 2030

35. भारत का लक्ष्य किस वर्ष तक शीर्ष 3 क्वांटम अर्थव्यवस्था बनना है:

A. 2035 B. 2040

C. 2047 D. 2050

36. गरुड़ शक्ति 2025 किसके साथ आयोजित किया जाता है:

A. थाईलैंड B. इंडोनेशिया

C. मलेशिया D. सिंगापुर

37. 'MStar ग्लोबल AI कनेक्ट' प्लेटफॉर्म AIM द्वारा किसके साथ विकसित किया गया है:

A. गूगल B. माइक्रोसॉफ्ट

C. IBM D. हिताची

38. व्लादिमीर पुतिन दिसंबर 2025 में किस शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत आए थे?

A. ब्रिक्स शिखर सम्मेलन B. SCO शिखर सम्मेलन

C. भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन D. G20 शिखर सम्मेलन

39. अभ्यास हरिमाऊ शक्ति 2025 कहाँ आयोजित किया गया था:

A. असम B. पंजाब

C. राजस्थान D. गुजरात

40. भारत और UAE के बीच कौन सा संयुक्त सैन्य अभ्यास दिसंबर 2025 में शुरू हुआ?

A. डेजर्ट ईगल B. डेजर्ट साइक्लोन-II

C. अरेबियन नाइट D. जायद-अल-भारत

41. पासपोर्ट वेरिफिकेशन रिकॉर्ड (PVR) फीचर इसमें जोड़ा गया था:

A. UMANG B. DigiLocker

C. e-Courts D. MyGov

42. माउंट कांगटो, जिस पर पहली बार भारतीय सेना ने चढ़ाई की थी, यहाँ स्थित है:

A. सिक्किम B. लद्दाख

C. अरुणाचल प्रदेश D. हिमाचल प्रदेश

NOT FOR SALE

43. PM मोदी को ओमान का कौन सा सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिया गया?
A. ऑर्डर ऑफ ओमान B. सुल्तान कबूस पुरस्कार
C. ओमान सिविल ऑर्डर D. अल सईद मेडल

44. NMDC ने इसे बेहतर बनाने के लिए IIT-कानपुर के साथ एक MoU साइन किया:
A. ऑटोमेशन B. साइबर सिक्योरिटी
C. ग्रीन माइनिंग D. स्किल ट्रेनिंग

45. जकार्ता वर्ल्ड अर्बनाइजेशन प्रॉस्पेक्ट्स 2025 में इस रूप में टॉप पर रहा:
A. सबसे तेजी से बढ़ने वाला शहर B. सबसे हरा-भरा शहर
C. सबसे ज़्यादा आबादी वाला शहर D. सबसे स्मार्ट शहर

46. एशिया पावर इंडेक्स 2025 इसके द्वारा जारी किया गया था:
A. ब्रूकिंग्स B. RAND कॉर्पोरेशन
C. लोवी इंस्टीट्यूट D. चैथम हाउस

47. भारत एशिया पावर इंडेक्स 2025 में ____ स्थान पर रहा।
A. दूसरा B. तीसरा
C. चौथा D. पाँचवाँ

48. ऑक्सफ़ोर्ड का वर्ड ऑफ़ द ईयर 2025 है:
A. बायो-हैक B. ऑरा फार्मिंग
C. रेज बेट D. डीप फेक

49. भारत वर्ल्डस्किल्स एशिया प्रतियोगिता 2025 में ____ स्थान पर रहा।
A. छठा B. सातवाँ
C. आठवाँ D. नौवाँ

50. SIPRI टॉप 100 रैंकिंग इससे संबंधित है:
A. एनर्जी कंपनियाँ B. हथियार बनाने वाली कंपनियाँ
C. टेक स्टार्टअप्स D. शिपिंग कंपनियाँ

51. SIPRI 2024 में किस भारतीय PSU को सबसे ऊंची रैंक मिली?
A. BEL B. MDL
C. HAL D. BDL

52. CBD COP17 के लोगो के रूप में किस तितली प्रजाति का अनावरण किया गया?
A. मोनार्क तितली B. येरेवन ब्लू तितली
C. स्वैलोटेल तितली D. पेंटेड लेडी

53. ADB ने किस राज्य के लिए USD 398.8 मिलियन का लोन मंज़ूर किया?
A. मेघालय B. असम
C. त्रिपुरा D. मिजोरम

54. "बैंकिंग कनेक्ट" किसके द्वारा लॉन्च किया गया था?
A. RBI B. NPCI
C. NBBL D. SEBI

55. भारत ने 11वें UNAOC फोरम में किस आदर्श की पुष्टि की?
A. वसुधैव कुटुंबकम B. सर्वे भवन्तु सुखिनः
C. सत्यमेव जयते D. अहिंसा परमो धर्मः

56. किस ग्रुपिंग ने ऑपरेशन क्रिसमस ड्रॉप के मौके पर अपना पहला फील्ड ट्रेनिंग एक्सरसाइज किया?
A. ब्रिक्स B. क्वाड
C. एससीओ D. नाटो

57. NSFI 2025-30 किसके द्वारा जारी किया गया:
A. वित्त मंत्री B. RBI गवर्नर
C. SEBI चेयरमैन D. नीति आयोग CEO

58. किस देश ने 2026 के लिए ब्रिक्स की अध्यक्षता भारत को सौंपी?
A. ब्राजील B. रूस
C. चीन D. दक्षिण अफ्रीका

59. किस बैंक ने भारत के कौशल विकास के लिए 846 मिलियन अमेरिकी डॉलर का लोन मंजूर किया?
A. विश्व बैंक B. एशियाई विकास बैंक
C. आईएमएफ D. न्यू डेवलपमेंट बैंक

60. RBI लोकपाल के तहत शिकायतों की सबसे बड़ी कैटेगरी थी:
A. जमा B. डिजिटल पेमेंट
C. लोन और एडवांस D. ATM सेवाएं

61. भारत और ADB ने कितने के लोन समझौते पर साइन किए:
A. USD 600 मिलियन B. USD 700 मिलियन
C. USD 800 मिलियन D. USD 1 बिलियन

62. इंदौर मेट्रो प्रोजेक्ट को फंडिंग किससे मिली:
A. वर्ल्ड बैंक B. ADB
C. AIIB D. JICA

63. SBI, HDFC बैंक और ICICI बैंक को इस रूप में क्लासिफाई किया गया है:
A. ग्लोबल बैंक B. शैडो बैंक
C. D-SIBs D. रीजनल बैंक

64. किस एक्सचेंज को म्यूचुअल फंड प्लेटफॉर्म लॉन्च करने के लिए SEBI की मंज़ूरी मिली?
A. एनएसई B. बीएसई
C. एनसीडीईएक्स D. एमसीएक्स

65. वर्ल्ड अर्बनाइजेशन प्रॉस्पेक्ट्स 2025 किसके द्वारा जारी किया गया:
A. वर्ल्ड बैंक B. UNDP
C. UNDESA D. IMF

66. दुनिया के सबसे ज़्यादा आबादी वाले शहरों में नई दिल्ली का स्थान ____ है।
A. तीसरा B. चौथा
C. पाँचवाँ D. छठा

NOT FOR SALE

67. एशिया पावर इंडेक्स 2025 में भारत का वर्गीकरण है:

A. मध्यम शक्ति
B. क्षेत्रीय शक्ति
C. मुख शक्ति
D. महाशक्ति

68. SIPRI 2024 रैंकिंग में किस कंपनी ने टॉप किया?

A. RTX
B. नॉर्थ्रॉप ग्रुम्मन
C. बोइंग
D. लॉकहीड मार्टिन

69. भारत ने वर्ल्डस्किल्स एशिया में ____ बार भाग लिया:

A. दूसरी बार
B. तीसरी बार
C. पहली बार
D. चौथी बार

70. SoLAR-फेज़ II का लक्ष्य किसे बढ़ावा देना है:

A. पवन ऊर्जा
B. परमाणु ऊर्जा
C. सौर सिंचाई
D. जलविद्युत

71. मेघालय के लिए ADB लोन किस पर केंद्रित था?

A. स्वास्थ्य सेवा
B. शिक्षा
C. इकोटूरिज्म
D. सड़कें

72. RBI लोकपाल रिपोर्ट में कौन सी अवधि शामिल है?

A. FY23
B. FY24
C. FY25
D. FY26

73. RBI के भारतीय राज्यों पर सांख्यिकी पुस्तिका का कौन सा संस्करण जारी किया गया?

A. 8वां
B. 9वां
C. 10वां
D. 11वां

74. किस बैंक ने NRI के लिए USD और EUR में ग्लोबल सेविंग्स अकाउंट लॉन्च किया?

A. SBI
B. HDFC बैंक
C. IDFC फर्स्ट बैंक
D. ICICI बैंक

75. ADB ने भारत में किस क्षेत्र के लिए नीति-आधारित लोन मंज़ूर किया?

A. रेलवे
B. शिक्षा
C. रूफटॉप सोलर
D. कृषि

76. NSFI 2025–30 किस फ्रेमवर्क का पालन करता है?

A. पंच-तत्व
B. पंच-ज्योति
C. पंच-सूत्र
D. पंच-अमृत

77. किस बैंक ने UPI-पावर्ड RuPay क्रेडिट कार्ड लॉन्च करने के लिए Google Pay के साथ पार्टनरशिप की?

A. एक्सिस बैंक
B. HDFC बैंक
C. ICICI बैंक
D. कोटक महिंद्रा बैंक

78. किस भारतीय राज्य को कौशल विकास के लिए ADB से फंडिंग मिली?

A. महाराष्ट्र
B. गुजरात
C. मध्य प्रदेश
D. राजस्थान

79. RBI सालाना D-SIB की पहचान किस आधार पर करता है?

A. लाभप्रदता
B. संपत्ति का आकार और इंटरकनेक्टेडनेस
C. ग्राहक आधार
D. केवल बाज़ार हिस्सेदारी

80. एशिया पावर इंडेक्स कितने देशों का आकलन करता है?

A. 20
B. 25
C. 27
D. 30

81. केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने अर्थ समिट 2025 का उद्घाटन कहाँ किया?

A. दिल्ली
B. मुंबई
C. गांधीनगर
D. हैदराबाद

82. दिसंबर 2025 में राजनाथ सिंह ने कितने BRO इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया?

A. 100
B. 125
C. 150
D. 200

83. ग्लोबल एनर्जी लीडर्स समिट (GELS) 2025 का थीम क्या था?

A. सभी के लिए हरित ऊर्जा
B. भारत को शक्ति देना: पर्याप्तता, संतुलन, नवाचार
C. सतत ऊर्जा भविष्य
D. ऊर्जा में नवाचार

84. पतंजलि ग्रुप ने स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए किस देश के साथ MoU पर हस्ताक्षर किए?

A. USA
B. रूस
C. जापान
D. UAE

85. 2047 तक भारत का परमाणु ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य क्या है?

A. 50 GW
B. 100 GW
C. 150 GW
D. 200 GW

86. रक्षा मंत्री ने लद्दाख में किस सुरंग का उद्घाटन किया?

A. अटल सुरंग
B. श्योक सुरंग
C. ज़ोजी ला सुरंग
D. चेनानी-नाशरी सुरंग

87. भारत का पहला कॉम्बैट ट्रेनिंग नोड कहाँ स्थापित किया जा रहा है?

A. इन्फैंट्री स्कूल, महू
B. राष्ट्रीय रक्षा अकादमी
C. भारतीय सैन्य अकादमी
D. आर्मी वॉर कॉलेज

86. किस पेमेंट्स बैंक ने EV वॉलेट रिचार्ज को सक्षम करने के लिए NBBL के साथ पार्टनरशिप की?

A. पेटीएम पेमेंट्स बैंक
B. एयरटेल पेमेंट्स बैंक
C. जियो पेमेंट्स बैंक
D. इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक

89. भारत का लक्ष्य 2030 तक कितने ग्रीन टग्स शामिल करना है?

A. 30
B. 40
C. 50
D. 60

NOT FOR SALE

90. दिसंबर 2025 में कौन सी दो नई रामसर साइट्स जोड़ी गईं?

A. चिल्का झील और केवलादेव
B. सिलीसेढ़ झील और कोपरा जलाशय
C. लोकटक झील और भितरकनिका
D. सुंदरबन और वेम्बनाड

91. किस IIT ने भारत का पहला इनक्यूबेटर-लिंक्ड डीप-टेक VC फंड लॉन्च किया?

A. IIT दिल्ली B. IIT बॉम्बे
C. IIT मद्रास D. IIT कानपुर

92. भारत के पहले AI-पावर्ड आदिवासी भाषा अनुवादक का नाम क्या है?

A. भाषा AI B. आदि वाणी
C. वनवाणी D. ट्राइबल टॉक

93. किस राज्य ने साइबर अपराध जांच के लिए MahaCrimeOS AI लॉन्च किया?

A. कर्नाटक B. महाराष्ट्र
C. तेलंगाना D. तमिलनाडु

94. 2025 पासपोर्ट इंडेक्स में कौन सा देश शीर्ष पर रहा?

A. सिंगापुर B. USA
C. UAE D. जर्मनी

95. MoF द्वारा RRBs के लिए अनावरण किया गया नया कॉमन लोगो सिद्धांत क्या है?

A. वन नेशन वन RRB B. वन स्टेट वन RRB
C. यूनिफाइड रूरल बैंकिंग D. रूरल फाइनेंस आइडेंटिटी

96. किस भारतीय अधिकारी ने UNEP चैंपियंस ऑफ द अर्थ अवार्ड 2025 जीता?

A. जितेंद्र सिंह B. सुप्रिया साहू
C. अमित शाह D. राजनाथ सिंह

97. दिसंबर 2025 में RBI की 5वीं द्वि-मासिक नीति के बाद रेपो दर क्या थी?

A. 5.00% B. 5.25%
C. 5.50% D. 5.75%

98. असम और गुजरात में किन UCBs को RBI के रेगुलेटरी प्रतिबंधों का सामना करना पड़ा?

A. गुवाहाटी कोऑपरेटिव अर्बन बैंक और वलसाड महिला नागरिक सहकारी बैंक
B. असम कोऑपरेटिव बैंक और सूरत मर्केंटाइल बैंक
C. गुवाहाटी अर्बन बैंक और अहमदाबाद महिला बैंक
D. उपरोक्त में से कोई नहीं

99. SEBI की PARRVA पहल का उद्देश्य क्या है?

A. डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देना
B. विज्ञापनों में गुमराह करने वाले रिटर्न दावों को रोकना
C. क्रिप्टो एसेट्स को रेगुलेट करना
D. कॉर्पोरेट गवर्नेंस को बेहतर बनाना

100. किस संस्था ने UP और हरियाणा में स्वच्छ हवा कार्यक्रमों के लिए USD 600 मिलियन मंज़ूर किए?

A. IMF B. वर्ल्ड बैंक
C. ADB D. UNEP

101. ADB के अनुसार FY26 के लिए भारत की अनुमानित GDP वृद्धि कितनी है?

A. 6.5% B. 7.0%
C. 7.2% D. 7.5%

102. किस भारतीय IT कंपनी ने नीदरलैंड के ASN बैंक के साथ साझेदारी की?

A. TCS B. Infosys
C. HCLTech D. Wipro

103. Amazon 2030 तक भारत में कितना निवेश करने की योजना बना रहा है?

A. USD 20 बिलियन B. USD 25 बिलियन
C. USD 30 बिलियन D. USD 35 बिलियन

104. 2025 में पहला FIFA शांति पुरस्कार किसे मिला?

A. नरेंद्र मोदी B. डोनाल्ड ट्रंप
C. जियानी इन्फेंटिनो D. लियोनेल मेस्सी

105. किस भारतीय मूल के CEO को TIME CEO ऑफ़ द ईयर 2025 नामित किया गया?

A. सुंदर पिचाई B. सत्य नडेला
C. नील मोहन D. अरविंद कृष्णा

106. पशु कल्याण के लिए ग्लोबल ह्यूमैनिटेरियन अवार्ड किसे मिला?

A. अनिल अंबानी B. अनंत अंबानी
C. मुकेश अंबानी D. रतन टाटा

107. प्रेस क्लब ऑफ़ इंडिया की पहली महिला अध्यक्ष कौन बनीं?

A. निधि राजदान B. संगीता बरुआ पिशारोटी
C. बरखा दत्त D. राजदीप सरदेसाई

108. दिसंबर 2025 में चेक गणराज्य के नए प्रधानमंत्री के रूप में किसने शपथ ली?

A. पेट्र पावेल B. आंद्रेज बाबिस
C. पेट्र फियाला D. मिलोस ज़ेमान

109. किस डिजिटल पेमेंट्स फर्म को RBI से अंतिम पेमेंट एग्रीगेटर लाइसेंस मिला?

A. Paytm B. PhonePe
C. Mswipe Technologies D. Razorpay

110. भारतीय खगोलविदों द्वारा खोजी गई प्राचीन स्पाइरल गैलेक्सी का नाम क्या है?

A. सरस्वती B. अलकनंदा
C. गंगा D. यमुना

111. मेघालय में कूदने वाली मकड़ियों की कौन सी दो नई प्रजातियाँ खोजी गईं?

A. एसेमोनिया डेंटिस और कोलिटस नोंगवार
B. साल्टिसिडे इंडिका
C. फिडीपस मेघालयेंसिस
D. उपरोक्त में से कोई नहीं

NOT FOR SALE

112. 2025 में F1 ड्राइवर्स चैंपियनशिप किसने जीती?

A. मैक्स वेरस्टैपेन
B. लैंडो नॉरिस
C. लुईस हैमिल्टन
D. चार्ल्स लेक्लेर्क

113.ISSF विश्व कप फाइनल 2025 में भारत ने कितने पदक जीते?

A. 5
B. 6
C. 7
D. 8

114.किस भारतीय ग्रैंडमास्टर ने FIDE सर्किट 2025 जीता?

A. विश्वनाथन आनंद
B. आर प्रज्ञानानंद
C. विदित गुजराती
D. पेंटाला हरिकृष्णा

115. FIH पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप 2025 किस देश ने जीता?

A. भारत
B. जर्मनी
C. स्पेन
D. अर्जेंटीना

116.दिसंबर 2025 में किस पूर्व केंद्रीय मंत्री का निधन हो गया?

A. अरुण जेटली
B. सुषमा स्वराज
C. श्रीराज पाटिल
D. मनोहर पर्रिकर

117.किस बैंक ने कॉन्टैक्टलेस पेमेंट के लिए RuPay Paytag स्टिकर लॉन्च किया?

A. साउथ इंडियन बैंक
B. फेडरल बैंक
C. कर्नाटक बैंक
D. DCB बैंक

118."चुनौतियां मुझे पसंद हैं" के गुजराती संस्करण का विमोचन किसने किया?

A. नरेंद्र मोदी
B. अमित शाह
C. राजनाथ सिंह
D. नितिन गडकरी

119.किस पूर्व क्रिकेटर ने आत्मकथा "द वन: क्रिकेट, माई लाइफ एंड मोर" जारी की?

A. विराट कोहली
B. एमएस धोनी
C. शिखर धवन
D. रोहित शर्मा

120.अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन दिवस कब मनाया जाता है?

A. 5 दिसंबर
B. 7 दिसंबर
C. 10 दिसंबर
D. 12 दिसंबर

121.मानवाधिकार दिवस 2025 का विषय क्या है?

A. समानता अब
B. मानवाधिकार, हमारी रोज़मर्रा की ज़रूरतें
C. मानवाधिकारों के लिए खड़े हों
D. सभी के लिए गरिमा

122.किस दिन को विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है?

A. 14 दिसंबर
B. 16 दिसंबर
C. 18 दिसंबर
D. 20 दिसंबर

123.किस राज्य ने भारत-ताइवान औद्योगिक प्रौद्योगिकी पार्क के लिए एलिजेंस ग्रुप के साथ एक MoU पर हस्ताक्षर किए?

A. तमिलनाडु
B. कर्नाटक
C. तेलंगाना
D. महाराष्ट्र

124.किस विश्वविद्यालय ने AI सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने के लिए तेलंगाना के साथ साझेदारी की?

A. मेलबर्न विश्वविद्यालय
B. डेकिन विश्वविद्यालय
C. सिडनी विश्वविद्यालय
D. मोनाश विश्वविद्यालय

125.उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कौन सा पोर्टल लॉन्च किया?

A. मेरी योजना
B. डिजिटल उत्तराखंड
C. जन सेवा
D. सरकारी योजना

126.DoT ने किन मैसेजिंग ऐप्स को SIM बाइंडिंग लागू करने का निर्देश दिया?

A. WhatsApp, Telegram, Signal
B. Facebook, Instagram, Twitter
C. Snapchat, ShareChat, JioChat
D. A और C दोनों

127.वैश्विक रियल-टाइम भुगतान लेनदेन में UPI का कितना प्रतिशत हिस्सा है?

A. 40%
B. 49%
C. 55%
D. 60%

128.भारत का पहला ऑल-इलेक्ट्रिक टग कहाँ बनाया जा रहा है?

A. कांडला, गुजरात
B. कोच्चि, केरल
C. मुंबई, महाराष्ट्र
D. चेन्नई, तमिलनाडु

129.किस बंदरगाह शहर ने तीसरे ग्लोबल IALA काउंसिल सत्र की मेज़बानी की?

A. चेन्नई
B. मुंबई
C. कोच्चि
D. विशाखापत्तनम

130.किस देश ने फार्माकोपिया सहयोग के लिए भारत के साथ एक MoU पर हस्ताक्षर किए?

A. नाइजीरिया
B. लाइबेरिया
C. घाना
D. केन्या

131.केनरा बैंक द्वारा कौन सा UPI-आधारित डिजिटल पेमेंट ऐप लॉन्च किया गया?

A. केनरा UPI
B. केनरा ai1Pe
C. केनरा पे
D. केनरा डिजिटल

132.जल शक्ति हैकाथॉन-2025 किसने लॉन्च किया?

A. गजेंद्र सिंह शेखावत
B. सी.आर. पाटिल
C. नितिन गडकरी
D. उमा भारती

133.जल शक्ति हैकाथॉन के विजेताओं के लिए अनुदान कितना है?

A. ₹50,000
B. ₹1 लाख
C. ₹5 लाख
D. ₹10 लाख

NOT FOR SALE

134.किस कार्यक्रम में कवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती मनाई गई?

A. भारतीय भाषा उत्सव 2025
B. राष्ट्रीय कविता महोत्सव
C. कवि सम्मेलन
D. साहित्यिक उत्सव

135.नीति आयोग के सर्कुलर इकोनॉमी एक्सेलेरेशन प्रोग्राम के तहत कितने स्टार्टअप को सपोर्ट किया जाएगा?

A. 30
B. 40
C. 50
D. 60

136.भारत में गूगल फॉर स्टार्टअप्स हब कहाँ लॉन्च किया गया?

A. बेंगलुरु
B. हैदराबाद
C. पुणे
D. गुरुग्राम

137.किस विश्वविद्यालय ने कौशल विकास के लिए अमेज़न के साथ MoU पर हस्ताक्षर किए?

A. IIT दिल्ली
B. गति शक्ति विश्वविद्यालय
C. दिल्ली विश्वविद्यालय
D. JNU

138.हस्तशिल्प कारीगरों को सशक्त बनाने के लिए राष्ट्रव्यापी कौन सा कार्यक्रम शुरू किया गया?

A. कारीगर सम्मान
B. चौपाल कार्यक्रम
C. शिल्प गुरु
D. हस्तकला सेतु

139.इनमें से किसने लकड़ी शिल्प के लिए शिल्प गुरु पुरस्कार 2024 जीता?

A. सुभाष अरोड़ा
B. कमलेश शर्मा
C. तारित पॉल
D. शोभारानी पोद्दार

140.लाइटहाउस टूरिज्म के लिए कौन सा पोर्टल लॉन्च किया गया था?

A. डिजिटल टिकटिंग पोर्टल
B. लाइटहाउस इंडिया
C. सागर दर्शन
D. मैरीटाइम टूरिज्म हब

141.स्मार्ट ब्लू हार्बर्स पहल को किस योजना के तहत सपोर्ट किया जाता है?

A. ब्लू रिवोल्यूशन
B. प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना
C. सागरमाला
D. राष्ट्रीय मत्स्य नीति

142.गैलेक्सी 'अलकनंदा' की खोज के लिए किस टेलीस्कोप के डेटा का इस्तेमाल किया गया था?

A. हबल
B. चंद्र
C. जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप
D. एस्ट्रोसैट

143.किस भारतीय कंपनी ने अदानी एयरपोर्ट्स पर 3D सबसर्फेस मैपिंग के लिए कॉन्ट्रैक्ट हासिल किया?

A. जेनेसिस इंटरनेशनल
B. ESRI इंडिया
C. MapmyIndia
D. लेप्टन सॉफ्टवेयर

144.किस टेलीकॉम पार्टनर ने गूगल के साथ भारत में RCS मैसेजिंग लॉन्च की?

A. रिलायंस जियो
B. भारती एयरटेल
C. वोडाफोन आइडिया
D. BSNL

145.किस अथॉरिटी ने सरकारी पेंशन योजनाओं के लिए नए निवेश नियम जारी किए?

A. SEBI
B. PFRDA
C. IRDAI
D. RBI

146.किस कंपनी ने IRDAI से कॉर्पोरेट एजेंसी लाइसेंस हासिल किया?

A. पॉलिसीबाजार
B. सहज इंश्योरेंस
C. कवरफॉक्स
D. डिजिट इंश्योरेंस

147.CITES CoP20 कहाँ आयोजित हुआ था?

A. जिनेवा
B. समरकंद
C. नैरोबी
D. बैंकॉक

148.WIR 2026 के अनुसार भारत में महिलाएं श्रम आय का कितना प्रतिशत कमाती हैं?

A. 15%
B. 18%
C. 25%
D. 30%

149.2029 तक भारत-इटली द्विपक्षीय व्यापार का लक्ष्य क्या है?

A. 15 बिलियन यूरो
B. 20 बिलियन यूरो
C. 25 बिलियन यूरो
D. 30 बिलियन यूरो

150.पेटीएम ने किन देशों में पूरी तरह से स्वामित्व वाली सहायक कंपनियाँ स्थापित करने की योजना बनाई?

A. सिंगापुर और UAE
B. इंडोनेशिया और लक्ज़मबर्ग
C. UK और USA
D. ऑस्ट्रेलिया और जापान

151.भारत और स्वीडन द्वारा कितने ग्रीन टेक प्रोजेक्ट लॉन्च किए गए?

A. 5
B. 6
C. 7
D. 8

152.किस शहर के मेट्रो विस्तार को ADB से USD 240 मिलियन का लोन मिला?

A. दिल्ली
B. मुंबई
C. चेन्नई
D. बेंगलुरु

153.किस राज्य को स्वास्थ्य सेवा के लिए ADB से USD 108 मिलियन का लोन मिला?

A. असम
B. मिजोरम
C. मणिपुर
D. नागालैंड

154.किन कंपनियों ने 2,000 मेगावाट तक की क्षमता वाली ग्रीन एनर्जी कंपनी स्थापित करने के लिए JV पर हस्ताक्षर किए?

A. NIRL और PTC इंडिया
B. NTPC और SECI
C. अडानी ग्रीन और टाटा पावर
D. Re-New और Azure Power

155.VP सी.पी. राधाकृष्णन द्वारा किसे एक स्मारक डाक टिकट से सम्मानित किया गया?

A. सम्राट अशोक
B. सम्राट पेरुम्बिदुगु मुथारायर II
C. राजा राजा चोल
D. कृष्णदेवराय

NOT FOR SALE

156.किस संस्था ने म्यूचुअल फंड तक पहुंच बढ़ाने के लिए BSE के साथ MoU पर हस्ताक्षर किए?

A. इंडिया पोस्ट
B. RBI
C. SEBI
D. NABARD

157.भारत की पहली मानव-युक्त गहरे समुद्र में जाने वाली पनडुब्बी का नाम क्या है?

A. मत्स्य 6000
B. समुद्रयान
C. डीप ओशन मिशन
D. सागरमित्र

158.किस भारतीय शहर ने 11वें भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव की मेजबानी की?

A. पंचकूला
B. चंडीगढ़
C. दिल्ली
D. पुणे

159."आपका पैसा, आपका अधिकार" अभियान का फोकस क्या है?

A. टैक्स जागरूकता
B. लावारिस संपत्तियों का निपटान
C. डिजिटल भुगतान
D. बीमा पैठ

160.कौन सा भारतीय शहर 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करेगा?

A. दिल्ली
B. मुंबई
C. अहमदाबाद
D. बेंगलुरु

161.यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा के लिए अंतर-सरकारी समिति का 20वां सत्र कहाँ आयोजित किया गया था?

A. मुंबई
B. कोलकाता
C. नई दिल्ली
D. चेन्नई

162.भारत के पहले स्वदेशी 64-बिट डुअल-कोर माइक्रोप्रोसेसर का नाम क्या है?

A. आकाश
B. DHRUV64
C. भारत चिप
D. शक्ति

163.ज्ञान भरतम मिशन के तहत कौन सा विश्वविद्यालय भारत का पहला योग-आयुर्वेद क्लस्टर केंद्र बना?

A. पतंजलि विश्वविद्यालय
B. बनारस हिंदू विश्वविद्यालय
C. SVYASA
D. आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जामनगर

164.भारतीय सेना ने स्वदेशी ड्रोन क्षमताओं को बढ़ावा देने के लिए किस कंपनी के साथ MoU पर हस्ताक्षर किए?

A. DRDO
B. रघु वंशी पार ईस्ट ऑटोमेशन
C. टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स
D. HAL

165.माइक्रोसॉफ्ट के CEO सत्या नडेला ने चार साल में भारत में कितने निवेश की घोषणा की?

A. USD 10 बिलियन
B. USD 15 बिलियन
C. USD 17.5 बिलियन
D. USD 20 बिलियन

166.MoSPI के अनुसार नवंबर 2025 में भारत में बेरोजगारी दर कितनी थी?

A. 4.2%
B. 4.7%
C. 5.1%
D. 5.5%

167.किस देश ने कृषि सहयोग के लिए भारत के ICAR के साथ कार्य योजना 2025-2027 पर हस्ताक्षर किए?

A. ब्राजील
B. अर्जेंटीना
C. USA
D. इज़राइल

168.किस AI टूल ने भारत के पहले AI डायबिटिक रेटिनोपैथी स्क्रीनिंग कार्यक्रम को पावर दी?

A. आईस्कैन AI
B. रेटिनाAI
C. मधुनेत्रAI
D. डायबिटिक आई AI

169.भारत की पहली वन्यजीव-सुरक्षित सड़क किस राष्ट्रीय राजमार्ग पर शुरू की गई थी?

A. NH-44
B. NH-45
C. NH-48
D. NH-52

170.राष्ट्रपति मुर्मू द्वारा परमवीर चक्र विजेताओं को सम्मानित करने के लिए उद्घाटन की गई गैलरी का नाम क्या है?

A. वीर गाथा
B. परम वीर दीर्घा
C. शौर्य स्थल
D. अमर जवान

171.IAF ने दिसंबर 2025 में रूस के साथ कौन सा द्विपक्षीय हवाई अभ्यास किया?

A. इंद्र
B. एवियांद्रा
C. गरुड़
D. वज्र प्रहार

172.IRDAI-विनियमित संस्थाओं द्वारा सर्विस कॉल के लिए TRAI द्वारा किस सीरीज़ के फ़ोन नंबर अनिवार्य किए गए थे?

A. 1400-सीरीज़
B. 1500-सीरीज़
C. 1600-सीरीज़
D. 1700-सीरीज़

173.किस जापानी सेमीकंडक्टर कंपनी ने भारत में मैन्युफैक्चरिंग के लिए टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के साथ साझेदारी की?

A. सोनी
B. ROHM
C. तोशिबा
D. रेनेसास

174.अंतर्राष्ट्रीय विनिमय कार्यक्रम के तहत बन्नेरघट्टा चिड़ियाघर को किस प्राइमेट प्रजाति को प्राप्त हुआ?

A. ओरंगुटान
B. ब्लैक-कैप्ड कैपुचिन बंदर
C. चिंपैंजी
D. गोरिल्ला

175.किस देश ने आधिकारिक यात्रा के लिए भारत के साथ वीज़ा छूट समझौते पर हस्ताक्षर किए?

A. UAE
B. सऊदी अरब
C. कतर
D. ओमान

176.तीन राज्यों में PM MITRA टेक्सटाइल पार्क के लिए कुल स्वीकृत लागत कितनी है?

A. Rs. 4,200 करोड़
B. 5,567 करोड़ रुपये
C. 6,300 करोड़ रुपये
D. 7,450 करोड़ रुपये

NOT FOR SALE

177.कौन सा राज्य भारत का पहला मल्टी-नेशनल पार्क टाइगर कॉरिडोर विकसित करेगा?

A. महाराष्ट्र B. मध्य प्रदेश
C. कर्नाटक D. राजस्थान

178.किस कंपनी ने रेल मंत्रालय से 273 करोड़ रुपये का RBMV कॉन्ट्रैक्ट हासिल किया?

A. BHEL B. टीटागढ़ रेल सिस्टम्स
C. टेक्समैको D. सीमेंस

179.दूसरे WHO ग्लोबल समिट ऑन ट्रेडिशनल मेडिसिन का थीम क्या था?

A. हीलिंग ट्रेडिशन्स
B. संतुलन बहाल करना: स्वास्थ्य और कल्याण का विज्ञान और अभ्यास
C. सभी के लिए इंटीग्रेटिव मेडिसिन
D. परंपरा के माध्यम से वैश्विक स्वास्थ्य

180.WHO समिट के दौरान किस औषधीय पौधे का स्मारक डाक टिकट जारी किया गया था?

A. तुलसी B. अश्वगंधा
C. नीम D. गिलोय

181.हुरुन इंडिया सेल्फ-मेड एंटरप्रेन्योर्स ऑफ़ द मिलेनिया 2025 सूची में कौन शीर्ष पर रहा?

A. राधाकिशन दमानी B. दीपेंद्र गोयल
C. राहुल भाटिया D. अभय सोई

182.पश्चिम बंगाल में PM मोदी ने 3,200 करोड़ रुपये की कौन सी NH परियोजनाओं का उद्घाटन किया?

A. कोलकाता-सिलीगुड़ी कनेक्टिविटी परियोजनाएं
B. कोलकाता-दीघा परियोजनाएं
C. कोलकाता-आसनसोल परियोजनाएं
D. कोलकाता-हल्दिया परियोजनाएं

183.PM मोदी द्वारा उद्घाटन किया गया कौन सा हवाई अड्डा टर्मिनल भारत का पहला प्रकृति-थीम वाला हवाई अड्डा है?

A. लोकप्रिया गोपीनाथ बोरदोलोई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, गुवाहाटी
B. कुशीनगर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा
C. सिंधुदुर्ग हवाई अड्डा
D. डोनी पोलो हवाई अड्डा, ईटानगर

184.कौन सा बिल भारत के नागरिक परमाणु क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलता है?

A. परमाणु ऊर्जा संशोधन विधेयक B. SHANTI विधेयक
C. परमाणु ऊर्जा विधेयक D. ऊर्जा सुरक्षा विधेयक

185.SHANTI अधिनियम के तहत परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में कितनी FDI सीमा की अनुमति है?

A. 49% B. 51%
C. 74% D. 100%

186.VB-G RAM विधेयक 2025 किस अधिनियम की जगह लेता है?

A. MGNREGA B. NREGA
C. खाद्य सुरक्षा अधिनियम D. PM-KISAN

187.VB-G RAM के तहत प्रति ग्रामीण परिवार को कितने दिनों के वेतन रोजगार की गारंटी दी जाती है?

A. 100 दिन B. 125 दिन
C. 150 दिन D. 200 दिन

188.केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया ने पुडुचेरी में किस आंदोलन की पहली वर्षगांठ मनाई?

A. फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल B. स्वच्छ भारत वॉक
C. योग दिवस D. रन फॉर यूनिटी

189.स्वच्छ सर्वेक्षण के टूलकिट का कौन सा संस्करण भोपाल में जारी किया गया?

A. 8वां B. 9वां
C. 10वां D. 11वां

190.बंदरगाह और पोत सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए कौन सा नया वैधानिक निकाय स्थापित किया जा रहा है?

A. मैरीटाइम सिक्योरिटी एजेंसी B. ब्यूरो ऑफ पोर्ट सिक्योरिटी
C. पोर्ट सेफ्टी अथॉरिटी D. कोस्टल गार्ड ब्यूरो

191.भारत ने पेट्रोल में 20% इथेनॉल मिश्रण कब हासिल किया?

A. अक्टूबर 2025 B. नवंबर 2025
C. दिसंबर 2025 D. जनवरी 2026

192.नीति आयोग की कौन सी रिपोर्ट उच्च शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण पर केंद्रित है?

A. ग्लोबल एजुकेशन हब 2047
B. भारत में उच्च शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण
C. स्टडी इन इंडिया 2047
D. वैश्विक नेतृत्व के लिए शिक्षा

193.किस देश ने समुद्री विरासत सहयोग के लिए भारत के साथ एक MoU पर हस्ताक्षर किए?

A. नीदरलैंड B. पुर्तगाल
C. यूके D. ग्रीस

194.ब्लूमबर्ग की दुनिया के सबसे अमीर परिवारों 2025 में किस परिवार को 8वीं रैंक मिली?

A. अंबानी परिवार B. मित्तल परिवार
C. बिड़ला परिवार D. टाटा परिवार

195.इंडिया ऑप्टेल लिमिटेड ने रक्षा प्रणालियों के लिए किस फ्रांसीसी कंपनी के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए?

A. थेल्स
B. डसॉल्ट एविएशन
C. सफ्रान इलेक्ट्रॉनिक्स एंड डिफेंस
D. एयरबस

NOT FOR SALE

196.भारत और रूस के बीच कौन सा सैन्य समझौता दिसंबर 2025 में औपचारिक रूप दिया गया?

A. RELOS
B. BECA
C. COMCASA
D. LEMOA

197.आंध्र प्रदेश के किस पारंपरिक कपड़े को GI टैग मिला?

A. कांजीवरम सिल्क
B. पोंडुरु खादी
C. पोचमपल्ली इकत
D. वेंकटगिरी साड़ी

198.किन संस्थानों ने शिक्षा और रिसर्च में सहयोग के लिए MoU पर साइन किए?

A. IDRBT और IIIT-हैदराबाद
B. IIT बॉम्बे और RBI
C. नीति आयोग और IIM अहमदाबाद
D. UGC और AICTE

199.भारत में CRISPR जीन-एडिटिंग के लिए कौन सी PPP पहल की घोषणा की गई?

A. CoE-CIT
B. जीनोम इंडिया प्रोजेक्ट
C. CRISPR-भारत
D. जीनएडिट एलायंस

200.किस यूनिवर्सिटी ने AI-आधारित समाधानों के लिए भारतीय सेना के साथ MoU पर साइन किए?

A. IIT दिल्ली
B. नेताजी सुभाष यूनिवर्सिटी ऑफ़ टेक्नोलॉजी (NSUT)
C. IIIT हैदराबाद
D. JNU

ANSWER KEY

1. B	2. C	3. A	4. C	5. C	6. B	7. C	8. C	9. C	10. C
11. B	12. A	13. D	14. C	15. C	16. A	17. C	18. A	19. B	20. C
21. A	22. C	23. D	24. B	25. C	26. B	27. C	28. C	29. D	30. B
31. B	32. C	33. D	34. C	35. C	36. B	37. D	38. C	39. C	40. B
41. B	42. C	43. A	44. B	45. C	46. C	47. B	48. C	49. C	50. B
51. C	52. B	53. B	54. C	55. A	56. B	57. B	58. A	59. B	60. C
61. C	62. B	63. C	64. C	65. C	66. B	67. C	68. D	69. C	70. C
71. C	72. C	73. C	74. C	75. C	76. B	77. A	78. B	79. B	80. C
81. C	82. B	83. B	84. B	85. B	86. B	87. A	88. C	89. C	90. B
91. B	92. B	93. B	94. C	95. B	96. B	97. B	98. A	99. B	100. B
101. C	102. C	103. D	104. B	105. C	106. B	107. B	108. B	109. C	110. B
111. A	112. B	113. B	114. B	115. B	116. C	117. A	118. B	119. C	120. B
121. B	122. B	123. B	124. B	125. A	126. D	127. B	128. A	129. B	130. B
131. B	132. B	133. B	134. A	135. C	136. B	137. B	138. B	139. B	140. A
141. B	142. C	143. A	144. B	145. B	146. B	147. B	148. B	149. B	150. B
151. C	152. C	153. B	154. A	155. B	156. D	157. A	158. A	159. B	160. C
161. C	162. B	163. A	164. B	165. C	166. B	167. B	168. C	169. B	170. B
171. B	172. C	173. B	174. B	175. B	176. B	177. B	178. B	179. B	180. B
181. B	182. A	183. A	184. B	185. A	186. A	187. B	188. A	189. C	190. B
191. B	192. B	193. A	194. A	195. C	196. A	197. B	198. A	199. A	200. B

NOT FOR SALE